आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष 15, वर्ष 12, अंक 128, पृष्ठ 16, मूल्य: 5.00

वाराणसी, रविवार, 18 जून, 2023

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर एवं प्रयागराज से प्रकाशित

डाक/नगर संस्करण

E-paper : www.jansandeshtimes.net | Portal : www.jansandeshtimes.news

बलिया में 'हीट स्ट्रोक' का कहर

जिला अस्पताल के रिकॉर्ड के अनुसार 72 घंटे में 74 लोगों की मौत

बलिया। आसमान से आग उगलती धूप का प्रकोप इतना विकराल हो गया है कि अब लोगों की जान मुश्किल में है। प्रचंड गर्मी और लू के बीच बलिया जिला अस्पताल से आने वाले आंकड़े डराने वाले हैं। आकंड़ों के मुताबिक, बीते तीन दिन में ही हीट स्ट्रोक से 74 लोगों की मौत हुई है। इन मौतों ने लोगों को सकते में डाल दिया है।

पिछले दो दिन को ही लें तो पारा 43-44 डिग्री सेल्सियस के छूता हुआ चल रहा है जबकि फील 48 डिग्री तक है। समझा जा सकता है कि क्या हालत हो रही है। डायरिया और लू के मरीजों से सरकारी व निजी अस्पताल के बेड फुल हो गए हैं। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में आने वाले अधिकतर मरीजों ने दम तोड़ा है। शुक्रवार सुबह से देर रात तक 25 मरीजों की मौत हुई। इस हफ्ते सबसे ज्यादा मौत (31)

हड़कंप

प्रचंड गर्मी और लू के बीच मचा कोहराम

कोरोना काल में भी एक दिन में नहीं हुई थीं इतनी मौतें

गुरुवार को हुई। जिला अस्पताल की इमरजेंसी और वार्डों में भर्ती मरीजों की मौत की संख्या बढ़ी तो निःशुल्क शव वाहन तक नहीं सुलभ नहीं हो सके। लोगों को निजी वाहनों से शव लेकर जाना पड़ा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, एक सप्ताह में 101 लोगों की जान गई है। कर्मचारियों के अनुसार, कोरोना संक्रमण के दौरान भी एक दिन में इतनी मौतें नहीं हुई थीं। गंगा घाटों पर पूरी रात चिता की आग जलती रह रही है। 50 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग

सबसे ज्यादा मौत की चपेट में आ रहे हैं। अचानक मौत के आंकड़ों में इजाफा होने से अस्पताल प्रशासन में खलबली मची है। आनन-फानन में इमरजेंसी कक्ष, इमरजेंसी वार्ड सहित अन्य वार्डों में कूलर और एसी लगवाए गए हैं। इसके बाद मरीजों को कुछ राहत मिल रही है। चिकित्सक लोगों को हीट स्ट्रोक से बचाव के उपाय बता रहे हैं। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. दिवाकर सिंह ने कहा कि भीषण गर्मी के कारण अचानक डायरिया, हीट स्ट्रोक, तेज बुखार, सांस की समस्या वाले मरीजों की संख्या बढ़ गई। समय से चिकित्सक सुविधा न मिलने के कारण मरीज हालत खराब लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं। स्वास्थ्य सिस्टम एक बार फिर आजमाइश की घड़ी में नाकाम दिख रहा है। तपिश तो कई दिन से है, लेकिन विभाग की तैयारी फिर निराशाजनक रही। फिजिशियन डा. पंकज झा ने बताया कि गर्मी को देखते हुए ज्यादा से ज्यादा पानी का सेवन करते रहें। पानी वाले फलों का सेवन करें। खाली पेट रहना खतरनाक हो सकता है। जरूरी हो तभी घर से निकले। थोड़ी सी भी परेशानी होने पर तत्काल विशेषज्ञ चिकित्सक से सलाह लें। झोलाछाप जान भी ले सकते हैं। बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें।

जिला अस्पताल के सीएमएस पर गिरी गाज

भीषण गर्मी और लू के कहर के बीच बलिया के जिला अस्पताल में मौतों का सिलसिला जारी है। पिछले 24 में हीट स्ट्रोक से 31 लोगों की मौत हुई है। मृतकों में 50 वर्ष से अधिक उम्र वालों की संख्या ज्यादा है। मामले को शासन ने गंभीरता से लिया है। शनिवार को जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. दिवाकर सिंह को हटा दिया गया। लखनऊ की एक टीम बलिया के लिए रवाना हो गई है। मौसम की मार से पूरे जिले में कोहराम मचा है। प्रचंड गर्मी और लू के बीच बलिया जिला अस्पताल के आंकड़े भयावह हैं। आकंड़ों के मुताबिक, बीते सात दिन में ही हीट स्ट्रोक से 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। इन मौतों ने लोगों को हिलाकर रख दिया है। बलिया जिले में पिछले तीन-चार दिन से 43-44 डिग्री सेल्सियस के ऊपर तापमान चल रहा है।

बृजभूषण के कार्यक्रम में जमकर बवाल

गोंडा। गोंडा में बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के कार्यक्रम में जमकर बवाल हुआ है। सेल्फी लेने के चक्कर में दो प्रधान समर्थकों में मारपीट हो गई। दोनों तरफ के पथराव के साथ ही कुर्सियां एक-दूसरे पर फेंकी गईं। बृजभूषण शरण सिंह के काफिले पर भी पथराव किया गया। बवाल बढ़ता देख सुरक्षा कर्मियों ने सांसद को वहां से बचाकर बाहर निकाला। सांसद बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यक्रम में शामिल होने कटरा बाजार विधानसभा के बरबट में पहुंचे थे। ये बवाल कार्यक्रम खत्म होने के बाद हुआ है।

वहीं सांसद बृजभूषण सिंह ने कहा, बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज बीजेपी से जुड़ने जा रहा है। इस समय देश के अंदर मोदी लहर चल रही है। विपक्ष हमेशा एकजुट होता है, लेकिन देश की जनता हमेशा पीएम मोदी के साथ है। आज यहां किसी पर महंगाई का कोई असर नहीं दिख रहा है। पीएम मोदी का रथ कोई नहीं रोक सकता, क्योंकि उनका रथ जनता चला रही है। उनका रथ हिंदू-मुस्लिम अमीर गरीब सब मिलकर चला रहे हैं।

समर्थक भिड़े

गोंडा में भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के कार्यक्रम में चलीं कुर्सियां

सेल्फी के विवाद में दो प्रधान समर्थकों में मारपीट, सांसद के काफिले पर भी पथराव

बिहार में एक और इस्तीफा

पटना। बिहार कैबिनेट के नाम पर महागठबंधन के अंदर हंगामा मचा हुआ है। जनता दल यूनाईटेड के कोटे से हिन्दुस्तानी आवामी मोर्चा के इकलौते मंत्री के इस्तीफा हुआ। फिर जदयू ने आननफानन में अपनी ओर से उसी जाति के अपने एक विधायक को मंत्री बना दिया। कांग्रेस-राजद के मंत्री नहीं बनाए गए। दोनों के अंदर गतिरोध है। कांग्रेस में यह गतिरोध यह उभरता ही जा रहा है।

अब एनएसयूआई से कांग्रेस तक लगभग 25 साल गुजारने वाले पार्टी प्रवक्ता कुंतल कृष्ण ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने साफ कहा कि सरकार बनाने के लिए साथ लेकर हाशिये पर डालने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नेतृत्व कांग्रेस को कतई स्वीकार नहीं करनी चाहिए। आलाकमान तक यही संदेश पहुंचाने के लिए वह इस्तीफे के रूप में कुबार्नी दे रहे हैं। इस्तीफा देने के बाद कुंतल कृष्ण ने नीतीश सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जनता का जो विश्वास कांग्रेस पर उसे नीतीश कुमार हाशिए पर डाल रहे हैं। आम जनता में बिहार सरकार के खिलाफ काफी नाराजगी है। इस बात को लेकर कांग्रेस ने सरकार को बार-बार चेताया है लेकिन सरकार के कान पर जू नहीं रेंग रहा है। जब जनता की नाराजगी कांग्रेस झेलेगी ना। तो आपकी नाराजगी कांग्रेस क्यों झेले। आपसे बिहार नहीं चल रहा और आप राष्ट्र चलाने की बात कर रहे हैं। पूरे देश में आप अपने लीडरशिप के लिए प्रचार कर रहे हैं। आपके पास एमपी तक नहीं है, आप पीएम बनने की बात कह रहे हैं।

चला पैंतरा

बिहार में विपक्षी दलों की बैठक से पहले कांग्रेस नेता ने छोड़ी पार्टी, नीतीश से भी नाराज

टेढ़ी पटरियों से गुजरी नीलांचल, हादसा टला जांच के आदेश

लखनऊ। लखनऊ के निगोहां में बड़ा रेल हादसा होते-होते बच गया। नीलांचल एक्सप्रेस एक टेढ़ी पटरी से होकर गुजर गई। मामले में जांच के आदेश दिए गए हैं। राजधानी लखनऊ के निगोहां में शनिवार को नीलांचल एक्सप्रेस टेढ़ी पटरियों से होकर गुजर गई। मामले की जानकारी से हड़कंप मच गया। डीआरएम ने जांच के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, एक्सप्रेस ट्रेन जिन पटरियों से होकर गुजरी वो टेढ़ी थी। हादसा हो सकता था। लापरवाही पर डीआरएम ने जांच के आदेश दिए हैं।

यूपी में होगा ब्रह्मोस-ड्रोन का निर्माण

लखनऊ। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के डिफेंस कॉरिडोर में न केवल नट-बोल्ट बल्कि ब्रह्मोस मिसाइल और ड्रोन जैसे उत्पादों का भी निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा, यूपी डिफेंस कॉरिडोर में न केवल नट और बोल्ट या स्पेयर पार्ट्स का निर्माण किया जाएगा, (बल्कि) ड्रोन, यूएवी, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (सिस्टम), विमान और ब्रह्मोस मिसाइलों का भी निर्माण और संयोजन किया जाएगा। राजनाथ शनिवार को लखनऊ में आयोजित आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) का निर्माण भारत की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसका उद्देश्य भारतीय एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्रों में होने वाले विदेशी आयात पर निर्भरता को कम करना है। हाल ही में, भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा था कि इन मिसाइलों को भारत की मारक क्षमता में शामिल कर लिया गया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि तमिलनाडु की तरह उत्तर प्रदेश में भी रक्षा क्षेत्र में होने वाले निमार्णों के लिए एक सक्रिय माहौल बनाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा, मुझे बताया गया है कि यूपी डिफेंस कॉरिडोर के लिए करीब 1700 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहित करने की योजना है। इसमें से 95 प्रतिशत से अधिक भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। रक्षा मंत्री के अनुसार, विभिन्न संस्थाओं द्वारा यूपीडीआईसी में लगभग 2,500 करोड़ रुपये का निवेश पहले ही किया जा चुका है। यूपीडीआईसी ने 2018 में अलीगढ़ में आयोजित एक बैठक में रक्षा उत्पादन में 3,700 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की घोषणा के साथ एक उत्साहजनक शुरूआत की है।

राजनाथ का बड़ा ऐलान

लखनऊ में आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम में बोले रक्षामंत्री-विदेशी आयात पर घटेगी निर्भरता

यूपी डिफेंस कॉरिडोर के लिए 1700 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहित करने की योजना पर काम जारी

हमारा अनुरोध अस्वीकार किया गया

राजनाथ सिंह ने कहा, 1971 के युद्ध के दौरान जब हमें उपकरणों की सबसे ज्यादा जरूरत थी तो हमें मना कर दिया गया। हमें विकल्प तलाशने थे। मैं उन देशों का नाम नहीं लेना चाहता, जिन्होंने हमारे अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। इसी तरह जब हमारे सशस्त्र बलों को साजो-सामान की सख्त जरूरत महसूस हुई तो वे देश हमें शांति का पाठ पढ़ा रहे थे। जो परंपरागत रूप से हमें हथियार सप्लाई करते थे, उन्होंने भी मना कर दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया में आत्मनिर्भरता हमारे लिए एक आवश्यकता है।

तेल तेरे बाप का लंका लगा देंगे...

नई दिल्ली। प्रभास और कृति सेनन स्टारर फिल्म आदिपुरुष अब डायलॉग्स को लेकर विवाद में है। फिल्म को बैन करने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। इसे हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने लगाया है। इसमें फिल्म के कई सीन, डायलॉग्स और किरदारों को हटाने की मांग की गई है। विष्णु गुप्ता ने याचिका में कहा, 'फिल्म में हमारे आराध्य देवताओं का गलत तरीके से चित्रण किया गया है, जो कि आपत्तिजनक है। इसलिए ऐसी फिल्म की स्क्रीनिंग पर रोक लगनी चाहिए।' फिल्म 16 जून को रिलीज हुई है। फिल्म के डायलॉग्स को लेकर फिल्म के राइटर और डायरेक्टर ट्रोल हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर फिल्म का बायकॉट ट्रेंड हो रहा है। लोगों का कहना है कि फिल्म में रामायण को मॉडर्न तरीके से दिखाया गया है, जो इस पौराणिक कथा की मर्यादा को तार-तार कर रहा है। कपड़ा तेरे बाप का! तेल तेरे बाप का! जलेगी भी तेरे बाप की।

विवाद

फिल्म आदिपुरुष के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में अपील

डायलॉग्स पर भड़की पब्लिक लोगों ने बैन की मांग की

अब तेलंगाना में बुर्का विवाद

तेलंगाना। हैदराबाद के एक कॉलेज में बुर्का पहनी हुई छात्राओं को एग्जामिनेशन हॉल में एंट्री नहीं दी गई। छात्राओं ने बताया कि वे केवी रंगा रेड्डी डिग्री कॉलेज में उर्दू मीडियम का एग्जाम देने गई थीं, लेकिन बुर्का पहनने की वजह से उन्हें अंदर नहीं जाने दिया गया। छात्राओं का आरोप है कि कॉलेज स्टाफ ने उन्हें कहा कि दूसरे कॉलेज में बुर्का पहनने की इजाजत हो सकती है, पर इस कॉलेज में नहीं है। छात्राओं ने कहा कि उन्हें एग्जाम देने के लिए आधे घंटे तक इंतजार करना पड़ा। बुर्का हटाने के बाद ही उन्हें एंट्री मिली।

जिन छात्राओं को बुर्का हटाना पड़ा, उनके पेरेंट्स ने कहा कि हमारे बच्चों को बुर्के की वजह से टारगेट किया गया। एक शख्स ने कहा कि कॉलेज मैनेजमेंट ने पेरेंट्स की रिक्वेस्ट भी नहीं सुनी, बल्कि बेहद बदतमीज स्टाफ को एंट्री गेट पर तैनात कर दिया। इसके बाद पेरेंट्स ने जाकर राज्य के गृहमंत्री से शिकायत की।

कॉलेज में प्रवेश नहीं

हैदराबाद के कॉलेज में बुर्का पहनी छात्राओं को नहीं मिली एंट्री

स्टूडेंट्स का दावा-बुर्का हटाने के बाद ही परीक्षा देने दिया गया

औरतों को ज्यादा कपड़े पहनने चाहिए: गृहमंत्री

इस घटना को लेकर तेलंगाना के गृहमंत्री मोहम्मद महमूद ने कहा कि किसी हेड मास्टर या प्रिंसिपल ने ऐसा किया होगा, लेकिन हमारी पॉलिसी सेक्युलर है। लोग जो चाहें वो पहन सकते हैं, लेकिन अगर आप यूरोपीय परिधान पहनेंगे तो यह सही नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हमें अच्छे कपड़े पहनने चाहिए। औरतें खासतौर से, कम कपड़े पहनने से परेशानी होती है। ज्यादा कपड़े पहनने से लोगों को सुकून रहता है। ये कहीं भी नहीं लिखा कि बुर्का नहीं पहना जा सकता है। हम इस घटना पर एक्शन लेंगे।

माफिया पर फिर गरजा बुलडोजर

गोरखपुर। गोरखपुर पुलिस माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में जुटी है। शनिवार को फरार चल रहे गोरखपुर के टॉप माफिया विनोद उपाध्याय के अवैध कब्जे को ढहा दिया गया है। जीडीए ने करीब सात हजार वर्ग फीट की बेशकीमती जमीन मुक्त करा ली है। बता दें कि विनोद उपाध्याय के ऊपर 50 हजार रुपये का इनाम रखा गया है। शनिवार को गुलरिहा थाना क्षेत्र के सलेगपुर मोगलहा में माफिया विनोद ने जमीन पर कब्जा कर रखा था। इस जमीन पर उसने निर्माण भी करा रखा था। शनिवार को जीडीए ने कड़ी सुरक्षा के बीच अवैध निर्माण ढहा दिया। माफिया विनोद पर करीब 36 मुकदमे चल रहे हैं। इन्हीं मामलों को लेकर वह फरार चल रहा है। गोरखनाथ क्षेत्र स्थित धर्मशाला बाजार निवासी विनोद उपाध्याय धर्मशाला बाजार का हिस्ट्रीशीटर है।

कार्रवाई

गोरखपुर में माफिया के मकान पर चला बुलडोजर, 50 हजार के इनामी विनोद उपाध्याय पर ऐक्शन

निवेश और रोजगार हमारी प्राथमिकता : सीएम योगी

लखनऊ। ग्लोबल इनवेस्टर समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू को धरातल पर लाने के लिए नियुक्त 102 उद्यमी मित्रों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नियुक्ति पत्र सौंपे। साथ ही 232 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि की चेकें उद्यमियों को सौंपी। इस अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि ये शुरूआत उत्तर प्रदेश को दस खरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाने में मील का पत्थर साबित होगी। इस अवसर पर एक कॉफी टेबिल बुक का भी विमोचन किया गया। लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश-विदेश के प्रख्यात संस्थानों से पढ़कर निकले 1500 युवाओं ने उद्यमी मित्र के लिए आवेदन किया था। इसमें से 87 पुरुष और 15 महिलाओं को चुना गया। 15 को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। अपनी

क्षमताओं को प्रदेश हित में लगाने का आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप मानदेय की राशि मत देखिए। ये अवसर खुद को साबित करने का है। नया अनुभव, नया प्लेटफार्म और सरकार के साथ काम करने का अवसर है। उद्यमी मित्र की जिम्मेदारी है कि समस्या को संबंधित अधिकारी तक पहुंचाकर उसे दूर कराएं। उन्होंने कहा कि उद्यमी मित्र अगले तीन साल निवेश के मकसद को सफल बनाएंगे। हर माह उनके कार्यो का मूल्यांकन होगा।

सुचारू बिजली व्यवस्था के लिए हर जोन को एक करोड़ आवंटित

सीएम के निर्देश के बाद यूपीपीसीएल ने उठाया कदम, आवश्यक कार्यों के लिए धन की नहीं होगी कमी

लखनऊ। प्रदेश में भयंकर गर्मी और विद्युत की मांग को देखते हुए विद्युत व्यवस्था को सुचारू और बेहतर बनाने के लिए योगी सरकार ने हर जोन को एक-एक करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। धन आवंटित होने से अब आवश्यक कार्यों के लिए धन की कमी नहीं होगी।

सीएम योगी ने शुक्रवार को ही प्रदेश में अघोषित बिजली कटौती पर नाराजगी जताते हुए ऊर्जा मंत्री और यूपीपीसीएल के अध्यक्ष समेत अन्य अधिकारियों को अतिरिक्त बिजली खरीदकर आम जनमानस को उपलब्ध कराने के सख्त निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा था कि भीषण गर्मी के बीच हर गांव-हर शहर तक पर्याप्त बिजली मिलनी चाहिए। जरूरत पड़े तो बिजली खरीद कर आपूर्ति की जाए। सरकार के पास पैसों की कमी नहीं है। सीएम के निर्देश के बाद यूपीपीसीएल ने यह कदम उठाया है।

यूपीपीसीएल के अध्यक्ष एम देवराज ने पूर्वांचल, पश्चिमांचल, मध्यांचल और दक्षिणांचाल विद्युत वितरण निगम को इस संबंध में पत्र भेजकर सूचित किया है। निर्देशों के साथ पत्र में लिखा गया है कि वर्ष 2022-23 के अंतर्गत बिजनेस प्लान के तहत विभिन्न कार्यों के लिए आपके निदेशक मंडल की तरफ से बहुत पहले ही अनुमोदन दिया जा चुका है। इसी क्रम में आगे की कार्यवाही की जा रही है। वर्तमान ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए बिजनेस प्लान के अंतर्गत विभिन्न आवश्यक कार्यों को करने के लिए आपके वितरण निगम के प्रत्येक जोनल मुख्य अभियंता को एक करोड़ रुपये तक व्यय करने की अनुमति इस शर्त के साथ प्रदान की जाती है कि इसका कार्योत्तर अनुमोदन निदेशक मंडल से बिना विलंब प्राप्त कर लिया जाए। कार्य संपादन के क्रम में समस्त नियमों का अनुपालन अवश्य सुनिश्चित किया जाए।

त्वरित व्यवस्था के उपाय

शुक्रवार को सीएम योगी ने जताई थी नाराजगी, बिजली खरीद कर हर गांव-शहर तक पहुंचाने का दिया था निर्देश

निश्चित शेड्यूल के अनुरूप सुनिश्चित हो विद्युत आपूर्ति

इससे पहले, मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे की विद्युत शिड्यूल के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित हो, इसके लिए यूपीपीसीएल अध्यक्ष ने सभी प्रबंध निदेशकों को निर्देशित किया है। यदि कहीं किसी कारण से 18 घंटे की विद्युत आपूर्ति न हो पाए तो उसकी पूर्ति दूसरी पारी में सुनिश्चित की जाए। अध्यक्ष ने लो-वोल्टेज की समस्या के निदान के लिए निर्देश देते हुए कहा है कि ग्रीष्म काल में आद्रता की कमी के कारण उपभोक्ताओं को लो-वोल्टेज की समस्या का सामना करना पड़ता है। जिसके निदान के लिए पारेषण उपकेंद्रों से वोल्टेज बढ़ाएं। उपभोक्ताओं को लो-वोल्टेज को दूर करने के तकनीकी उपाय से अवगत कराया जाए।

हर घंटे होगी सप्लाई की निगरानी

अध्यक्ष ने यह भी निर्देशित किया है कि विद्युत आपूर्ति संबंधी समस्याओं के तत्काल निराकरण के लिए विद्युत वितरण निगम मुख्यालय एवं जनपद स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम के माध्यम से प्रभावी निगरानी व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाए। कंट्रोल रूम के कांटेक्ट नंबर को स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं उपभोक्ताओं के साथ अवश्य साक्षा किया जाए। विद्युत वितरण निगम के स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम की तरफ से प्रत्येक घंटे पर हर जनपद की सप्लाई की सूचना को यूपीपीसीएल के स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम (0522-2288737, 2288738 एवं 0522-2287747) से साझा किया जाए।

नियुक्त किए गए फीडर मैनेजर

प्रत्येक फीडर की आपूर्ति वितरण, हानि, राजस्व फीडर संबंधी समस्त कार्य की मॉनिटरिंग के लिए अवर अभियंता और स्तरीय कार्मिकों को समर्पित रूप से 'फीडर' मैनेजर नियुक्त किया गया है। वर्तमान गर्मी के मौसम और बढ़ती हुई विद्युत मांग को देखते हुए यह आवश्यक है कि फीडर मैनेजरों द्वारा उन्हें सौंपी गई फीडर एवं फीडरों की आपूर्ति में यदि कोई व्यवधान उत्पन्न होता है तो उसे तत्काल ठीक कराया जाए और प्रत्येक दशा में आपूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखा जाए। लोकल फाल्ट आता है तो इसे तत्काल ठीक कराना सुनिश्चित किया जाए। यदि किसी फीडर मैनेजर एवं अवर अभियन्ता द्वारा जिम्मेदारी का ठीक से निर्वहन नहीं किया जाता तो तत्काल उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई किया जाना सुनिश्चित किया जाए।

जांच में दोषी पाये गये अनिरुद्ध, होगा ऐक्शन

बढ़ी मुश्किल

वीडियो कॉल कर 20 लाख की रिश्वत मांगने का था आरोप

वाराणसी। आईपीएस अनिरुद्ध सिंह की मुश्किले बढ़ गयी है, वीडियो कॉल कर बीस लाख की रिश्वत मांगने की जांच सही पाये जाने के बाद अब कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी गयी है।

वाराणसी में स्कूल संचालक से वीडियो कॉल के जरिए 20 लाख रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप आईपीएस अनिरुद्ध सिंह पर लगाया गया था, डीजी के निर्देश पर प्रारंभिक जांच में आरोपी आईपीएस दोषी पाए गए हैं। उनके खिलाफ गृह विभाग ने विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए हैं। विभागीय जांच के लिए जांच अधिकारी की भी नियुक्ति कर दी गई है।

मार्च में अनिरुद्ध सिंह का रिश्वत मांगते हुए वीडियो वायरल कर दिया गया था। प्रमुख सचिव गृह के निर्देश पर डीजीपी मुख्यालय ने मामले की जांच वाराणसी के कमिश्नर के सुपुर्द की थी।

एडीजी स्तर के दो अधिकारियों ने अनिरुद्ध सिंह की जांच की थी लेकिन उन्हें क्लीनचिट दे दी थी। शासन ने जब अलग से जांच कराई तो कई साक्ष्य मिले। उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने के लिए सुबूत पर्याप्त हैं। प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने कहा कि अनिरुद्ध सिंह आरंभिक जांच में दोषी पाए गए हैं। उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की गई है। उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर रहा है।

गुरुजी! तबले को हथौड़ी से क्यों ठोक रहे हैं?

तबले की कार्यशाला में विद्यार्थी ने पूछा सवाल

वाराणसी। राजकीय क्वींस कॉलेज में चल रहे सिडबी स्पिक मैके की ओर से आयोजित कार्यशाला में जब एक छोटे से विद्यार्थी ने पूछ दिया सवाल तो प्रशिक्षण दे रहे तबला वादक पं कुबेर नाथ मिश्र भी आश्चर्यचकित हो गए। उन्होंने सवाल का जवाब देते हुए बताया कि किसी भी कार्यक्रम शुरू होने से पूर्व तबले के स्वर को मिलाने के लिए हथौड़ी से ऊपर नीचे ठोंक कर स्वर मिलान करने से ही तबला सुर लय ताल के साथ बजाया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को कायदा के विभिन्न प्रकार को समझा कर उसका अभ्यास कराया। इसके पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत रघुपति राघव राजा राम पतित पावन सीता राम के धुन से ईश्वर की आराधना के साथ हुईं। उन्होंने बच्चों को बताया कि जिस संगीत के प्रति आपको सीखने की जिज्ञासा रहेगी उसे आप जरूर सीख सकते हैं। परन्तु संगीत सीखने के लिए रोज 3 घंटे रियाज करना अत्यंत आवश्यक है। बिना रियाज शास्त्रीय संगीत को सीखना अत्यंत कठिन है। अनीश मिश्र के सारंगी के धुनों को सुनकर विद्यार्थी रोमांचित हो उठे। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ बृजेश कुमार सिंह, संगीत की शिक्षिका नेहा सिंह, डॉ कन्हैया यादव, दीपिका कमल श्रीवास्तव एवं पवन सिंह उपस्थित थे।

क्लस्टर जूडो स्पर्धा में बंटे पदक

समारोह

यूपी पुलिस की 48वीं वार्षिक जूडो क्लस्टर (महिला/पुरुष) प्रतियोगिता-2023 में पदक अलंकरण

रोहनिया। भुल्लनपुर 34वीं वाहिनी पीएसी में बुधवार से प्रारंभ हुई 48वीं वार्षिक जूडो क्लस्टर (महिला/पुरुष) प्रतियोगिता-2023 का भव्य पदक अलंकरण समारोह के साथ शनिवार को समापन हो गया।

वाहिनी मुख्यालय में सह आयोजन सचिव डॉ राजीव नारायण मिश्र, आईपीएस सेनानायक, 34वीं वाहिनी पीएसी, वाराणसी द्वारा किया गया। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश पुलिस के विभिन्न 13 जोन- लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, कानपुर, मेरठ, प्रयागराज, बरेली, आगरा, रेडियो जोन (टेलीकॉम), जीआरपी, पीएसी मध्य जोन, पीएसी पूर्वी व पीएसी पश्चिमी जोन के 954 खिलाड़ी (महिला/पुरुष) द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन का दर्शकों द्वारा ताली बजाकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि डॉ राजीव नारायण मिश्र, द्वारा समारोह के दौरान प्रतिभागियों के खेल भावनाओं की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी व विजेता खिलाड़ियों को पदक से अलंकृत किया गया।

इस पदक अलंकरण समारोह के दौरान सहायक सेनानायक नरेश सिंह यादव, सहायक सेनानायक अरुण सिंह, सैन्य सहायक शिव नारायण, सहायक शिविरपाल विंध्यवासिनी पांडेय, गोपाल दूबे, सूबेदार मेजर, अधिकारी/कर्मचारी, बड़ी संख्या में खेल प्रेमी व आमंत्रित अतिथि उपस्थित रहे।

ज्ञानवापी मामले की सुनवाई अब सात जुलाई को होगी

वाराणसी। ज्ञानवापी परिसर स्थित वजूखाने में गंदगी करने व शिवलिंग की आकृति पर विवादित बयान देने के मामले में दाखिल निगरानी अर्जी पर शनिवार को सुनवाई हुई। अपर जिला जज (नवम) विनोद कुमार सिंह की अदालत विचाराधीन इस मामले में विपक्षी सपा अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की ओर से उनके अधिवक्ता अनुज यादव ने वकालतनामा दाखिल करते हुए प्रार्थना पत्र की कॉपी उपलब्ध कराने की कोर्ट से अपील की। वहीं इस मामले में अन्य विपक्षी अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी, मुफ्ती ए बनारस मौलाना अब्दुल बातिन की और से उनके अधिवक्ता श्रीनाथ त्रिपाठी ने भी वकलतनामा प्रस्तुत करते हुए कॉपी उपलब्ध कराने की कोर्ट से अपील की। ओवैसी की ओर से एटेश्याम आब्दी ने उपस्तिथि दर्ज कराया। कहा कि अगली तिथि पर वाला वकालत नामा दाखिल करेंगे।अदालत ने इस मामले में सुनवाई करते हुए वादी पक्ष को विपक्षीगण को कॉपी उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए सुनवाई के लिए अगली तिथि 7 जुलाई नियत कर दी।

क्या है पूरा प्रकरण

प्रकरण के अनुसार वादी मुकदमा अधिवक्ता हरिशंकर पाण्डेय ने कोर्ट में आवेदन दिया था। आरोप था कि ज्ञानवापी परिसर स्थित वजूखाने में नमाजियों द्वारा गंदगी फैलाई जा रही है। दावा किया गया कि वह स्थान स्थान हमारे अराध्य देव भगवान शिव का है। यह भी कहा था कि सर्वे के दौरान मिले कथित शिवलिंग की आकृति को लेकर एआइएमआइएम के अध्यक्ष असुदद्दीन ओवैसी व सपा अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव सहित कुछ नेताओं ने गलत बयानबाजी कर हिन्दूओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाया था। इसलिए अखिलेश, ओवैसी व अंजुमन इंतजामिया कमेटी के पदाधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए। अदालत ने लम्बी सुनवाई के बाद वादी के आवेदन को खारिज कर दिया। जिसके बाद वादी हरिशंकर पाण्डेय ने निचली अदालत के आदेश के खिलाफ जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में निगरानी अर्जी दाखिल कर दी। इसी निगरानी अर्जी पर अदालत में सुनवाई चल रही है।

'आदिपुरुष' के खिलाफ अधिवक्ताओं का प्रदर्शन

आक्रोश

बोले, फिल्म से धार्मिक भावना आहत, तत्काल हो बंद

वाराणसी। फिल्म आदिपुरूष पहले दिन से ही विवादों में घिरती जा रही है। सोशल मीडिया पर फिल्म के डायलॉग को लेकर यूजर्स ने खूब आलोचना की और फिल्म का बॉयकाट करने की बात कर रहे हैं।

काशी में शनिवार को फिल्म आदि पुरुष के खिलाफ अधिवक्ताओं ने विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म से उनकी धार्मिक भावनाएं को आहत की जा रही हैं। वकीलों ने वाराणसी के पुलिस उपायुक्त को पत्रक सौंप कर फिल्म के निर्माता समेत अन्य के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की। फिल्म आदि पुरुष के संवाद को लेकर अधिवक्ताओं में काफी आक्रोश है। विरोध करने वाले अधिवक्ताओं का कहना है कि रामायण और रामचरित मानस से हर हिंदू की भावना जुड़ी हुई है। ऐसे में फिल्म आदिपुरुष में जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया जा रहा है। यह कही से भी उचित नहीं है।

पवित्र ग्रंथ का उड़ाया मजाक

फिल्म आदि पुरुष के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं का आरोप है कि फिल्म में हिंदू धर्म के रामायण और रामचरितमानस जैसे पवित्र ग्रंथ का मजाक बनाया गया है। फिल्म निमार्ताओं ने रामायण से कंटेंट को लिया, लेकिन उसका आधुनिकीकरण कर जनभावना को ठेस पहुंचाने का काम किया है। ऐसे में इस फिल्म को पूरी तरफ बैन कर देना चाहिए और जितने भी इस फिल्म से जुड़े लोग हैं, उन पर धार्मिक भावना आहत करने के खिलाफ कार्रवाई करना चाहिए।

विकास के नाम पर काशी में हुआ भ्रष्टाचार

बोले अमिताभ ठाकुर

डकैती मामले में सीबीआई जांच हो तभी होगा सच उजागर

वाराणसी। जनपद में हुए विकास कार्यों की सच्चाई जानने के लिए शुक्रवार की देर रात आजाद अधिकार सेना के पदाधिकारी वाराणसी पहुंचे। शनिवार के आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने वाराणसी में हुए विकास कार्यों और तमाम मुद्दों को लेकर प्रेस वार्ता किया।

अस्सी घाट क्षेत्र स्थित एक निजी रेस्टोरेंट में आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर और उनकी पत्नी पार्टी की महासचिव नूतन ठाकुर के साथ अधिकार सेना के पदाधिकारियों ने वाराणसी में हुए विकास कार्यों को लेकर गंभीर आरोप लगाया। इसके साथ ही अमिताभ ठाकुर ने भेलूपुर में हुए डकैती मामले में पुलिस की कार्रवाई पर भी कई सवाल खड़े किए। वाराणसी के विकास कार्यों को लेकर अमिताभ ठाकुर ने भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाते हुए कहा कि वाराणसी जनपद में जितने में विकास के कार्य है, उन सभी कार्यों में 75% तक भ्रष्टाचार किया गया है। अमिताभ ठाकुर का दावा है कि मात्र 25 % ही वाराणसी में विकास कार्य हुए है। विगत दिनों वाराणसी के भेलूपुर में गुजरात की फर्म से करोड़ो रुपए की डकैती और बरामदगी के बाद 7 पुलिसकर्मियों को बर्खास्त किए जाने को लेकर कई सवाल किए। उन्होंने सबसे पहले यूपी सरकार से इस पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग करते हुए कहा कि उन्हें बताया गया कि प्रकरण के दौरान बर्खास्त पुलिसकर्मियों ने मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को संज्ञान में भी दिया था। अमिताभ ठाकुर के अनुसार इस पूरे प्रकरण की जानकारी उच्चाधिकारियों की थी और राजनैतिक रसूख रखने वाले अधिकारी को बचाने के लिए नीचे के पुलिसकर्मियों को बर्खास्त किया गया है।

ये तहसील है या जनता को परेशान करने का केंद्र!

यह है हाल

संपूर्ण समाधान दिवस पर डीएम ने राजातालाब तहसील में सुनीं फरियादियों की शिकायतें

तहसील मार्ग पर भारी गंदगी देख डीपीआरओ और विभाग के एडीओ को लगायी फटकार

जनसंदेश न्यूज

डीएम एस. राजलिंगम ने संपूर्ण समाधान दिवस पर शनिवार को राजातालाब तहसील सभागार में फरियादियों की शिकायतें सुनीं

वाराणसी। राजातालाब तहसील के कई स्टाफ ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें परेशान कर रहे हैं। तमाम फरियादी समस्याएं लेकर दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं। उनकी सुनवाई नहीं की जा रही है। शनिवार को 'संपूर्ण समाधान दिवस' के मौके पर इस तहसील मुख्यालय सभागार में लोगों की शिकायतों की सुनिवाई के दौरान जिलाधिकारी एस. राजलिंगम के सामने ऐसे ही कुछ फरियादियों ने अपनी-अपनी व्यथा व्यक्त की। दूसरी ओर, तहसील मार्ग पर भारी गंदगी देखकर डीएम ने जिला पंचायत राज अधिकारी और महकमे के एडीओ को जमकर फटकार लगायी।

इस अवसर पर अमिनी गांव के बबलू ने श्री राजलिंगम को बताया कि सालभर की दौड़धूप के बावजूद पक्की पैमाइश नहीं की जा रही है। इस पर डीएम ने संबंधित कानूनगो की क्लास लेते हुए स्पष्टीकरण तलब किया। दिलावलपुर के रामधारी राजभर ने आरोप लगाया कि कोर्ट के आदेश के बावजूद मेड़बंदी नहीं हो रही है। तब जिलाधिकारी ने कानूनगो को डांटते हुए थाने से फोर्स ले जाकर नापी कराने के निर्देश दिये। रूपापुर कसवार की जगपत्ती देवी ने शिकायत की कि पड़ोसी आनंद तिवारी मकान में अड़ंगा लगाते हुए मवेशी बांधने पर पुलिस की की धौंस दे रहा है।

इस पर डीएम ने तहसीलदार को सात दिन में मामले की जांचकर समस्या का समाधान कराने को कहा। लच्छापुर की मालती देवी ने गांव के जितेंद्र, धर्मेंद्र और जिउत पर आरोप लगाया कि तीनों उसकी जमीन पर कब्जा किया है। इस पर डीएम ने एसडीएम राजातालाब को प्रकरण का निस्तारण कराने के निर्देश दिये। करधना (भटपुरवा) के कन्हैयालाल ने जमीन पैमाइश के बाद फील्डबुक व रिपोर्ट के एवज में शुक्राना न देने पर फाइल खारिज करने की धमकी दिये जाने का आरोप लगाया।

जिलाधिकारी ने इस मामले में संबंधित कानूनगो और लेखपाल की जांच की जिम्मेदारी एसडीएम को सौंपी। पिंडरा प्रतिनिधि के अनुसार स्थानीय तहसील परिसर में प्राप्त 103 शिकायतों में से सिर्फ तीन मामलों का मौके पर निस्तारण हो सका। तरना प्रतिनिधि के मुताबिक सदर तहसील प्रांगण में प्राप्त 151 शिकायतों में से 11 मामलों निबटारा तत्काल किया गया।

अस्सी घाट पर बिरहा उत्सव का आयोजन

वाराणसी। उत्तर प्रदेश शासन लोक जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान संस्कृत विभाग, उत्तर प्रदेश व जिला प्रशासन एवं सुबह ए बनारस के संयुक्त तत्वावधान में बिरहा उत्सव का आयोजन 18 व 19 जून को अस्सी घाट पर हो रहा है। यह आयोजन काशी के रसिक जनों के लिए तथा कला संस्कृति संरक्षण के लिए मील का पत्थर साबित होगा। प्रस्तुति करने वाले नामचीन कलाकारों में अंतराष्ट्रीय लोक गायक डॉ मन्नू यादव, परशुराम सिंह, मंगल कवि, जौनपुर के अशोक कुमार उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार वर्ष 2019 से सम्मानित कलाकार हैं। इसके साथ-साथ आजमगढ़ से लालता प्रसाद, मीरजापुर से बबलू बावरा, प्रयागराज से अभय राज यादव, दिनेश कुमार की प्रस्तुतियां होंगी। इस आशय की सूचना कला एवं जनजाति कला संस्कृत संस्थान के निदेशक अतुल द्विवेदी ने दी है।

पयोधी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड
PAYODHI INFRATECH PRIVATE LIMITED
CIN-U51909UP2021PTC149648

पत्रांक पी0आई0पी0एल0/आ0सो0/2023-24/36 दिनांक 17.06.2023

विज्ञप्ति

उ0प्र0 परिवहन निगम, वाराणसी परिक्षेत्र हेतु जेम पोर्टल के चयनित कंपनी पयोधी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड बरेली द्वारा कुल 40 (अनुसूचित जाति के 08 पद, अनु0जनजाति के 02 पद, अन्य पिछड़ा वर्ग 07 पद एवं सामान्य वर्ग के 19 पद, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 04 पद) आउटसोर्स परिचालकों के आवेदन हेतु ऑनलाइन प्रार्थना पत्र पोर्टल पर प्रकाशन के उपरांत आवेदन की अवधि 07 दिवस तक सेवायोजन पोर्टल http://sewayojan.up.nic.in पर आमंत्रित किये जायेंगे। आउटसोर्स परिचालक पद हेतु शैक्षणिक योग्यता-इण्टरमीडिएट एवं सी0सी0सी0 (समस्त मान्यता प्राप्त बोर्ड/संस्थान) आयु-18 से 40 वर्ष है।
पूर्व प्रकाशित विज्ञापन को निरस्त कर दिया गया है।

अधिकृत हस्ताक्षरी
पयोधी इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड
बरेली

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना संख्या: एस एण्ड टी/ [illegible]/09/2023
[illegible] RDSO/SPN/192/2019 VER.2 [illegible] http://www.ireps.gov.in [illegible]
[illegible] गोरखपुर

संक्षेप

बिल ठीक कराने के नाम पर 20 हजार की ठगी

वाराणसी। जैतपुरा थाने में नकली बिजली अधिकारी बनकर उपभोक्ताओं को ठगने वाले के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। बिल संशोधन के नाम पर उपभोक्ता ने 19,878 रुपये ऐंठ लेने का आरोप लगाया है। सरैया निवासी शुभम प्रजापति ने पुलिस को बताया कि वह शैलपुत्री स्थित सहज जनसेवा केंद्र में काम करता है। बीते 25 मार्च को जनसेवा केंद्र पर युवक ने बिजली का बिल ऑनलाइन चेक कराने के बाद एक मोबाइल नंबर दिया और बिजली का बिल संशोधन करने वाले अधिकारी का नंबर बताया। उस नंबर पर कॉल करने पर फोन रिसीव करने वाले ने खुद को बिजली विभाग का अधिकारी अमन श्रीवास्तव बताया। उसने बिल से संबंधित विवरण लेकर 19,878 रुपये ऑनलाइन ले लिए। इसके बाद भी उसका बिल सही नहीं हुआ तो शुभम बिजली विभाग के दफ्तर गया और भुगतान का विवरण दिखाया। कर्मचारियों ने बताया कि बिल के मद में एक रुपया भी जमा नहीं हुआ है और उसका कनेक्शन भी काट दिया गया। पीड़ित ने खुद को ठगी का शिकार पाया और जैतपुरा थाने पहुंचा। पुलिस ने तहरीर देकर अमन श्रीवास्तव के खिलाफ जालसाजी का केस दर्ज कराया।

ट्रेन से गिरकर महिला की मौत

वाराणसी। बनारस स्टेशन (मंडुआडीह) के उत्तरी छोर पर शनिवार की सुबह एक महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। महिला के चेहरे पर चोट के निशान थे, क्षेत्रीय लोगों ने इसकी जानकारी जीआरपी प्रभारी को दी। मौके पर पहुंची जीआरपी टीम की माने तो मृतक की पहचान सरोज बाजपेयी (51) पत्नी रविन्द्र बाजपेयी के रूप में की गयी, पुत्र चेतन बाजपेयी ने शव की शिनाख्त की और बताया कि सभी ग्वालियर से काशी दर्शन करने के लिए आये थे। मेरे साथ 2 रिश्तेदार भी थे, शुक्रवार को सभी बुंदेलखंड एक्सप्रेस से वापस जा रहे थे, लेकिन आगे जाकर देखा तो ट्रेन में मेरी माता जी नहीं थी जिस पर हम सभी ने खोजबीन की लेकिन उनके ट्रेन में न मिलने पर उतर कर सभी स्टेशन पर उन्हें खोजते हुए बनारस स्टेशन पहुंचे तो माता जी का शव मिला।

चोरी के मंगलसूत्र संग तीन गिरफ्तार

चौबेपुर। कैथी गंगा घाट के किनारे से दर्शन पूजन करते समय महिलाओं के गले से आभूषण चोरी करने वाली गिरोह के तीन महिलाओं को चौबेपुर पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अपर पुलिस आयुक्त वरुणा जोन मनीष कुमार शांडिल्य व सहायक पुलिस आयुक्त राजकुमार सिंह ने पत्रकारों को गिरफ्तार महिलाओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि मंदिर में दर्शन पूजन करने व गंगा स्नान करने वाली महिला श्रद्धालुओं को अपने बातचीत में लेकर भीड़ तक पहुंच जाती थी और मौका पाते ही गले से चेन छीन लेती थी। बताया कि शुक्रवार को एक महिला का मंगलसूत्र चोरी होने के बाद चौकी इंचार्ज कैथी द्वारा गंगा घाट पर पूछताछ के दौरान दो महिलाओं को संदिग्ध के आधार पर पूछताछ किया गया तो दोनों ने जुर्म कबूल कर लिया, इसके बाद उनके निशानदेही पर तीसरी महिला को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

बेटी को पीटने के मामले में तहरीर

वाराणसी। कैंट थाना क्षेत्र सिकरौल निवासिनी महिला ने घर में अकेली बेटी को मारपीट कर घायल करने व छेड़खानी के मामले में पड़ोस के चार लोगों के खिलाफ तहरीर दिया। तहरीर में रुखसाना बेगम ने बताया मेरी पुत्री गुलशन शुक्रवार को घर में अकेली थी, वह अन्य दो पुत्रियां व पुत्र के साथ घर से बाहर गयी हुई थी तभी पड़ोस का हैदर अली पुत्र रईस शेख घर में घुस गया और गाली गलौज देने के साथ पुत्री का हाथ पकड़ कर मारा पीटा। घर वापसी पर जब शिकायत किया गया तो हैदर की बड़ी बहन अमीना और फातिमा, मां रजिया बीबी भी घर में घुस आयी। और मुझे भी मारापीटा तहरीर के आधार पर कैंट पुलिस ने संबंधित धाराओं में चार नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

बच्चे को परिजन से मिलवाया

सारनाथ। पर्यटन स्थल परिवार के साथ घूमने आए मासूम को स्थानीय लोगों व पुलिस की महिला कांस्टेबल ने मासूम को परिवार से मिलवाया। जानकारी अनुसार शनिवार की शाम सिंधोरा बाजार निवासी गोविंद अपनी पत्नी व बच्चे के साथ सारनाथ घूमने को आए थे। घूमते समय इनका बच्चा इनसे बिछड़ गया संग्रहालय सड़क के बाहर अकेले बच्चे को घूमता देख दुकानदार राजेश कुमार ने बच्चे का हाथ पकड़ कर शक्ति मोबाइल के तहत गश्त कर रही महिला कांस्टेबल रजनी व महिला कांस्टेबल पूजा को बच्चे को सौंप दिया। दोनों महिला कांस्टेबलों ने बच्चे के परिजन को ढूंढने लगी, काफी मशक्कत के बाद संग्रहालय में जाते समय बिछड़े हुए बच्चे को अपना परिवार दिख गया इसके बाद पूरी तस्दीक कर बच्चे को परिवार को सौंप दिया गया।

अज्ञात व्यक्ति का मिला शव

हरहुआ। बड़ागांव थाना क्षेत्र के हरहुआ पुलिस चौकी अंतर्गत वाजिदपुर स्थित रिंग रोड चौराहे के समीप शनिवार को एक व्यक्ति का शव मिला। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई मृतक ब्लैक पैन्ट सफेद चेकदार सर्ट पहना हुआ है, बडागांव पुलिस शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मण्डी रक्षक को मण्डी सहायक ने पीटा, मुकदमा

वाराणसी। पहड़िया मण्डी के दो कर्मचारियों ने आपस में मारपीट कर हरिजन उत्पीड़न सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया। जानकारी के अनुसार पहड़िया मंडी में मंडी रक्षक के पद पर तैनात लालजी राम12जून को रात्रि में भ्रमण कर रहा था, उसी समय मण्डी सहायक रामलाल यादव की किसी बात पर कहा सुनी हो गयी। मामला इतना बढ़ा कि दोनों में मारपीट शुरू हो गयी। लाल जी ने लालपुर-पाण्डेयपुर थाने पर अपने ऊपर मार पीट व दलित उत्पीड़न का तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने की गुहार लगाई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाला तो रामलाल यादव द्वारा लालजी को मारते हुए सही पाया गया इस आधार पर रामलाल यादव पर हरिजन उत्पीड़न सहित अन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही है।

दुकान से डेढ़ लाख के गहने की उचक्कागिरी

रोहनिया । स्थानीय थाना क्षेत्र के अखरी स्थित एक ज्वेलर्स की दुकान से शनिवार को उचक्कों ने डेढ़ लाख के गहने पर हाथ साफ किया। अखरी गांव में शंभू नाथ पांडेय के कटरे में बजरंग ज्वेलर्स नाम से प्रेम सेठ की दुकान है। शनिवार की दोपहर दो व्यक्ति गहने देखने के लिए प्रेम की दुकान में आए। एक एक गहने को पसंद कर अलग रखवाते गये, युवकों ने लॉकेट दिखाने की बात की तो प्रेम ने लॉकेट का भी डिब्बा युवको के सामने रख दिया। इसके बाद युवक फिर दूसरा गहना देखने लगे, एक पायल पसंद कर 2500 रुपये के एवज में 1500 सौ देकर एक व्यक्ति बाहर निकल गया। दूसरा भी पैसा लेने के लिए बाहर निकला और दोनों फरार हो गये। प्रेम सेठ ने बताया कि डेढ़ लाख से ज्यादा के गहने थे इसकी सूचना पुलिस को दे दी है।

जनसंदेश टाइम्स वर्गीकृत

सूचना

मेरा हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2022 अनुक्रमांक 1222170633 का अंकपत्र सह प्रमाण पत्र खो गया है। अनिता राजभर पुत्री संजय राजभर ग्राम-परानपुर, पोस्ट-कटरियां, जिला-गाजीपुर।

सूचना

मैं आनन्द गिरि पुत्र स्व0 दया गिरि निवासी डी.51/44-45, सूर्यकुण्ड, वाराणसी का निवासी हूँ। मैं प्रार्थी मकान नं. बी. 37/153ए-1बी स्थित आराजी नं. मि. 20/1 मौजा बिरदोपुर वार्ड भेलूपुर परगना देहात अमानत जिला वाराणसी का स्वामी हूँ। प्रार्थी के उपरोक्त सम्पति से सम्बन्धित मूल विक्रय विलेख व तितिम्मा विलेख जो रामदुलारी पत्नी सुरेश चन्द्र राय के नाम से है तथा जो सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में बही सं.1, जिल्द सं. 4396 के पृष्ठ 62 से 64 पर दस्तावेज नं. 5786 पर दिनांक 10.09.1970 को तथा तितिम्मा विलेख बही नं. 1, जिल्द सं. 4785 के पृष्ठ सं. 163 से 165 पर दस्तावेज नं. 9435 पर दिनांक 06.12.1975 को निबन्धित हुआ था, कहीं गुम हो गया है। जिस किसी को भी मिले 10 दिन में सूचित करने का कष्ट करें। उक्त विलेखों का कोई भी प्रयोग अवैधानिक होगा। पूर्व में उपरोक्त सम्बन्धित नोटिस के प्रकाशन में मकान नं. बी.37/153ए-1बी की जगह गलत मकान नं. बी.37/193-पी-2-बी-1 लिपिकीय त्रुटि के कारण प्रकाशित हो गया था, जबकि सही मकान नं. बी.37/153ए-1बी है। कृपया इसे सुधार कर दुबारा प्रकाशित करने का कष्ट करें।

(आनन्द गिरि)
पुत्र स्व0 दया गिरि
मो. नं.-9956855384

आवश्यकता

आवश्यकता है

235 हरदेव पी0 जी0 कालेज पगहीं, धानापुर, चन्दौली उ0 प्र0 में स्ववित्तपोषित योजना के अन्तर्गत स्नातक स्तर पर कला संकाय के अन्तर्गत भूगोल एवं मनोविज्ञान विषय में प्रवक्ता की। चयन एवं वेतनमान यू0 जी0 सी0 / विश्वविद्यालय परिनियमावली के अनुसार होगा। अभ्यर्थी अपना आवेदन विज्ञापन तिथि से 21 दिन के भीतर रजिस्टर्ड डाक द्वारा प्रेषित करें।

प्रबन्धक
मो0-9793525651
7068349101

आवश्यकता है

श्री कृष्ण यादव सुरसती महिला महाविद्यालय, सहजतपुर, बाराचंवर, जनपद-गाजीपुर, सम्बद्ध-वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत प्राचार्य-1 पद तथा स्नातक स्तर पर कला संकाय में शिक्षाशास्त्र-1 पद, अंग्रेजी-1 पद, भूगोल-1 पद, गृहविज्ञान-1 पद, मनोविज्ञान-1 पद, समाजशास्त्र-1 पद, मध्यकालीन इतिहास-1 पद तथा स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय में रसायन विज्ञान-3 पद भौतिक विज्ञान-2 पद, वनस्पति विज्ञान-2 पद, प्राणि विज्ञान-2 पद, गणित-2 पदों में प्रवक्ताओ की आवश्यकता है। योग्यता एवं वेतनमान यू0जी0सी0/उ0प्र0 शासन/विश्वविद्यालय परिनियमावलीनुसार। इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छाया प्रति एवं पासपोर्ट साइज का 4 फोटो एवं आधार कार्ड के साथ विज्ञापन तिथि से 21 दिन के अन्दर प्रबन्धक के पदनाम से महाविद्यालय के पते पर आवेदन करें। साक्षात्कार की सूचना डाक अथवा दूरभाष द्वारा दी जायेगी।

प्रबन्धक
मो0-9919121111

आवश्यकता है

हीरानन्द पी0जी0 कालेज, नारायणपुर रसूलपुर, रसड़ा-बलिया सम्बद्ध-जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय-बलिया में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत स्नातकोत्तर स्तर पर कला संकाय में हिन्दी-2 पद, समाजशास्त्र-2 पद, शिक्षाशास्त्र-3 पद तथा भूगोल-3 पदों में प्रवक्ताओ की आवश्यकता है। योग्यता एवं वेतनमान यू0जी0सी0 / उ0प्र0 शासन / विश्वविद्यालय परिनियमावलीनुसार। इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छाया प्रति एवं पासपोर्ट साइज का 4 फोटो एवं आधार कार्ड के साथ विज्ञापन तिथि से 21 दिन के अन्दर प्रबन्धक के पदनाम से महाविद्यालय के पते पर आवेदन करें। साक्षात्कार की सूचना डाक अथवा दूरभाष द्वारा दी जायेगी।

प्रबन्धक
मो0-7522867829

आवश्यकता है

जे0 डी0 महाविद्यालय, नसीरपुर, सलेमपुर, हंसराजपुर-गाजीपुर, सम्बद्ध-वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत प्राचार्य-1 पद तथा स्नातक स्तर पर कला संकाय में हिन्दी-1 पद, समाजशास्त्र-1 पद, राजनीतिशास्त्र-1 पद, प्राचीन इतिहास-1 पद, शिक्षाशास्त्र-1 पद, भूगोल-1 पद, गृहविज्ञान-1 पद में प्रवक्ताओ की आवश्यकता है। योग्यता एवं वेतनमान यू0 जी0 सी0 / उ0 प्र0 शासन/ विश्वविद्यालय परिनियमावलीनुसार। इच्छुक अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छाया प्रति एवं पासपोर्ट साइज का 4 फोटो एवं आधार कार्ड के साथ विज्ञापन तिथि से 21 दिन के अन्दर प्रबन्धक के पदनाम से महाविद्यालय के पते पर आवेदन करें। साक्षात्कार की सूचना डाक अथवा दूरभाष द्वारा दी जायेगी।

प्रबन्धक
मो0-9506691521

वाराणसी

गर्मी में बिजली कटौती ने निकाले आंसू

बेपरवाही

विभाग के टोल फ्री नंबर 1912 पर शिकायतों के निवारण में हो रहा खेल

फोन नहीं उठाते अभियंता कागजों पर समाधान और परेशान हो रही है जनता

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। भीषण गर्मी में बिजली कटौती से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। ट्रांसफॉर्मर जलने की घटनाएं जहां बढ़ गयी है। वहीं, जम्फर या डियो उड़ने का सिलसिला भी तेज हो गया है। ट्रिपिंग ने तो नाक में इस कदर दम कर दिया है कि बिजली आने और जाने का कोई समय ही निश्चित नहीं है। शहर और देहात क्षेत्र का कोई भी ऐसा उपकेंद्र नहीं होगा, जहां 24 घंटे में कई-कई घंटे बिजली गुल हो जा रही है, वह भी टुकड़ों में। ऐसे में यदि कोई उपभोक्ता समस्या के बाबत संबंधित उपकेंद्र पर शिकायत दर्ज कराना चाहता है तो नहीं हो पाता है। हो गया तो उसके निवारण में अभियंता या कर्मचारी दिलचस्पी नहीं दिखाते हैं। विभाग के टोल फ्री नंबर 1912 पर दर्ज करायी जाने वाली शिकायतों के निस्तारण में जबर्दस्त खेल हो रहा है। कागजों पर शिकायतों का समाधान कर दिया जाता है और परेशान होती है जनता। इससे लोगों में आक्रोश है।

बिजली कटौती से निजात नहीं दिलाने पर पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि. के अभियंता अब तो अपने उपभोक्ताओं के साथ धोखा करने लगे है। बिजली कटने पर जब उपभोक्ता संबंधित उपकेंद्र या अभियंता को फोन करता है तो अव्वल उनका फोन उठता ही नहीं है। उठ गया तो सही जवाब नहीं मिलता। शिकायत करने के बाद समस्या का समाधान नहीं कराया जा रहा है, लेकिन कागजों पर उसका समाधान कर दिया जा रहा है। पूर्वांचल-डिस्कॉम ही नहीं प्रदेश के विभिन्न जिलों से मिले फीड बैक के आधार पर इसका खुलासा उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने खुलासा किया है। अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने बताया कि 1912 की हकीकत जानी तो पता चला कि समस्या का समाधान हुआ नहीं और उसको कागजों पर सही कर दिया गया है। दरअसल, 11 केवी और एलटी लाइन की वजह से आने वाली खराबी नियमानुसार दो घंटे में सही होनी चाहिए। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि दो घंटे में विभागीय लोग मौके पर नहीं पहुंच पा रहे है। यहां तक की फॉल्ट खोजने में दिक्कत हो जाती है। ऐसे में दो घंटे बाद खुद को बचाने के लिए विभागीय अभियंता या कर्मचारी कागजों पर ही समस्या का समाधान हो जाना दर्शा देते हैं और जनता बिजली संकट को झेलती रहती है। शहर और देहात क्षेत्र की पीड़ित जनता का आरोप है कि बिजली कटौती होने पर इलाकाई अभियंता फोन उठाने से परहेज करने लगे हैं। संबंधित उपकेंद्र का सीयूजी नंबर तो उठता ही नहीं है और उठ गया तो माकूल जवाब नहीं मिलता।

आसमानी आग से झुलस रहा जनजीवन

तल्ख मौसम

गर्म हवाओं के थपेड़ों के चलते सड़क पर चलना जान जोखिम में डालना

वाराणसी। माना जा रहा है कि शनिवार को हीट वेव का असर पूरे शबाब पर रहा। आमसान से आग बरस रही थी तो धरती का जनजीवन झुलस रहा था। न घर में सुकून था और न ही सड़क पर। जो जहां था, वहीं चुनचुनाते बदन को शीतलता प्रदान करने की चाहत में तड़प रहा था। एसी की हवा बेसर हो चुकी थी तो कूलर गर्म हवा फेंकने लगे थे। पंखें की हवा तो ऐसी लग रही थी, जैसे कोई भट्ठी की आग को हवाओं के झोंकों के सहारे बदन की तरफ धकेल रहा हो। सड़कों पर चलना जान जोखिम में डालने के समान था, क्योंकि गर्म हवाओं के थपेड़े कपड़ों को चीर कर बदन को झुलसा रही थी। मौसम विभाग की मानें तो शनिवार को हीट वेव का असर काफी अधिक रहा। सुबह की बेला में ही धूप काफी तल्ख थी। इसके बीच गर्म हवाओं के झोंकों ने जीना दुश्वार कर दिया। यह गर्मी बर्दाश्त से बाहर हो रही है। दोपहर 12 बजे तक तापमान 42 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था। सुबह से ही लोग पसीने से तरबतर नजर आए। आम जनमानस बेकाबू मौसम के साथ ही बिजली विभाग की भी मार सह रहे हैं। घरों में नौनिहाल गर्मी से तड़प रहे हैं तो महिलाओं का हाल-बेहाल है। बुजुर्गों को ऐसा लगा कि अब जान गयी, तब जान गयी। ईश्वर का नाम लेते हुए समय बीताते नजर आए। मौसम विज्ञान विभाग का अनुमान है कि अभी हीट वेव का असर रहेगा। लोगों को बीमार करने वाली गर्म हवा चलेगी। वहीं, 18 जून की रात काफी गर्म रहेगी। आईएमडी ने इसे वार्म नाइट घोषित कर दिया है। रात का पारा 30 डिग्री के ऊपर रहेगा। 19 जून से मौसम बदलने के आसार है। आईएमडी के अनुसार, इसके बाद बारिश हो सकती है या फिर घने बादल छाए रहेंगे। प्री-मानसून का भी आंकलन किया जा रहा है। वैसे भी मानसून के बादल जून के अंतिम सप्ताह तक आने लगते हैं।

जबर्दस्त ट्रिपिंग से उत्पादन गिरा औंधे मुंह

बिजली संकट

हर आधे से एक घंटे के अंतराल पर कट जा रही बिजली

औद्योगिक क्षेत्रों के कल-कारखानों का भी है हाल-बेहाल

लेबर समेत रोजमर्रा के खर्च के चलते टूट रही जमापूंजी

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। भीषण गर्मी में बिजली संकट के चलते औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन पर गहरा असर पड़ा है। सुचारू रूप से बिजली न मिलने के कारण कई मशीनें जहां बंद करनी पड़ गयी है तो कई मशीनों से उतना उत्पादन नहीं हो पा रहा है, जितनी इन मशीनों की क्षमता है। ट्रिपिंग और अन्य कारणों से बिजली कट जाने पर कच्चे माल की बर्बादी का संकट भी उद्यमियों को सहना करना पड़ रहा है। उद्यमियों का कहना है कि लोड बढ़ने के कारण पिछले कई दिनों से जबर्दस्त ट्रिपिंग का सामना करना पड़ रहा है। इसके चलते कल-कारखानों के उत्पादन में भारी गिरावट दर्ज की गयी है। लेबर समेत रोजमर्रा के खर्च को पूरा करने के कारण जमापूंजी टूटने लगी है।

रामनगर, चांदपुर और करखियांव के उद्यमियों की मानें तो हालात यह है कि आम दिनों में जहां आठ से 10

घंटे मशीनें चलती थीं। वहीं इन दिनों लगातार एक घंटे भी चलाना मुश्किल हो गया है।

हर 20 से 30 मिनट पर औद्योगिक क्षेत्रों के पावर ट्रांसफॉर्मर ट्रिप कर जा रहे हैं, जिसके चलते उत्पादन में करीब 50 प्रतिशत तक गिरावट आयी है। रामनगर के उद्यमियों ने उद्योगों को चलाने के लिए सरकार से 10 एमवीए का एक और ट्रांसफॉर्मर लगाने की मांग की है। यहां के उद्यमियों का कहना है कि रामनगर औद्योगिक क्षेत्र के फेज-वन और फेज-टू में मिलाकर लगभग तीन सौ इंडस्ट्री चल रही हैं। फेज-वन में 10-10 एमवीए के करीब पांच ट्रांसफॉर्मर लगाए गए हैं, जबकि फेज-टू में 10 एमवीए का ही ट्रांसफॉर्मर लगा है। इस तपती गर्मी में इन ट्रांसफॉर्मरों ने लोड उठाना बंद कर दिया है।

इससे ट्रिपिंग की समस्या काफी बढ़ गयी है। ट्रिपिंग के चलते उत्पादन डाउन हुआ है तो कच्चे माल भी बर्बाद हो रहे हैं। इससे उद्यमियों को दोहरी चपत लग रही है। इसी प्रकार, चांदपुर औद्योगिक क्षेत्र में कल-कारखानों को चलाना मुश्किल हो गया है। ट्रांसफॉर्मर को एक घंटे चलाने के बाद बंद करना पड़ जा रहा है। उत्पादन को बढ़ाने के लिए उद्यमियों ने एक और बड़का ट्रांसफॉर्मर लगाने की मांग की है। कमोवेश यहीं हाल करखियांव औद्योगिक क्षेत्र का भी है। यहां के कल-कारखानों को भी चलाना मुश्किल हो गया है। यहां पर भी ट्रिपिंग की समस्या से सभी उद्यमी परेशान हैं। भीषण गर्मी में उद्यमियों ने इस औद्योगिक क्षेत्र 10 एमवीए का एक और ट्रांसफॉर्मर लगाने की मांग की ताकि निर्बाध बिजली मिल सके और उत्पादन प्रभावित न हो। इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरके चौधरी ने बताया कि रामनगर औद्योगिक क्षेत्र में 10 एमवीए का एक और ट्रांसफॉर्मर लगाने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। इसके लग जाने से उद्यमियों को कनेक्शन भी मिल जाएगा और काफी हद बिजली की ट्रिपिंग भी खत्म हो जाएगी।

मणिकर्णिकाघाट पर लग रही चिताओं की लाइन

कठिनाई

शवदाह के लिए लोगों को तीन से चार घंटे तक करना पड़ रहा है इंतजार

प्रचंड गर्मी और लू अब जान पर भारी

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। आसमान से लू के रूप में बरस रहे कहर के बीच अन्य तरह की बीमारियां भी अपना असर बढ़ा रही हैं। इसी वजह से मौतों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण काशी का महाश्मशान मणिकर्णिका घाट है। जहां शवदाह के लिए चिताओं की कतार लग रही है। लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। बिहार, मध्य प्रदेश, झारखंड और पूर्वांचल सटा होने के कारण मोक्ष की कामना के लिए सभी लोग शव को महाश्मशान मणिकर्णिका घाट पर लाते हैं। भीषण गर्मी के चलते यहां लोग शव को शाम के समय लेकर आते हैं, इससे शवदाह करने के लिए लोगों को तीन से चार घंटे का इंतजार करना पड़ता है। हालांकि इसका बड़ा कारण मणिकर्णिका घाट पर जगह की कमी भी है। बीते साल के मुकाबले इस वर्ष निर्माण कार्यों के कारण मणिकर्णिका घाट पर अंत्येष्टि के लिए कम जगह बची है।

शवों का आना घाट पर नहीं थम रहा

मणिकर्णिका घाट पर अंत्येष्टि की मान्यता

ऐसी मान्यता है की काशी में मृत्यु से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यता है कि मणिकर्णिका घाट पर मुखाग्नि से मृतक को शिवलोक की प्राप्ति होती है। काशी मोक्ष की नगरी होने के कारण पूरे पूर्वांचल के जिलों से यहां अंतिम संस्कार के लिए शव लाए जाते हैं।

लोग अपनी बारी का इंतजार करते देखे जा सकते हैं

काशी के शमशान घाटों पर शवों की संख्या बढ़ी

श्मशान घाट के व्यवसायियों की मानें तो आम तौर पर सामान्य दिनों में 50 से 80 शवों की अंत्येष्टि होती है। लेकिन, मौसम के इस बदलाव ने मौतों की संख्या अचानक बढ़ा दी है। बनारस के महाश्मशान मणिकर्णिका घाट से लेकर हरिश्चंद्र समेत अन्य श्मशान घाटों पर शवों की संख्या बढ़ी हैं। यहां शव लेकर आने वालों को दो से तीन घंटे इंतजार के बाद ही शव जलाने का मौका मिल रहा है। सभी घाटों पर सामान्य दिनों की तुलना में ज्यादा चिताएं पहुंच रही हैं। इस कारण लकड़ी के लिए लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। शहर से लेकर गांव तक गंगा किनारे स्थित अन्य श्मशान घाटों पर भी यही हाल है। माना जा रहा है कि भीषण गर्मी में चल रही गर्म हवाएं जानलेवा बनी हैं। शायद यही वजह है कि मृतकों की संख्या बढ़ी है।

चिलचिलाती धूप में छांव है और न पानी की व्यवस्था

दाह संस्कार के लिए महाश्मशान मणिकर्णिका घाट पर मुश्किलों का सामना भी करना पड़ रहा है। चिलचिलाती धूप में न छांव है और न पानी की मुक्कमल व्यवस्था है। शाम के समय स्थिति और ज्यादा विकट हो रही है। दिन में धूप होने के कारण ज्यादातर लोग शाम चार बजे के बाद शव लेकर पहुंच रहे हैं। इसके चलते लोगों को लंबा इंतजार भी करना पड़ रहा है। यहां लोगों को चिता जलाने के लिए भी जेब ढीली करनी पड़ रही है। शवदाह में लगने वाले लकड़ियों के दाम आसमान छू रहे हैं।

विश्व योग दिवस की तैयारी में घाटों पर हो रही प्रैक्टिस

बीज की पांच दुकानों के लाइसेंस निलंबित

कार्रवाई

जनपद में बीज की दुकानों और गोदामों पर छापेमारी, 64 बिक्री केंद्रों की जांच कर लिये 33 नमूने

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। जनपद में शनिवार को बीज की दुकानों और गोदामों पर की गयी छापेमारी में संस्थान बंदकर पलायित पांच दुकानों के लाइसेंस सस्पेंड कर दिये गये। मुहिम के दौरान 64 बीज बिक्री केंद्रों की जांच कर 33 सैंपल एकत्र किये गये।

किसानों को उचित मूल्य पर बीज उपलब्ध कराने, बीज की कालाबाजारी रोकने और बीजों की गुणवत्ता बनाये रखने के उददेश्य से यह अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान पांच दुकानें बंद पायी गईं। उनमें आत्मीय बीज भंडार बड़ागांव सब्जी मंडी, विशाल एग्रो एजेंसी पंचकोशी,

जिले के विभिन्न इलाकों में स्थिति बीज की दुकानों और गोदामों पर शनिवार को छापेमारी अभियान चलाया गया

पटेल हाईब्रीड बीज भंडार चित्रसेनपुर, जिला औद्यानिक सहकारी संघ चित्रसेनपुर कछवां सब्जी मंडी, संकल्प रिटेल स्टोर कछवां रोड के लाइसेंस निलंबित कर दिये गये। डीएन के निर्देश पर सीडीओ द्वारा गठित टीमों में मुहिम में हिस्सा लिया। टीमों में जिला कृषि अधिकारी संगम सिंह, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी रामप्रकाश सिंह, उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी निरुपमा सिंह, प्रभारी परियोजना अधिकारी नेडा प्रेम प्रकाश, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप-ए रोहित कुमार सिंह, जिला उद्यान अधिकारी सुभाष कुमार और कृषि विभाग के अनिल कुमार सिंह थे। जिला कृषि अधिकारी संगम सिंह ने यह जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में जनपद के सभी सरकारी कृषि बीज भंडारों और निजी क्षेत्र की दुकानों पर पर्याप्त मात्रा में बीजा उपलब्ध हैं। जिले में बीज की कोई कमी नहीं है।

उम्मीदवारों ने भरे पर्चे

वाराणसी। जनपद में जिला योजना समिति के सदस्यों के निर्वाचन के लिए शनिवार को पर्चा दाखिला हुआ। कलेक्ट्रेट स्थित एडीएम प्रशासन के न्यायालय कक्ष में प्रत्याशियों ने नामांकन-पत्र दाखिल किये। जानकारी के मुताबिक कुल 13 पदों के लिए हो रहे इस इलेक्शन में 12 सीटों पर सिर्फ एक-एक दावेदार हैं जबकि ओबीसी महिला (खंड- ख) पद के लिए दो सदस्यों की दावेदारी है। हालांकि आगामी 21 जून को नाम वापसी की तिथि है। उसके बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

लहुराबीर व्यवसायी समिति की बैठक

वाराणसी। लहुराबीर व्यवसायी समिति का स्थापना दिवस एवं साधारण सभा की बैठक आईएमए भवन सभागार में सम्पन्न हुआ। इस दौरान संस्था की एकता, आपसी एकजुटता तथा क्षेत्र के व्यापार वृद्धि पर विशेष बल दिया गया। कोषाध्यक्ष अरुण ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष रजनीश कन्नौजिया ने संगठन की मजबूती पर बल दिया। संचालन महामंत्री दिनेश अग्रवाल ने किया। बैठक में महापौर अशोक तिवारी, नगर आयुक्त शिपू गिरि, पुलिस उपायुक्त यातायात राजेश पांडेय, उद्यमी आरके चौधरी, अशोक जायसवाल, संतोष अग्रवाल, रवि प्रकाश अग्रवाल, रामकुमार अग्रवाल, अमित पांडेय, प्रदीप गिनोडिया आदि थे।

छोटे किसानों को बैंक दें प्राथमिकता : डीएम

वाराणसी। डीएम एस. राजलिंगम ने जिला स्तरीय सलाहकार एवं समन्वय समिति यानि डीएलआरसी की बैठक में बैंकों से कहा है कि वे बैंक शाखावार लक्ष्य दें और संबंधित कार्ययोजना बनाकर पेश करें। उन्होंने कहा कि सभी बैंक वन ट्रिलियन इकानॉमी को ध्यान में रखकर उस दिशा में कार्य करें। दूसरी ओर, जनपद में छोटे किसान अधिक हैं। इसलिए विभाग से 20 हजार रुपये की क्रेडिट वाले मछली पालकों के भेजे जा रहे प्रस्तावों को बैंक प्राथमिकता के साथ लें। कलेक्ट्रेट स्थित जिला रायफल क्लब सभागार में शनिवार को यह मीटिंग थी।

जिलाधिकारी ने बीचे वित्तीय वर्ष में केसीसी का लक्ष्य 109.83% हासिल किये जाने की सराहना की। वहीं, मछली पालकों के केसीसी का वर्तमान वित्तीय वर्ष में तय 2823 पूर्ण करने के लिए बैंकों को और गंभीरता के पहल करने के निर्देश दिये। इस मौके पर अन्य बिंदुओं पर भी जिलाधिकारी ने समीक्षा करते हुए अफसरों को आवश्यक मार्ग-दर्शन दिया। मीटिंग में सीडीओ हिमांशु नागपाल और एलडीएम भी रहे।

विकास भवन प्रांगण से हटाया मलबा

खबर का असर

लापरवाही से डाल दिया गया था बिल्डिंग के पंचम तल पर स्थित एक दफ्तर के जीर्णोद्धार कार्य से निकला मलबा

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। विकास भवन परिसर में काफी समय से लगे कूड़े-कचरे और मलवे के ढेर की ओर 'जनसंदेश टाइम्स' ने जब ध्यान दिलाया तब सीडीओ हिमांशु नागपाल ने मामले को संज्ञान में लेते हुए शनिवार की दोपहर उसे हटवा दिया। 17 जून के अंक में इस बारे में पृष्ठ संख्या-3 पर 'स्वच्छता मिशन को ठेंगा दिखा रहा विकास भवन' शीर्षक से प्रकाशित समाचार पर मुख्य विकास अधिकारी ने यह कदम उठाया।

सीडीओ ने विकास भवन के नाजिर को वह मलबा हर हाल में जल्द से जल्द हटवाने के निर्देश दिये। सिर्फ यही नहीं, उन्होंने मलवा हटा दिये जाने की फोटो भी तलब की। उसके बाद आनन-फानन में जेसीबी और ट्रैक्टर ट्रॉली मंगवाकर वह मलवा हटवाया गया। मौके से मलवा हट जाने के बाद अब विकास भवन का गेट नंबर-3 काफी साफ-सुथरा दिखने लगा है। जानकारी के मुताबिक बिल्डिंग के पंचम तल पर स्थित एक विभाग के दफ्तर में जीर्णोद्धार कार्य के निकला मलवा भवन प्रांगण में ही लापरवाही के साथ डाला जा रहा था। इस कारण न सिर्फ वहां का गेट नंबर-3 से आवागमन अवरुद्ध हो रहा था बल्कि मेन रोड पर स्थित विकास भवन की छवि भी धूमिल हो रही है।

मौके पर मलवे का ढेर देखकर प्रतिदिन उस मार्ग से गुजरने वाले आमलोग भी स्वच्छता मिशन पर सवाल खड़े कर रहे थे।

विकास भवन प्रांगण में इसी स्थान पर कई दिनों से पड़े मलवे का ढेर शनिवार को हटवा दिया गया

स्वच्छता मिशन को ठेंगा दिखा रहा विकास भवन

यूपी बोर्ड की तर्ज पर होंगी पांचवीं-आठवीं की परीक्षाएं!

तैयारी शुरू

परीक्षा नियामक प्राधिकारी को प्रस्ताव तैयार करने का दिया गया निर्देश

वाराणसी। बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में पांचवीं और आठवीं की परीक्षाएं अब बोर्ड परीक्षाओं की तर्ज पर होंगी। इसके अलावा तिमाही, छमाही और इंटरनल लिखित परीक्षाएं भी करवाई जाएंगी। इसके लिए परीक्षा नियामक प्राधिकारी को प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया गया है। यह भी पूछा गया है कि इस काम पर कितना खर्च आएगा।

बेसिक शिक्षा विभाग के सूत्रों की मानें तो पांचवीं और आठवीं की सालाना परीक्षाओं के लिए अभी प्रश्नपत्र तो जिला स्तर से छपकर मिलता है, जबकि कॉपियां शिक्षकों को ही खरीदनी होती हैं। बाद में उसका भुगतान कर दिया जाता है। पिछले साल तो ऑनलाइन निपुण असेसमेंट टेस्ट (नैट) ही साल भर चलता रहा। इस वजह से लिखित तिमाही और छमाही परीक्षाएं भी नहीं हुईं। सालाना परीक्षाएं जैसे-तैसे करवाई गईं। ऐसे में यह बात आई कि बच्चों की लिखने की आदत नहीं रह गई है। उनकी लिखने की आदत बनी रहे, इसलिए लिखित परीक्षाएं जरूरी हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी लिखित परीक्षाएं करवाए जाने का सुझाव दिया गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए हाईस्कूल और इंटर की बोर्ड परीक्षाओं की तर्ज पर पांचवीं और आठवीं की परीक्षाएं करवाने पर सहमति बनी है। इसके अलावा तिमाही, छमाही और लिखित इंटरनल टेस्ट के लिए भी शासन स्तर पर सहमति बनी है।

बेसिक शिक्षा विभाग के सूत्रों की मानें तो पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षाएं करवाने के लिए परिषद स्तर से एक समिति प्रश्नपत्र का प्रारूप तय करेगी। उसी के आधार पर प्रदेश भर में प्रश्नपत्र पहुंचाए जाएंगे। परीक्षाओं की निगरानी के लिए भी टीमें बनेंगी। अभी यह तय होना है कि परीक्षा अपने ही स्कूल में हों या दूसरे स्कूल में सेंटर जाएगा। अगर अपने स्कूल में ही सेंटर रहेगा तो फिर क्या शिक्षकों की अदला-बदली की जाएगी? कॉपियों का मूल्यांकन किस स्तर से किया जाएगा? इन मुद्दों पर अभी विचार चल रहा है। शासन स्तर से परीक्षा नियामक प्राधिकारी से एक विस्तृत प्रस्ताव मांगा गया है। हालांकि, परीक्षा नियंत्रक प्राधिकारी ने पत्र के जवाब में पूछा है कि परीक्षाओं का स्वरूप क्या रहेगा? प्रश्न पत्र कौन छपवाएगा? परीक्षाओं के संचालन के लिए यूपी बोर्ड की तरह बेसिक शिक्षा परिषद पहले से हैं। संपूर्ण परीक्षाओं का दायित्व किसका होगा? इसी के आधार पर खर्च का आंकलन किया जाएगा।

105 दिव्यांगजनों को मिली मोटराइज्ड ट्राई साइकिल

आयोजन

यूपी कॉलेज में हुए कार्यक्रम में सीएसआर स्कीम के तहत पात्रों को मुफ्त किया गया लाभांवित

जनसंदेश न्यूज

यूपी इंटर कॉलेज में शनिवार को दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राई सायकिल मुफ्त उपलब्ध कराई गई

वाराणसी। भोजूबीर क्षेत्र स्थित यूपी कॉलेज में शनिवार को जनपद के चिह्नित दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राई सायकिल निःशुल्क वितरित किये गये। सीडीओ हिमांशु नागपाल के मुख्य आतिथ्य में पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लि. की सीएसआर योजना के यह तहत यह कार्यक्रम था।

इस कार्यक्रम के लिए लाभार्थियों का चयन बीते 13-14 मार्च को पांडेयपुर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम लि. कानपुर की टीम ने परीक्षण करने के बाद किया था। उनमें से पात्र पाये गये 105 लोगों को लगभग 49.30 लाख रुपये की लागत की एक-एक मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल वितरित की गयी। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी रामप्रकाश सिंह ने यह जानकारी दी। आयोजन में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रितेश बिंदल, महाप्रबंधक एलिम्को अजय चौधरी, उदय प्रताप इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य रमेश सिंह, पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन के प्रबंधक जिशाम आरिफ, एलिम्को के उप महाप्रबंधक मृणाल कुमार, सहायक प्रबंधक एलिम्को पंकज द्विवेदी आदि की प्रमुख उपस्थिति रही।

संक्षेप

आईसीडीएस के कार्यक्रमों का खींचा खाका

पिंडरा। स्थानीय तहसील सभागार में शनिवार को तहसील स्तरीय बाल विकास विभाग और कन्वर्जेंस की बैठक हुई। एसडीएम अंशिका दीक्षित ने विभिन्न विभागों को तालमेल बनाकर वर्तमान माह सहित जुलाई एवं अगस्त माह में आईसीडीएस के प्रस्तावित कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए खाका तैयार किया। जिसके तहत शून्य से पांच साल की उम्र तक के बच्चों का वजन कर उनकी श्रेणी निर्धारित करेंगे। उस दौरान अतिकुपोषित बच्चा चिह्नित होने पर तत्काल उसकी सूचना स्वास्थ्य विभाग को देनी होगी। इसी क्रम में टीकाकरण अभियान, दवा वितरण और पोषण चौपाल लगाएंगे। उसके बाद गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच और टीकाकरण होगा। इसके अलावा चिह्नित महिलाओं को जॉब कार्ड तथा राशनकार्ड वितरण और प्रत्येक ग्राम पंचायत में पोषण वाटिका विकसित किया जाएगा। मीटिंग में सीडीपीओ आरएन सिंह भी थे।

प्रमुख सचिव ने निर्माणाधीन विद्यालय का लिया जायजा

वाराणसी। प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार ने शनिवार को करसड़ा में निर्माणाधीन अटल आवासीय विद्यालय का मौका-मुआयना किया। उन्होंने यह प्रोजेक्ट आगामी 14 अगस्त तक हर हाल में पूर्ण कराने और विद्यालय के संचालन के लिए आवश्यक निर्माण 15 जुलाई तक करा लेने के निर्देश दिये। निरीक्षण के शामिल मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल ने हॉस्टल मार्ग के किनारे पौधे रोपने का निर्देश दिया। साथ ही विद्यालय परिसर में बनने वाली रोड की ढलान आदि ठीक ढंग से बनाने को कहा। ताकि बारिश के मौसम में वह मार्ग क्षतिग्रस्त न हो सके। इस अवसर पर उप श्रमायुक्त, सहायक श्रमायुक्त समेत अन्य अफसर भी थे।

दशाश्वमेध व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

वाराणसी। दशाश्वमेध व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हो गया। मारवाड़ी युवक संघ सभागार में शनिवार को आयोजित समारोह में दशाश्वमेध व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुरेश तुलस्यान, सचिव दीपक वासवानी एवं कोषाध्यक्ष भगवन दास जाजानी की टीम ने शपथ ग्रहण किया। समारोह में विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, महापौर अशोक तिवारी, आरके चौधरी, प्रेम मिश्रा, सुशील मोहनानी, विनय यादव, अनिल सेठ, जय किशन खत्री, मन्नू जेसवानी, महेश झुनझुनवाला आदि थे।

बीएचयू में एक्जीक्यूटिव काउंसिल गठन के लिए सौंपा पत्रक

वाराणसी। बीएचयू के पूर्व छात्र नेताद्वय गणेश शंकर चतुर्वेदी एवं धर्मेंद्र सिंह तथा महामना मंडल के अध्यक्ष राहुल पांडे ने एक्जीक्यूटिव कौंसिल के गठन की खातिर राष्ट्रपति भवन में पत्रक सौंपा। पत्रक के माध्यम से नेताओं ने राष्ट्रपति से विश्वविद्यालय के कुलपति को एक्जीक्यूटिव कौंसिल के गठन के लिए निर्देशित करने की मांग की है। साथ ही बीएचयू में गैर शिक्षण पदों पर प्राइवेट एजेंसीज के माध्यम से की जा रही नियुक्तियों पर तत्काल रोक लगाने की भी मांग की गई है। इस मसले पर गणेश शंकर चतुर्वेदी ने बताया कि प्राइवेट एजेंसी सीधे-सीधे मानव तस्करी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इतने बड़े विश्वविद्यालय में ठेके पर संचालन संस्थापक महामना पं. मदन मोहन मालवीय के मूल्यों के साथ धोखा है, युवाओं का शोषण है। जिसे कभी भी बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

बेकाबू कार ने सब्जी बेच रही लड़कियों को रौंदा, घायल

वाराणसी। पहड़िया मंडी के पास शुक्रवार की रात एक बेकाबू कार ने सड़क के किनारे सब्जी बेच रहीं लड़कियों को कुचल दिया जिससे वे घायल हो गईं। इलाज के लिए उन्हें ट्रामा सेंटर में भरती किया गया है। कार चालक नशे की हालत में था। जिसे पुलिस ने हिरासत में लिया है। घटना के बाद आक्रोशित भीड़ ने कार में आग लगा दी। सूत्रों के अनुसार, कार के अनियंत्रित तरीके से लडकियों पर चढ़ाने में दो लड़कियां गंभीर रूप से घायल हुई हैं। पुलिस ने आग पर काबू पा लिया है। मौके पर कई थानों की पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई थी।

मन को शांत रखता है योग

योग कार्यशाला

सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में चल रहा है आयोजन

वाराणसी। सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में सप्ताहव्यापी योग कार्यशाला चल रहा है। शनिवार को कार्यशाला को संबोधित करते हुए आधुनिक साहित्य संस्कृति संकायाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार गर्ग ने कहा कि शरीर और मन दोनों को स्वस्थ बनाए रखने के लिए नियमित रूप से दिनचर्या में योगासनों को शामिल करके लाभ प्राप्त किया जा सकता है। योगासन, शरीर में ऊर्जा के स्तर को बढ़ावा देने के साथ मन को शांत करते हैं।

वेदाचार्य प्रो. महेंद्र पांडेय ने कहा कि योग उनके शारीरिक, मानसिक संतुलन को बनाकर अध्ययन में रुचि पैदा करता है। सभी लोगों में योग के प्रति रुचि पैदा होगी तो महिलाएं, बच्चे और पुरुष सभी स्वस्थ होंगे। कार्यशाला मे योग प्रशिक्षक डॉ. राजकुमार मिश्र ने ग्रीवा-स्कंधा-घुटना संचालना, त्रिकोणासना, कटिचक्रासना, व्रजासन, शशकासन, उत्तानपादासन, अर्ध हलासन, हलासन, वक्रासन, बटरफ्लाई, भद्रासन, मकरासन, शलभासन, भुजंगासन आदि कराया। संचालन प्रशिक्षक आदित्य कुमार ने किया। तत्पश्चात आयोजित निबंध प्रतियोगिता में एनएसएस के स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता डॉ. विद्या चंद्रा, डॉ. विजय शर्मा आदि के देखरेख में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. विजय शर्मा, डॉ. सत्येंद्र यादव, सुरक्षाधिकारी अजय पाण्डेय, विष्णु शाही, गिरीश श्रीवास्तव, अशोक सिंह आदि उपस्थित थे।

वीडीए में योग प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

वाराणसी। वीडीए उपाध्यक्ष अभिषेक गोयल एवं सचिव सुनील कुमार वर्मा के निर्देश पर शनिवार को एक दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ। योग प्रशिक्षक मनीष पांडेय ने उष्ट्र आसन, वज्र आसन, वृक्ष आसन, ताड़ आसन, कटि चल आसन, पाद हस्त आसन, त्रिकोण आसन, वक्र आसन, भुजंग आसन कराया।

योग प्रशिक्षक ने कहा कि काम से बार-बार ध्यान भंग होने लगना, भूख में कमी या अधिकता, नींद में कठिनाई, याददाश्त में कमी, व्यवहार में अप्रत्याशित परिवर्तन तथा मनोदशा में जल्दी-जल्दी उतार चढ़ाव मानसिक स्वास्थ्य के लिए अलार्म की घंटी है। ऐसे में व्यक्ति को मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण के उपायों पर अमल शुरू कर देना चाहिए। कर्मचारी उचित खानपान, व्यायाम, नियमित दिनचर्या, योग आदि करके इन दुष्परिणामों से बच सकते हैं। शिविर का संचालन सहायक अभियंता लाला सतीश कुमार सुमन की देखरेख में सम्पन्न हुआ। योग शिविर में नायब तहसीलदार राजीव जायसवाल, ओएसडी रंजना अवस्थी के अलावा अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

परिवहन निगम ने जांच के लिए बनाया रोस्टर

सख्ती

सभी आठों डिपो के एआरएम दिन के हिसाब से संभालेंगे कमान

वाराणसी। रोडवेज वाराणसी परिक्षेत्र की ओर से चालक/परिचालक की मनमानी रोकने के लिए रोस्टर प्रणाली जारी कर दिया है। परिक्षेत्र के तहत आने वाले कुल आठ डिपो के एआरएम (सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक) इसकी कमान संभालेंगे।

निगम की बसों में बिना टिकट यात्री को ले जाने या फिर बिना यात्री पार्सल का बंडल एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने में चालक/परिचालक पर लगातार आरोप लगता है, इसे रोकने के लिए वाराणसी परिक्षेत्र के आरएम गौरव वर्मा ने जांच रोस्टर प्रणाली लागू करते हुए सभी एआरएम को इसकी कमान सौंपी है। दिन के हिसाब से सभी एआरएम किसी भी रुट पर मध्य रात्रि से लगायत भोर में पांच बजे तक बस में टिकट व पार्सल की जांच कर कार्रवाई कर सकते हैं। रोस्टर प्रणाली में सुबह छह बजे से पूर्वाह्न दस बजे का भी समय शामिल है।

कलर्स की नई महाकृति शिव शक्ति का प्रीमियर 19 को

वाराणसी। भारत समृद्ध पौराणिक कथाओं का देश है जो इसके सांस्कृतिक ताने-बाने में बुने हुए हैं। पीढ़ियों से चली आ रही प्राचीन कहानियां लोगों के जीवन के सफर में कालातीत मार्गदर्शक के रूप में काम करती है। सभी भावनाओं से परे सबसे शक्तिशाली प्रेम गाथा को चित्रित करते हुए कलर्स की नई महाकृति शिव शक्ति तप, त्याग तांडव दो पूज्यनीय देवताओं शिव और शक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है। यह उनके कर्तव्य, त्याग और अलग होने की सफर को दर्शाता है जिससे होकर वे तप, त्याग और तांडव की ओर जाते हैं। लांच के पहले इन देवताओं की महिमा का जश्न मनाने के लिए काशी के दशाश्वमेधघाट पर आरती में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। मासिक शिवरात्रि पर काशी में शिव शक्ति में भूमिका निभा रहे मुख्य अभिनेताओं में राम यशवर्धन व सुभा राजपूत ने दिव्य नृत्य प्रेम तांडव देखा। शिव शक्ति को सिद्धार्थ कुमार तिवारी के स्वास्तिक प्रोडक्शन से बनाया गया है। इसका प्रीमियर 19 जून को होगा। हर सोमवार से शुक्रवार की रात्रि 8 बजे से केवल कलर्स पर प्रसारित किया जायेगा।

हीट स्ट्रोक, हीट रैश व हीट वेव हैं जानलेवा, बचाव ही उपचार : सीएमओ

एडवाइजरी

इच्छा न होने पर भी पानी पिएं, ठंडक प्रदान करने वाले फल खाएं

गर्भवती, नवजात शिशुओं, बच्चों व वृद्धजनों का रखें विशेष ध्यान

वाराणसी। भीषण गर्मी और गर्म हवा (लू) के प्रकोप व हीट स्ट्रोक (तापघात) से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से एड्वाइजरी जारी की गई है। इस मौसम में बच्चों से लेकर वृद्धजन को बेहोशी, मांसपेशियों में जकड़न, मिर्गी दौरा पड़ना, चिड़चिड़ापन, सिरदर्द, अधिक पसीना आना, कमजोरी, चक्कर आना, सांस व दिल की धड़कन तेज होना, मिचली और उल्टी आना, नींद पूरी न होना आदि परेशानी हो सकती है। इससे बचाव के लिए उपचार बेहद जरूरी है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ संदीप चौधरी ने बताया कि गर्मी के प्रभाव और इसके कारण उत्पन्न होने वाले रोगों के प्रबंधन व प्रभावी तैयारियों के लिए सभी जिला स्तरीय चिकित्सालयों को निर्देशित किया गया है कि हीट स्ट्रोक, हीट रैश, हीट क्रैम्प और हीट वेव से होने वाली समस्याओं को नियंत्रित करने के लिए समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लें। सीएमओ ने बताया कि सुबह से ही गर्म हवा और तेज धूप से जन-हानि भी हो सकती है। सबसे ज्यादा खतरा एक वर्ष से कम आयु के शिशु व अन्य छोटे बच्चे, गर्भवती, बाह्य वातावरण में कार्य करने वाले व्यक्ति, बीमार व्यक्ति विशेषकर हृदय रोगी अथवा उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों को है। पिछले कुछ दिनों से तापमान 42-43 डिग्री सेल्सियस चल रहा है।

हीट स्ट्रोक से बचने को क्या करें

तेज धूप और गर्म हवा से बचें, बहुत जरूरी हो तभी घर से बाहर निकलें, जितनी बार हो सके पानी पियें, प्यास न लगे तो भी पानी पियें, हल्के रंग के ढीले-ढीले सूती कपड़े पहनें, धूप से बचने के लिए गमछा, टोपी, छाता, धूप का चश्मा, जूते और चप्पल का इस्तेमाल करें, सफर में अपने साथ पानी रखें।

ओबीसी युवाओं को देंगे कंप्यूटर की फ्री ट्रेनिंग

बढ़िया अवसर

बेरोजगार युवक-युवतियों को देंगे 'ओ' लेवल तथा सीसीसी कंप्यूटर की ट्रेनिंग

विभागीय वेबसाइट 'यूपीएसडीसी.जीओवी.इन' पर 30 जून तक करें आवेदन

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। जनपद में ओबीसी वर्ग के बेरोजगार युवाओं को 'ओ' लेवल तथा सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना में मुफ्त ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके लिए आगामी 30 जून तक सिर्फ ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रितेश बिंदल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अर्जी देने के लिए विभागीय वेबसाइट 'यूपीएसडीसी.जीओवी.इन' के 'ओबीसीकंप्यूटरट्रेनिंग.' को ओपन कर दिया गया है। स्कीम के अंतर्गत चालू वित्तीय वर्ष के लिए जनपद में संबंधित प्रशिक्षण देने वाली संस्थाओं का चयन शासन स्तर पर कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि योजना में तहत 'ओ' लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण शुल्क क्रमशः 15000 रुपये तथा 3500 रुपये का खर्च विभाग वहन करेगा। दोनों की ट्रेनिंग अवधि क्रमशः एक वर्ष और तीन माह है। पात्रों की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता (10+2) इंटरमीडिएट और अधिकतम उम्र 35 वर्ष होनी चाहिए। इससे अधिक आयु वाले आवेदकों की अर्जी अमान्य होगी। पात्र बेरोजगार हो और किसी शिक्षण संस्था में उसे छात्रवृत्ति न मिल रही हो। श्री बिंदल के मुताबिक प्रशिक्षार्थी के माता-पिता या अभिभावक की कुल सालाना आय एक लाख रुपये से अधिक न हो। कंप्यूटर ट्रेनिंग के लिए एडमिशन आगामी जुलाई माह में और जनवरी होगा। ऑनलाइन आवेदन के साथ शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र तथा अन्य अभिलेखों को अपलोड करना होगा। उसकी हार्ड कॉपी दो प्रतियों में विकास भवन स्थित विभागीय कार्यालय में जमा करना अनिवार्य है। ऐसा न करने पर आवेदन निरस्त माना जाएगा।

बोतल से दूध पिलाना बच्चे के लिए घातक

जानकारी

बच्चे को संक्रमण का रहता है खतरा,इम्यून सिस्टम को करता है कमजोर

वाराणसी। प्लास्टिक की बोतल की अपेक्षा कटोरी चम्मच से बच्चों को दूध पिलाना पूरी तरह से सुरक्षित है, बोतल से दूध पिलाना बच्चों के लिए घातक साबित हो सकता है।

शिव प्रसाद गुप्त मण्डलीय चिकित्सालय के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सीपी गुप्ता इस बात की जानकारी देते हुए बताते हैं कि शिशु के लिए मां का दूध ही सर्वोत्तम आहार होता है। इसलिए छह माह तक नवजात को सिर्फ स्तनपान कराना चाहिए। मां के दूध में मिलने वाले पोषक तत्व शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास में मददगार होते हैं।

वह कहते हैं कि शिशु के जन्म के छह माह के बाद कुछ मामलों में मां के दूध में कमी होने या फिर मां का दूध न बनने पर बच्चों को बाहर का दूध कटोरी-चम्मच की मदद से पिलाने की

बाल रोग विशेषज्ञ शिव प्रसाद गुप्त अस्पताल

सलाह दी जाती है। चिकित्सकों की इस सलाह को नजरअंदाज कर कई महिलाएं अपने बच्चे को बोतल से दूध पिलाती है।

नतीजा होता है कि ऐसे बच्चों को डायरिया के साथ ही अन्य कई तरह की बीमारियों का खतरा होता है। डॉ. गुप्त बताते हैं कि उनकी ओपीडी में हर रोज डायरिया से पीड़ित 30-40 बच्चे आते हैं। वैसे तो बच्चों में डायरिया के कई कारण होते हैं लेकिन इसकी सबसे बड़ी वजह बोतल से दूध पिलाना होता है। दरअसल दूध के बोतल के रखरखाव में आमतौर पर लापरवाही हो ही जाती है।

पीएम आवास योजना में 1008 लाभार्थियों की परियोजना हुई स्वीकृत

वाराणसी। जनपद वाराणसी में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) योजनान्तर्गत 64वीं तथा 65वीं सीएसएमसी में सूजाबाद (731) तथा वाराणसी नगर निगम (277) लाभार्थियों की परियोजना स्वीकृत हुई थी। जिसमें जॉचोपरान्त 122 लाभार्थी अपात्र पाये गये। अपात्र आवेदकों की सूची सम्बन्धित जोन तथा सम्बन्धित नगरीय निकाय में 23 जून तक चस्पा रहेगी। यदि कोई लाभार्थी त्रुटिवश अपात्र की सूची में दर्ज हो गया है, तो उक्त दिनांक तक सम्बन्धित जोन/नगरीय निकाय/डूडा कार्यालय में पुनः जॉच हेतु अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है। अन्यथा की स्थिति में अपात्र आवेदको को हटाते हुए संशोधित परियोजना शासन को प्रेषित कर दी जायेगी।

शांतिपूर्वक चल रहीं संस्कृत विवि की परीक्षाएं

वाराणसी। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्बद्ध देश के महाविद्यालयों की परीक्षा करीब 357 परीक्षा केंद्रों पर दूसरे दिन शनिवार को भी शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न हुई। बताते चलें कि संस्कृत महाविद्यालयों में परीक्षाएं 29 जून तक चलेगी। प्रातः सात से पूर्वाह्न 10 बजे शास्त्री प्रथम, तृतीय तथा अपराह्न दो बजे से सायं पांच बजे तक शास्त्री द्वितीय एवं आचार्य द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षा आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय परिसर में प्रथम पाली के केंद्राध्यक्ष प्रो. अमित कुमार शुक्ल के अनुसार 303 परीक्षार्थियों में से नौ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली के केंद्राध्यक्ष प्रो. हरिशंकर पान्डेय एवं सहायक केंद्रायक्ष डॉ. रविशंकर पांडेय के अनुसार 715 परीक्षार्थियों मे से 20 अनुपस्थित रहे। परीक्षा नियंत्रक प्रो. सुधाकर मिश्र ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर समेत देश भर में दोनों पालियों की परीक्षा शान्तिपूर्वक संपन्न हुई। वहीं, कुलपति प्रो. आनन्द कुमार त्यागी ने कहा है कि शिक्षक व विद्यार्थी अनुशासित होकर शास्त्रों और संस्कृत की गरिमा बनाये रखे। साथ ही परीक्षा की शुचितावादी भावना का सम्मान करें।

रेडियोलॉजिस्ट न हो तो भी होगा अल्ट्रासाउण्ड

पहल

जिलाधिकारी ने कहा, विशेषज्ञ चिकित्सक भी कर सकेंगे जांच

डीएम के आदेश पर हुई तैनाती लोगों ने ली राहत की सांस

वाराणसी। जिला स्तरीय सरकारी अस्पतालों में रेडियोलॉजिस्ट के अभाव में अब विशेषज्ञ चिकित्सक अल्ट्रासाउण्ड करेंगे। जिलाधिकारी एस. राजलिंगम के निर्देश पर इसके तहत चिकित्सकों की तैनाती कर दी गयी है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप चौधरी ने बताया कि जनपद के जिला स्तरीय चिकित्सालयों में रेडियोलॉजिस्ट की अनुपलब्धता के कारण आने वाले मरीजों को अल्ट्रासाउण्ड के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ती रही है, जिसके कारण उन्हें ससमय उपचार उपलब्ध नहीं हो पा रहा है जो कि एक गम्भीर एवं जनहित का प्रकरण है। इसे देखते हुए जिलाधिकारी के निर्देश पर इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्थायें की जा रही हैं। इस संदर्भ में शिव प्रसाद गुप्त मण्डलीय चिकित्सालय, पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय व एलबीएस चिकित्सालय रामनगर, जिला महिला चिकित्सालय में विशेषज्ञ चिकित्सकों को अल्ट्रासाउण्ड करने के निर्देश दिये गये हैं।सम्बन्धित चिकित्सकों से कहा गया है कि चिकित्सालय में तैनात रेडियोलॉजिस्ट से रिफ्रेशर ट्रेनिंग प्राप्त करते हुए अपने देखे गये मरीजों का जनहित में मानकनुसार अल्ट्रासाउण्ड का कार्य सुनिश्चित करें। जिससे कि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े और उन्हें समय से उपचार प्राप्त हो सके। सीएमओ ने बताया कि एसएसपीजी मण्डलीय चिकित्सालय में डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता, डॉ. रवि कुमार सिंह, डॉ. चन्द्र प्रकाश गुप्त को अल्ट्रासाउण्ड करने के लिए नामित किया गया है। इसी तरह पं. दीन दयाल उपाध्याय राजकीय चिकित्सालय में डॉ. मनीष कुमार यादव, डा. राजेश कुमार सिंह, डॉ. शिवेश जायसवाल, डॉ प्रीति यादव को अल्ट्रसाउण्ड करने के लिए निर्देश दिये गये हैं। एलबीएस चिकित्सालय रामनगर में डॉ सोनिया पडियार, डा. पीके भारती, डॉ. आरके गुप्त अल्ट्रसाउण्ड करेंगे। जिला महिला चिकित्सालय में डॉ. अनुरीता सचान, डॉ. योगेन्द्र कुमार, डॉ स्मिता श्रीवास्तव, डॉ प्रियंका, डा. सुमिता व डॉ निवेदिता अब अल्ट्रासाउण्ड का कार्य भी देखेंगी।

प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग के लिए 25 तक करें आवेदन

वाराणसी। मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल ने कहा है कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अभ्यर्थी बड़ालालपुर स्थित राजकीय संत रविदास आईएएस पीसीएस शिक्षण संस्थान में आगामी 25 जून तक किसी भी कार्यदिवस में जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। सीडीओ शनिवार की शाम कलेक्ट्रेट स्थित जिला रायफल क्लब सभागार में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना की जिला समिति की बैठक कर रहे थे। उन्होंने जिले में योजना को व्यापक स्वरूप देने पर बल देते हुए मेधावी विद्यार्थियों के चयन के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कराने को कहा। श्री नागपाल ने बताया कि जनपद में यूपीएससी तथा यूपीपीएससी की कक्षाएं बड़ालालपुर स्थित संस्थान में और नीट व जेईई की कक्षाएं होलापुर स्थित संत अतुलानंद रेजिडेंशियल एकेडमी में संचालित होती हैं। उन्होंने डीआईओएस तथा क्षेत्रीय उच्च शिक्षाधिकारी को अपने अधीनस्थ संस्थाओं में योजना को प्रचासिर करने समेत शहर के प्रमुख स्थलों पर संबंधित होर्डिंग्स लगवाने के निर्देश दिये।

ट्रेन में गर्भवती ने जना बच्चा

वाराणसी। चलती ट्रेन में शनिवार को प्रसव पीड़ा होने पर रेल मदद के माध्यम से एक गर्भवती ने चिकित्सकों की देखरेख में एक बच्चें को जन्म दिया। जच्चा बच्चा दोनों सुरक्षित हैं। जानकारी केअनुसार जोधपुर से वाराणसी आ रही गाड़ी सं-14864 मरुधर एक्सप्रेस के एस-7 स्लीपर कोच में बर्थ सं-41 यात्रा कर रही 22 वर्षीय महिला यात्री कुसूम देवी को प्रसव पीड़ा हुई, उनके पति राम प्रताप ने इसकी जानकारी रेल मदद एप पर दी, ट्रेन के वाराणसी जंक्शन पर पहुंचते ही चिकित्सक भी मौके पर पहुंच गये, और उक्त महिला का परीक्षण कर आवश्यक मेडिकल सुविधाओं के साथ महिला का सुरक्षित प्रसव कराया, महिला ने एक स्वस्थ्य बालक का जन्म दिया है।

जिलाधिकारी ने लिया तैयारियों का जायजा

प्रभावती देवी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण करते डीएम एवं अन्य

जनसंदेश न्यूज

बलिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभावित आगमन के दृष्टिगत जिलाधिकारी रवींद्र कुमार ने प्रभावती देवी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां मौजूद चिकित्सा संसाधनों के बारे में पूरी जानकारी ली। प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिया कि जो भी तैयारी करनी है, एक-दो दिन के अंदर पूरी कर लें।

अभी तक हुए कार्य की प्रगति से असंतुष्ट जिलाधिकारी ने सीएमओ को निर्देश दिया कि यहीं पर स्वयं मौजूद रहकर तैयारी सम्बन्धी कार्य युद्धस्तर पर कराएं। प्रतिदिन सुबह और शाम को रिपोर्ट देने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पूजा स्थल व अन्य कार्यक्रमों के लिए स्थल का चयन कर जरूरी व्यवस्था कराने के निर्देश जिला विकास अधिकारी राजित राम मिश्र को दिए। मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए गांव में चल रहे सफाई कार्य का निरीक्षण जिलाधिकारी ने किया। जिला पंचायत राज अधिकारी यतेंद्र सिंह से जरूरी जानकारी ली

तैयारी

अस्पताल में मौजूद संसाधनों के बारे में ली जानकारी

सीएम के संभावित आगमन को लेकर प्रशासन अलर्ट

और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के जयप्रकाश नगर में आयोजित होने वाले संभावित कार्यक्रम स्थलों पर जिलाधिकारी गए। पुलिस अधीक्षक के साथ मिलकर रूट व्यवस्था आदि पर चर्चा की। आवश्यकतानुसार स्थलों पर बैरिकेडिंग आदि को लेकर पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्था के बाबत ली जानकारी

बलिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम संभवतः उपसभापति हरिवंश के घर पर भी है। लिहाजा जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने उनके घर जाकर सुरक्षा व अन्य व्यवस्था का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने वहां की जा रही व्यवस्था के सम्बंध में जरूरी निर्देश दिए। वहीं, एसपी राज करन नय्यर ने सुरक्षा को लेकर कहां-कहां जवानों की तैनाती होगी? उसके संबंध में निर्देश दिए।

जेपी नगर में उतरे थे आधा दर्जन हेलीकाप्टर

जेपी शताब्दी समारोह 2001: यह वही मंच है, जिस मंच पर तत्कालीन प्रधानमंत्री, गृहमंत्री व मुख्यमंत्री ने दिया था भाषण (फाइल फोटो)

बलिया। 11 अक्टूबर 2001 को जयप्रकाश नगर में जेपी शताब्दी समारोह का आयोजन था। इसमें तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, राज्यपाल विष्णुकांत शास्त्री, उप राष्ट्रपति, केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी, पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव आदि बड़े नेता शामिल हुए थे। करीब आधा दर्जन हेलीकाप्टर जेपी नगर में उतरा था। इस आयोजन को सफल बनाने में पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर का सफल प्रयास रहा। स्वयं चंद्रशेखर पीएम-सीएम सहित बड़े नेताओं का स्वागत कर रहे थे।

नीतीश कुमार ने लगाया था पौधा

जयप्रकाश नगर में पौधा लगाते नीतिश कुमार, रविशंकर सिंह पप्पू, रामगोविंद चौधरी, विक्रमादित्य पांडेय व कमलेश सिंह (फाइल फोटो)

बलिया। जेपी जयंती के अवसर पर बिहार के नीतिश कुमार ने जयप्रकाश नगर में एक पौधा लगाकर जेपी नगर को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया था। इस दौरान उनके साथ कई बड़े नेताओं ने भी पौधे लगाये थे।

दौड़ते थे लाल बत्ती लगे वाहन

जेपी नगर में एक साथ पहुंची थी कई वीआईपी गाड़ी (फाइल फोटो)

बलिया। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के गांव जेपी नगर में एक समय था, जब कभी यहां वीआईपी लाल बत्ती दौड़ती थी। जब-जब पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जयप्रकाश नगर जाते थे तो उस वक्त बड़ी संख्या में वीआईपी वाहनों पर लगे लाल बत्ती भी देखने को मिलती थी।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण के घर पूर्व पीएम चंद्रशेखर से मिलने पहुंचे थे लोग (फाइल फोटो)

चंद्रशेखर से मिलने पहुंचे थे शुभचिंतक

बलिया। जयप्रकाश नगर में पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर मौजूद थे और उनसे मिलने के लिये गांव के शुभचिंतक पहुंचे हुए थे। किसी को यह पता नहीं था कि चंद्रशेखर फिर वापस लौटकर जयप्रकाश नगर नहीं आएंगे। उनसे मिलने के लिए लोगों की काफी भीड़ लगती थी।

18 साल बाद गुलजार होगा जेपी का आंगन

जेपी जयंती पर अंतिम बार भाषण देते पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर (फाइल फोटो)

कार्यक्रम समाप्त होने के बाद मंच से कार की ओर बढ़ते पूर्व पीएम चंद्रशेखर (फाइल फोटो)

रोशन जायसवाल

बलिया। लोकनायक जेपी का गांव जयप्रकाश नगर एक बार फिर 18 साल बाद गुलजार होगा। क्योंकि यहां 21 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन की तैयारी चल रही है। 11 अक्टूबर 2005 को पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर अंतिम बार लोकनायक जयप्रकाश नारायण के गांव पहुंचे थे और उस दिन यूपी-बिहार सहित अन्य प्रांतों से बड़े नेता भी जेपी जयंती के अवसर पर पहुंचे थे।

पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के निधन के बाद जयप्रकाश नगर में आयोजित जेपी जयंती समारोह सामान्य रूप से मनता रहा। इन 18 वर्षों में जयप्रकाश नगर में कोई बड़ा आयोजन नहीं हो सका और ना ही यहां पीएम और सीएम का कार्यक्रम लगा। अब 18 साल बाद लोकनायक के गांव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहली बार पहुंचेंगे। हालांकि जेपी जयंती का अवसर तो नहीं है, लेकिन उनके गांव में बना प्रभावती सीएचसी और अन्य विकास कार्यों को देखने सीएम पहुंचेंगे। 10 अक्टूबर 2005 को पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर बलिया रेलवे स्टेशन होते हुए सेनानी एक्सप्रेस से बकुल्हा स्टेशन पहुंचे थे और वहां से कार द्वारा जयप्रकाश नगर में रात्रि विश्राम किये थे। 11 अक्टूबर को जेपी जयंती कार्यक्रम में बिहार के नीतिश कुमार सहित उत्तर प्रदेश के राजा भैया, ओमप्रकाश सिंह, रविशंकर सिंह पप्पू, कमलेश सिंह, पीके सिंह, राजधारी सिंह, यशवंत सिंह, नीरज शेखर, रामगोविंद चौधरी, विक्रमा पांडेय सहित अन्य बड़े नेता वहां पर पहुंचे थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद चंद्रशेखर लोकनायक जयप्रकाश नारायण के गांव से बलिया स्थित झोपड़ी पर पहुंचे। फिर वहां से वह सीधे दिल्ली पहुंचे। उसके बाद फिर वह कभी बलिया नहीं लौटे और उपचार के दौरान दिल्ली में ही उनका निधन हो गया। ऐसे में पूर्व पीएम चंद्रशेखर के बिना जयप्रकाश नगर सूना रहा। हालांकि हर जेपी जयंती पर जयप्रकाश नगर में कार्यक्रम आयोजित होता रहा, लेकिन जो भव्यता पूर्व पीएम चंद्रशेखर के रहते वक्त कार्यक्रमों में देखने को मिलता था, वह उनके जाने के बाद नहीं दिखता।

ठेला-खोमचा वालों को 30 तक का अल्टीमेटम

सख्ती

चेयरमैन एवं कोतवाल की मौजूदगी में हुई बैठक में लिया गया निर्णय

बलिया। शहर के ओक्डेनगंज पुलिस चौकी पर चेयरमैन संत कुमार गुप्ता मिठाई लाल व सदर कोतवाल राजीव सिंह की मौजूदगी में ठेला-खोमचा व पटरी दुकानदारों की हुई बैठक में नगर को अतिक्रमण मुक्त बनाने को लेकर कई निर्णय लिए गए। इस दौरान मौजूद कई संगठनों के पदाधिकारियों से वार्ता के बाद चेयरमैन संत कुमार ने शहर को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए 30 जून तक का अल्टीमेटम दिया।

चेयरमैन ने कहा कि स्टेशन से चौक तक सड़क पर ठेला-खोमचा लगाकर अतिक्रमण करने वाले समस्त दुकानदार 30 जून तक इसे पूरी तरह से खाली कर दें। उनके रोजगार आदि को देखते हुए उनको हरसंभव सुविधा व व्यवस्था दी जाएगी। नगर के चौक क्षेत्र से बाहर सभी को सम्मानित तरीके से उनको ठेला व खोमचा आदि लगाने की व्यवस्था दी जाएगी। कहा कि परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह की प्राथमिकता है कि शहर बड़े नगरों की तर्ज पर सुंदर बने। ऐसे में शहर को अतिक्रमण मुक्त करके ही सुंदर बनाया जा सकता है। इसमें सबका सहयोग चाहिए, तभी ये संभव हो सकता है। कहा कि नगर से बाहर हटने वाले ठेलों आदि के लिए एलआईसी रोड व अन्य जगहों पर स्थान का चिह्नाकन किया जा रहा है। ऐसे में स्वेच्छा से अतिक्रमण नहीं हटाने वालों के विरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह व पुलिस प्रशासन संग संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

महिलाओं व छात्राओं को किया जागरूक

बलिया। गड़वार थाना की महिला पुलिस टीम द्वारा मिशन शक्ति-नारी सशक्तिकरण अभियान के अंतर्गत एंटी रोमियो कार्यवाही के तहत महिलाओं तथा छात्राओं को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया। रामपुर असली गांव में गोष्ठी आयोजित कर उपस्थित महिलाओं को जागरूक किया गया तथा मजबूती के साथ उनके विरुद्ध होने वाले अपराध का मुखर होकर विरोध करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस सम्बन्ध में बने हुए कानून व सहायता प्रदान करने वाली विभिन्न संस्थाओं के बारे में बताते हुए टोल फ्री नंबर से अवगत कराया गया। इसके साथ ही थाने पर स्थापित महिला हेल्प डेस्क के बारे में जानकारी दी गई व उससे संबंधित पुस्तिकाएं बांटी गई। इस मौके पर महिला आरक्षी ज्योति यादव, हेड कान्स्टेबल संदीप यादव सहित तमाम महिलाएं उपस्थित रहीं।

मरीजों के लिए अस्पताल में लगवाया प्याऊ

नेक कार्य

अधीक्षक के नेक कार्य की सर्वत्र हो रही प्रशंसा

जनसंदेश न्यूज

बैरिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सोनबरसा का अरसे से खराब पड़े आरओ मशीन को बार-बार शिकायत के बाद भी नहीं बनवाया गया तो अधीक्षक ने अपने पैसे से मरीजों की प्यास बुझाने के लिए अस्पताल में ही निःशुल्क प्याऊ खोल दिया, जहां इस भीषण गर्मी में प्यासे मरीज पानी से अपने हलक को गिला कर रहे हैं।

यह कार्य सीएचसी सोनबरसा के अधीक्षक डा. आशीष श्रीवास्तव ने किया है। उनके इस नेक काम की सर्वत्र प्रशंसा हो रही है। लोग कह रहे है कि काश अन्य अस्पतालों के चिकित्साधिकारी भी इस गर्मी के मौसम में अपने-अपने अस्पतालों में रोगियों के लिए प्याऊ खुलवाते। इससे

सीएचसी सोनबरसा में प्याऊ पर पानी पीते लोग

अन्य सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रेरणा लेनी चाहिए। बता दें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनबरसा में जल निगम द्वारा लगाया गया आरओ प्लांट काफी दिनों से खराब पड़ा हुआ है। विभागीय लिखा-पढ़ी के बावजूद जब जल निगम ने आरओ प्लांट को ठीक नहीं कराया तो अधीक्षक ने अस्पताल की मद से सात हजार खर्च कर उसे ठीक कराया था, जो तत्काल ही खराब हो गया था। अंततः इस गर्मी को देखते हुए डा. आशीष श्रीवास्तव ने अपने पैसे से प्याऊ की स्थापना करा दी, जिससे अस्पताल में आने वाले लोग अपनी प्यास बुझा रहे हैं।

संक्षेप

रेल पुल पर जख्मी हालत में मिला अधेड़

बैरिया। बलिया-छपरा रेल खंड पर मांझी के समीप स्थित रेल पुल पर शनिवार को पुल में ठोकर लगने से एक अज्ञात अधेड़ बुरी तरह जख्मी हो गया। रेल पुल के पाया नम्बर छह तथा सात के मध्य पटरी के बीचो बीच खून से लथपथ पड़े जख्मी अधेड़ पर रेल पुल में ट्रैक बदलने के काम में जुटे मजदूरों की नजर पड़ी। मजदूरों ने तत्काल उसे उठाकर रेलपुल से बाहर निकाला तथा रेल पुलिस के सहयोग से एम्बुलेंस से मांझी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया। हालांकि चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे छपरा के लिए रेफर कर दिया। जख्मी अधेड़ के सिर तथा पैर में कटे-फटे के कई निशान दिख रहे थे। वह शर्ट एवं पैंट पहने हुए है। उसकी जेब से पहचान का कोई कागजात बरामद नही हुआ है। समाचार लिखे जाने तक जख्मी अधेड़ बेहोशी की हालत में था।

हर्षोल्लास से मनेगा योग दिवस

बलिया। भारत स्वाभिमान एवं पतंजलि योग समिति की संयुक्त बैठक में सभी तहसीलों, विकास खंडों एवं गांवों में हर्षोल्लास से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जायेगा। इसी क्रम में चंद्रशेखर उद्यान में योग सप्ताह का उद्घाटन हुआ। 21 जून को योग दिविस पर वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम में समापन समारोह आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर ओमप्रकाश, सूरज प्रसाद, दिनेश, राजेश, विनोद आदि मौजूद रहे।

रोजगार मेला 21 को

बलिया। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बलिया में आईटीआई कैम्पस में 21 जून को पूर्वाह्न 10 बजे से रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। इसमें मारुती सुजकी ग्रुप की मिंदा कोसेई एंड जेबीएम कंपनी बिठलपुर महेसाना अहमदाबाद कैम्पस प्लेसमेंट हेतु आ रही है। इनका वेतन प्रतिमाह 19400 सीटीसी तथा 21000 सीटीसी है, जो हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, आईटीआई पास, कौशल विकास मिशन से उत्तीर्ण एवं स्नातक के अभ्यर्थी जिनकी आयु 18 से 35 वर्ष है। इच्छुक अभ्यार्थी प्रतिभाग कर रोजगार पा सकते है। यह जानकारी नोडल प्रधानाचार्य संजय कुमार भारती द्वारा दी गयी है।

साजिद को अंगवस्त्रम से किया सम्मानित

नगरा। नगर पंचायत चेयरमैन इन्दु देवी ने नीट में सफलता हासिल करने वाले साजिद के घर पहुंच कर अंगवस्त्रम से सम्मानित किया। कहा कि जिस लगन एवं मेहनत के साथ मेडिकल प्रवेश परीक्षा को पास किया है, उससे युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। पढाई पूरी करने तक किसी प्रकार की कठिनाई नहीं आने दी जायेगी। उन्होंने साजिद को हरसंभव सहायता करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर सुशील कुमार, प्रधान संघ के ब्लाक अध्यक्ष जयप्रकाश यादव, पप्पू अहमद, उमाशंकर, मुश्ताक अंसारी आदि मौजूद रहे।

धू-धूकर जलने लगा ट्रांसफार्मर

बेल्थरारोड। स्थानीय नगर पंचायत के इमिलिया मुहल्ले में लगा 250 केवीए का विद्युत ट्रांसफार्मर शनिवार की सुबह धूं-धूंकर जल गया। आग की लपटों को देखकर मुहल्लेवासियों में खलबली मच गई। आनन-फानन में लोगों ने फोन कर बिजली आपूर्ति बंद कराया। विद्युत आपूर्ति के अभाव में उपभोक्ता परेशान रहे। जानकारी के अनुसार स्थानीय नगर के वार्ड नम्बर नौ में लगे ट्रांसफार्मर में अचानक आग लग गयी और कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। लगभग एक घण्टे ट्रांसफार्मर जलता रहा। इस संबंध में एसडीओ अजय कुमार मिश्र ने पूछे जाने पर बताया कि भीषण गर्मी एवं ओवरलोड के चलते ट्रांसफार्मर में आग लगने का कयास लगाया जा रहा है। उपभोक्ताओं के हित में नए ट्रांसफार्मर आने तक सचल ट्रांसफार्मर से फिलहाल विद्युत आपूर्ति जारी रखी जायेगी। उम्मीद है कि 48 घंटे बाद नया ट्रांसफार्मर आ जाय।

एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण 22 को

बलिया। जेम पोर्टल पर समय-समय पर हो रहे परिवर्तन की जानकारी प्रदान करने एवं जेम पोर्टल के उपयोग में आ रही कठिनाईयों के निवारण हेतु राज्य जेम प्रकोष्ठ, लखनऊद्वारा 22 जून को पूर्वान्ह 11 बजे से एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विकास भवन सभागार में किया गया है। इसमें जनपद के समस्त खरीदार एवं विक्रेता, स्थानीय उद्योग संघ, एमएसएमई संघ स्थानीय, व्यापारी संघ, व्यापारी/उद्यमीगण (निर्माता/विक्रेता) अनुसूचित बैक, केन्द्रीय पीएसयू राज्य/केन्द्रीय सरकारी कार्यालय, राज्य पीएसयू और स्थानीय निकाय प्रतिभाग पर जेम पोर्टल की सुलभता एवं पोर्टल पर प्राप्त नवीन सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करें। यह जानकारी उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र ने दी हैं।

व्यवसायी की पत्नी के निधन पर शोक

नगरा। स्थानीय नगर पंचायत के प्रतिष्ठित कपड़ा व्यवसायी नजीर अहमद अंसारी की पत्नी जौहर खातुन (88) का इन्तकाल शुक्रवार की शाम को हो गया। उनकी मौत की खबर से कस्बा का माहौल गमगीन हो गया। व्यवसायियों ने उनके दरवाजे पर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त किया। इस मौके पर नजीर अहमद अंसारी, शफीक अहमद, अनिल सिंह, प्रह्लाद सिंह, अरविंद सिंह, अख्तर अली अंसारी, अनवर अली पप्पू, परवेज, कामता यादव शास्त्री, देवनारायण प्रजापति देवा भाई, जयप्रकाश जायसवाल, ओमप्रकाश वर्मा, इस्तियाक, इमरान, रिजवान, श्रीनारायण गुप्ता, सुभाष गुप्ता, शशि गुप्ता, विजय कुमार सोनी आदि मौजूद रहे।

20 को भव्य कार्यक्रम कराने का निर्णय

जनसंदेश न्यूज

बलिया। म्यूजिक प्लेनेट एकेडमी में हुई बैठक में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व संगीत एवं योग दिवस की पूर्व संध्या पर 20 जून को सायं चार बजे से टाउन हाल बापू भवन में भव्य कार्यक्रम का आयोजन करने का निर्णय लिया गया।

वक्ताओं ने कहा कि कार्यक्रम में जनपद के कोने-कोने से आए कलाकारों की प्रस्तुति बेहद खूबसूरत होने वाली है। गायन-वादन एवं योग का त्रिवेणी संगम देखने को मिलेगा। योगाचार्य डॉ. सत्यार्थ प्रकाश तिवारी अपनी योग कला से बापू भवन को योगमय करने वाले है। कार्यक्रम के विशेष आकर्षण ताल वाद्य संगम होगा। इसमें एक साथ उम्र के बढ़ते क्रम में पांच तबला वादक की प्रस्तुति होगी, जो बलिया के इतिहास में पहली बार होगा। कार्यक्रम विश्व हिंदू परिषद के प्रांत प्रमुख डॉ. चंद्रशेखर पांडेय की अध्यक्षता में होगा।

म्यूजिक प्लेनेट एकेडमी में बैठक करते लोग

मुख्य अतिथि शांभवी पीठाधीश्वर स्वामी आनंद स्वरूप महाराज होंगे। विशिष्ट अतिथियों में नगर पालिका अध्यक्ष संत कुमार मिठाई लाल गुप्ता, डा. विद्यासागर उपाध्याय, पंकज उपाध्याय होंगे। इस अवसर पर डा. करुणा निधि तिवारी, डा. अनिल तिवारी, नीरज उपाध्याय, इं. प्रभात उपाध्याय, जगदीश शर्मा, हरेंद्र नाथ, संतोष दीक्षित, डॉ. फतेह चंद बेचैन, डॉ. संतोष गुप्ता, रामकिंकर सिंह आदि उपस्थित रहे।

उप्र में इस बार जीतेंगे 80 सीट दयाशंकर सिंह

बलिया। सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के एक सवाल पर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि ओमप्रकाश राजभर पहले भाजपा के साथ रह चुके है। वह वंचितों और शोषितों के लिये संघर्ष करते है और योगी जी उसको पूरा करते है। वह हम लोगों के नजदीक है। यदि भाजपा के साथ उनका गठबंधन रहेगा तो अच्छा रहेगा। एक चैनल के रिपोर्टर से बातचीत के दौरान परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि गठबंधन से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। अखिलेश यादव कभी सपा से तो कभी कांग्रेस से मिलकर लोकसभा चुनाव में मोदी लहर को रोक नहीं पाएं। इस बार सुनामी आएगी और घर वाले सीट भी नहीं बच पाएंगे। यूपी की 80 सीटों पर बीजेपी चुनाव जीतेंगी।

हीट स्ट्रोक से वन विभाग के रेंजर की मौत

बैरिया। वन विभाग के बैरिया रेंजर रामसुख यादव (57) की हीट स्ट्रोक से शुक्रवार को मौत हो गई। उन्हें सीएचसी सोनबरसा में भर्ती कराया गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

21 जून को जयप्रकाश नगर में सीएम योगी आदित्यनाथ के आगमन को देखते हुए डीएफओ क्षेत्र में कुछ पौधरोपण कराने के लिए रेंजर रामसुख यादव को लेकर जयप्रकाश नगर गए थे। यहां स्थलीय निरीक्षण व अन्य विभागीय कार्यों के दौरान रेंजर की तबीयत खराब हो गई। डीएफओ मातहतों को बीमार रेंजर का इलाज कराने का निर्देश देकर स्वयं बलिया चले गए। मातहत उन्हें इलाज के लिए सोनबरसा अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान रेंजर रामसुख यादव की मौत हो गई। इस संदर्भ में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. विजय यादव ने बताया कि रेंजर अस्पताल में बेहोशी की हालत में आये थे। उनके साथ काम करने वाले लोग बता रहे थे कि दो-तीन दिन से धूप में ड्यूटी करने के लिए निकल रहे थे।

उनकी मौत हीट स्ट्रोक से भी हुई है या नहीं भी। पोस्टमार्टम रिपार्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा। बस्ती जनपद के मूल निवासी रामसुख यादव इससे पूर्व ललितपुर में तैनात थे। तीन दिन पूर्व ललितपुर से उनका ट्रांसफर बलिया हुआ था। उनको बैरिया रेंजर कार्यालय का कार्यभार मिला था। पूर्व वन क्षेत्राधिकारी राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि अभी उन्होंने औपचारिक रूप से बैरिया रेंज का कार्यभार भी ग्रहण नहीं किया था कि उनकी मौत हो गई।

ताल में मिला वृद्धा का शव, मचा कोहराम

सनसनी

थाने पहुंचे परिजनों ने की शव की शिनाख्त

जनसंदेश न्यूज

बलिया। नरही थाना क्षेत्र के कोठिया सेंदुरिया गांव के पश्चिम अलावलपुर मौजे में शनिवार को अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गयी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास में जुट गयी। शव का शिनाख्त अमांव गांव निवासिनी सुखी देवी (65) पत्नी केशव राम के रूप में हुआ। पुलिस ने आवश्यक कार्यावाही के पश्चात शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जानकारी के अनुसार नरहीं थाना क्षेत्र के कोठिया सेंदुरियां गांव के पश्चिम अलावलपुर मौजा स्थित ताल में शनिवार को लोगों ने अज्ञात महिला का शव देखा। लोगों द्वारा इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और शव के शिनाख्त के प्रयास में जुट गयी।

सफलता नहीं मिलने पर पुलिस शव को थाने लायी। थाने पहुंचे परिजनों ने शव की शिनाख्त सुखी देवी के रूप में किया। मृतका के पौत्र राजेन्द्र कुमार ने बताया कि बीते 15 जून को दादी अपनी भतीजी से मिलने करंजा माफी बाबा तर गांव में अशोक राम के घर गयी थी। 16 जून को वह अपने गांव लौट रही थी। आशंका है कि अत्यधिक गर्मी में लू लगने की वजह से उनकी मौत हो गयी। चूंकि भीषण गर्मी की वजह से ताल की तरफ आवागमन कम है। ऐसे में शनिवार की सुबह राहगीरों की नजर शव पर पड़ी।

शिकायतों का करें गुणवत्तापूर्ण निस्तारण

बोले रवीन्द्र कुमार

डीएम-एसपी ने सुनी जनता की समस्याएं

बैरिया। स्थानीय तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस पर जिलाधिकारी रवींद्र कुमार एवं पुलिस अधीक्षक राजकरण नैय्यर ने शनिवार को जनता की समस्याओं को सुना। जिलाधिकारी ने कई शिकायतों के समाधान के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को तत्काल फोन कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान आये कुल 38 मामले में महज आठ का मौके पर निस्तारण किया गया।

जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने कहा कि जनसमस्याओं का निस्तारण सरकार की प्राथमिकताओं में एक है। इसलिए जिन विभाग से संबंधित समस्याएं आती हैं, उनका अविलंब निस्तारण किया जाए। शिकायतों को टालमटोल कर अनावश्यक लंबित

बैरिया में संपूर्ण समाधान दिवस पर आमजन की फरियाद सुनते डीएम, एसपी व अन्य

रखने पर जवाबदेही तय होगी और बड़ी कार्रवाई भी हो सकती है। भूमि विवाद, अतिक्रमण आदि जैसे मामलों में पुलिस और राजस्व विभाग की टीम को तत्परता से कार्रवाई करने का निर्देश दिया। तहसील परिसर में खराब आरओ प्लांट के संबंध में बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने अवगत कराया।

कहा कि बार-बार शिकायत करने के बाद भी नगर पंचायत के ईओ द्वारा फर्जी रूप से सिर्फ कागजों में निस्तारित कर दिया जा रहा है। अभी भी प्लांट खराब हालत में है। इस पर जिलाधिकारी ने ईओ को फोन लगाकर निर्देश दिया कि दो दिन के अंदर आरओ प्लांट सही हो जाना चाहिए। तहसील में कई मुकदमों की फाइलें नहीं मिलने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने एसडीएम को निर्देश दिया कि संबंधित की जवाबदेही तय की जाए। इस मौके पर उप जिलाधिकारी आत्रेय मिश्र, तहसीलदार सुर्दशन कुमार, नायब तहसीलदार अजय सिंह, राजेश यादव, सीओ उस्मान, एसएचओ धर्मवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

कुर्सी मंगाकर दिव्यांग को बैठाया

बैरिया। स्थानीय तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में बीबी टोला निवासी दिव्यांग वीरेंद्र प्रसाद मौर्य अपनी जमीन सम्बन्धी समस्या लेकर जिलाधिकारी रवींद्र कुमार के सामने पहुंचे। जिलाधिकारी ने उन्हें खड़ा देख तत्काल कुर्सी मंगवाई और अपने सामने बैठाया। फिर उनकी समस्या सुनी। उन्होंने एसडीएम को विशेष तौर पर निर्देश दिया कि मामले का निस्तारण पूरी गंभीरता से किया जाए। जिलाधिकारी से इस तरह का सम्मान पाकर दिव्यांग वीरेंद्र मौर्य के चेहरे पर भी उत्साह साफ झलक रहा था।

मोदी-योगी सरकार में धरातल पर दिख रहा विकास

बोले वीरेन्द्र सिंह मस्त

सांसद ने विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने वाले लाभार्थियों से किया संवाद

जनसंदेश न्यूज

कार्यक्रम को संबोधित करते सांसद वीरेन्द्र सिंह मस्त

बलिया। मोदी सरकार के ऐतिहासिक नौ साल पूरा होने पर कोटवा ब्लाक परिसर में शुक्रवार की शाम लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन किया गया। सरकार के विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने वाले लाभार्थियों के साथ संवाद करते हुए सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने कहा कि भारतीय राजनीति में जो भरोसे का संकट पिछली सरकारों ने पैदा किया था, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने समाप्त किया है। जनता को लग रहा है कि जो सरकार कह रही है, वह कर रही है।

कहा कि 1952 में नेहरू सरकार से लेकर राजीव गांधी की सरकार तक चुनाव में सरकार घोषणा पत्र जारी कर वोट ले लेती थी और घोषणा पत्र को रद्दी की टोकरी में डाल दिया जाता था। हमारी सरकार ने घोषणा पत्र की जगह संकल्प पत्र जारी करना शुरू किया। हमने देश-प्रदेश में विकास के नए आयाम कायम किए हैं। कहा कि पूरा देश विकास कर रहा है। ऐसे में रानीगंज बाजार व कोटवा का भी विकास होना चाहिए। ग्राम प्रधान एवं ब्लाक प्रमुख को पारदर्शी तरीके से विकास कार्य को धरातल पर उतारना चाहिए। धनाभाव है तो धन की व्यवस्था मैं कराऊंगा। सांसद ने गाय पालन और गाय के दूध के औषधीय गुण की चर्चा करते हुए सभी किसानों को अनिवार्य रूप से कम से कम एक गाय जरूर पालने पर बल दिया। कहा कि सरकार गाय का गोबर खरीदने को तैयार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कहीं किसी प्रकार की विकास कार्यों की जरूरत है तो हमें बताएं, उसे तुरंत किया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश शाहू, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि राकेश सिंह, विजय बहादुर सिंह, विजय बहादुर सिंह, अश्वनी ओझा, शैलेश पासवान, दिलीप गुप्ता, मदन सिंह, खंड विकास अधिकारी बैरिया सत्यप्रकाश सिंह आदि मौजूद रहे। अध्यक्षता रत्नेश सिंह तथा सचांलन अमिताभ उपाध्याय ने किया।

सरकारी योजनाओं को पात्रों तक पहुंचायें

बैरिया। जिला कृषि अधिकारी इंद्राज ने कहा कि देश का विकास तभी होगा, जब किसान विकसित होंगे। किसानों के विकास के लिए देश-प्रदेश की सरकार कई महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। उन्होंने किसान सम्मान निधि की चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश के किसानों को 36 हजार करोड़ रुपए किसान सम्मान निधि के रूप में प्रतिवर्ष दिया जाता है। अकेले बलिया में 60 हजार किसानों को ढाई करोड़ रुपया दिया जाता है। कहा कि मुख्यमंत्री ने बलिया के किसानों का 256 करोड़ों रुपए का कृषि ऋण माफ किया था। सरकार किसानों के विकास के प्रति संकल्पित है। जरूरत है हम लोग निष्ठा के साथ कार्य करें और सरकारी योजनाओं को पात्रों तक पहुंचाएं।

पूर्ण रूप से राष्ट्रवादी होते हैं भाजपा कार्यकर्ता : उपेन्द्र तिवारी

बलिया। फेफना विधान सभा क्षेत्र के भाजपा कार्यालय पर शनिवार को टिफिन सहभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने अपने घर की रसोई का भोजन टिफिन में लाकर एक साथ भोजन किया। पूर्व मंत्री उपेंद्र तिवारी ने कहा कि हमारे राष्ट्र की परंपरा रही है कि साथ में भोजन कर राष्ट्र सेवा एवं अपने कर्तव्य निर्वहन की। भाजपा के कार्यकर्ता पूर्ण रूप से राष्ट्रवादी होते हैं। हमारे यहां लोग राष्ट्र सेवा व समाजसेवा की भावना से प्रेरित होकर कार्य करने के लिए आते हैं। स्वार्थवाद, परिवारवाद एवं भौतिक सुख-सुविधा के लिए नहीं। इसलिए पार्टी का शुरु से लक्ष्य आम आदमी का कल्याण रहा है। आज जब समाज विलासिता एवं भौतिकता की अंधी दौड़ में है। ऐसे में हमे वापस अपनी जड़ों की तरफ लाने का प्रयास करना होगा। इस अवसर पर सहकारी बैंक के चेयरमैन विनोद शंकर दुबे, नपं चितबड़ागांव के चेयरमैन अमरजीत सिंह, टुनटुन उपाध्याय, मनोज सिंह, मोतीचंद गुप्ता, भरत राय, उमेश सिंह, शमीम अंसारी, भोला ओझा, बृजनाथ सिंह आदि मौजूद रहे।

जन जागरूकता अभियान से जुड़ने की अपील

बलिया। राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग द्वारा नामित संस्था प्योर लाइफ सोसायटी अमरावती, महाराष्ट्र के कर्मचारियों द्वारा शुक्रवार को गड़वार ब्लाक के डवाकरा हाल में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शुभारंभ एडीओ पंचायत राजकमल, बाल विकास परियोजना अधिकारी राहुल कुमार तथा जल जांच विशेषज्ञ व राज्य प्रशिक्षक अरविंद कुमार मिश्रा ने संयुक्त रूप से महात्मा गांधी के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर-के किया।

जांच विशेषज्ञ व राज्य प्रशिक्षक अरविंद मिश्रा ने उपस्थित अधिकारियों, पंचायत सहायकों, सफाई कर्मचारियों से गांवों में जनजागरूकता अभियान में जुड़ने व सहयोग करने की अपील की। साथ ही जनपद की सभी ग्राम पंचायतों व राजस्व ग्रामों में एक कार्यशाला का आयोजन कर ग्रामीणों को जल संरक्षण, जल प्रबंधन, दूषित जल से होने वाली बीमारियों व उनसे बचाव सम्बंधित जानकारी देने को कहा गया।

आयोजन

ग्राम पंचायतों में कार्यशाला का आयोजन करने पर दिया बल

वहीं, जल को कैसे शुद्ध करें? जैसे महत्वपूर्ण टिप्स बताते हुए, जल जांच व वाल राइटिंग गतिविधियों को बताया गया। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्पों को बताते हुए 15 अगस्त 2019 को जल जीवन मिशन की अवधारणा पर फोकस करते हुए प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों एवं राजस्व ग्रामों में फक्सनल हाउस होल्ड टैप कनेक्शन, शुद्ध व सुरक्षित पेयजल तथा जलजनित बीमारियों से बचाव हेतु समस्त समुदाय के बीच जनजागरूकता कार्यक्रम विषयक जानकारी दी।

इस अवसर पर संस्था के डीपीसी अशरफ सिद्दीकी, पंकज गुप्ता, एडीपीसी अनिकेत वर्मा, प्रशिक्षक दीनदयाल पांडेय, श्वेता राय, डिंपल सिंह, सत्यप्रकाश सिंह, अतेंद्र पांडेय, कृष्णा सिंह, सत्यम शर्मा, रमेश शर्मा, बाबर अली, युगल किशोर आदि मौजूद रहे।

एडी ने अस्पताल में भर्ती मरीजों का जाना हाल

इमरजेंसी वार्ड से बाहर निकलते एडी ओपी तिवारी

बलिया। जिले में विभिन्न बीमारियों से हुई 34 लोगों की मौत की सूचना पर पहुंचे आजमगढ़ मंडल के स्वास्थ्य विभाग के असिस्टेंट डायरेक्टर ओपी तिवारी ने जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती मरीजों का हाल जाना। पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ये मौत किस तरह से हुई है? इसकी जांच चल रही है। उन्होंने माना कि लू एवं धूप ज्यादा है। ऐसे में सभी को बचकर रहना चाहिए। बहुत जरूरी हो, तभी घर से बाहर निकले। लखनऊ से भी मौसम विभाग की टीम आयेगी और जांच पड़ताल करेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को हिदायत दिया कि इलाज के दौरान किसी तरह की लापरवाही न बरते। साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दें। कूलर एवं पंखे चलाते रहे। एडी ओपी तिवारी दो दिन तक बलिया रहेंगे और जांच पड़ताल करेंगे।

मुरली छपरा में लगेगा निःशुल्क रोजगार मेला

बलिया। सहायक जिला रोजगार सहायता अधिकारी ने बताया कि प्रशिक्षण व सेवायोजन निदेशालय उप्र के निर्देशानुसार जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा 19 जून 2023 को विसा बैरिया के अंतर्गत विकास खंड परिसर मुरलीछपरा के प्रांगण में निःशुल्क रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। इस रोजगार मेले में नान टेक्निकल तथा टेकनिकल क्षेत्र की तीन कंपनियां प्रतिभाग करेंगी जिनमे जीफोरएस सिक्योरिटी सल्युसन नई दिल्ली। (कार्य क्षेत्र-संपूर्ण उप्र) पद-सिक्योरिटी गार्ड, लंबाई 170 सेमी, उम्र 18 से 35 वर्ष योग्यता-10वीं पास वेतन 16000 तथा हेमराज इण्टरप्राइजेज (जय भारत मारुति) अहमदाबाद, गुजरात पद- मशीन आपरेटर, योग्यता-10वीं, 12वीं, व आईटीआई पास उम्र 18 से 35 वर्ष वेतन 15000, गीगा कार्पसोल (इनयंत्रा टेक्नोलाजी प्रालि) पूणें, महाराष्ट्र, पद ट्रेनी मशीन आपरेटर, क्वालिटी चेकर, योग्यता-10वीं,12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा उम्र 18 से 35 वर्ष व वेतन 15500 रु. है। इस रोजगार मेला में प्रतिभाग करने वाले बेरोजगार अभ्यर्थी सेवायोजन विभाग की वेवसाइट पर पंजीकरण कराकर रोजगार मेला में प्रतिभाग कर नौकरी प्राप्त सकतें है।

सपा नेता चंद्रशेखर सिंह के प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

जनसंदेश न्यूज

बलिया। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता चंद्रशेखर सिंह के ऑल इंडिया कोऑपरेटिव बैंक डायरेक्टर चुनकर अपने गृह जनपद में प्रथम आगमन पर समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया चंद्रशेखर सिंह दिल्ली से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एक्सप्रेस से बलिया रेलवे स्टेशन पर जब उतरे तो कार्यकताओं ने फूल माला से उनका स्वागत करते हुए गगनभेदी नारे लगाए जहां से श्री सिंह श्री भृगु बाबा के मंदिर होते हुए पार्टी कार्यालय पर आए जहां जिला अध्यक्ष श्री राज मंगल यादव के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकताओं ने स्वागत किया।

इस अवसर पर उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि आज मैं जो कुछ भी हूं समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं के बल पर हूं तथा हमारे नेता माननीय श्री अखिलेश यादव जी ने मेरा हर कदम पर सहयोग एवं समर्थन किया जिसकी वजह से मैं यह सफलता प्राप्त किया समय-समय पर पार्टी के राष्ट्रीय मुख्य महासचिव श्री रामगोपाल यादव एवं महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव जी ने मेरा मार्गदर्शन तथा सहयोग किया समाजवादी पार्टी मेरे रग रग में बसती है मैं समाजवादी पार्टी को 2024 के चुनाव में सफलता दिलाने के लिए पूरी ताकत से परिश्रम करूंगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक श्री सुधाकर सिंह ने इस अवसर पर कहा कि चंद्रशेखर सिंह जमीन पर रहकर जमीनी कार्यकताओं की बात करने वाले नेता है संघर्षों से इनकी उत्पत्ति हुई है सहकारिता के संबंध में पूर्वांचल में इनका कोई जोड़ नहीं है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सनातन पांडे ने स्वागत करते हुए कहा कि चंद्रशेखर सिंह ने जो उपलब्धि हासिल किया है हम बलिया वासी इससे गौरवान्वित महसूस करते हैं। इस अवसर पर राम इकबाल सिंह, राणा प्रताप सिंह, बशीधर यादव, सुशील पाण्डेय साथी रामजी गुप्ता, विनय अंचल, राकेश सिंह ओंकार, मिंटू खां, धनंजय विसेन, जलालुदीन जेडी, राना कुणाल, अटल, ओमप्रकाश यादव, शैलेश सिंह, शशीकांत चतुवेर्दी अमित सिंह, राकेश यादव आदि उपस्थित रहे। अध्यक्षता राजमंग यादव ने किया।

संक्षेप

प्रशिक्षण को 30 तक करें ऑनलाइन आवेदन

बलिया। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी राजीव कुमार यादव ने बताया है कि पिछड़े वर्ग बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए निलिट से ओ लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु आनलाइन आवेदन संचालित है। इस योजना के अन्तर्गत भारत सरकार की अधिकृत संस्था निलिट से इच्छुक अन्य पिछड़े वर्ग के युवक-युवतियों को ओ लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग उप्र की बेवसाइट पर दिये गये प्रशिक्षण कार्यक्रम की संसोधित समय-सारणी के अनुसार आनलाइन आवेदन करने की तिथि 30 जून तक निर्धारित है। उक्त योजना का दिशा-निर्देश/समय-सारणी विभाग की बेवसाइट पर प्रदर्शित की गयी है। इच्छुक अन्य पिछड़े वर्ग के युवक-युवतियों द्वारा ओ लेवल एंव सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु आनलाइन आवेदन एवं शैक्षिक व अन्य अभिलेखों को अपलोड किया जाना तथा आवेदन की प्रति डाउनलोड कर समस्त अभिलेखों सहित प्रिन्ट आउट प्राप्त कर प्रमाणित करते हुए जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, कक्ष संख्या-7, प्रथम तल विकास भवन, बलिया में 02 जुलाई को सायं 05 बजे तक के पूर्व अनिवार्य रूप से हार्ड कापी जमा किया जाना है। आनलाइन आवेदन पत्र ससमय जमा न होने की दशा में छात्र-छात्रा स्वयं जिम्मेदार होंगे।

डिप्टी सीएम की जनसभा को सफल बनाने के लिए भाजपा पदाधिकारियों ने की बैठक

बलिया। बेल्थरारोड में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की विशाल जनसभा को सफल बनाने के लिए शनिवार को बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी धर्मेंद्र सिंह बेल्थरारोड पहुंचे और सांसद समेत पार्टी पदाधिकारियों से महत्वपूर्ण बैठक किया। पूर्व विधायक गोरख पासवान के मैरेज हाल पर हुए बैठक में जनसभा के लिए पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। सांसद रविंद्र कुशवाहा ने भाजपा सरकार के योजनाओं और नौ साल के विकास कार्यों की विस्तार से चर्चा की। जबकि प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी धर्मेंद्र सिंह ने नौ साल के विकास कार्य और भारत को विश्व में अग्रणी बनाने के लिए केंद्र में फिर से भाजपा सरकार बनाने को जरूरी बताया। कहा कि देश में होने वाला अगला लोकसभा चुनाव पूरे देश के लिए सम्मान का चुनाव होगा। आगामी 21 जून को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य यहां के जनसभा में देश के पीएम का संदेश लेकर पहुंचेंगे। इसलिए जनसभा में ऐतिहासिक भीड़ और आमजन की मौजूदगी जरूरी है। जनसभा बेल्थरारोड के हल्दीरामपुर स्थित श्री लालमणि ऋषि ब्रह्म बाबा इंटर कालेज परिसर में 21 जून को होगा। बैठक में जिलाध्यक्ष जयप्रकाश साहू, देवरिया जिला पंचायत अध्यक्ष गिरीशचंद्र, पूर्व मंत्री छट्ठू राम, पूर्व विधायक भगवान पाठक, पूर्व विधायक गोरख पासवान, महाराजगंज जिलाध्यक्ष परदेशी रविदास, भाजपा नेता आनंद शुक्ला, ब्लॉक प्रमुख आलोक सिंह, माधव गुप्ता, भाजपा नेता सतीश गुप्ता, राममनोहर गांधी, अरुण तिवारी लड्डू बाबा, पंकज मोदी, अमित जायसवाल, पंकज मिश्र, शशि चैरसिया, अशोक कुशवाहा समेत अनेक भाजपा नेता मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण

बलिया। जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने जिला अस्पताल का पुलिस अधीक्षक राजकरण नय्यर के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दिवाकर सिंह को निर्देश दिया कि जिला अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था रखी जाए। साथ ही नए मरीजों के लिए बेड और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए। अस्पताल में सभी पंखे और कूलर दुरुस्त रहें। मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। यदि धूप लालू से प्रभावित कोई मरीज अस्पताल में आता है तो उसका तुरंत उपचार किया जाए। साथ ही लोगों को धूप और लू से बचाव के लिए जागरूक किया जाए।

शोक व्यक्त करते हुए अर्पित की श्रद्धांजलि

बलिया। जेपी विचार मंच एवं लोकतंत्र सेनानी के संयुक्त तत्वावधान में सुरेमनपुर धर्मबाग स्थित लोहिया उद्यान परिसर में समाजवादी प्रबुद्ध सभा के प्रदेश सचिव शिवशरण तिवारी की अध्यक्षता में शोक सभा का आयोजन किया गया। इसमें लोकतंत्र सेनानी शुभ्रांशु शेखर पांडेय की पत्नी शशिप्रभा एवं मधुबनी निवासी आरएसएस के पूर्व प्रचारक हरि प्रसाद सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चातत गतात्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण करके प्रार्थना की गई। इस अवसर पर देवेन्द्र नाथ त्रिपाठी, कामान्तक पांडेय, रामकुमार तिवारी, रवि मिश्र, रमाशंकर पांडेय, बबलू तिवारी, मुन्ना गोंड, संतोष तिवारी, संतोष कुमार शुक्ल, कौशल मिश्र एडवोकेट, संतोष यादव, मनोज यादव प्रधान आदि मौजूद रहे।

लू-प्रकोप के अंतर्गत जनपद में येलो अलर्ट जारी

बलिया। देवेन्द्र प्रताप सिंह अपर जिलाधिकारी ने बताया कि मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जनपद बलिया में 18 जून 2023 तक लू चलने की सम्भावना के दृष्टिगत यलो अलर्ट जारी किया गया है। वर्तमान में गर्म हवाएं तीव्रता से चली रही है तथा लू एवं गर्म हवाएं के दृष्टिगत अतिसंवेदनशील समूहों जैसे बच्चों, वृद्धों, गर्भवती महिलाओं, दिव्यांगों एवं श्रमिकों को विशेष रूप से लू से बचाव सम्बन्धी उपायों अथवा लू की स्थिति में क्या करें व क्या न करें के सम्बन्ध में और जागरुक की अपेक्षा की गयी है। जनपद में स्थित प्राइमरी स्वास्थ्य केन्द्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं जिला चिकित्सालयों में ओआरएस घोल, आवश्यक दवाएं, रोगियों के समुचित उपचार एवं कूल रूम की व्यवस्था किया जाना आवश्यक है। अतएव जनपद लू एवं गर्म हवाएं के दृष्टिगत अति संवदनशील समूहो जैसे बच्चों, वृद्धों, गर्भवती महिलाओं, दिव्यांगों एवं श्रमिको को विशेष रूप से लू से बचाव सम्बन्धी उपायो अथवा लू की स्थिति में क्या करें व क्या न करें के सम्बन्ध में और जागरुक तथा लू-प्रकोप से बचाव के उपायों का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के साथ-साथ जनपद में विद्यमान समस्त चिकित्सा केन्द्रों में लू से पीड़ितों के उपचार की समस्त आवश्यक व्यवस्था करने को कहा गया है।

संक्षेप

वृद्धाश्रम में विधिक साक्षरता/जागरूकता शिविर का आयोजन

मऊ। जनपद न्यायाधीश एवं अपर जनपद न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अभिनय कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में षनिवार को वृद्धाश्रम जमीन बरामदपुर तहसील मुहम्मदाबाद में विधिक साक्षरता/जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान उपस्थित जनों को वरिष्ठ नागरिक माता-पिता भरण-पोषण अधिनियम 2007 के तहत उनके अधिकारों एवं अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के पीड़ितों को विशेष सुरक्षा के अधिकार के बावत विधिक जानकारी प्रदान की गयी। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित योजनाओं के तहत ट्रांसजेंडरों के सामाजिक सुरक्षा सुरक्षा, शिक्षा व अन्य विधिक अधिकारों के संबंध में जागरुकता प्रदान करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मऊ द्वारा उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता संबंधी विधिक सेवाओं और स्थायी लोक अदालत के माध्यम से जनोपयोगी समस्याओं के निराकरण हेतु आवश्यक विधिक प्रक्रिया संबंधी जानकारी एवं तहसील विधिक सेवा समितियां में संचालित लीगल एड क्लीनिक के माध्यम से विधिक सुझाव प्राप्ति के लिए उपस्थित जन को जागरूक किया गया। वृद्धजनों को गर्मी से बचाव हेतु ताजा रस व नींबू पानी पीने के उपयोग व अन्य स्वास्थ्य संबंधी चिकित्सीय जानकारी दी गयी।

कस्बे में नालियों की सफाई का कार्य युद्ध स्तर पर

दोहरीघाट, मऊ। नगर में नालियों की सफाई कार्य युद्ध स्तर पर चल रही है जिसको लेकर नगर वासियों में हर्ष का माहौल है कहीं-कहीं नालियों के ऊपर पक्के वेदियों का निर्माण होने से अवरोध उत्पन्न हो रहा है लेकिन नगर में विकास की चाह रखने वाले नगरवासी उन वेदियों को तुड़वा कर नालियों की साफ-सफाई और नगर को स्वच्छ रखने में भरपूर सहयोग कर रहे हैं विदित हो कि लगभग 15 वर्षों से भी अधिक समय से नगर की नालियों की साफ-सफाई इस तरीके से नहीं हो सकी थी जिसके कारण जल निकासी की समस्या हमेशा बनी। बड़ी नालियों के जाम होने को लेकर इससे पूर्व में केवल बड़ी नालियों की साफ सफाई की जाती थी नगर के अन्य नालियों छोटी बड़ी नालियों को या तो छोड़ दिया जाता था या फिर ऊपर से साफ किया जाता था जिस तरीके से सफाई कर्मियों द्वारा नालियों की तह तक सफाई की जा रही है और बरसात पूर्व नालियों की सफाई कार्य को पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है उसको देखते हुए नगर वासियों के जन सहयोग को देखते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष व सभी सभासदों द्वारा बोर्ड की पहली बैठक में नगर की साफ सफाई और स्वच्छ नगर का जो सपना देखते हुए प्रस्ताव पास किया गया था उसके अनुरूप नगर की साफ सफाई व्यवस्था युद्ध स्तर पर चल रही है इस बाबत नगर पंचायत अध्यक्ष विनय जायसवाल ने कहा कि स्वच्छ नगर का सपना सभी का होता है नगर में चैमुखी विकास और स्वस्थ नगर को लेकर काफी कार्य बाकी है जिसके लिए प्रयासरत है।

मंडलायुक्त, डीआईजी व डीएम ने लोगों की सुनी समस्याएं

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ। स्थानीय तहसील में षनिवार को महीने के तीसरे शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस/तहसील दिवस का आयोजन किया गया। मंडलायुक्त मनीष चैहान, पुलिस उपमहानिरीक्षक अखिलेश कुमार एवं डीएम अरुण कुमार के नेतृत्व में तहसील मुहम्मदाबाद गोहना में जनसुनवाई की गई। तहसील मुहम्मदाबाद गोहना में आयोजित तहसील दिवस पर कुल 113 शिकायते प्राप्त हुई, जिनमें सर्वाधिक 52 मामले राजस्व, 13 पुलिस विभाग एवं 8 मामले विकासखंड स्तर के थे। शेष शिकायतें अन्य विभागों से संबंधित थे। आज आई शिकायतों में से 8 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। साथ ही 6 शिकायतों के तत्काल निस्तारण हेतु टीमें गठित कर मौके पर भेजी गई। इस दौरान डीएम ने सभी विभागाध्यक्षो को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय सीमा के अंदर ही निस्तारण के निर्देश दिए। शिकायतों का निस्तारण करते समय उन्होंने शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के विशेष निर्देश दिए। डीएम ने वहां उपस्थित समस्त विभागाध्यक्षो को अपने विभागों से संबंधित सभी शिकायतों का शत-प्रतिशत निस्तारण भी सुनिश्चित करने को कहा। जन सुनवाई के दौरान मंडलायुक्त, पुलिस उपमहानिरीक्षक, एएसपी सहित समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने भदेसरा बांध के पुनर्स्थापना कार्य का किया निरीक्षण

मऊ। डीएम अरुण कुमार ने टोंस नदी के दाएं तट पर स्थित भदेसरा जमीदारी बांध के किलोमीटर 0.00 से 1.10 के मध्य पुनर्स्थापना, लांचिंग एप्रेन तथा स्लोप पिचिंग कार्य का निरीक्षण किया। इस परियोजना की कुल लागत 128.49 लाख है। इस परियोजना पर 12 मई को कार्य प्रारंभ हुआ तथा इसके पूरा होने की अंतिम तिथि 10 जुलाई 2023 है। अभी तक इस परियोजना का कुल 65 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है,शेष कार्य प्रगति पर है। निरीक्षण के दौरान डीएम ने अधिशासी अभियंता सिंचाई को पुनर्स्थापना, लांचिंग एप्रेन तथा स्लोप पीचिंग का कार्य बरसात प्रारंभ होने के पूर्व ही गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार

कार्रवाई

तीन अवैध असलहा एवं 48 जिंदा कारतूस के साथ चार किलो गांजा बरामद

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ। मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार की शाम मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके पास से तीन नाजायज असलहा और तीन दर्जन जिंदा कारतूस व लगभग 4 किलो गांजा बरामद किया है पूछताछ में दोनों बदमाशों ने क्षेत्र की कई घटनाओं में शामिल होना स्वीकार किया है। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों बदमाशों को जेल भेज दिया।

शनिवार को कोतवाली परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में जनपद के अपर पुलिस अधीक्षक महेश सिंह अत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देशन पर मुहम्मदाबाद गोहना सर्किल के पुलिस सीओ डॉक्टर अजय विक्रम सिंह के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस शुक्रवार की शाम करहा क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी कि इसी दौरान मुखबिर ने दो बदमाशों के आने की सूचना दिया। कोतवाल संजय त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस कर्मियों ने पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के निकट सैदपुर अंडर ब्रिज के पास घात लगाया तो शाम लगभग 7.15 बजे भुजही की तरफ से दो बाइक से कुछ लोग आते दिखाई दिए। पुलिस ने रोड पर रुकने का इशारा किया तो बदमाशों ने उसके ऊपर फायर कर दिया।

इस बीच बुलेट बाइक सवार बाइक पर बैठे बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दिया लेकिन पुलिस ने अपना बचाव करते हुए दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ में एक ने अपना नाम मनोज चैहान पुत्र शेषनाथ चैहान और दूसरे ने अजय चैहान पुत्र शेषनाथ चैहान बताया। दोनों बदमाश सगे भाई हैं और कोतवाली क्षेत्र के खतिबहा गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने जामा तलाशी में बदमाशों के पास से एक अदद 315 बोर का दो अवैध तमंचा और 315 बोर का 32 जिंदा कारतूस, एक 9 एमएम की पिस्टल के साथ 16 कारतूस बरामद किया। इसके साथ ही दोनों बदमाशों के पास से दो झोले में रखे 3.8 किलोग्राम गांजा भी बरामद हुआ। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश मनोज चैहान ने दो दिन पूर्व बिजली कर्मी कोमल राम के ऊपर डराने की नीयत से हवाई फायर किया था। जिस में पीड़ित की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। दोनों बदमाशों ने क्षेत्र में विभिन्न घटनाओं में संलिप्तता स्वीकार किया है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में कोतवाल संजय त्रिपाठी के अलावा उप निरीक्षक आदर्श श्रीवास्तव, कांस्टेबल संदीप यादव, दुर्गा यादव, अखिलेश सिंह, विकास यादव, कल्पनाथ यादव आदि शामिल रहे।

लाठी डंडे मारकर युवक को किया घायल, चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कोपागंज, मऊ। शुक्रवार को दोपहर दो पक्षों में हुई कहासुनी के बाद लाठी डंडे और ईंट पत्थर के हमले से घायल युवक की मां की लिखित तहरीर पर पुलिस देर शाम ने चार लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना के बाद आरोपी फरार हो गए। वाजिद पूरा मोहल्ले में शुक्रवार को आपसी बिवाद को लेकर मोहल्ले के ही पांच छः की संख्या में आये लोगों ने उमाशंकर चैहान पुत्र लालचन्द्र को लाठी डंडे और ईंट पत्थर से मारपीट कर घायल कर दिया। इस सम्बन्ध में घायल युवक की मां शारदा देवी पत्नी लालचन्द्र ने मोहल्ले के ही सुनील चैहान पुत्र,कैलाश, आकाश चैहान पुत्र रमेश, रमेश चैहान, स्व धर्मदेव चैहान, पवन चैहान रमेश चैहान के खिलाफ बिमार पुत्र को लाठी-डंडे से मारकर गंभीर रूप से घायल किए जाने के खिलाफ नामजद तहरीर दिया। आरोप लगाया कि आरोपियों ने आपसी बिवाद को लेकर उसके बिमार पुत्र को लाठी डंडे और ईंट पत्थर से मारकर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। जबतक शोर-शराबा सुनकर मोहल्ले के लोग घटनास्थल पर पहुंचते सभी आरोपी धमकाते हुए वहां से भाग गए। इस सम्बन्ध में युवक की मां की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ 323,504,506 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कोयला लदा ट्रक पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर पलटा ड्राइवर बाल-बाल बचा

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ। मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली के करहां यादव बस्ती के पास पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से कोयला लदा ट्रक खाई में जा गिरा। इस हादसे में ड्राइवर बाल-बाल बच गया। स्थानीय लोगों ने ड्राइवर सहित उसके फंसे हुए पैर को शीशा तोड़कर बाहर निकाला। ट्रक नंबर यूपी 67 टी 1295 डेहरी बिहार से कोयला लादकर आजमगढ़ जा रहा था। जिसे 26 वर्षीय ड्राइवर मनोज यादव अकेले चला रहा था। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के 269 किमी की बिंदु पर सुबह लगभग सात बजे चालक को झपकी आने से ट्रक अनियंत्रित होकर रेलिंग तोड़ गहरी खाई में जा गिरा। तेज धमाके की आवाज सुन दौड़े ग्रामीणों ने ट्रक में फंसे ड्राइवर को शीशा तोड़ बाहर निकाला। स्थानीय लोगों ने ड्राइवर और उसके बिखरे हुए कोयले को सुरक्षित रखने में सहयोग किया एवं पुलिस तथा यूपीडा को सूचित किया। जिसमें थाने की पुलिस ने पहुंचकर जांच परख की और लोगों से बयान लिया।

महिलाओं को उनके अधिकार व सुरक्षा की दी जानकारी

मुहम्मदाबाद गोहना, मऊ। प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध की रोकथाम और अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई को लेकर राज्य सरकार द्वारा मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई सुविधाएं प्रदान की गई है।

महिलाओं को उनके अधिकार और अपनी सुरक्षा की जानकारी देने के उद्देश्य से मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली क्षेत्र के करहा बाजार स्थित बाबा बहालदास इंटर कालेज पर शनिवार को चैपाल का आयोजन किया गया। चैपाल में एसआई राजेश वर्मा ने महिलाओं की सुरक्षा और उनके खिलाफ साइबर अपराधों के रोकथाम को लेकर राज्य सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं की जानकारी दिया। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति का उद्देश्य नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन है। सभी महिलाओं की सुरक्षा की गारंटी और उनके खिलाफ होने वाले अपराधों की रोकथाम और अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही को लेकर मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने मौजूद महिलाओं से कहा कि किसी भी आकस्मिक स्थिति में वह महिला रिपोर्टिंग चैकी और महिला हेल्प डेस्क पर घटना की जानकारी दे सकती हैं। साइबर सेल के माध्यम से महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए महिला साइबर सेल की स्थापना की गई है। हर थाने में महिला पुलिस अधिकारी मौजूद होती हैं। अपराध की सूचना दर्ज कर पीड़ित महिलाओं को टोकन दिया जाता है और प्रभावी कार्यवाही की जाती है। महिला कांस्टेबल सविता यादव ने कहा कि शासन की मंशा अनुरूप महिलाओं को महिला सुरक्षा से संबंधित हर योजना से लाभान्वित करना है। इस अवसर पर एसआई राजेश सहित साइबर सेल की महिला आरक्षी शालिनी, स्वाति मौर्या, सविता यादव व विवेक कुमार, दुर्गेश, संदीप और ग्राम प्रधान पूनम, डाली, राधिका देवी, रेहाना, सीता देवी, मुनि, सुनीता अन्य महिलाएं मौजूद रही।

तेज धूप व गर्म हवा के थपेड़ों से बेहाल

मौसम की मार

अधिकतम 44 और न्यूनतम 33 डिग्री पहुंचा तापमान

गाजीपुर। तेज धूप और गर्म हवा के थपेड़ों से लोगों का बुरा हाल हो रहा है। दोपहर में तेज धूप में लोगों का निकलना मुश्किल हो रहा है। शनिवार को जिले का अधिकतम तापमान 44 डिग्री और न्यूनतम तापमान 33 डिग्री रहा। दिन भर 20 किलोमीटर की रफ्तार से गर्म हवा चली। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

दिन निकलते ही गर्मी के कारण लोग पसीना-पसीना हो रहे हैं। गर्मी अधिक होने के कारण दिन और रात में लोग बेहाल हैं।

सुबह से तेज धूप और गर्म हवा के कारण सड़कों और गलियों में लोगों की आवाजाही कम हो रही है। गर्मी के कारण दोपहर में लोग घरों से निकलने से कतरा रहे हैं और जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकल रहे हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। उधर चिकित्सक लोगों को गर्मी से बचाव के लिए पूरी आस्तीन के कपड़े पहनने और पेय पदार्थों का अधिक सेवन करने की सलाह दे रहे हैं।

गर्मी से निजात पाने के लिए गंगा नदी में स्नान करते बच्चे।

धूप से बचने के लिए चेहरा ढक कर जाती युवतियां।

ओवरलोड से पिघल रहे तार, फुंक रहे ट्रांसफार्मर कटौती से मचा हाहाकार

गर्मी बढ़ते ही बिजली कटौती की समस्या बढ़ी है। ओवर लोड से पिघल रहे तार और फुंक रहे ट्रांसफार्मरों के कारण हर घंटे बिजली गुल हो रही है। शहरी क्षेत्र में जहां ट्रिपिंग की समस्या बढ़ी है। ग्रामीण इलाकों में रात रात भर बिजली गुल हो रही है। इससे जहां लोगों का गर्मी से बुरा हाल है, वहीं पानी की समस्या बढ़ गई है। अधिकारियों का कहना है कि गर्मी के कारण प्रतिदिन 24 से 26 मिलियन यूनिट बिजली की खपत हो रही है। शहरी क्षेत्र में 24 घंटे व ग्रामीण क्षेत्र में 18 घंटे आपूर्ति के दावे हवाहवाई साबित हो रहे है। इसके पीछे जिम्मेदारों की अनदेखी है।

शरीर का पानी सूखने से डिहाइड्रेशन का हो रहे शिकार

बढ़ रहे तापमान और लू के थपेड़ों की चपेट आकर बच्चों के साथ बड़े भी तेजी से डिहाइड्रेशन का शिकार हो रहे हैं। अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार रहा। बीमार होकर अस्पताल पहुंचे लोगों की हालत बिगड़ने पर उन्हें भर्ती भी किया जा रहा है। वहीं डॉक्टरों ने गर्मी से बचाव और खास ख्याल रखने की सलाह दी है। हालात यह है कि शहर के अस्पताल में पेट, त्वचा रोग समेत उल्टी दस्त से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। जिला अस्पताल के डॉ. उमेश कुमार ने बताया कि गर्मी का असर अब तेजी से हो रहा है। लोगों को अधिक से अधिक पानी का सेवन व तरल पदार्थ लेने चाहिए। लोग धूम में दिन भर काम करने के बाद पेट भर के शाम के भोजन कर रहे हैं, इससे हाजमा बिगड़ रहा है। शरीर में पानी की कमी होने से डिहाइड्रेशन का शिकार हो रहे हैं। बताया कि लोगों को गर्मी में हल्का भोजन करना चाहिए और दिन में धूप से बचते हुए पानी की मात्रा बढ़ानी चाहिए।

सास और बहू की एक साथ निकली अर्थी, गांव में मायूसी

जमानियां। क्षेत्र के ताजपुर मांझा गांव में शुक्रवार की दोपहर सास और शाम को पत्नी की मौत हो गई। एक साथ हुए दो मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट गया। दोनों का दाहसंस्कार नगर के बलुआ घाट पर शनिवार को किया गया। जानकारी के अनुसार ताजपुर मांझा गांव निवासी त्रिलोकी शर्मा अपनी पत्नी निर्मला देवी का उपचार विगत एक सप्ताह से एक हॉस्पिटल वाराणसी में करा रहे थे कि शुक्रवार को डॉक्टरों ने जबाब दे दिया और त्रिलोकी अपनी पत्नी को लेकर हॉस्पिटल से घर की तरफ चलने की तैयारी कर रहे थे। उसी समय दोपहर दो बजे उनकी माता जमुरता देवी की घर पर मौत हो गई। उधर त्रिलोकी अपनी पत्नी को लेकर घर आये और इस घटना की जानकारी होने पर रात्रि 10 बजे त्रिलोकी की पत्नी निर्मला देवी ने भी दम तोड़ दिया। इस बात की चर्चा पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई। बता दें कि त्रिलोकी शर्मा अपने छोटे भाई शम्भू शर्मा के साथ राघोपुर में फर्नीचर की दुकान खोलकर अपनी आजीविका चलाते थे। सास एवं बहु दोनों का दाह संस्कार बलुआ घाट जमानियां में किया गया। मुखाग्नि त्रिलोकी शर्मा ने दी।

संक्षेप

परिवार के लिए संजीवनी बना पीएम सुरक्षा बीमा

मरदह। क्षेत्र के नरवर गांव निवासी पति की मौत के बाद आर्थिक तंगी से जूझ रहे एक परिवार के लिए 20 रुपये की प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना बेहद मददगार साबित हुई। परिवार को बैंक से दो लाख रुपये की बीमा राशि शनिवार को मिल गई। बीते माह में नरवर गांव निवासी इन्द्रासन यादव का सड़क दुघर्टना में ट्रक चलाते वक्त मौत हो गई।इन्द्रासन यादव का परिवार की आर्थिक स्थिति काफी कमजोर थी।उनके निधन से परिवार के समक्ष गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया। इन्द्रासन ने बड़ौदा यूपी बैंक की नरवर शाखा में खाता खोला था,जिसमें नाममात्र की ही बचत राशि थी,लेकिन उन्होंने ने 20 रुपये में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ लिया हुआ था।बैंक प्रबंधक लोकेन्द्र सिंह मौर्य को इन्द्रासन यादव की मौत की जानकारी मिली तो उन्होंने उसके खाते की जांच की।जांच में पता चला कि मृतक ने 20 रुपये का बीमा लिया हुआ है। उन्होंने उनकी पत्नी प्रमिला देवी से संपर्क कर बीमा दावा इंश्योरेंस कंपनी के समक्ष रखा। इंश्योरेंस कंपनी ने दावे की पड़ताल कर दो लाख रुपये की धनराशि बैंक को दी। मौके पर बैंक कर्मी नबील अहमद,ग्राम प्रधान संगीता खरवार, अजय खरवार, शिवराम चौहान, दुर्गा यादव, रणजीत चौहान, लल्लन यादव, राजू आदि लोग मौजूद रहे।

किसानों को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दे रही सरकार

मरदह। कृषक उत्पादन संगठन (एफपीओ) की समीक्षा संगोष्ठी एवं नये केंद्र का उद्घाटन काशी गोमती बैंक नरवर के बगल में किया गया। जिसका फीता काट व दिप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथि प्रोफेसर हरिकेश सिंह किया।श्री सिंह ने कहा कि एफपीओ से जनपद के अधिक से अधिक किसानों को जोड़ा जाए ताकि किसानों को उनकी फसल का ज्यादा से ज्यादा दाम मिल सके और उनका जीवन बेहतर वन सके। देश में किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें कई शानदार स्कीम्स का संचालन कर रही हैं।कृषि तकनीकी सहायक मृत्युंजय सिंह ने कहा कि पीएम किसान एफपीओ स्कीम के जरिए सरकार किसानों को आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। मौके पर रूद्रप्रताप सिंह,शशीप्रकाश सिहं,धर्मेंद्र सिंह, रामबचन यादव,शिवराम चौहान,अवधेश यादव, प्रदीप सिंह,राजेश सिंह,डा.अरूण सिहं,सीईओ डा. रणजीत चौहान आदि मौजूद रहे।

रेलवे कर्मचारी के आवास में चोरी,नकदी सहित सामान गायब

सेवराई/गहमर। छतपर सो रहे रेलवे कर्मचारी के किराए के आवास का ताला तोड़कर चोरों ने नगदी समेत हजारों रुपए का सामान समेट कर ले गए। मामले की जानकारी सुबह छत से नीचे आने पर आवास का ताला टूटा व अंदर सामान बिखरा पड़ा। पीड़ित कर्मचारियों ने मामले की लिखित तहरीर पुलिस चौकी सेवराई को दी गई है। भदौरा रेलवे स्टेशन पर सिंगनल विभाग में कार्यरत संतोष कुमार व प्रेमचंद कुमार भदौरा बाजार के मोहल्ला डोम डेरवा में कमला कुशवाहा के मकान में किराए पर दुसरी मंजिल पर रहते हैं। प्रतिदिन के भांति रात में खाना खाने के बाद दरवाजा में ताला लगाकर सोने के लिए छत पर चले गए। चोरों ने रात में किसी समय बगल के मकान में हो रहे सेंटरिंग के सहारे छत पर चढ़कर कमरे का ताला तोड़कर हजारों रुपए मूल्य के मोबाइल व चार्जर, स्मार्ट वाच, बैग व अन्य कीमती सामानों सहित कुछ नगदी समेत कर सीढ़ियों के रास्ते नीचे आकर आवास का मेन दरवाजा खोलकर बाहर निकल गए। रेल कर्मचारी सुबह उठे तो कमरे का हाल देख कर उन्हें स्थिति समझते देर न लगी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने फिलहाल रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

सरकार के रवैये से नाराज लेखपाल संघ ने सौंपा पत्रक

जमानिया। उ.प्र. लेखपाल संघ के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर स्थानीय तहसील में तैनात लेखपालों ने मुख्य सचिव को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी जमानियाँ को सौंपा। तहसील अध्यक्ष शिवप्रताप सिंह ने कहा कि लेखपाल राजस्व विभाग का ऐसा कर्मचारी हैं। जिससे न केवल भूलेख सम्बंधी कार्य लिए जाते हैं। अपितु जनकल्याण हेतु बनाईं जाने वाली समाज कल्याण विभाग,पंचायतीराज, ग्रामीण विकास, कृषि विभाग आदि अन्य विभागों की योजनाओं का क्रियान्वयन भी लेखपालों के माध्यम से कराया जाता है किन्तु सेवा सम्बंधी, वेतन ,भत्ते ,पदोन्नति, स्थानांतरण आदि समस्याओं पर लेखपाल संवर्ग उपेक्षा का शिकार हो रहा है। लेखपाल संघ के अनुरोध पर उदारतापूर्वक विचार करते हुए शासन द्वारा अंतर्मंडलीय स्थानांतरण की व्यवस्था की गई थी। जिसका शासनादेश 23 अगस्त 2018 को निर्गत किया गया। मुख्यमंत्री के आदेश पर वर्ष 2019 में अंतर्मंडलीय स्थानांतरण किए गए। जिसमें लगभग 650 लेखपाल लाभान्वित हुए इसके लिए उ प्र लेखपाल संघ द्वारा मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया गया। किंतु वर्ष 2019 के बाद आज तक शासनादेश के अनुसार कोई अंतर्मंडलीय स्थानांतरण नहीं किया गया। शादी विवाह, बीमारी आदि पारिवारिक परिस्थितियों के कारण लगभग 2000 लेखपाल अंतर्मंडलीय स्थानांतरण की आशा लगाए हुए थे। किन्तु शासन परिषद में नियमित निवेदन के बाद भी अंतर्मंडलीय स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू न होने के कारण निराशा का भाव उत्पन्न हो रहा है। इस अवसर पर ऋतुराज उपाध्याय, विकास सिंह, अमित राय, विजय सिंह, अजीत पांडे, मुन्ना कुमार, राहुल कुमार, मंतोष सिंह, सैयद तौकीर हसन, नितेश कुमार, प्रेमोद गुप्ता उपस्थित रहे।

कमीशन रिपोर्ट प्रेषित, जल्द ट्रेन का होगा संचालन

सुहवल। दो जोन में बंटी ताड़ीघाट-मऊ नई रेल का पूर्व मध्य रेलवे दानापुर मंडल अपने हिस्से के 13 नंबर पुलिया (आउटर सिग्नल) के समीप से 1.800 किमी लाइन एवं नवनिर्मित स्टेशन का कमीशन बीते शुक्रवार की देर शाम पूर्व मध्य रेलवे के एडीइएन (बक्सर) राजेश मीना ने अपने मातहतों संग निरीक्षण किया। किए गये इस कमीशन की रिपोर्ट उन्होंने अपने उच्चाधिकारियों को प्रेषित कर दी। रेलवे के अधिकारियों के मुताबिक एनईआर के सीआरएस एवं स्पीड ट्रायल होने के बाद इस रूट पर चलने वाली पैसेंजर ट्रेन का संचालन सम्भवतः कुछ ही दिनों में सिटी स्टेशन तक होने लगेगा। इस अवसर पर आर वी एन एल के मैनेजर पवन कुमार सिंह, पीडी जीवेश ठाकुर,सीनियर डी जी एम डी डी उपाध्याय,पीडब्लूआई दिलीप कुमार आदि मौजूद रहे।

नगर निकाय की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

गाजीपुर। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में स्वच्छ भारत मिशन नगरीय एवं गार्बेज फ्री सिटी बनाये जाने के सम्बन्ध में निकायो द्वारा किये गये कार्यो एवं नगर निकायो की मासिक समीक्षा बैठक राफल क्लब सभागार में सम्पन्न हुआ। बैठक में जिलाधिकारी ने डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन, एकत्रित गूड़े का सेग्रिगेशन,सार्वजनिक और व्यावसायिक स्थलों पर गीले एवं सूखे कूड़े के कलेक्शन हेतु औसतन पिन बिन की स्थिति, बल्क वेस्ट जेनेरेटर द्वारा प्रोसेसिंग की स्थिति, निकायों द्वारा जनित होने वाले वेट वेस्ट एवं ड्राई वेस्ट के निस्तारण हेतु प्लांट अधिष्ठापन कराये जाने की स्थिति, जीएफसी से सम्बन्धित सभी आवश्यक सूचनायें एवं नियमावली के प्रकाशन,निकायों द्वारा एकत्रित गीले कचरे को निस्तारित करने की जानकारी ली।

तमंचा-कारतूस के साथ पकड़ाया

कासिमाबाद। कोतवाली पुलिस ने टोड़ार मोड़ के पास शनिवार एक किलो दो सौ ग्राम गांजा सहित एक तमंचा 315 बोर और एक कारतूस 315बोर के साथ एक अभियुक्त को धर दबोचा है।अभियुक्त की पहचान नोनहरा थाना क्षेत्र के हिस्ट्री सीटर के रूप मे हुई है ।पुलिस ने सुसंगत धाराओं में कार्रवाई कर जेल भेज दिया है।कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शिव प्रताप वर्मा मय टीम चेकिंग अभियान चला रहे थे तभी मुखबिर से सूचना मिली की टोडार मोड़ पर एक संदिग्ध व्यक्ति खड़ा है और कही भागने की फिराक में है।मुखबिर द्वारा सूचना पर पहुंची पुलिस को देख संदिग्ध व्यक्ति भागने लगा पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया।पुलिस द्वारा जांच में उसके पास से एक किलो दो सौ ग्राम गांजा और एक तमंचा 315बोर सहित एक कारतूस 315 बोर बरामद किया।पूछताछ में अपना नाम अन्नू राम उर्फ संजीश पुत्र रामाश्रय राम निवासी महुवारी थाना नोनहरा बताया।

करंट की चपेट में आने से गाय मरी, परिजन घायल

जमानियां। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के हेतिमपुर गांव के बीएसएनल टावर के पास शुक्रवार की देर रात बारह बजे के करीब 11000 करंट उतरने से बबलू सिंह पुत्र लहरी सिंह की एक गाय खुटा के सहारे बांधी गई थी। उसी दरमियान 12 बजे रात को अचानक ग्यारह हजार करंट चपेट में आ जाने से गाय की मौके पर ही मृत्यु हो गई। तथा मीरा देवी पत्नी राजू सिंह व राजेश सिंह पुत्र लहरी सिंह को आनन फानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया। जहाँ उपचार के बाद वो सही सलामत घर लौट आए।

जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक संपन्न

गाजीपुर। जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक को जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में रायफल क्लब में सम्पन्न हुई। इस बैठक में परियोजना निदेषक, मुख्य राजस्व अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, आईओसी के सेल्स आफिसरगण, नगरपालिका परिषद, गाजीपुर की अध्यक्ष सरिता अग्रवाल एवं अन्य नामित प्रतिनिधिगण तथा जिला पूर्ति कार्यालय के समस्त कार्मिक उपस्थित हुए।

पैसे के लेन देन में उप निरीक्षक निलंबित

गाजीपुर। थाना सुहवल पर तैनात उप निरीक्षक शिवराज सिंह यादव द्वारा अज्ञात व्यक्ति से पैसे लिए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए विभागीय जांच हेतु निर्देशित किया गया।

बिजलेंस की टीम ने चलाया मार्निंग रेड, 48 कटियाबाज धराए

गाजीपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र में बिजली विभाग और बिजलेंस की टीम द्वारा शनिवार को मॉर्निंग रेड की गई। मॉर्निंग रेड में 48 घरों में कटिया कनेक्शन और मीटर से बाईपास कनेक्शन कर बिजली चोरी करते पकड़े गए। जिनके खिलाफ रौजा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। बिजली विभाग की मॉर्निंग रेड से आस पास के मुहल्लों में अफरा तफरी मची रही। बिजली चोरी में पकड़े गए उपभोक्ताओं के खिलाफ सम्बंधित धाराओं में बिजलेंस थाना रौजा में एफआईआर दर्ज कराया गया। दरअसल सदर कोतवाली इलाके के कागजी मोहल्ला समेत आधा दर्जन से ज्यादा मोहल्लों में बिजली विभाग और बिजलेंस की टीम के द्वारा कटियामार कनेक्शन और मीटर से बाईपास कर बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ मॉर्निंग रेड किया गया। ये मॉर्निंग रेड एसडीओ टाऊन सुधीर कुमार एवं बिजलेंस इंस्पेक्टर धनंजय यादव व जेई पंकज चौहान के नेतृत्व में कटियामार और मीटर से बाईपास कर विद्युत चोरी करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ किया गया। इस दौरान सहायक अभियंता सुधीर कुमार ने बताया कि शहर के कई फीडर व मोहल्ला हाई लाइन लांस में है। इसी कड़ी में आज सुबह मार्निंग रेड किया गया । जिसमे 48 लोग मौके पर विद्युत चोरी करते हुए पाए गए। उन सभी लोगो के खिलाफ विद्युत चोरी में बिजिलेंस थाने पर मुकदमा करवाया गया।

मार्निंग रेड के दौरान बिजली विभाग एवं बिजलेंस की टीम।

तार से निकली चिंगारी, दुकान जली

मरदह। मरदह-कासिमाबाद मार्ग स्थित पुराने पोस्ट आफिस के सामने शनिवार की दोपहर एक बजे तेज हवा चलने पर 440 बोल्ट का बिजली के दो तार आपस में टकराने से शार्ट सर्किट हो गया। तार से निकलीं चिंगारी के वजह से तार के नीचे स्थित झोपड़ी में आग लग गई। जब तक लोग व दुकानदार कुछ समझ पाते तब तक आग ने अगल बगल स्थित दो गुमटियों को अपने चपेट में ले लिया। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया। नोनरा गांव निवासी चाय विक्रेता मोहन पासवान की झोपड़ी में रखा पांच हजार नगदी व सात हजार के समान सहित झोपड़ी जलकर राख हो गया। भुल्लन खरवार की गुमटी में लगी आग से दो हजार नगदी सहित अंडा,गुमटी सहित पांच हजार का समान स्वाहा हो गया। छोटका मरदह गांव नन्हकू प्रजापति के पान की गुमटी में लगी आग में 3500 सौ नगद सहित पांच हजार का समान व गुमटी जलकर खाक हो गया। क्षेत्रीय लेखपाल उपेन्द्र यादव ने क्षतिपूर्ति का आकलन कर रिपोर्ट तैयार किया।

नौ साल में जो कार्य हुआ 70 साल में नहीं: चंचल

प्रधानमंत्री ने सरकार बनते ही सड़क, बिजली, शौचालय पर तत्काल कार्य करना शुरू किया

सैदपुर। विधानसभा सैदपुर स्थित पूर्व विधायक सुभाष पासी के कार्यालय पर बीजेपी ने नौ साल बेमिसाल लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन शनिवार को किया। मुख्य अतिथि एमएलसी विशाल सिंह चंचल ने कहा कि प्रधानमंत्री की मां दुसरों के घरों मे बर्तन माजने का कार्य करती थी। उन्होंने अपनी मां के तकलीफो को देखा है। गरीब का बेटा ही गरीबों को समझ सकता है। सरकार बनते ही प्रधानमंत्री ने सड़क, बिजली, शौचालय पर तत्काल कार्य करना शुरू किया। जितना 70 सालों में कार्य नहीं हुआ उससे ज्यादा प्रधानमंत्री ने 9 साल में कार्य करके दिखाया है। एमएलसी ने कहा कि अब बिना बिचौलियों के गरीबों के खाते में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे उनके खाते में पूरा-पूरा पहुंचता है। सरकार में गरीब मजदूर महिलाओं को बराबरी का दर्जा मिलने के साथ ही बेरोजगारों को रोजगार व जिनके पास घर नहीं है उन्हें आवास देकर गरीबों का सम्मान के साथ महिलाओं को किचन में परेशानी से बचाने के लिए उज्जवला योजना के तहत मुफ्त गैस कनेक्शन भी उपलब्ध कराए गए हैं। युवा व्यवसायियों को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 50 हजार से लेकर 10 लाख तक का ऋण देकर आमजन के भविष्य को सावरने का कार्य किया है। भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी भाजपा सबका साथ, सबका विकास की सोच के साथ ही कार्य कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का फायदा पहुंचाने का कार्य करती रहेगी।

मौके पर जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह, पूर्व विधायक सुभाष पासी, कृष्ण बिहारी राय, बृजनंदन सिंह, ओमकार मिश्रा, सुशीला सोनकर, पूर्व चेयरमैन श्रीमती शीला सोनकर, दया शंकर पांडे, पूनम मौर्या, रमन सिंह पप्पू, नरेंद्र पाठक, डॉ प्रदीप पाठक, अनूप जायसवाल, अभय, अंशु सिंह, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सैदपुर स्थित कार्यक्रम के दौरान एमएलसी विशाल सिंह चंचल व जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह।

विद्युत समाधान दिवस पर विभाग के कैंप में सुलझाए गए बिल

दिलदारनगर। विद्युत उप केंद्र शायर के अंतर्गत शायर गांव के पंचायत भवन में बिजली विभाग का मेगा कैंप का आयोजन किया गया था। जिसमें लगभग 80 उपभोक्ताओं की समस्या का निवारण हुआ।

जिसमें राजस्व वसूली डेढ़ लाख रुपए, 10 लोगों का डबल बिल बंद किया गया तथा 15 लोगों का मौके पर मीटर लगाया गया तथा बकाए पर 10 लोगों की लाइन खोली गई तथा जिनका मीटर में कुछ दिक्कत थी उसको मौके पर सही करा कर लोगों का समाधान किया गया। कैंप में एसडीओ दिलदारनगर कमलेश, जे.ई शायर शशिकांत पटेल, अरविंद, रामविलास, मुकेश बाबू तथा सायर के समस्त कर्मचारी तथा मीटर रीडर उपस्थित थे।

विद्युत समाधान दिवस का आयोजन

जमानियां। विद्युत वितरण खण्ड चतुर्थ जमानिया के अंतर्गत सब डिवीजन दिलदारनगर के सायर उपकेंद्र पर शासन के निर्देशन पर विद्युत समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें अधिशासी अभियंता हेमंत सिंह ने बताया कि शायर पावर हाउस के शायर गांव के पंचायत भवन में बिजली विभाग का मेगा कैंप का आयोजन किया गया था। जिसमें लगभग 80 उपभोक्ताओं की समस्यायों का निस्तारण किया गया। वही राजस्व वसूली डेढ़ लाख किए गया तथा 10 लोगों का डबल बिल बंद किया गया एवं 15 लोगों का मौके पर मीटर लगाया गया। वही बकाए पर 10 लोगों की लाइन खोली गई तथा जिनका मीटर में कुछ समस्या थी। कैंप में एसडीओ दिलदारनगर इंजीनियर कमलेश प्रजापति, जेई शायर शशिकांत पटेल, ऑपरेटर रामविलास यादव,बड़े बाबू मुकेश कुमार तथा सायर के समस्त कर्मचारी तथा मीटर रीडर उपस्थित रहे।

सायर गांव पंचायत भवन पर विद्युत कैंप में उपभोक्ता।

संतृप्तिकरण अभियान के तहत किसानों की सुनी गई फरियाद

जमानियाँ। स्थानीय तहसील मुख्यालय पर पीएम किसान संतृप्तिकरण अभियान के तहत आयोजित कैम्प में शनिवार तक 112 किसानों ने अपनी समस्याओं का त्वरित निस्तारण हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। कैम्प में त्वरित निस्तारण का भरोसा दिया गया। कृषि विभाग के प्रतिनिधि सहायक विकास अधिकारी (कृषि) दीपक कुमार सिंह ने बताया कि कैम्प में पीएम किसान सम्मान निधि योजना के सभी पात्र किसानों के समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। किन्ही कारणों से जिनका जमीन पोर्टल पर नहीं चढ़ पाया है उसका भूमि अंकन, आधार से मोबाइल नम्बर जुड़े होने पर ई-केवाईसी, डाक विभाग के प्रतिनिधि द्वारा तुरन्त खाता खोल कर एनपीसीआई व ओपन सोर्स से पंजीकरण की त्वरित जाँच करके आगे की कार्यवाई कैम्प के माध्यम से की जा रही है। जिससे किसान की समस्याओं का यथाशीघ्र समाधान हो सके। कैंप में जितेन्द्र यादव, अमित प्रकाश सिंह, जितेन्द्र सिंह व डाक विभाग से अनुप सिंह, राहुल कुमार उपस्थित रहे।

महिलाओं के बिना किसी भी समाज का विकास नहीं:बलवंत

सेवराई। स्थानीय तहसील मुख्यालय सभागार कक्ष में शनिवार को पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत चौधरी की अध्यक्षता में मिशन शक्ति का आयोजन किया गया। मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं को उनके अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया। महिलाओं के ऊपर किसी भी प्रकार की कोई अत्याचार या उत्पीड़न के प्रति महिला हेल्पलाइन का विस्तार से जानकारी दी गयी। एसपी ग्रामीण ने कहा कि महिलाओं के बिना किसी भी समाज का विकास नहीं हो सकता। एसडीएम राजेश प्रसाद ने कहा कि महिलाओं को सामाजिक कार्य में आगे आना एक बहुत बड़ी चुनौती भरा काम है, लेकिन इसके बावजूद भी घर परिवार और संस्कारों को ध्यान में रखते हुए महिलाओं का आह्वान करते हुए कहा कि किसी भी चुनौती का सामना मजबूती के साथ करते हुए समाज की मुख्यधारा में शामिल होने के लिए सामाजिक दायित्वों का निर्वहन चुनौती मानकर करने की आवश्यकता है । इस मौके पर उपजिलाधिकारी राजेश प्रसाद, नायब तहसीलदार विपिन चौरसिया, बीडीओ भदौरा राजेश श्रीवास्तव, प्रभारी निरीक्षक गहमर पवन उपाध्याय, थाना प्रभारी निरीक्षक आलोक त्रिपाठी,ग्राम पंचायत अधिकारी संगीता कुशवाहा,शक्ति दीदी शिखा सिंह, साक्षी सिंह,पूजा सरोज,साजिदा बानो आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे ।

मिशन शक्ति कार्यक्रम को संबोधित करते एसपी ग्रामीण व एसडीएम सेवराई।

देवी-देवता यज्ञ स्थल पर आकर जीवों को देते हैं आशीर्वाद

जनसंदेश न्यूज

भांवरकोल। क्षेत्र के सहरमाडीह स्थित किनवार कीर्ति स्तंभ परिसर में शनिवार को महामृत्युंजय यज्ञ के एक बर्ष पूरा होने पर हवन पूजन के साथ यज्ञ का आवसान किया गया। इस मौके पर विद्वान पंडितों द्वारा कुल 11000 महामृत्युंजय मंत्र से यज्ञ कुंड में आहुति दी गई ।

राजगुरु मठ वाराणसी के पीठाधीश्वर स्वामी अनंतानंद सरस्वती ने कहा कि यज्ञ से प्रकृति का श्रृंगार होता है। यज्ञ के दौरान देवी देवता सूक्ष्म रूप से यज्ञ स्थल पर आकर जीवों को आशीर्वाद देते हैं। यज्ञ के धुंवे से पाकृतिक असंन्तुलन ठीक होता है। यज्ञ करने से आपसी कटुता समाप्त हो जाती है जिससे समाज में भाई चारे एवं समरसता का वातावरण सृजन होता है।

इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किये। इस मौके पर मुख्य यजमान अभियंता अरविंद राय, सन्तोष राय, बेनीमाधव राय, डॉ. राजेन्द. राय रामभुवन राय, विजेंद्र राय, देवेंद्र प्रसाद सिंह , बिनोद राय, रविंद्र नाथ राय ,पारस राय, नागा दुबे, प्र दीप सिंह पप्पू, कमलेश शर्मा, विनय राय, मुक्तिनाथ राय, छांगुर राय दिनेश राय , संजय पान्डेय, आदि लोग मौजूद रहे।

सहरमाडीह में हवन-पूजन करते श्रद्धालु।

संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों को नहीं मिल रहा न्याय, लोग परेशान

कासिमाबाद तससील में फरियाद सुनते डीएम-एसपी।

ईश्वर देव।

चंद्रावती देवी।

जलाउद्दीन अख्तर

कासिमाबाद। जिलाधिकारी आयका अखौरी और पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह की अध्यक्षता में कासिमाबाद के महाराणा प्रताप सभागार में शनिवार को संपूर्ण मुख्य समाधान दिवस आयोजित हुआ। जिसमें 80 आवेदन प्रस्तुत किए गए जिसमें तीन का मौके पर निस्तारण किया गया जबकि शेष आवेदन को संबंधित विभाग के अधिकारियों को सुपुर्द कर दिया गया।

मुख्य तहसील दिवस पर जिलाधिकारी के आगमन को लेकर तहसील क्षेत्र से सैकड़ों फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। खेताबपुर निवासी फरियादी ईश्वर देव ने बताया कि चकमार्ग की जमीन पर पक्की पैमाइश और पत्थर गड़ी होने के बावजूद विपक्षियों के द्वारा उखाड़ कर फेंक दिए ।प्रार्थना पत्र देने के बावजूद उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही है। नोनहरा क्षेत्र के पंडित पुरवा निवासी चंद्रावती देवी ने बताया कि 20 वर्ष के पट्टे की जमीन है उसके बावजूद भी परेशान किया जा रहा है ।गंगोली निवासी जलालुद्दीन अख्तर ने बताया कि विवादित एवं कालातीत मदरसा इस्लामिया अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी गाजीपुर द्वारा भुगतान एवं नियुक्ति में अनियमितता एवं धन उगाही करने के संबंध में जांच करा कर कार्रवाई मांग की है। इस मौके पर एसडीएम अश्वनी पांडेय,तहसीलदार जया सिंह, नायब तहसीलदार अनुराग यादव, क्षेत्राधिकारी बलराम, खंड विकास अधिकारी भीमराव,एसडीओ संजीव भास्कर ,वन क्षेत्राधिकारी अंजनी सिंह सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

591 शिकायत में 46 का निस्तारण

गाजीपुर। जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु सातों तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 591 शिकायत प्राप्त हुए जिसमें मौके पर 46 शिकायत पत्रों का निस्तारण किया गया। इसी क्रम में तहसील सैदपुर में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 88 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें 07 का मौके पर निस्तारण किया। तहसील जमानियाँ में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 90 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से 09 का मौके पर निस्तारण किया गया। सदर तहसील में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 64 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें मौके 09 का निस्तारण किया गया। तहसील मुहम्मदाबाद में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 83 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से 05 का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील सेवराई में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 की अध्यक्षता में 77 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से मौके पर 07 का निस्तारण किया गया एवं तहसील जखनियां में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 109 शिकायत/प्रार्थना प्राप्त 06 का मौके पर निस्तारण किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य, उपजिलाधिकारी कासिमाबाद, तहसीलदार कासिमाबाद एवं समस्त जनपदस्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ललन चतुर्वेदी की कविताएं

बेटिकट यात्री की तरह

पता नहीं क्या हूँ/ गांव वाले नागरिक समझते हैं/शहर वाले गंवार
स्वतंत्र देश का नागरिक हो जाने से ही नहीं कोई हो जाता है स्वतंत्र
अपने घर में रहते हुए भी होता रहता है परतंत्रता-बोध
सबको अपनी निजता की चिंता है/अबोध बालक सा पूछता है मन
सामासिक संस्कृति पर कठिन सवाल/समाज के सामने यह प्रश्न चिह्न है
घर से कदम निकालने के पहले सोचना पड़ता है सौ बार
जरूरी कागजात का करना पड़ता है दरियाफ्त
पिताजी चलने के पहले पूछते हैं एक अनिवार्य प्रश्न
रख लिए न ड्राइविंग लाइसेंस,वोटर,आधार और पैन कार्ड ?
मैं झल्ला कर रहता हूं रख लिया है क्रेडिट और डेबिट कार्ड भी
आश्वस्त हो लेता हूं कि मोबाइल जेब में ही तो है?
मेरी आश्वस्ति के बाद पिता भी हो जाते हैं इत्मीनान
फिर चलते वक्त कहते हैं - गाड़ी जरा धीरे चलाना
बाहर निकलते ही हो जाता हूं अतिरिक्त सावधान
लोगों से खुलकर बातें नहीं करता/न जाने कौन सी बात पर हो जाए कोई नाराज
बहुधा लगता है निजता और बड़प्पन ने मिलकर पैदा कर रखे हैं अनेक नाजायज औलाद/
जिनका सेनापति भय, है चतुर्दिक तैनात
कैसे कर दूँ स्थगित अपनी यात्रा/निकलना तो पड़ेगा ही
निष्पादित करने हैं जीवन- जगत के विविध काम
शाम ढलने के पहले घर आ जाना - यह है पिता की हिदायत
मेरी दाँयी जेब में मौजूद है टिकट/और बाँयी में नागरिकता प्रमाण पत्र
तमाम कागजात के बावजूद/ भटक रहा हूं बेटिकट यात्री की तरह।

सत्य शरणार्थी है !

मैं विजेताओं के जुलूस में कभी शामिल नहीं हुआ/पराजितों के शिविर में जाकर बैठ गया
जो पराजित हुए वे पतित नहीं थे/जो पराजित हुए वे पापी नहीं थे/वे सच बोलने वाले थे
इसलिए धीरे धीरे उनकी तादाद कम हो ग?ई/उन्होंने जब भी सच बोलना चाहा/भीड़ के शंखनाद में उनकी आवाज दब ग?ई
वे भीड़ से छिटके हुए लोग थे/लिहाजा उन्हें अछूत समझा गया
उनकी गिनती कम थी/ इसलिए उन्हें नगण्य समझा गया
और जहाँ संख्या ही सत्य का पर्याय हो
वास्तव में सत्य वहाँ शरणार्थी बन जाता है/ वह हर देश में सरहद पर खड़ा दिखता है
कोई उसे प्रवेश नहीं करने देता अपनी सीमाओं में
सत्य हर देश-काल में बहिष्कृत है/सत्य आज भी इतिहास से बाहर है
सत्य का कोई अपना भूगोल भी नहीं/सत्य आज भी तंबू गाड़ रहा है
कभी इधर,कभी उधर/ कोई आकर कभी भी उसका तंबू उखाड़ सकता है/ उसे अनधिकृत घोषित कर सकता है।

पढ़े-लिखे होने का मतलब

जितने लोग बोल रहे हैं/ उससे कहीं अधिक लोग चुप हैं
बोली और चुप्पी दोनों पढ़ी जाने वाली चीजें हैं/बशर्ते हमें पढ़ने आता हो
कुछ लोग कपड़े पहनने के बावजूद नग्न नजर आते हैं
बोलना किसी को कठघरे में खड़ा कर सकता है/तो चुप्पी किसी को नंगा कर सकती है
ज्यादातर लोग बिगाड़ के डर से ईमान की बातें नहीं बोलते
खूँटे में बंधा आदमी जब तोते की तरह पाठ करता है
तो उसका ध्यान बोलने पर नहीं अपने पगार पर होता है
जब उसकी आत्मा उसे धिक्कारती है/तो लोर से भींग जाता है उसका तकिया
लेकिन सबेरा होते ही हैंगर में एक बार फिर अपनी आत्मा टाँग
झकास कुर्ता पहन करता है घंटों तक तोताराम वाला बकवास
हद तो तब होती है जब स्वयं को गर्व से प्रतिबद्ध घोषित करने वाली कलम
किसी भूखे के लिए एक शब्द नहीं लिखती/ और सिर्फ एक पायदान आगे बढ़ने के लिए
किसी के प्रशस्ति गान में खर्च कर देती है पूरी स्याही
शब्दों के साथ कोई पहली बार नहीं हुआ है ऐसा खिलवाड़
हाँ, आवृत्ति बढ़ गई है इन दिनों/ कोई फर्क नहीं रह गया प्रशंसा या निंदा में
जब कोई किसी की तारीफ के पुल बाँध रहा होता है/ तो वह सजग श्रोता के कानों में पहुंचते ही तब्दील हो जाती है निंदा में
सुधी पाठक समझ लेते हैं इस प्रशंसा का निहितार्थ
अनपढ़ का अर्थ बिल्कुल स्पष्ट है/ पर जो स्वयं को खूब पढ़ा-लिखा मानते हैं/ उन्हें पढे -लिखे होने का मतलब समझना ज्यादा जरूरी है ।

बहुआयामी है काव्य संग्रह : जीवन की धारा

डॉ.संतोष पटेल

विवेक वर्धन के काव्य संग्रह 'जीवन की धारा' में संकलित कविताओं में मानव-सुलभ प्रेम है, वेदना है, चिंता है, अवसाद है, नॉस्टेलजिया है, संघर्ष है , अजनबीयत है, राजनीतिक चिंतन है और कवि का अच्छाई की स्थापना के लिए हरेक प्रकार के विद्रूपताओं के प्रति बगावत है। वैसे तो इस संग्रह की समस्त रचनाएं पठनीय है और हम सबको सोचने के लिए बाध्य करती है परंतु कुछ रचनाओं के माध्यम से संग्रह को पढ़ने के लिए पाठकों को न्योता दिया सकता है। विवेक वर्धन ने अपनी कविताओं में मानवतावाद को सर्वोपरि माना है। कवि का अंतिम ध्येय समाज में मानवता की स्थापना है। कविता से मनुष्य का मन बदलता है, 'मानवता सिखलाओ हमें/हम सबसे पहले मानव हैं/आदमियत बतलाओ हमें/हम सबसे पहले आदम हैं ।'

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इसे संचालित करता है हमारा संविधान। कवि की लोकतांत्रिक दृष्टि देखते ही बनती है। उनकी इस कविता में -' संविधान है सबसे ऊपर' तब जब देश में सक्रिय कुछ फासिस्ट तत्वों ने संविधान को कमजोर करने का बीड़ा उठाया और उसके ऊपर धर्म सत्ता को थोपना चाहते हैं। संविधान के पक्ष में खड़ा होना कवि के संविधानिक मूल्यों के प्रति आस्था का परिचय है और यह एक आश्वस्ति है कि हमारी युवा पीढ़ी संविधान के प्रति कितनी गंभीर है, 'हम आजाद हैं/और हैं देश में लागू/गणतंत्र भी लागू/संविधान हमें देता है/स्वतंत्र संवाद का अधिकार।' इस काव्य-संग्रह में वस्तुतः छोटी-छोटी धाराओं और धारणाओं का समुच्चय है जो जब साथ मिलकर बहती है तो जीवन की धारा को गतिशील बनाती है। वास्तव में जीवन की धारा एक रेखीय नहीं होती उसके कई सारे डायमेंशन होते हैं, अनेक संघर्षों की दास्तां होती हैं और इन्हीं संघर्ष को रेखांकित एक रचना भी है। कविता मनुष्य के पक्ष में बयान है। जीवन जगत का अनुभव कोष है। यही कारण है कि जीवन जगत में हो रहे बदलाव, आवेगों, जटिलताओं से कविताओं की दशा और दिशा का निर्धारण होता है। विवेक की कविता को मैं प्रतिपक्षधर्मी कविता मानता हूं। वह इस विकल्प को कविता की सौंदर्यात्मकता को बाधित किए बगैर व्यक्त करती है, 'बेबस किसान/धन देश का/लूटकर भागे/ऐसे बिचैलिए/उद्योगपति महान।' जिस तरह देश में चंद उद्योगपतियों को सत्ता संपोषित कर रही है और विपक्ष के इस सवाल पर सत्ता मौन है। खुली आंखों के सामने संसाधनों की लूट मची हुई है। इस विकट घड़ी में विवेक की कविता सत्ता के इस कुकृत्य के प्रतिरोध में सीना ताने खड़ी है। यही एक कवि धर्म है वरना आज भी देश में चारणों की कमी कहां है? विवेक की कविता उनके युवा होने का एहसास कराती है। उनकी कविताओं में विविधता है। वे सजग मानव की भांति जलवायु परिवर्तन के कारण चिन्तित हैं। बेमौसम बरसात, सूखा, हिट वेव, सूखती नदियां, उजड़ रहे जंगल, विनाश होता पहाड़, लुटता खदान, प्राकृतिक संसाधनों का दोहन इस सारी चीजों पर कवि की पैनी नजर है। आज का दौर संत्रास का दौर है। आदमी, आदमी से कट रहा है। संवेदनाएं बंट गई हैं, परन्तु इस आइसोलेशन में आपका एक साथी है, वह है किताब। किताब से दोस्ती कवि के जीवन का अंतिम लक्ष्य है। पुस्तक के प्रति उसका यह मोह उसके ज्ञान के प्रति मोह का द्योतक है और ज्ञान के प्रति मोह मनुष्य को बुद्धत्व प्रदान कर सकता है बशर्ते ज्ञान की खोज को वह अनवरत जारी रखे। मैं आशावान हूं कि आने वाले समय में विवेक वर्धन की और भी रचनाएं पढ़ने को मिलेंगी और निकट भविष्य में वह बहुआयामी काव्य-संग्रह के साथ पुनः उपस्थित होंगे।

पुस्तकः जीवन की धारा, लेखकः विवेक वर्धन, प्रकाशनः समदर्शी प्रकाशन, गाजियाबाद

मेडल चूमते हुए

- ऊषा राय

ठहरा हुआ यौन शोषण का सवाल/अब आ लगा है नाव के साथ तुम्हारे /पतवार मत छोड़ना मेरी नाविक/चाहे जलजला ही क्यों ना आ जाए।
जिस दिन उतरी थीं अखाड़े में/उसी दिन दे दी चुनौती कि/ दुनिया की पहलवानों को हराकर/ले आओगी मेडल जिसकी सुनहरी/इबारत से चमक जाएगी देश की मिट्टी
मेडल चूमते हुए तुमने अपने/ पहले प्यार पहले इरादे को पंख दिए
जंतर मंतर के आरपार लड़ाई के/योद्धाओं में शामिल हुआ तुम्हारा नाम/मेरी नाविक पतवार मत छोड़ना।
तुमने देखा था जिसे आदर से/वह चंदगीराम दारा सिंह या
महावीर फोगाट नहीं था/तिलकधारी यौनशोषण का बीमार/करता है जो पलटवार बार -बार
सत्ता की गोद में बैठा मूँछें ऐंठता /करता है दल बल से गुमराह /मेरी नाविक पतवार मत छोड़ना।
सवालों से निकले बहुत से सवाल/ जो खाते रहे हिचकोले सदा से/ पर तुमने इसे अपनी देह पर झेला
तुम्हारी हताशा निराशा का बंदोबस्त/ विफल हुआ राहें निकलेंगी निकलीं /इन चिंताओं बेचैनियों को रखना याद
संसद से भले ही पुकार लौट आये /पर जनता सब रखती है याद/मेरी नाविक पतवार मत छोड़ना।
समय बदला गालियों का अंदाज वही/ सम्मान मिला अपमान की आदत वही/ इसलिए मत समझना कि यह /दुख केवल तुम्हारा रोना केवल तुम्हारा
तमाम जीवित मृत स्त्रियों का रोना/है जो तुम तक बहता -बहता आया/ आएँगी स्वतंत्रचेता स्त्रियां साथ
यह लड़ाई केवल तुम्हारी नहीं /अब नींद उड़ेगी तानाशाहों की /मेरी नाविक पतवार मत छोड़ना।
लोकतंत्र का लोक तुम्हारी नाव /तंत्र से किसको कब उम्मीद रही /संगोल संसद उत्सव मना रहा
तुम्हारे हर सवाल पर चुप्पी /एक मंत्री फिकरे कसती हँसती /साड़ी पकड़ एक सवाल से भागे
सब पूछते हैं कब होगा बदलाव/कब होगी स्त्री सम्मान की वापसी
मेडल तुम्हारा है तुम्हारे पास रहे/इस पितृसत्ता को सबक सिखाना/ मेरी नाविक पतवार मत छोड़ना।

(कविता में इस परिवर्तन को 2014 के बाद उपजी परिस्थितियों ने ज्यादा तीव्र किया है। जो टूटन, बिलगाव, क्षोभ, घृणा 90 के बाद फैलायी जानी शुरू हुई, वह निस्संदेह अब अपने चरम की ओर है। धर्म और राजनीति के डरावने घालमेल ने समूचे देश में हिंसा, अविश्वास, विद्वेष और एकाधिपत्यवाद का जो माहौल पैदा किया है, उसने बेशक कविता को एक नयी राह पर मोड़ दिया है। यह समकालीन कविता के भीतर कविता का एक नया प्रस्थान है और इसे बहुत साफ युवतर पीढ़ी के कवियों की रचनाओं में चिह्नित किया जा सकता है।)

हिंसा, अलगाव के विरुद्ध परस्परता, भरोसे और प्रेम की तलाश करती 21 वीं सदी की कविता

'समय के साखी': एक संजीदा बहस

सुभाष राय

क्या 21 वीं सदी की कविता समकालीन कविता से अलग अपनी पहचान बना रही है? क्या कविता संवेदन, समझ, कहन या भाषा के स्तर पर कोई नयी राह बना रही है? ये प्रश्न बहुत दिनों से उठाये जा रहे हैं लेकिन 'समय के साखी' के नये अंक में इन प्रश्नों पर बहुत संजीदा और गंभीर ढंग से विचार किया गया है। राजेश जोशी जी ने अपने संपादकीय में कुछ महत्वपूर्ण सवाल उठाये हैं। उनका कहना है कि 'सृजन कर्म में आधार और अधिरचना के संबंध बहुत सीधे सरल नहीं होते। आधार में होने वाले परिवर्तनों के कारण अधिरचना में आने वाले बदलाव कई बार बहुत देर से और कई बार बहुत तात्कालिक ढंग से लक्षित किये जा सकते हैं।' वे एक और महत्वपूर्ण बात कहते हैं कि तारीखों के उलझाव में न जायें तो 20 वीं सदी के आधार 1990 के बाद बदलने शुरू हो जाते हैं, इसलिए इसे ही 21वीं सदी का आरम्भ समझा जाना चाहिए। तो क्या इन परिवर्तनों का प्रभाव अधिरचना पर अब ज्यादा स्पष्ट दिखायी पड़ने लगा है? यह अंक इसकी तसदीक करता है। मैं इतना जोड़ना चाहूँगा कि इस परिवर्तन को 2014 के बाद उपजी परिस्थितियों ने ज्यादा तीव्र किया है। जो टूटन, बिलगाव, क्षोभ, घृणा 90 के बाद फैलायी जानी शुरू हुई, वह निस्संदेह अब अपने चरम की ओर है। धर्म और राजनीति के डरावने घालमेल ने समूचे देश में हिंसा, अविश्वास, विद्वेष और एकाधिपत्यवाद का जो माहौल पैदा किया है, उसने बेशक कविता को एक नयी राह पर मोड़ दिया है। यह समकालीन कविता के भीतर कविता का एक नया प्रस्थान है और इसे बहुत साफ युवतर पीढ़ी के कवियों की रचनाओं में चिह्नित किया जा सकता है।

समकालीन कविता निस्तेज नहीं हुई है लेकिन उसका जीवन से, परस्परता से, भरोसे से, देस से, मनुष्यता से तादात्म्य और गहरा हुआ है। नयी धारा में स्थानीयता का आग्रह और वैश्विकता का स्वर समकालीन कविता से कहीं ज्यादा साफ सुना जा सकता है। वह सारे सरहदों को तोड़कर अपना एक पृथक विकल पथ निर्मित कर रही है, जिसमें जीवन का व्यापक स्पंदन है, जीवनविरोधी परिस्थितियों का विकट प्रतिवाद है, जिसमें प्रेम और अपनेपन की निजता का अपूर्व विस्तार है, जिसमें प्रकृति के और करीब जाने की उमंग है, उसकी आत्मीयता को बचाने का राग है। यह राग स्त्री सत्ता को नये ढंग से देखने के औजार भी मुहैया कराता है। खास बात यह है कि यह धार आलोचक और आलोचना की परवाह किये बगैर आगे बढ़ रही है।

इस अंक में शामिल की गयी कविताओं, कवियों के आत्मकथ्यों, उन पर कुछ वरिष्ठों की टिप्पणियों में ये सारी बातें देखी जा सकती हैं। अनुज लुगुन सत्ता की हिंसक भाषा की ओर संकेत करते हुए कहते हैं, 'आदिवासी पत्थलगड़ी करते हैं / और सरकार को लगता है/ वे बगावत कर रहे हैं।' पत्थर आदिवासियों की पहचान है। क्या उनको अपने जंगल, अपने पहाड़, जो उनके जीवन की भाषा हैं, को बचाये रखने का अधिकार नहीं है? इसी बात को दूसरी तरह उठाते हैं कमलजीत चौधरी, जब वे कहते हैं, मिठास के व्यापारी/ यह दुनिया मीठी हो सकती है/ पर मेरी जीभ तुम्हारा उपनिवेश नहीं हो सकती।' बाजार और सत्ता के बीच साठ- गांठ से जिस तरह अल्पसंख्यक संस्कृतियों को गुलाम और असहाय बनाने की कोशिश की जा रही है, 21वीं सदी की कविता उसके खिलाफ खड़ी है। यह समकालीन कविता के प्रमुख स्वर का ही और तीखा होता हुआ विस्तार है। अनुपम सिंह स्त्रियों के लिए बनाये गये सारे नियम-विधान को कचरे में डाल देना चाहती हैं। वे कहती हैं, 'अब जोर से चाहती हूं यह कहना/ कि मैं उत्तर भारतीय लड़की/ भविष्य में नदियों के सहारे यात्रा करूंगी/ और दक्षिण भारतीय लड़के से करूंगी प्रेम।' वे न केवल वास्तविक बंधनों को चुनौती देती हैं बल्कि आभासी जंजीरों को भी पांवों से निकाल फेंकना चाहती हैं। वे सारी लड़कियों से यही अपेक्षा करती हैं। सच कहूं तो आज की लड़कियां ऐसी हर फेंस को पार कर सड़क पर आ गयी हैं। वे अब जिंदगी के किसी जंगल से भयभीत नहीं हैं। विश्वासी एक्का को सुनिये, 'प्रेम का रहस्य जंगल ही खोलते हैं/ प्रेम को समझना हो तो / तुम्हें जंगल आना ही होगा/ कहते हैं प्रेम का रंग हरा होता है/ जो आंखों से होकर ही/ मन में उतरता है।' यह एक स्त्री की स्वाधीनता का स्वर तो है ही, उसके मन में अपनी स्थानीयता, अपने जंगल के प्रति अनन्यता की अभिव्यक्ति भी है। रजनी अनुरागी स्त्री को इतिहास और भविष्य के बीच एक पुल की तरह देखती हैं, जो अपने ही वजन से झुक रहा है। यह वजन स्त्री पर थोपी गयी पुरुष मनमानियों का वजन है। वे नाउम्मीद नहीं हैं, ' वो लगातार उस सफर में हैं जो उनसे छूट रहा है/ वो दुख को भूलते हुए सुख चुन रही हैं।' लेकिन 'स्त्रियाँ इन उलझनों में अपना सवेरा बुन रही हैं।' मेरा मानना है कि वे उलझनों को झटककर अपना सवेरा जरूर पा लेंगी। संध्या कुलकर्णी स्त्री के अनन्त आत्मविश्वास से भरी हुई हैं,' अब जो निकलूंगी तो लो/ ले आऊंगी धरती का आधा हिस्सा/ अपनी पीठ पर।' संध्या जी ! आधी क्यों, पूरी पृथ्वी आप का सदियों से इंतजार कर रही है। सच यही है कि पुरुष स्त्री की सत्ता के बिना अर्थहीन है। प्रिया वर्मा देह को देह बने रहने देने के खिलाफ है। वे जानती हैं कि यही स्त्री की यातना का सबसे बड़ा कारण रही है। देह है लेकिन उस पर स्त्री का अधिकार है। इसी अधिकार से वह अपनी असली सत्ता की पहचान करती है, 'चूंकि कोई नहीं है दूध का धुला हुआ/ इसका अर्थ यह नहीं हो जाता कि /तुम्हारे पास है आत्मा / और मेरे पास मात्र देह है।'

अनुराधा सिंह को कविता की ताकत पर अपरिमेय विश्वास है। वे कहती हैं कि 'मैं कवि पहले इसलिए हूँ क्योंकि कविता अन्याय नहीं करती।' उनकी कविताएँ कहती हैं कि कविता अन्याय सहती भी नहीं। वे स्त्री को वस्तु बना दिये जाने की पीड़ा को बहुत सुंदर शब्द देती हैं, 'पुरुष ने दुनिया से लौटकर देखा/ स्त्री की आंखें अनावृत थीं/ वह निराश हुआ और उसने/ ईश्वर के पृथ्वी, आकाश, समंदर/ और रात को/ एक घर से ढंक दिया/ फिर उसने/ स्त्री के वक्ष को कंचुकि से ढंकने से पहले/ उसके होने को अपने होने से ढंक दिया।' यह केवल साधारण बयान नहीं है। यह यथास्थिति के प्रति एक करारा प्रतिवाद है। स्त्री इसी अपने होने को पाना चाहती है। श्रुति कुशवाहा भी कविता में उम्मीद देखती हैं। वे चाहती हैं कि पुरुष स्त्री होना सीख जायें, ' उसी दिन वे पुरुष से मनुष्य में तबदील होंगे।' यह मनुष्यता का स्वर युवाओं की कविताओं में गहरी आस्था बनकर आया हुआ दिखायी पड़ता है। केवल मनुष्य होने से बहुत सारी विकलताओं, विडम्बनाओं का खात्मा हो जायेगा। प्रतिभा गोटीवाला की नजर सड़क पर है। वे मुखरता से युद्ध का उद्घोष करती हैं, 'सड़कों पर केवल दहशत नहीं होती/ सड़कों पर होता है विद्रोह।' नेहल शाह को लगता है कि स्त्रियाँ 'ऋषियों की इच्छाओं पर पूर्ण विराम रखने की कोशिश कर रही हैं।'

अरबाज खान युवा हैं। वे इस विश्वास से भरे हैं कि कविता मनुष्य को पशु बनने से बचा लेगी। हालांकि संकट जितना गहरा है, उसमें ऐसा विश्वास रखना बहुत कठिन है लेकिन जब संवेदना की ढाल मजबूत हो तो ऐसा विश्वास लड़ने का नया साहस देता है। उन्हें संदेह नहीं कि जब भी कोई बड़ा खतरा होगा, मोहल्ले के लोग साथ होंगे। यह मुहल्ला परस्परता का नया ग्राम है। अभी बहुत लोग हैं जो अन्याय को बर्दाश्त नहीं करते। अरबाज कहते हैं, 'किसी दिन कोई अफसर भगवा रंग में रंगा हुआ /आयेगा और कहेगा/ तुम्हारा नहीं है ये पोस्टल ऐड्रेस/ तुम्हारा नाम अरबाज है/ तुम्हारा नहीं हो सकता यह पोस्टल ऐड्रेस/.. मेरे मोहल्ले के ये लोग/ उस वक्त मेरे साथ होंगे/ मैं जानता हूँ/ मैं समझा रहा हूँ खुद को/ ये लोग मेरे साथ होंगे।' वास्तव में इस विश्वास को छिन्न- भिन्न करने की पूरी कोशिश सत्ता कर रही है फिर भी अरबाज का विश्वास की ताकत से मोहभंग नहीं हुआ है। 21वीं सदी की कविता में परस्पर विश्वास का यह भाव बहुत सलीके से आता है। गुमराह करने और बांटने के तमाम प्रयासों के बावजूद अभी भी आमजन के अपनेपन पर भरोसा पूरी तरह डिगा नहीं है। जाहिर है बदलाव में यही लोग प्रमुखता से काम आयेंगे। वीरेन्द्र भाटिया मनुष्य की खोज जरूरी बताते हैं, 'मनुष्य को खोजना चिरकाल से जारी था/ गोल- गोल घूमता मनुष्य/ वहीं आ खड़ा होता है बार- बार/ जहां से उसने खोजना शुरू किया।' तभी तो ' गीता वाले तुम्हारे इस मुल्क में/ लड़की को देह बचाने के लिए/ युद्ध लड़ने पड़ते हैं।' निदा नवाज की कविताएँ 21 वीं सदी के अलगाव को बहुत संजीदगी से दर्ज करती हैं,' मैं उस स्वर्ग में रहता हूँ/ जहां बच्चा होना होता है सहम जाना/ जवान होना होता है मर जाना/ औरत होना होता है लुट जाना/ और बूढ़ा होना होता है/ अपनी ही संतान का / कब्रिस्तान हो जाना।' यह कश्मीर की आवाज भर नहीं है। अब तो यह समूचे देश की आवाज है। अल्पसंख्यकों, आदिवासियों, स्त्रियों और गरीब कमजोर लोगों को इस बिलगाव की पीड़ा सबसे ज्यादा झेलनी पड़ रही है। इन परिस्थितियों के विरुद्ध 21वीं सदी की कविता अत्यंत सचेष्ट और जीवंत है। जमुना बीनी पूर्वोत्तर से आती हैं। उनकी कविताओं में भी यह आवाज सुनी जा सकती है, 'हमारे पूर्वज / तनिक भी खतरा महसूसते/ दुर्गम पहाड़ों पर चले जाते/ .. यह पहाड़ शरणस्थली है/ हमारे पूर्वजों की/ अलग कैसे करोगे/ पहाड़ और / उसके आदिम निवासी को।' नीलोत्पल के शब्दों में ' मटके का पानी आजाद नहीं था/ वह जब भी कुछ कहता/जाति और धर्म की जड़ें उसे बांधती।' हमारी जड़ों में यह विभेद नहीं है। आत्मारंजन कहते हैं, 'जड़ों का ही कमाया हुआ है/जो कुछ भी हरियाता, लहलहाता है।' बेशक आज की कविता अपनी जमीन में ज्यादा गहरे धंसी हुई है। अभिषेक अंशु समय गंवाना ठीक नहीं समझते, 'संसार का इतिहास बताता है / जो एक बार उठ खड़े हुए/ उनने चलना भी जल्द ही सीख लिया।' परिवर्तन आज की कविता का एक और प्रमुख स्वर है लेकिन युवा कवि इस संवेदना को ज्यादा पुख्ता और तार्किक आधार पर खड़ा करने की कोशिश करते दिखायी पड़ते हैं । सोशल मीडिया अपना काम कर रहा है। वहां रचनात्मकता का आस्वाद भले कम हो लेकिन तात्कालिक का हस्तक्षेप महत्वपूर्ण है। कविताओं के स्वर और मानक वह तय नहीं करेगा, इसलिए कवितानुमा अभिव्यक्तियों की बाढ़ से बहुत चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है।

अच्युतानंद मिश्र कवि के साथ आलोचक भी हैं। वे मानते हैं कि 'कविता की दुनिया वस्तुओं की चमकदार दुनिया का प्रतिलोम रचती है। इस समय जब हम कंठ तक अपरिमित संसार में डूबे हुए हैं, वास्तविक संसार की तलाश और उस तलाश की एक अंतर्यात्रा कविता का रास्ता हो सकता है।' उदाहरण उन्हीं की कविता से, 'हम पिछले दिनों जीते रहे पूरा जीवन/ अपने बच्चों को बताते रहे/ जुलूस का मतलब/ पहले हम जुलूस में जीवन तलाशते थे/ अब हम जीवन में जुलूस ढूंढ रहे हैं।' 'समय के साखी' के इस अंक का जितना विस्तार है, उसे पूरी तरह पकड़ना किसी एक टिप्पणी में संभव नहीं है। यह जो एक बात शुरू हुई है, आगे भी चलती रहेगी। कविता भाव संवेदन में, भाषा में, अपने तीखे नंगेपन में अब ज्यादा खुलकर सामने आ गयी है, समकालीन कविता से अलग कोई नयी राह पकड़ रही है, इस पर बहसें जारी रहेंगी। इन बहसों के कुछ सूत्र बसंत त्रिपाठी, शांति नायर, अनिल त्रिपाठी और डा. प्रियदर्शिनी ने अपनी टिप्पणियों में दिये भी हैं, जो आगे चर्चा का आधार बनेंगी। बल्कि यह चर्चा तो इसी अंक से शुरू भी हो गयी है, संजीव कौशल की राजेश जोशी जी, विजयकुमार जी, कुमार अम्बुज जी और सविता सिंह जी से बातचीत के रूप में। आगे बौद्धिक घमासान का इंतजार रहेगा। इस सम्पूर्ण आयोजन का श्रेय युवा कवयित्री आरती और आलोचक रामप्रकाश त्रिपाठी को दिये बिना बात पूरी नहीं होती। मुकेश विजोले का कवर चित्र भी ध्यान खींचता है।

(लेखक कवि एवं जनसंदेश टाइम्स के प्रधान संपादक हैं, संपर्क 9455081894)

अकबर के मोह एवं विरक्ति का नगर: फतेहपुर सीकरी

मूल्यांकन

कुमार वीरेन्द्र

फतेहपुर सीकरी अपने स्थापना- काल से ही अध्येताओं के लिए आकर्षण और पर्यवेक्षण का केंद्र रहा है।फतेहपुर की नगरीय संरचना और उसके राजनैतिक महत्व को इतिहास की दृष्टि से देखने-परखने के इरादे से डॉ. अनिल कुमार यादव द्वारा लिखी गयी यह पुस्तक अत्यंत प्रासंगिक है।डॉ अनिल ने पुस्तक में अकबर की नगरीय- बोध,स्थापत्य संबंधी रुचि और विकास की अवधारणा को लेकर कई उल्लेखनीय स्थापनाएं की हैं और इसके लिए उन्होंने तमाम शोध ग्रंथों,बहुमूल्य पुस्तकों, कीमती दस्तावेजों को बतौर स्रोत इस्तेमाल किया है।

डॉ यादव का निष्कर्ष ठीक मालूम पड़ता है कि वैसे तो अकबर ने फतेहपुर सीकरी का निर्माण सूफी संत शेख सलीम चिश्ती के प्रति आदर प्रकट करने के उद्देश्य से कराया था लेकिन फतेहपुर सीकरी अकबर के लिए रणनीतिक,राजनीतिक और वैचारिक रूप से भी हितकर था। असल में सीकरी अजमेर और आगरा के बीच एक गलियारे के रूप में स्थित था।इस दृष्टिकोण से देखें तो गंगा घाटी में पड़ने वाले मैदानों की ओर प्रसार करने की योजना के लिए यह अत्यंत उपयुक्त था। इतना ही नहीं फतेहपुर सीकरी में महलों के बीच बनी मस्जिद में सूफी संत शेख सलीम चिश्ती का मकबरा बनाकर अकबर ने राजनीतिक और अध्यात्मिक सत्ता का परस्पर समन्वयन- संयोजन करने में भी कामयाबी हासिल की।

पुस्तक में डॉ. यादव ने रेखांकित किया है कि फतेहपुर सीकरी जिसकी सुंदर योजना बनाकर अकबर ने निर्माण कराया और उसको अपनी राजधानी बनाया, वह समकालीन विश्व के महानतम नगरों में से एक माना जाता था। डॉ. यादव उस अबूझ पहेली को भी बूझने का प्रयास करते हैं जो कि अकबर के उस निर्णय से संबंधित है जिसके तहत अकबर ने अपनी राजधानी फतेहपुर सीकरी से वापस कर ली और फिर वहां कभी भी राजधानी नहीं बनायी। जिस नगर से बेपनाह मोहब्बत हो, उससे विरक्ति का भाव पैदा होना विचार का विषय है।इस पर डॉ. अनिल कुमार यादव ने गंभीरतापूर्वक कलम चलायी है।

पहाड़ी पर बसे नगर फतेहपुर सीकरी में पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जलाशय और निकास के व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन पर डॉ यादव ने प्रवाहपूर्ण अंदाज में विस्तार पूर्वक लिखा है। पानी की उपलब्धता के कारण नगरों की बसावट नदियों के किनारे होने के तो तमाम उदाहरण मौजूद हैं, लेकिन पहाड़ पर नगर बसाकर पानी की पहुंच वृहत्तर समाज तक पहुंचाने का कार्य व्यवस्थित ढंग से पहले पहल फतेहपुर सीकरी में ही हुआ।

पुस्तक में लेखक का यह प्रयास भी सराहनीय है कि इन्होंने फतेहपुर सीकरी के उद्भव, विकास, संरचना, प्रबंधन, राजधानी निर्माण और परिवर्तन को लेकर उठने वाले सवालों तथा संदेहो पर तर्कसम्मत ढंग से विचार किया है तथा यथोचित निष्कर्ष निकालने की मुकम्मल कोशिश की है।

(एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी एवम आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, मो.9955971358)

गांधी बनाम असगर वजाहत के गांधी

मूल्यांकन

फरीद खाँ

'उद्भावना' अपने वामपंथी और लोकतांत्रिक तेवर के लिए जानी जाने वाली पत्रिका है. लेकिन यह अंक उस तेवर को और अधिक प्रखरता से उजागर करता है। इसके आवरण पर ही टॉम वट्टाकोजे की पेंटिंग है जो गांधी जी की हत्या का चित्रण करती है और इसके संपादकीय में स्पष्टतः कहा गया है झ ह्लआज मैं दावे से कह सकता हूँ कि अगर किसी एक व्यक्ति ने हमारे देश की जनता के दिलों को छुआ है तो वे गांधी जी ही हैं। इसलिए आज गांधी जी पर अगर कोई फिल्म उन्हें गोडसे के बराबर [या उससे ऊपर] दिखलाती है तो यह केवल राजनीति का मामला नहीं रह जाता'। फिर आगे और स्पष्ट करके कहा गया है झ ह्लगांधीवादी न होते हुए भी हम गांधी पर कीचड़ उछालने की इजाजत नहीं दे सकते'।

बात स्पष्ट है कि इस अंक में महात्मा गांधी पर प्रचुर मात्रा में सामग्री मिलेगी जिनसे गांधी के प्रति फैलाए गए भ्रम दूर होते हैं। इसके अलावा इस अंक में विशेष रूप से असगर वजाहत और राजकुमार संतोषी की फिल्म ह्लगांधी गोडसे एक युद्ध' पर तीखी प्रतिक्रिया भी दर्ज की गई है। इस विषय पर देश के विभिन्न बुद्धिजीवियों के आलेख इस अंक में मिलेंगे जो संग्रहणीय हैं।

जब सत्ता फासिस्ट होती है तो बहुत सारे चेहरे बेनकाब होते हैं। असगर वजाहत और राजकुमार संतोषी का चेहरा, ऐसे ही प्रमुख चेहरों के रूप में याद किया जाएगा। अशोक कुमार पाण्डेय लिखते हैं झ ह्लराजकुमार संतोषी इस फिल्म के रिलीज के पहले और बाद लगातार यह दावा करते रहे कि गोडसे को अपना पक्ष रखने का मौका नहीं मिला यानी उनकी फिल्म गोडसे का पक्ष रखने के लिए बनाई गई है और यह पक्ष वरिष्ठ लेखक असगर वजाहत के नाटक 'गांधी एट गोडसे डॉट कॉम' के फिल्मीकरण द्वारा करने का दावा किया गया है'। तथ्य यह है कि गोडसे को अदालत में अपना पक्ष रखने का पूरा मौका मिला इसलिए अशोक कुमार पाण्डेय कहते हैं कि ह्लतथ्य तो यह है कि अदालत में लगाए गए इन घटिया आरोपों का जवाब देने का मौका गोडसे के हाथों मार दिए गए गांधी को नहीं मिला।

यह भी तथ्य है कि मराठी में 'मी नाथूराम गोडसे बोलतोय' नाटक गोडसे का पक्ष रखने के लिए लिखा और खेला गया।

सवाल यह है कि गोडसे का पक्ष रखने के लिए नाटककार और लेखक असगर वजाहत को गांधी के दुबारा जिंदा हो जाने की फंतासी रचने की क्या जरूरत थी? सीधे-सीधे गोडसे का पक्ष रख देते पर फंतासी में लेखक को, और निश्चित रूप से निर्देशक को भी, तथ्यों को तोड़ने-मरोड़ने की छूट मिल जाती है। उस छूट का मोह वो दोनों नहीं छोड़ सके।

अशोक कुमार पाण्डेय अपने लेख में तमाम तथ्यों को सन्दर्भ सहित खंगालते हैं और अंत में कहते हैं झ ह्लहालांकि यह फिल्म दर्शकों द्वारा बुरी तरह नकार दी गई लेकिन एक वामपंथी लेखक द्वारा दक्षिणपंथ के मनोनुकूल गांधी और गोडसे का यह चित्रण चिंता तो पैदा करता ही है।'

नाटक का लेखक यह कह कर अपना पल्ला नहीं झाड़ सकता कि फिल्मकार ने इसमें फेर बदल कर दी है। जवरीमल्ल पारख लिखते हैं झ ह्लसंवाद लेखन में संतोषी और असगर वजाहत के नामों का उल्लेख है. स्पष्ट है कि फिल्म में नाटक से अलग जो भी बदलाव किये गए हैं उससे लेखक [असगर वजाहत] की सहमति रही होगी।' फंतासी में जो कल्पना की जाती है वह लेखक या निर्देशक का विचार और सपना होता है। एक बानगी देखिये। लेखक का सपना है कि गोडसे जेल में रह कर अपने अखबार के माध्यम से जनता में जागरूकता फैला रहा है जो कि तथ्यहीन है। मजे की बात है कि स्वप्नद्रष्टा लेखक और निर्देशक ने यह कल्पना नहीं की कि दुनिया अहिंसक हो गई और सबने अपने अपने हथियार नष्ट कर दिए या गोडसे गांधी जी के विचारों से सहमत होकर अहिंसक हो गया है। इसके विपरीत उन्होंने एक हत्यारे के नायक होने का सपना देखा। इसी जगह उनकी विचारधारा की असली परख होती है। जवरीमल्ल पारख संतोषी के एक इंटरव्यू के हवाले से कहते हैं झ ह्लसंतोषी ने यह भी कहा था कि एक 'एक्ट' से यह नहीं समझ लेना चाहिए कि गोडसे हिंसा का उपासक था। एक 'एक्ट' यानी महात्मा गांधी की हत्या. यह एक 'एक्ट' फिल्मकार को महज 'एक्ट' लगता है जबकि इसी 'एक्ट' के कारण राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को इस देश से छीन लिया गया।'

लेखक-निर्देशक की फंतासी यह है कि गोडसे के कारण गांधी का हृदय परिवर्तन हो गया है और गोडसे ने गांधी की हत्या नहीं की है बल्कि हत्या से बचाया है। पारख जी के शब्दों में झ ह्लइस तरह गांधी की हत्या का जो अपराध गोडसे ने किया था, इस काल्पनिक कहानी में गोडसे गांधी को बचाकर पाप मुक्त हो जाता है।' आगे लिखते हैं झ ह्लगांधी की शहादत के इन 75 सालों में आरएसएस का साहस नहीं हुआ कि वे गोडसे से अपने संबंधों को स्वीकारे।' ह्ललेकिन इस फिल्म ने गोडसे को न केवल गांधी के समकक्ष ला बैठाया बल्कि उसे महान देशभक्त के रूप में स्थापित कर गोडसे की व्यापक स्वीकृति का मार्ग प्रशस्त कर दिया है।' अजय ब्रह्मात्मज इसी बात को आगे बढ़ाते हुए लिखते हैं झ ह्लअगर इस हत्यारे को आप ग्लोरीफाई करना चाहते हैं तो यह न सिर्फ गांधी की विरासत के लिए अन्याय है बल्कि पूरी मानवता के प्रति अन्याय है और यह एक आक्रामक तरीका है उस बात को फैलाने का और इससे समाज में स्थिति गड़बड़ हो सकती है। लोग साम्प्रदायिक हो सकते हैं।'

फिल्म के एक प्रसंग पर टिप्पणी करते हुए संजय कुंदन लिखते हैं झ ह्लजिस गोडसे को फिल्म में प्रेम की वकालत करते हुए दिखाया गया है, उसके पूजक प्रेमी जोड़ों को किस तरह प्रताड़ित करते हैं, किसी से छुपा नहीं है। लव जेहाद का हौवा खड़ा कर किस तरह मुस्लिम नौजवानों के प्रति नफरत फैलाई जा रही है और उनका उत्पीड़न हो रहा है, यह भी देश देख रहा है।' ह्लसच कहा जाए तो असगर वजाहत और राजकुमार संतोषी ने मिल कर एक नए गोडसे की कल्पना की है जो संघ की अवधारणा के बेहद अनुकूल है।'

इतिहास और अफवाह के सन्दर्भ में सूरज पालीवाल लिखते हैं झ ह्लअब इतिहास को अफवाहों और अफवाहों को इतिहास में तब्दील किया जा रहा है।' फिर वह दो टूक लिखते हैं - ह्लऐतिहासिक पुरुषों और ऐतिहासिक घटनाओं को फैंटेसी का रूप नहीं दिया जा सकता। फिर तो यह भी कल्पना की जा सकती है कि नेहरू की जगह पटेल प्रधानमंत्री होते, सावरकर गृह मंत्री और गोडसे रक्षा मंत्री। इस तरह की कल्पनाएँ उन विवादों को प्रश्रय देती हैं जो धर्मांध लोग फैला रहे हैं।'

इस फिल्म की भयावहता का अहसास कराने के लिए धनंजय कुमार ध्यान आकृष्ट करते हैं झ ह्लफिल्म में चल रहे प्लॉट्स को सत्य बताने के लिए उस समय के अखबारों की कतरनें दिखाई गईं हैं जो कि कहानी की तरह ही मनगढ़ंत और काल्पनिक हैं, लेकिन ऐसे दिखाई गई हैं, जैसे कि कतरनें उस समय का इतिहास बता रही हैं। यह भयावह साजिश हुई है फिल्म के बहाने।'

असगर वजाहत का वामपंथी धारा से लंबा संबंध रहा है इसलिए नागेन्द्र सीधे उनसे कहते हैं झ ह्लसवाल आपसे ही होना इसलिए भी लाजिमी है असगर साहब क्योंकि आप तो वामपंथ के 'पहरुए' हैं।' मुशर्रफ अली ने अपने आलेख में संकेत दिया है झ ह्लपूरी फिल्म गोपाल गोडसे की किताब 'गांधी वध' पर आधारित लगती है। इसलिए वीरेन्द्र यादव का यह कटाक्ष सटीक है झ ह्लनिर्देशक राजकुमार संतोषी का यह दावा उचित ही है कि इस फिल्म से गोडसे प्रेमियों को कोई आपत्ति न होगी।'

चूंकि असगर वजाहत जनवादी लेखक संघ से जुड़े रहे हैं इसलिए जलेस ने भी इस अंक में अपनी स्थिति स्पष्ट की है और इस फिल्म की कड़ी निंदा की है।

इसके अलावा गांधी से संबंधित राम पुन्यानी और रामदुलारी शर्मा के आलेख बड़े महत्वपूर्ण हैं।

उद्भावना के इस अंक में हमेशा की तरह कहानी और कविता तो हैं ही, साथ ही अंत में इत्तिफाक से एक और प्रोपेगेंडा फिल्म 'द केरला स्टोरी' की समीक्षा भी है जो अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

हर व्यक्ति को इस अंक को संभाल कर रखना चाहिए क्योंकि आने वाले दिनों में इसकी बार बार जरूरत पड़ेगी।

(लेखक कवि एवं कथाकार हैं)

बस और ट्रक की टक्कर में एक महिला की मौत

हादसा

दुर्घटना में 20 लोग गंभीर रूप से घायल

जनसंदेश न्यूज

पटवध आजमगढ़। बिलरियागंज थाना अंतर्गत श्रीनगर सियरहां पूर्वांचल एक्सप्रेस वे सिक्स लेन के अंडर पास के समीप आजमगढ़ की तरफ से एक प्राइवेट बस रौनापार की तरफ जा रही थी और रौनापार की तरफ से एक ट्रक आजमगढ़ के लिए जा रही थी दोनों की आपस में अंडरपास के नजदीक जोरदार टक्कर हो गई जिसमें बस में सवार लगभग 20 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और एक वृद्ध महिला की मौके पर ही मौत हो गई मौके पर पहुंचे ग्रामीणों द्वारा किसी तरह से

घटना स्थल पर जुटे स्थानीय लोग।

निकालकर एंबुलेंस द्वारा जिला अस्पताल भिजवाया गया सूचना पाते ही मौके पर बिलरियागंज थाना अध्यक्ष द्वारा अपने दल बल के साथ पहुंचकर सभी घायलों की मदद में लग गये। पुलिस ने मृत महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

मां जैसा पूरे ब्रह्मांड में और कोई दूसरा नहीं : सर्वेश

जनसंदेश न्यूज

आजमगढ़। हम अपने कर्तव्य, धर्म, गोत्र को ना भूले अपने मार्गों पर सजग रहे। कोई भी कितना योग्य क्यों न मिल जाए लेकिन माता-पिता का निर्णय ही सर्वोपरि होता है नहीं तो आप आज जो समाज में हो रहा है बेटियां टुकड़ों में मिल रही हैं। यह कैसा प्रेम है। उक्त बातें प्रेम मूर्ति संत सर्वेश जी महराज ने बाबा श्री भंवरनाथ जी मंदिर में चल रही श्रीराम कथा के तीसरे दिन कहीं।

कथा का प्रवचन करते हुए उन्होंने कहा कि आज जो पूरे भारत में लव जिहाद चल रहा है। इसका कारण केवल हिंदू जनमानस है मैं आप सभी को आज कथा के माध्यम से सजग कर रहा हूं। आप अपनी बेटी बेटियों को कथा सत्संग से जोड़ना शुरू कर दें, वरना परिणाम आपको देख रहे हैं। आप अपने बच्चों को श्री हनुमान

कथा का प्रवचन करते सर्वेश जी महाराज।

चालीसा, श्री दुर्गा चालीसा से जोड़ने का कार्य आज से ही आरंभ कर दें। कथा में शिव विवाह की चर्चा करते हुए बताया कि मां वात्सल्य की मूर्ति होती है। मां जैसा इस पूरे ब्रह्मांड में और कोई दूसरा नहीं है माने तो भगवान को भी जना है, मां प्रेम का सागर है। मां के बारे में जितना भी कुछ कहा जाए कम ही होगा। इसलिए कथा में आए सभी सनातनी उसे मैं निवेदन करना चाहता हूं कि मां का अपमान ईश्वर के अपमान के बराबर है इसलिए मां का सम्मान करें यह किसी पूजा से कम नहीं।

सर्वेश जी महाराज ने कहा कि बाबा श्री भंवरनाथ जी विश्वास का दूसरा नाम है बाबा का नाम जब भी आपने तो बहुत ही आदर और सम्मान के साथ लें। बाबा का नाम लेने से पहले श्री का प्रयोग अवश्य करें, अगर आज आप स्वस्थ और सुखी हैं तो बाबा श्री भंवरनाथ जी की कृपा से ही है। आप अपने पिता का नाम लेते हैं तो श्री लगाते हैं कि यह तो आपके पिता के भी पिता हैं।

बेटी हो या बेटा एक समान होते हैं दोनों के जन्म पर उत्साह एक समान होना चाहिए। बेटियां अपने भाग्य को लेकर आती है। बेटा एक कुल को तारता है तो बेटियां दो कुलों को तारती हैं। और अंत में सभी अपनी सनातनी बेटियों से निवेदन है कि वह अपने माता-पिता का सम्मान करें, उनकी आज्ञा का पालन करें, तभी आप सुरक्षित रह सकती हैं।

संक्षेप

पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसियों ने मारपीट कर किया घायल

पटवध आजमगढ़। कंधरापुर थाना अंतर्गत मुजफ्फरपुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गयी। विपक्षियों द्वारा पीड़ित की बाउंड्री तोड़ दी गयी तथा डंडा और कूल्हाडी से हमला कर राहुल राय को घायल कर दिया। कंधरापुर थाना के मुजफ्फरपुर गांव निवासी भूतपूर्व बीएसएफ जवान राहुल राय पुत्र नरेंद्र राय अपने घर में सुबहघर की साफ सफाई कर रहे थे उसी दौरान उनके पड़ोसियों ने जिसमें अवनीश राय, विजय राय, आशीष राय, वशिष्ठ राय उर्फ विपुलराय साजिसन श्रीकांत राय आदि लोगों ने मारपीट करने के नियत से उनके घर के उत्तरी हिस्से पर धावा बोल दिया और उनके घर की बाउंड्री जो लगभग 25 से 30 वर्ष पुरानी थी उसको तोड़ दिया जिसमें वहां बनी लैट्रिन तीन सेट सब तोड़ दिया गया है और घुसकर पत्थर, डंडा और कुल्हाड़ी से राहुल राय के ऊपर जानलेवा हमला कर दिया जिससे राहुल राय लहूलुहान हो गए और उनको गंभीर चोटें आई हैं मौके पर ग्रामीण जुट गए और उन्हें कंधरापुर थाने ले जाया गया जहां से पुलिस द्वारा तहरीर लेकर उनको ईलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। डाक्टरों ने चेकअप के बाद राहुल को एडमिट कर लिया। घटना के बाद गांव का माहौल बहुत गर्म है दोनों पक्षों में तनातनी बनी हुई है।

वित्त एवं लेखाधिकारी तथा ऑडिटर के विरुद्ध हो सख्त कार्रवाई : रामजनम सिंह

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ पांडेय गुट द्वारा आजमगढ़ मंडल के अध्यापकों एवं कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान को लेकर संयुक्त शिक्षा निदेशक माध्यमिक मंडल आजमगढ़ के कार्यालय पर शनिवार को दूसरे दिन भी मंडल अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव की अध्यक्षता में धरना जारी रहा। धरने का संचालन मंडल मंत्री अशोक कुमार मौर्य ने किया। धरने को संबोधित करते हुए संगठन के संरक्षक रामजन्म सिंह ने कहा कि संयुक्त शिक्षा निदेशक कार्यालय मंडल आजमगढ़ के वित्त एवं लेखाधिकारी तथा आडिटर के द्वारा अध्यापकों एवं कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 62 वर्ष अध्यापक एवं 60 वर्ष कर्मचारी राष्ट्र के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बाद आज अपने अंतिम जीपीएफ और पेंशन के भुगतान के लिए अप्रैल-2023 से मंडल कार्यालय का चक्कर काट रहा है और विभाग के वित्त एवं लेखाधिकारी तथा आडिटर बिना पैसा लिए पत्रावली नहीं निस्तारित करने की बात करते है। संरक्षक श्री सिंह ने शासन एवं प्रशासन से वित्त एवं लेखाधिकारी तथा आडिटर के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही करने की मांग की। धरने में मऊ जिलाध्यक्ष अवनीश सिंह, कोषाध्यक्ष मुश्ताक अहमद, अमरनाथ मिश्र, प्रदीप मौर्य, अबरार अहमद, पंकज कुमार सिंह, सरदार राम, जयराम गुप्ता, श्रीराम मौर्य, आलोक पांडेय, अनिल कुमार चैधरी, जामवंत निषाद, डॉ. दिलीप कुमार सरोज, आदि शामिल रहे।

ब्लॉक परिसर में लगा कूड़े का अम्बार

संजरपुर (आजमगढ़)। मिजार्पुर ब्लॉक परिसर में कूड़े का अंबार लगा हुआ है जबकि ब्लाक परिसर की सफाई करने के लिए 4 सफाई कर्मचारी लगाये गये है। मिजार्पुर ब्लॉक में 185 सफाई कर्मियों की नियुक्ति है जिसमें से लगभग 25 सफाई कर्मी जिले के अधिकारियों के आवभगत में लगे हुए हैं चार सफाई कर्मियों की तैनाती प्रतिदिन ब्लॉक परिसर में ही रहती है इसके बाद भी वीडियो मिजार्पुर राजन राय के आवास के सामने कूड़े का अम्बार लगा हुआ है। जब ब्लाक परिसर कूड़े का अम्बार लगा हुआ तो ग्रामीण क्षेत्रों का क्या हाल होगा।

महाविद्यालय को विज्ञान और कलावर्ग में मान्यता मिलने से हर्ष

रानीकीसराय आजमगढ़। स्थानीय क्षेत्र के रायपुर स्थित बाबू परमानंद महाविद्यालय मे विज्ञान और कला वर्ग मे मान्यता मिलने से लोगो मे प्रसन्नता है। प्रबंधक प्रो.विजय राय ने बताया कि कला वर्ग मे हिंदी. समाजशास्त्र. भूगोल. गृहविज्ञान. संस्कृत वही विज्ञान वर्ग मे भौतिक विज्ञान. जन्तु विज्ञान. रसायन विज्ञान की स्नातक वर्ग मे मान्यता प्रदान हुई है। मान्यता से आस पास के छात्र छात्राएं लाभान्वित होगें।

विद्युत सप्लाई लालगंज फीडर से किए जाने की मांग

लालगंज (आजमगढ़)। भारतीय जनता पार्टी लालगंज के कार्यकताओं ने भाजपा प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के पूर्व क्षेत्रीय संयोजक ओमप्रकाश सिंह तथा दी बार एसोसिएशन लालगंज के पूर्व अध्यक्ष नागेंद्र सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में जिलाधिकारी को शनिवार को एक ज्ञापन देकर लालगंज नगर पंचायत से सम्बद्ध ग्राम पंचायत मसीरपुर की विद्युत सप्लाई को लालगंज फीडर से किए जाने की मांग की। जिला प्रशासन को सौंपे पत्रक के माध्यम से लोगों ने बताया कि अब तक उपरोक्त स्थान की विद्युत सप्लाई गोसाई की बाजार फीडर से होती है तथा विद्युत सप्लाई एक ही ट्रांसफार्मर से होने के कारण लो वोल्टेज की समस्या बनी रहती है और विद्युत सप्लाई अक्सर बाधित रहती है। उन्होंने मांग की है कि लो बोल्टेज की समस्या से निराकरण के लिए लालगंज फीडर से विद्युत सप्लाई किया जाना नितांत आवश्यक है। भाजपा कार्यकताओं ने नगर पंचायत कटघर लालगंज से संबंध चारों ग्राम पंचायतों को नगर पंचायत की सुविधाएं प्रदान किए जाने की भी मांग की। जिसमें सफाई, कूड़ा निस्तारण, जल निकासी, स्ट्रीट लाइट लगाए जाने की मांग प्रमुख रूप से शामिल है। इस अवसर पर राम नयन सिंह, कृष्ण कुमार मोदनवाल, संतोष कुमार सिंह,हरी यादव,श्री प्रकाश राय आदि मौजूद थे।

विद्युत समस्या के लिए अपने क्षेत्र के वर्णित मोबाइल नम्बर से करें सम्पर्क

आजमगढ़। जनपद सम्मानित विद्युत उपभोक्ताओं को अवगत कराना है कि भीषण गर्मी के कारण उन्हें विद्युत आपूर्ति में आने वाली बाधाओं के त्वरित एवं सुगमतापूर्वक निराकरण के लिए उपकेन्द्रों पर तैनात अवर अभियन्ताओं, उपखण्ड अधिकारियों, अधिशासी अभियन्ताओं एवं अधीक्षण अभियन्ता के मोबाइल नम्बरों की सूची आम उपभोक्ताओं से साझा की जा रही है (सूची संलग्न)। किसी भी विद्युत व्यवधान की स्थिति में आम जनमानस से अनुरोध है कि वह अपने क्षेत्र के वर्णित मोबाइल नम्बर पर सम्पर्क करें। सूचित करना है कि 1 किलो वाट विद्युत भार तक के घरेलू ग्रामीण उपभोक्ताओं को भुगतान करने की सुविधा के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश, पावर कारपोरेशन लिमिटेड, द्वारा निम्नलिखित सुविधाएं 31.07.2023 तक प्रदान की गयी है जिसका आदेश संलग्न है-1. बकाया का उपभोक्ता द्वारा अपनी सुविधा के अनुसार किस्तों में रू0 100 के गुणांक में भुगतान। 2. कटे हुए सयोंजनों पर विच्छेदन / पूनः संयोजन शुल्क रू0 600 माफ कर दिया गया है। अतः जिन उपभोक्ताओं के संयोजन कटे है और वह विद्युत का उपभोग नही कर रहे है ऐसे उपभोक्ता अपने बकाये में से रू0 100 के गुणांक में कोई भी भुगतान करके अपना संयोजन पुनः जुड़वा सकते है। उपर्युक्त वर्णित छूटों के दृष्टिगत आजमगढ़ जनपद के सभी ग्रामीण उपभोक्ताओं से विनम्र निवेदन है कि वह अपने विद्युत बिल के बकाये में से कुछ न कुछ आंशिक भुगतान अवश्यक कर दें, जिससे उनका विद्युत संयोजन काटने की अप्रिय कार्यवाही न करनी पड़े।

बाल श्रमिकों का किया गया चिह्नांकन

बालश्रम न कराने के प्रति किया गया जागरूक

आजमगढ़। शनिवार को निदेशक, मुख्यालय महिला एंव बाल सुरक्षा संगठन, उत्तर प्रदेश के निर्देशन में, बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम एवं बन्धुआ मजदूरी से लोगों को मुक्त कराने का विशेष अभियान पुलिस अधीक्षक एवं नोडल अधिकारी एएचटीयू अपर पुलिस अधीक्षक यातायात के मार्गदर्शन में चलाया गया। थाना एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकंग यूनिट, श्रम विभाग, जन विकास संस्थान आजमगढ़ की संयुक्त टीम द्वारा विशेष रेस्क्यू अभियान चलाकर जनपद के थाना क्षेत्र रानी की सराय, दीदारगंज, सरायमीर में होटल, ढाबों, मिठाई की दुकानों, मोटर वर्कशाप, कपड़े की दुकानों, ईट भट्ठों आदि स्थानों पर बाल श्रमिकों का चिन्हांकन किया गया। उक्त अभियान में कुल 8 बच्चों को रेस्क्यू कर नियमानुसार श्रम विभाग द्वारा (निरीक्षण टिप्पणी) बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 यथा संशोधित अधिनियम-2016 के अन्तर्गत आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुये मौके पर रेस्क्यू किये गये बच्चों को उनके अभिभावकों की सुपुर्दगी में दिया गया तथा सम्बन्धित दुकानदारों के मालिको को श्रम प्रवर्तन अधिकारी द्वारा कारण बताओं नोटिस जारी किया गया तथा उन पर जुमार्ना भी लगाया जायेगा। संयुक्त टीम द्वारा दुकानदारों को बालश्रम न कराने पर जोर दिया गया तथा सार्वजनिक स्थानों, दुकानों, वर्कशाप, ईट भट्ठों आदि स्थानों पर बालश्रम न कराने से सम्बन्धित पोस्टर चस्पा किया गया। मौके पर जनता के लोगों को बालश्रम न कराने के प्रति जागरुक भी किया गया।

कुलाधिपति के आगमन को लेकर अधिकारियों ने किया कृषि महाविद्यालय का दौरा

रानीकीसराय आजमगढ़। महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल का 23 जून को जिला आजमगढ़ का दौरा सुनिश्चित हुआ है जिसके लिए प्रशासन ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी है। कार्यक्रम स्थल के तौर पर कृषि महाविद्यालय को चुना गया है। इसी सिलसिले में उप जिलाधिकारी सदर ने महाविद्यालय का भ्रमण किया। महाराजा सोहेल देव राज्य विश्वविद्यालय . के कुलपति डॉ प्रदीप कुमार शर्मा ने भी कृषि महाविद्यालय का दौरा किया साथ ही साथ उन्होंने महाविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों, मीटिंग हॉल आदि का जायजा लिया। कुलाधिपति महोदया के आगमन एवं स्वागत हेतु अधिष्ठाता ने कार्यक्रम की तैयारियों पर सभी सहायक प्राध्यापकों के साथ विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर डॉ विनय कुमार सिंह, डॉ संदीप पांडे, डॉ विनोद कुमार, डॉ प्रकाश यादव, डॉ विमलेश कुमार, डॉ विनीत प्रताप सिंह, डॉ रेनू गंगवार, डॉ आकांक्षा तिवारी एवं डॉ टी पंडिआराज, आदि उपस्थित रहे।

बिजली की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

जनसंदेश न्यूज

अतरौलिया (आजमगढ़)। स्थानीय थाना क्षेत्र के गोपालीपट्टी गांव निवासी दयाराम निषाद घर से मजदूरी करने गये थे वहां बिजली की चपेट में आने से मौत हो गयी। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

अतरौलिया थाना क्षेत्र के गोपाली पट्टी निवासी दयाराम निषाद पुत्र स्वर्गीय बाबूलाल उम्र लगभग 58 वर्ष जो आज शनिवार की सुबह राणा प्रताप सिंह उर्फ डब्लू के यहां काम पर गए थे की खेत में खुला नंगा बिजली का तार था जिसकी चपेट में आने से दयाराम की मौके पर ही मौत हो गई। किसी ने इस घटना की सूचना परिजनों को दी तत्काल घटनास्थल पर परिजन पहुंच गए और इसकी सूचना डायल 112 को दे दिया। सूचना मिलते ही डायल 112 व थाना प्रभारी घटना स्थल पर पहुंच गए। मृतक के पुत्र अखिलेश निषाद ने स्थानीय थाने पर तहरीर देकर आरोप लगाया है कि मेरे पिताजी को सुबह घर से जबरन राणा प्रताप सिंह उर्फ डब्ल्यू द्वारा काम करने के लिए घर से ले

घर पहुंचकर ग्रामीणों से जानकारी लेती पुलिस।

जाया गया, जहां पर ट्यूबवेल चलाने के लिए नंगा तार ले गए थे जिसकी चपेट में मेरे पिताजी आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई, तत्पश्चात मेरे पिता की मृत्यु होने के उपरांत राणा प्रताप सिंह अपने ट्यूबेल का नंगा तार व मोटर उठा ले गए और मृतक के परिजनों को सूचना भी नहीं दिए। मृतक के पास 5 पुत्रियां व 2 पुत्र हैं वहीं मृतक की पत्नी सुदामा देवी व परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

थाना प्रभारी प्रमेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सूचना पर घटना स्थल पर गए थे। पीड़ित की तरफ से लिखित तहरीर प्राप्त हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आगे आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

मारपीट में घायल दुकानदार की मौत

लालगंज (आजमगढ़)। देवगांव के नंदापुर में मिठाई दुकानदार को कुछ लोगों ने किसी बात को लेकर बुरी तरह से मारपीट कर घायल कर दिया। स्थानीय लोग उपचार के लिए अस्पताल लेकर जहां चिकित्सकों ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम कच गया। देवगांव के नंदापुर में मिठाई की दुकान चलाने वाले 36 वर्ष के पप्पू यादव पुत्र रामजीत यादव को कुछ लोगों ने शुक्रवार को दोपहर मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। दोपहर में एक बजे के करीब पप्पू यादव पुत्र रामजीत यादव के साथ दोपहर में किसी बात को लेकर कुछ लोगों से मारपीट हुई थी। इसके बाद परिजन उसे लेकर अस्पताल गए हुए थे जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। तत्पश्चात देर रात पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजन पाली जौनपुर के रहने वाले बताए जा रहे हैं जो दशकों पूर्व यहां आकर देवगांव के नंदापुर में मिठाई की दुकान चलाते हैं।

रोडवेज बस के धक्के से युवक घायल

जनसंदेश न्यूज

मेंहनगर (आजमगढ़)। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के बिंद्रा बाजार के समीप शनिवार की सुबह आठ बजे रोडवेज की अनुबंधित बस ने अनियंत्रित होकर बाइक में टक्कर मार दिया। इस हादसे में बाइक सवार युवक घायल हो गया।

जानकारी के मुताबिक मेंहनगर थाना क्षेत्र के बिषहम मिजार्पुर गांव निवासी हेलाल अहमद पुत्र अनवर अहमद शनिवार की सुबह आठ बजे बाइक पर सवार होकर लालगंज दौना गांव स्थित अपने ननिहाल जा रहा था। वह बिंद्रा बाजार चैराहे से वाराणसी की तरफ जैसे ही बढ़ा कि तभी रोडवेज की अनुबंधित बस ने अनियंत्रित होकर बाइक में टक्कर मार दिया। इस हादसे में बाइक सवार युवक हेलाल अहमद घायल हो गया। उसकी बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों ने हेलाल अहमद को उठाकर अस्पताल ले गए। दुर्घटना के चलते आक्रोशित ग्रामीणों को पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शांत कराया। रोडवेज बस को गंभीरपुर पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष के घर ताला तोड़कर हुई चोरी

बेखौफ

चोरों ने 50 हजार नगदी सहित लाखों के जेवर पर किया हाथ साफ

कमरे में रखा हुआ लैपटॉप व टेबलेट भी उठा ले गए चोर

जनसंदेश न्यूज

अंजानशहीद आजमगढ़। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के जमसर गांव में भाजपा जिला उपाध्यक्ष व शिक्षक के घर अज्ञात चोरों ने घर के मुख्य गेट का ताला तोडकर 50 हजार नगदी सहित लाखों के जेवर पर हाथ साफ किया। पीड़ित ने जीयनपुर थाने पर दी तहरीर दर्ज हुआ मुकदमा।

जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के जमसर गांव निवासी भाजपा जिला उपाध्यक्ष व मालटारी इंटर कालेज में प्रवक्ता के पद पर कार्यरत संजय राम अपनी शिक्षिका

घर में बिखरा सामान।

पत्नी रंजना राज व बच्चों कृतिका यस व हर्ष को लेकर लखनऊ चार दिन पूर्व घूमने के लिए गए हुए थे इस दौरान घर पर ताला लगा रहा वही लखनऊ से वापस आने पर देखा तो घर के मुख्य गेट का ताला तोड़कर घर के अंदर कमरे व अलमारी का ताला टूटा पड़ा हुआ था वही सामान कमरे में बिखरा हुआ पड़ा था पत्नी रंजना राज ने जब अलमारी देखी तो होश उड़ गए अलमारी में रखा हुआ 50 हजार नगदी व जेवरात दो चैन मंगलसूत्र अंगूठी जिनका झाला लॉकेट सहित चांदी के अन्य आभूषण व कमरे में रखा हुआ लैपटॉप और टेबलेट चोर उठा ले गए थे। आनन-फानन में लाटघाट पुलिस चैकी इंचार्ज सौरभ कुमार सिंह को सूचित किया मौके पर पहुंचकर सौरभ कुमार सिंह ने जांच की जिसके बाद शुक्रवार की सुबह जीयनपुर थाने पर पहुंचकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध घर का ताला तोड़कर 50,000 नकदी व जेवरात चोरी होने की तहरीर दी जिस पर जीयनपुर कोतवाल यादवेंद्र पांडेय के निर्देश पर जीयनपुर पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर जांच में जुट गई।

पत्नी ने पति पर दर्ज कराया हत्या का मुकदमा

कार्रवाई

शराब के नशे में पति ससुराल पहुंचकर पत्नी और सास से माग रहा था पैसा

पत्नी का आरोप पैसा न मिलने पर बच्चे को पोखरे में डुबाया

जनसंदेश न्यूज

अतरौलिया आजमगढ़। सास एव पत्नी से शराब के नशे में पैसा मांगने एवं पैसा न मिलने पर अपने ही बच्चे कार्तिक उम्र 6 वर्ष की पोखरी में डूबा कर हत्या किये जाने के मामले में पत्नी ने अपने पति पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराया।

अतरौलिया थाना क्षेत्र के मडोही गांव निवासी डाली रस्तोगी ने अतरौलिया थाना पर प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि उसका मायका भदेवा मझौली गांव में है। उसका पति

घटना की जानकारी देती मृतक बच्चे की मां।

संजय उर्फ सनी रस्तोगी हमेशा शराब पीता है शराब के लिए मुझसे बार-बार पैसा मांगता है जिससे हम दोनों पति-पत्नी के बीच में अक्सर झगड़े होते रहते थे मेरे मायका मे लड़का नहीं होने के कारण मेरा पति वहां की जमीन बेचने के लिए दबाव बनाता था।

दो महीने से मैं अपने दोनों बच्चों के साथ अपने मायके में ही रह रही हूं। 16 जून को मेरा पति संजय रस्तोगी उर्फ सनी पुत्र महेंद्र रस्तोगी निवासी मडोही सुबह मेरे मायके भदेवा मझौली में आया जो शराब के नशे में था मुझसे एवं मेरी मां से पैसा मांगने लगा। पैसा नहीं मिलने की स्थिति में वह अपने बच्चे कार्तिक को पोखरे में नहलाने की बात कह कर लेकर साथ चला गया और दोपहर में लाकर मृत अवस्था में घर के बरामदे में छोड़कर फरार हो गया।

इस मामले में स्थानीय पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। मृतक की मां डॉली रस्तोगी ने अतरौलिया थाने में प्रार्थना पत्र दिया था जिसमे अपने पति पर आरोप लगाया था। जिस पर कार्रवाई करते हुए संजय रस्तोगी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। इस संदर्भ में अपर पुलिस अधीक्षक नगर शैलेंद्र लाल ने बताया कि अतरौलिया पुलिस के द्वारा मुकदमा पंजीकृत किया गया है। साक्ष व पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के उपरांत दोषी के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बीनापारा नये पंचायत भवन पर ग्रामीणों की बैठक संपन्न

संजरपुर (आजमगढ़)। मिजार्पुर ब्लाक अंतर्गत बीनापारा गांव स्थित नए पंचायत भवन पर शुक्रवार को ग्राम प्रधान असलम के नेतृत्व मे ग्रामीणों की बैठक की गई। बैठक को संबोधित करते हुए ग्राम पंचायत अधिकारी विनीत सिंह ने कहा कि किसी भी ग्रामीणों को ब्लॉक संबंधित कोई भी काम हो तो इसी पंचायत भवन से सब काम हो जाएगा किसी भी कागज के लिए ब्लॉक का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा ब्लॉक से संबंधित हर कार्य ग्रामीणों का इस नए पंचायत भवन में ही हो जाएगा उन्होंने कहा कि नए पंचायत भवन बनने से ग्रामीणों को सहूलियत हुई लोगों को ब्लॉक का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा इसी पंचायत भवन से ग्रामीणों का कंप्यूटर के जरिए ऑनलाइन हर काम होने की सहुलियत मिलेगीं। ग्राम पंचायत अधिकारी विनीत सिंह ने गांव में साफ सफाई के लिए विशेष जोर दिया उन्होंने सफाई कर्मियों से कहा कि प्रतिदिन गांव में साफ सफाई होनी चाहिए चूना का प्रतिदिन छिड़काव होना चाहिए गांव में किसी भी प्रकार का कोई गंदगी नहीं दिखनी चाहिए। ग्राम प्रधान असलम ने कहा कि किसी भी ग्रामीण को ब्लॉक संबंधित कागज के लिए इसी नए पंचायत भवन से संपर्क करें यहां पर प्रतिदिन ब्लॉक कर्मचारी मौजूद रहते हैं इस अवसर पर ग्राम रोजगार सेवक सफाई कर्मी शमीम अहमद मोहम्मद अजमल तालिब मोहसीन अजीज रामचंद्र मोहम्मद हाशिम अयूब अहमद आदि लोग उपस्थित रहे।

109 मामलों में से चार का हुआ मौके पर निस्तारण

जनसंदेश न्यूज

आजमगढ़। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में शनिवार को तहसील मार्टीनगंज के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को जन समस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तायुक्त निस्तारण करने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि इसमे किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नही होगी, जन समस्याओं का गुणवत्तायुक्त एवं समयबद्ध निस्तारण शासन की प्राथमिकता है। इस अवसर पर कुल 109 मामले आये, जिसमे से 04 मामलों का मौके पर निस्तारण किया गया तथा शेष 105 मामलों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत करने के लिए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। प्राप्त मामलों में राजस्व विभाग के 90, पुलिस के 7, विकास के 6 अन्य के 6 मामले शामिल हैं। जिलाधिकारी ने समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन-जिन

पीड़ित की फरियाद सुनते जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज।

ग्रामीणों को जानकारी देते पीएससी के जवान।

विभागों से संबंधित आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं, उसे जल्द से जल्द शत प्रतिशत गुणवत्तायुक्त निस्तारित करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि समस्याओं का निस्तारण प्रारम्भिक स्तर पर ही कर दिया जाए तो जनता को मुख्यालय तक नही जाना पड़ेगा। इसलिए अधिकारीगण प्राथमिकता के आधार पर प्रारम्भिक स्तर पर ही जन समस्याओं का वास्तविक निस्तारण कर दें।

फूलपुर प्रतिनिधि के अनुसार- फूलपुर के प्रागण में स्थित मीटिंग कक्ष में सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस का आयोजन उपजिलाधिकारी फूलपुर नरेन्द्र कुमार गंगवार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ इस मौके पर पैसठ प्रार्थना पत्र पड़े जिसमें से पाच का मौके पर निस्तारण किया गया शेष मामलों के निस्तारण के लिए सम्बन्धित विभागों के विभागाध्यक्ष को सुपुर्द कर एक सप्ताह के अन्दर निस्तारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

लालगंज प्रतिनिधि के अनुसार - शनिवार को लालगंज तहसील प्रांगण में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 9 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए जिसमें से 2 का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। इस अवसर पर राजस्व से संबंधित 5, पुलिस से संबंधित दो विकास से संबंधित एक तथा विद्युत से संबंधित एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए जिसमें से दो का निस्तारण कर शेष को संबंधित विभाग के कर्मचारियों व अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण हेतु हस्तांतरित कर दिया गया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में पीएसी के जवानों ने आपदा से बचाव का दिया प्रशिक्षण

अंजानशहीद आजमगढ़। सगड़ी तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांव में जिलाधिकारी के निर्देश पर पीएससी बाढ़ राहत दल ने आधा दर्जन गांव में युवक मंगल दल व ग्रामीणों को बाढ़ से बचाव के लिए प्रशिक्षित किया। इस मौके पर ग्रामीणों को बाढ से बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने बुधवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में बाढ़ से बचाव कार्यों का निरीक्षण कर बाढ़ से पूर्व आपदा मित्र व युवक मंगल दल को प्रशिक्षण के लिए निर्देशित किया था जिसके बाद शुक्रवार को सगड़ी तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित आधा दर्जन गांव हाजीपुर, चक्की हाजीपुर, देवारा खास राजा, भदौरा मकरंद, गाजीपुर, टेकनपुर गांव में 20 बटालियन पीएसी बाढ़ राहत डिप्टी कमांडर फूलचंद कनौजिया के नेतृत्व में कंपनी कमांडर बदरे आलम के साथ पीएसी बल के जवान संजय यादव अनिल सिंह, प्राण सिंह ने गांव में पहुंचकर युवक मंगल दल व ग्रामीणों को बाढ़ से बचाव के लिए प्रशिक्षित किया। बाढ़ से बचाव के उपाय बताएं जिसमें मुख्य रुप से बाढ़ आने पर उचित स्थान पर जाने के लिए वह आपस में सामंजस्य बनाकर रहने वही आपदा से बचाव के समय बुजुर्ग गर्भवती महिला व बच्चों को वरीयता देने व सांप काटने पर उपाय बताएं वही हमेशा एक रस्सी पास में रखने के लिए निर्देशित किया इस दौरान गांव में राजस्व कर्मी पंकज, सचिव पूजा सहित ग्राम प्रधान व युवक मंगल दल के सदस्य व ग्रामीण मौजूद रहे।

बिजली कटौती से लोग परेशान

सीएम के आदेश के बावजूद अंधाधुंध हो रही बिजली कटौती

जनसंदेश न्यूज

हलिया। क्षेत्र में मार्च माह तक बिजली व्यवस्था बेहतर रही। ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे बिजली की आपूर्ति होती रही। अप्रैल माह शुरू होने के साथ ही गर्मी बढ़ी तो इसका असर बिजली व्यवस्था पर भी दिखने को मिल रहा है। इन दिनों बिजली के मांग के सापेक्ष क्षेत्र में पर्याप्त बिजली की आपूर्ति नहीं हो पा रही है और लगातार लो वोल्टेज की समस्या भी बनी हुई है। गर्मी बढ़ते ही ग्रामीण अंचलों में हो रही अघोषित बिजली कटौती से उपभोक्ता परेशान हैं।

पंखे नहीं चलने से गर्मी में पानी का संकट बढ़ गई है रात में मच्छरों का प्रकोप देखने को मिल रहा है। बिजली गुल होने से संबंधित व्यवसाय पर भी असर पड़ रहा है। हर दिन डीजल जलाकर दुकानदार अपने आवश्यक कार्य निपटा रहे हैं। हालांकि मुख्यमंत्री ने बीते शुक्रवार को बिजली कटौती न

व्यवसाय पर भी असर

ग्रामीणों ने बैठक कर विद्युत विभाग के टोल फ्री नंबर पर दर्ज कराई शिकायत

करने का आदेश दिए थे लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश को ताक पर रखकर विभागीय अधिकारी बिजली की अंधाधुंध कटौती कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में दिन में भारी कटौती की जा रही है बेमुश्किल आठ से नौ घंटे बिजली मिल रही है।

दिन में तो लोग किसी तरह काम निपटा ले रहे हैं, लेकिन रात को लाइट न होने के चलते पंखे नहीं चल रहे हैं और मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। अचानक बिजली आपूर्ति प्रभावित होते ही इनवर्टर की मांग बढ़ गई है और वर्षों से न चलने वाले जनरेटर भी इन दिनों जहर उगलने लगे हैं। दिन भर चल रहे जनरेटर के धुआं से प्रदूषण

लू लगने से राहगीर की हालत हुई खराब

जिगना। स्थानीय थाना के पश्चिम ओवर ब्रिज के करीब शनिवार को दिन में तकरीबन 3:00 पन्नालाल सरोज पुत्र छोटेलाल सरोज निवासी रमई पट्टी महुअरिया निवासी को लू लगने के कारण अचेत में होकर गिर गया। आसपास के लोग करीब पहुंचे तो देखा कि उसकी हालत बहुत ही गंभीर थी। लोगों ने तत्काल एंबुलेंस बुलवाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरोई भिजवाया गया। जहां पर उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

को बढ़ावा दे रहा है। बिजली की कटौती के संबंध में क्षेत्र के ड्रमंडगंज बाजार में शनिवार को ग्राम प्रधान कौशल गुप्ता, भाजपा नेता पिंटू केसरी के नेतृत्व में बैठक आयोजित हुई। बैठक में विद्युत विभाग के टोल फ्री नंबर 1912 पर विद्युत कटौती के संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई। इस दौरान गेंदालाल बिंद, सतीश केसरी, बनारसी केसरी, अंकित गुप्ता, ओम चौरसिया, श्याम बाबू केसरी, चतुर्भुज केसरी, रामलाल सरोज, आशीष केसरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

चोरी के आरोप में पुलिस ने 6 को किया गिरफ्तार

चोरी का सामान बरामद

लालगंज। थाना में क्षेत्र के जयकर कला निवासिनी वादिनी सविता देवी पत्नी कलन्दर मौर्या द्वारा अज्ञात के विरूद्ध पम्प, बैटरी, साइकिल आदि चोरी करने के सम्बंध में लिखित तहरीर दिया गया व शिवम पटेल निवासी डांगर केरी थाना लालगंज द्वारा अज्ञात के विरूद्ध मोनोब्लाक मोटर चोरी करने के सम्बंध में लिखित तहरीर दिया गया। उक्त तहरीर के आधार पर थाना लालगंज पर प्रारम्भ की गई। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना लालगंज पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना लालगंज पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना लालगंज क्षेत्र से सामानों की चोरी कर बिक्री करने वाले करने वाले 06 शातिर चोर बाली कुमार उर्फ रोहित पटेल, राहुल बिन्द, सोनू कुमार, राम सुन्दर उर्फ बिन्दु, महेश बिन्द व सूर्यकान्त बिंद को गिरफ्तार किया। 5 मोटर साइकिल, 03 मोनो ब्लाक पम्प, 01 मोटर पम्प, 02 एक्सल राड, 01 साइकिल, 01 बैटरी बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना लालगंज बाली कुमार उर्फ रोहित पटेल के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर मय 01 जिंदा कारतूस की बरामदगी के राहुल बिन्द, सोनू कुमार व राम सुन्दर उर्फ बिन्दु के कब्जे से 03 अवैध चाकू की बरामदगी कर जेल भेजा गया। अभियुक्तों द्वारा पूछताछ में बताया गया कि वे सब मिल कर मोटर साइकिल, साइकिल, पम्प आदि सामानों की चोरी करते है तथा ग्राहकों की तलाश कर बेच देते है। प्राप्त धनराशि को आपस में बांट कर भौतिक सुख सुविधाओं का लाभ लेते हैं।

फूड प्वॉ इजनिंग से पीड़ित दो बालक व एक बालिका को किया डिस्चार्ज

युवती का पीएचसी में चल रहा उपचार हालत सामान्य

जनसंदेश न्यूज

हलिया। विकास खंड के मड़वां धनावल गांव के फूड प्वाइजनिंग से पीड़ित दो बालक व एक बालिका की हालत में सुधार होने पर चिकित्सक अवधेश कुमार ने अस्पताल से छुट्टी दे दी। वहीं फूड प्वाइजनिंग से पीड़ित 18 वर्षीया अंशू पुत्री दयाशंकर शुक्ल की शुक्रवार को उल्टी दस्त शुरू होने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पीएचसी हलिया में भर्ती करवाया जहां युवती का उपचार चल रहा है हालत सामान्य है। शुक्रवार सुबह 11 बजे के करीब 3 वर्षीया नित्या शुक्ला पुत्री प्रेम प्रकाश शुक्ला, 4 वर्षीय अर्पण शुक्ला पुत्र ज्ञान प्रकाश शुक्ला व 6 वर्षीय अथर्व शुक्ला पुत्र ज्ञान प्रकाश शुक्ला को उल्टी दस्त शुरू होने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पीएचसी हलिया में भर्ती करवाया था जहां चिकित्सक विवेक खरे व चिकित्सक अवधेश कुमार की देखरेख में तीनों बच्चों का उपचार किया जा रहा था। शनिवार को तीनों की हालत सामान्य होने पर अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। इस संबंध में डा0अवधेश कुमार ने बताया कि फूड प्वाइजनिंग से पीड़ित दो बालक व एक बालिका की हालत में सुधार होने पर शनिवार दोपहर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। फूड प्वाइजनिंग से पीड़ित युवती का उपचार किया जा रहा है हालत सामान्य है। मड़वा धनावल गांव में एक ही परिवार के नौ सदस्य फूड प्वाइजनिंग से पीड़ित हो चुके हैं जिसमें एक युवक की मौत हो चुकी है परिवार के पांच सदस्यों का प्रयागराज जिले के स्वरुप रानी चिकित्सालय में उपचार चल रहा है सभी की हालत सामान्य बताई जा रही है।

जमीन व राजस्व विवादों में पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम करे निस्तारण : डीआईजी

समाधान दिवस

डीआईजी ने सदर तहसील में सुनी जनता की समस्यायें

जनसंदेश न्यूज

मीरजापुर। जनता की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण हेतु परिक्षेत्र के समस्त तहसीलों पर सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस उपमहानिरीक्षक विंध्याचल परिक्षेत्र आर.पी. सिंह ने तहसील सदर में फरियादियों की समस्या सुनकर समाधान का भरोसा दिलाया तथा अधीनस्थों को दिशा-निर्देश दिया कि शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता का भी ध्यान रखा जाए।

समाधान ऐसा करें कि फरियादी संतुष्ट हो जाए और उन्हें दोबारा शिकायत करने की जरूरत न पड़े एवं यह भी निर्देश दिया कि जनशिकायतों का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले बिंदुओं में से एक है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता न बरती जाये।

सदर तहसील में समाधान करते डीआईजी व एसपी सिटी

साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि विभिन्न स्रोतो से पूर्व में प्राप्त भूमि सम्बन्धित मामले चिन्हित करके विशेषकर सम्पूर्ण समाधान दिवस पर रखे जाये और पुलिस तथा राजस्व की संयुक्त टीम बनाकर उसी दिन या तिथि का निर्धारण कर उक्त तिथि पर ही प्राप्त प्रार्थना पत्रों का समाधान किया जाये। राजस्व से सम्बन्धित प्रकरणों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा समयबद्ध और गुणवत्तापूर्वक निस्तारण निर्धारित समयावधि के भीतर किए जाये तथा शिकायतों का निस्तारण कागजों तक सीमित ना हो। शिकायतकर्ता की शिकायत का वास्तविक निस्तारण हो। भूमि विवाद, चकरोड व अवैध कब्जा आदि की शिकायतों का निस्तारण राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर करें। संबंधित थाना प्रभारी को असामाजिक तत्वों को चिन्हित करते हुए निरोधात्मक कार्यवाही किए जाने का निर्देश दिया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री कांत प्रजापति, उप जिलाधिकारी सदर चद्रभान सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर सहित पुलिस एवं राजस्व के अन्य अधिकारी/ कर्मचारीगण मौजूद रहे।

लालगंज संवाददाता के अनुसार संपूर्ण समाधान दिवस तहसील सभागार लालगंज में शनिवार को उप जिलाधिकारी भरत लाल सरोज व एडिशनल एसपी के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। फरियादियों द्वारा कुल 89 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें 2 का मौके पर निस्तारण किया गया शेष प्रार्थना पत्रों के टीम बनाकर निस्तारण करने का निर्देश दिया गया।

पीएम के नौ वर्ष पूर्ण होने पर किया सम्मेलन

एमएलसी ने केंद्र और राज्य सरकार की गिनाई उपलब्धियां

जनसंदेश न्यूज

कछवां। विकासखंड मझवां के क्षेत्र पंचायत कार्यालय परिसर में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रेस वार्ता किया गया। वक्ता विधान परिषद सदस्य उत्तर प्रदेश श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह ने कहा कि 2004 से 2014 तक भारत की विकास यात्रा में यह 10 साल लास्ट डिकेड रहा। 10 साल देश ने कमजोर नेतृत्व का दंश झेला, रिमोट कंट्रोल वाली सरकार कैसे चलती थी यह बात किसी से छिपी नहीं रही।

सरकार और एक परिवार के चक्कर में देश के सबसे कीमती 10 साल बर्बाद हो गए। देश की 130 करोड़ जनता ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा किया। और इस भरोसे ने 2014 से 2023 के 9 साल में ही देश में शांति, समृद्धि और विकास की स्पीड भी दिखाई और स्केल भी दिखाई। भारत ने वह दिन भी देखा है,

मौजूद लोगों को संबोधित करते एमएलसी

जब पोलियो, टिटनेस और बीसीजी जैसे टीको को भारत आने में 50 से ज्यादा साल लग गए थे। ड्रोन से वैक्सीन डिलीवरी दुर्गम इलाकों में भारत सरकार ने सुनिश्चित कराई।

मोदी सरकार ने रिकॉर्ड समय में लाखों लोगों का टीकाकरण करने का लगभग असंभव कार्य हासिल किया। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार लाल किले से सेनेटरी पैड का जिक्र किया। 11.4 करोड़ किसान सम्मान राशि पा रहे हैं। फसल बीमा के अंतर्गत 1.4 करोड़ रुपए के क्लेम किसानों को मिले हैं।

माइक्रो इरीगेशन और सूक्ष्म सिंचाई से करोड़ों किसानों की पैदावार बढ़ी है, वो कृषि में नई तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। किसानों की मौसम पर निर्भरता कम हुई है। भारत इस समय दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगर भारत इसी तरह बढ़ता रहा, तो यह 2047 तक 40 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उक्त कार्यक्रम में जिला महामंत्री रवि शंकर पांडे, जिला मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश दुबे, क्षेत्र पंचायत प्रमुख दिलीप सिंह, मझवां मंडल अध्यक्ष मनोज सिंह, कछवां मंडल महामंत्री रतन सिंह, मीडिया प्रभारी शिवम मोदनवाल व सूरज गोड़ आदि लोग मौजूद रहे।

इकलौते पुत्र ने फांसी लगाकर दी जान

मीरजापुर। विंध्याचल थाना क्षेत्र के मोतीझील मार्ग पर शुक्रवार की देर रात लगभग 12:30 बजे एक युवक फांसी के फंदे से झूल कर अपनी लीला समाप्त कर लिया। सूचना पर पहुंची विंध्याचल पुलिस ने मृतक के शव अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विंध्याचल थाना क्षेत्र के मोतीझील मार्ग पर स्थित अमर सिंह फैंस एसोसिएशन के पास कोमल प्रजापति का पुत्र पवन प्रजापति उर्फ कल्लू उम्र 18 वर्ष शुक्रवार की देर रात अपने घर के कमरे में लोहे के सरिया के सहारे गमछे से झूल कर अपने लीला समाप्त कर ली। आसपास के लोगों को जानकारी होने पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची विंध्याचल पुलिस मृतक का शव फंदे से उतारकर अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। मृतक पवन कुमार की दो बहनें थी जिसकी शादी हो चुकी है। पवन अपने परिवार में सबसे छोटा था। अपने पिता का एकलौता पुत्र भी था। मृतक के पिता कोमल प्रजापति खोमचा लगाकर अपने परिवार का जीविकोपार्जन किया करते थे। मृतक के इकलौते पुत्र की मौत पिता सदमें में है।

ट्रक से कुचलकर साइकिल सवार युवक घायल, गम्भीर

अदलहाट। वाराणसी मिर्जापुर मार्ग पर बैकुण्ठपुर बाजार के पास शनिवार को लगभग साढ़े ग्यारह बजे ट्रक से कुचलकर साइकिल सवार युवक गम्भीर रुप से घायल हो गया। घटना के विषय में बताया जाता है कि अरविंद सेठ 24 वर्ष पुत्र कमलेश सेठ ग्राम बैकुण्ठपुर निवासी साइकिल पर सवार होकर घर जा रहा था। पीछे से आ रही तेज रफ्तार गिट्टी लदी ट्रक की चपेट में आकर गिर गया। इस बीच ट्रक चालक चलती ट्रक से कूदकर फरार हो गया। अपने से चल रहे ट्रक ने साइकिल व अरविंद सेठ को कुचलते हुए दाहिने तरफ पटरी पर रखे मिटी के ढूहें मे फसकर खड़ी हो गयी। घटना कि जानकारी होते ही मौके पर पहुंचे घायल के परिजन उपचार के लिए ट्रामा सेन्टर चले गये। मिट्टी के ढूहा में फसने के पूर्व ट्रक ने प्रदीप एग सेन्टर का पटरी पर रखें सोलर पैनल को भी कुचलकर क्षतिग्रस्त कर दिया। नरायनपुर पुलिस मौके पर पहुंच कर ट्रक एवं दोनो खलासियों को कब्जे में ले लिया। उसकी अभी शादी नही हुई थी। दो छोटे भाई व एक दिव्यांग बहन से बड़ा था। पिता कमलेश सेठ मजदूरी करते है। घायल अरविंद भी आढ़त पर मजदूरी करता था।

गुणवत्ता के साथ मामलों का करें निस्तारण : जिलाधिकारी

जनसंदेश न्यूज

मीरजापुर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा व मुख्य विकास अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने शनिवार आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों के समस्याओं को सुना तत्पश्चात संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा की गुणवत्ता के साथ मामलों का निस्तारण करें। निस्तारण के समय फरियादियों से संतुष्टि का भी पूरा ख्याल रखा जाए।

जिलाधिकारी के द्वारा पूर्व समाधान दिवस में निस्तारित प्रकरणों का फोन पर संबंधित शिकायतकर्ता से वार्ता का निस्तारण के संबंध में फीडबैक भी लिया गया। संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी के समक्ष शिकायत की कि उसके घर के आसपास ना तो बिजली का खंबा है ना तार है और ना ही उसके घर में कनेक्शन है फिर भी उसके नाम से रुपए 28000/- का बिल भेजे दिया गया जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता दीपक सिंह पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल जांच कर सही करने

आयोजन

फरियादियों से संतुष्टि का भी रखें ख्याल : जिलाधिकारी

प्रकरण में जानकारी न होने पर राजस्व निरीक्षक को लगाई फटकार

हैंडपंप को बाउंड्री के अंदर रखने पर एफआईआर कराकर करायें खाली

130 प्रार्थना पत्रों में से मौके पर 09 का किया गया निस्तारण

मड़िहान में समाधान करतीं डीएम, सीडीओ व एसपी

का निर्देश दिया। ग्राम खोरडीह निवासी एक फरियादी के द्वारा प्रार्थना पत्र देखकर अवगत कराया कि उसके खतौनी में कमला देवी के स्थान पर कमाली देवी दर्ज हो गया है जिलाधिकारी द्वारा सम्बन्धित राजस्व निरीक्षक को प्रकरण के बारे में जानकारी न होने पर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल जांच का निस्तारण करने का निर्देश दिया। एक प्रकरण में खंड विकास अधिकारी पटेरा को हैंडपंप रिबोर कराने का का निर्देश दिया।

सिरसी गांव के फरियादी द्वारा सरकारी हैंड पंप को निजी बाउंड्री वालों में घेर लिया गया है जिससे लोगों को पानी पीने से भी मना किया जाता है संबंधित प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने क्षेत्राधिकारी पुलिस व संबंधित खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया गया की जांच कर दोषी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करते हुए बाउंड्री वाल से हटाकर हैंडपंप को सार्वजनिक किया जाए। ग्राम गोपालपुर नयडिहवा निवासी बउल ने वृद्धा पेंशन बंद होने की शिकायत की तो जिलाधिकारी के निर्देश पर समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि आधार लिंक नहीं हो सका था आधार फीडिंग इनका हो चुका है जुलाई माह से पेंशन मिलना प्रारंभ हो जाएगा।

संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी के समक्ष कुल 130 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिनमें से 09 का मौके पर निस्तारण कर शेष संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह में निस्तारण करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी मड़िहान अश्वनी कुमार सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए अनय मिश्रा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेंद्र प्रसाद, प्रभागीय वनाधिकारी अधिकारी अरविंद राज मिश्रा, जिला पंचायत राज अधिकारी अरविंद कुमार, जिला सूचना अधिकारी ओम प्रकाश उपाध्याय, जिला प्रोबेशन अधिकारी शक्ति त्रिपाठी, सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एसडीएम नवनीत सेहरा ने फरियादियों की सुनी फरियाद

चुनार। तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम नवनित सेहरा ने फरियादियों की फरियाद सुनी। मुहम्मदपुर, दयालपुर निवासी अलीम पुत्र जमील अहमद ने तालाब व बंजर भूमि आ0नं0 19, 20 पर गाँव केही मुहम्मद शाहिद, मुजाहिद अली आदि द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है, जिसे कब्जा मुक्त करने का मांग किया है। वही भौरही गाँव निवासी रमाशंकर ने नेशनल हाईवे के लिए अधिग्रहण किये गए भूमि का मुआवजा नही मिलने के संबंध में प्रार्थना पत्र देकर मुआवजा दिलाने का मांग किया है व घरवासपुर निवासी सियाराम ने प्रार्थना पत्र देकर आबादी वाले भूमि पर बने रास्ते स्थानीय लोगों द्वारा घेरा जा रहा है जिसे अवरोध मुक्त कराने का मांग किया है। सहित कुल 94 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें से 4 का निस्तारण तत्काल कर दिया गया। शेष संबंधित को पारदर्शिता पूर्ण जांच कर निस्तारण करने के लिए दिया गया। इस दौरान तहसीलदार नूपुर सिंह, पुलिस उपाधीक्षक उमाशंकर सिंह, विद्युत उपखंड अधिकारी विपिन पटेल, खंड विकास अधिकारी नरायनपुर शिवनारायण सिंह, सीखने शिवपूजन भारती सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षेप

दहेज हत्या के आरोप में पति व सास गिरफ्तार

मीरजापुर। बीते 16 जून को वादी राकेश कुमार निषाद पुत्र स्व0राजपति निषाद निवासी बिझौली थाना हण्डिया जनपद प्रयागराज ने लिखित तहरीर बावत की पुत्री को पति, सास व ससुर द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ित करने एवं हत्या कर देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दिया था। जिसके आधार पर थाना कोतवाली देहात पर मु0अ0सं0-122/2023 धारा 304बी, 498ए भादवि व ३ डीपी एक्ट बनाम रमेश समेत तीन लोगों पर पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई थी। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने उपरोक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में सम्बन्धित आरोपियों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु प्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात को निर्देश दिया था। उक्त निर्देश के क्रम में थाना को0देहात पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में साक्ष्य संकलन एवं विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए शनिवार को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली देहात बृजेश सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना को0देहात क्षेत्र से आरोपी रमेश साहनी पुत्र छोटू साहनी व आरोपिता शीतला देवी पत्नी छोटू साहनी निवासीगण पसियाही थाना कोतवाली देहात को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया गया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का किया गया सम्मान

मीरजापुर। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष विनोद तिवारी द्वारा ग्राम पंचायत अधिकारी संघ मीरजापुर शाखा में शनिवार को उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के नवनिर्वाचित पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी निर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर आगामी 27 जून को प्रदेश स्तर पर आयोजित हुंकार रैली को सफल बनाने पर विचार विमर्श किया गया। सब को संबोधित करते हुए अध्यक्ष विनोद तिवारी ने कहा कि सभी लोगों का सम्मान करना है। इस अवसर पर राकेश तिवारी, अनूप दुबे, पीयूष दुबे, अरुण तिवारी, संतोष कुमार, राजाराम, संजय पांडेय, बृजेश सिंह, गोविंद जयसवाल,अमर बहादुर सिंह समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

अजीब प्रजाति का मिला कछुवा

जिगना। क्षेत्र के बिहसड़ा खुर्द गांव के सिवान में अजीब प्रजाति का कछुआ देख कर ग्रामीणों में कौतुहल मच गया। जब गाय चरा रहे बच्चों ने इस बिचित्र देखा तो उसकी सूचना गांव वालों को हुई। सूचना पर काफी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए। लोगों का कहना था कि इस प्रजाति का कछुआ हम लोग कभी नहीं देखा है। लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दे दिया है। खबर लिखे जाने पर वन विभाग के लोग पहुंचे नहीं थे। यह जानकारी प्रधान प्रतिनिधि बबलू गौतम ने दी।

डिवाइडर में भिड़ी बाइक, दो रेफर

लालगंज। स्थानीय थाना क्षेत्र के पतुलकी शिवमूर्तिनगर गांव में स्थित फोरलेन हाइवे ओबरब्रिज पर बीती रात ढाई बजे होंडा कर असंतुलित होकर डिवाइडर में भिड़ गई, जिसमें सवार दो लोग घायल हो गए। सुनील कुमार पुत्र स्वर्गीय तहसीलदार सिंह निवासी अवनी थाना लालगंज आजमगढ़ अपने ड्राइवर सुनील चावली के साथ अपने होंडा ऑडी कार से जा रहे थे कि रास्ते में लालगंज थाना के पास फोरलेन ओवर ब्रिज के ऊपर कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस तत्काल दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया वहां से चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया। प्रभारी निरीक्षक ज्ञानुप्रिया ने बताया दोनो का उपचार चल रहा है दोनों व्यक्ति खतरे से बाहर हैं।

जालसाजी व खनिज सम्पदा चोरी करने वाला गिरफ्तार

मीरजापुर। बीते 9 जून 22 को वादी शैलेन्द्र सिंह ज्येष्ठ खान अधिकारी द्वारा नामजद आरोपियों के विरूद्ध खनन विभाग के ट्रांजिट पास में जालसाजी करते हुए कूट रचना कर सार्वजनिक सम्पत्ति को क्षति पहुंचाने व खनिज सम्पदा चोरी करने के सम्बन्ध में दी गयी थी। प्राप्त तहरीर के आधार पर सार्वजनिक सम्पत्ति नुकसान निवारण अधिनियम पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गयी। जिसके क्रम में शनिवार को उ0नि0 विजय कुमार राय चौकी प्रभारी बरकछा ने प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित नामजद आरोपी उमेश कुमार मौर्या पुत्र राजन प्रसाद मौर्या निवासी कृष्णानगर थाना इनायतनगर जनपद अयोध्या को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

गंगा में डूबे युवक का शव बरामद

मीरजापुर। विंध्याचल में मां के दर्शन पूजन के लिए आए श्रद्धालु की गंगा नदी में डूब कर शुक्रवार को मौत हो गई थी। बताया जाता है कि प्रिंस कुमार 22 वर्ष पुत्र विनोद कुमार निवासी पलामू जिला झारखंड अपने दो मित्र के साथ विंध्याचल दर्शन पूजन के लिए आए हुए थे। और दर्शन पूजन से पहले गंगा नदी में स्नान कर रहे थे कि अचानक पानी में डूब गए मित्र को पानी में डूबते देख दोनो मित्र बचाने की कोशिश किया तब तक वह पानी में डूब गया। घटना से डर कर दोनो मित्र मंदिर क्षेत्र में भाग खड़े हुए। अभय चाचा का लड़का था और पवन दोस्त था। जिसके बाद दोनो युवक शाम को स्थानीय पुलिस के पास पहुंचे और मित्र के गंगा नदी में डूबने की सूचना दिया। जिसके बाद स्थानीय पुलिस ने शव की तलाश कराना शुरू कर दिया। शनिवार की सुबह शव बरामद कर अन्त परीक्षण के लिए भेज दिया गया। घटना की जानकारी पर मौके पर पहुंचे परिजनों में शोक की लहर दौड़ पड़ी।

पति-पत्नी के विवाद में चाकू से घायल हुआ पति

मीरजापुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के रामबाग मोहल्ले में पति-पत्नी के विवाद में पति चाकू से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की शाम शहर कोतवाली क्षेत्र के रामबाग मोहल्ले में ससुराल में बेटे का जन्मदिन मनाने आए युवक संदीप गुप्ता पुत्र हनुमान प्रसाद उम्र लगभग 30 वर्ष की अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ते बढ़ते मारपीट में बदल गया, जहां संदीप गुप्ता की पत्नी और उसकी सास अस्पताल चौकी में रिपोर्ट लिखाने के लिए आए। जिसके बाद सास वह पत्नी घर पहुंचे तो देखा कि उसका पति लहूलुहान घर में पड़ा हुआ है। जिसके बाद परिजनों व मोहल्लावासियों की मदद से उसे जिला मंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गंभीर देखते हुए उसे ट्रामा सेंटर में भर्ती कर दिया गया। वहीं परिजनों ने बताया कि संदीप गुप्ता जो कि नशे की हालत में था और पत्नी से विवाद होने के बाद उसने खुद ही अपने दाहिने जाघ पर चाकू मार लिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। संदीप गुप्ता आजमगढ़ का रहने वाला है, जो अपने ससुराल रामबाग अपने बेटे का जन्मदिन मनाने आया था।

मिर्गी का दौरा पड़ने से अज्ञात व्यक्ति की मौत

मीरजापुर। विंध्याचल थाना क्षेत्र के रेलवे स्टेशन से रेहड़ा चुंगी की तरफ आ रहे एक युवक को अचानक मिर्गी का दौरान पड़ने से जमीन पर गिरकर मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार विंध्याचल रेलवे स्टेशन से उतर कर एक व्यक्ति जिसका एक हाथ नहीं था और नीली जींस और एक फिरोजी कलर का शर्ट पहना हुआ था। स्टेशन से उतर कर रेहड़ा की तरफ आ रहा था कि अचानक उसे मिर्गी का दौरा पड़ता है और वह सड़क पर ही अचेत होकर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विंध्याचल ईलाज के लिए ले जाते है लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर जीआरपी और विंध्याचल पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति की शिनाख्त के लिए आस पास के गांव वालों को बुलवाकर व्यक्ति की पहचान कराती है लेकिन खबर लिखे जाने तक कोई शिनाख्त नहीं हो पाई थी। मौके पर उपस्थित पुलिस शव का पंचनामा कर अग्रिम कार्यवाही में जुट गयी।

पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसियों में हुई मारपीट

राजगढ़। स्थानीय थाना क्षेत्र अन्तर्गत दो परिवारों में पुराने विवाद को लेकर आपस में कहासुनी हो गई और देखते ही देखते दोनों मारपीट करने लगे जिससे एक पक्ष के दो लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार राजगढ़ थाना क्षेत्र के लूसा गांव अन्तर्गत पोखरौर बस्ती में किसी बात को लेकर सागर पुत्र कल्लू यादव व अमृत पुत्र सुरेन्द्र का विवाद हो गया। इस दौरान दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने हो गए और मारपीट करने लगे।आपस में विवाद होता देख आस पास के लोगों ने बीच-बचाव किया और दोनों पक्षों को हटाया। लेकिन विवाद में अमृत पुत्र सुरेन्द्र ने सागर व उनके परिजनों के विरुद्ध थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई गई है। जहां तहरीर पाते ही पुलिस कार्रवाई में जुटी हुई है।

युवक का दिनदहाड़े उचक्कों ने उड़ाया मोबाइल

हलिया। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के बबुरा खुर्द गांव निवासी नुरुल हसन पुत्र मुनीर ने तहरीर के माध्यम से बताया है कि ड्रमंडगंज में लव-कुश मिष्ठान भंडार के यहां हम नाश्ता कर रहे थे कि मेज पर रखी मोबाइल एकाएक गुम हो गई। अगल-बगल काफी खोजबीन किया लेकिन पता नहीं चला तब जाकर लव कुश मिष्ठान भंडार में लगे सी सी टीवी फुटेज में देखा तो कैमरा में स्पष्ट दिख रहा है की एक व्यक्ति जो गुलाबी सर्ट और हल्का हरा पैन्ट पहन रखा है। हमारे मेज पर से मोबाइल लिया और बाइक से बाजार की तरफ भाग निकला। तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। वही संबंध में ड्रमंडगंज थानाध्यक्ष ने बताया कि तहरीर मिली है सीसीटीवी फुटेज खगाल कर दोषी के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 47 मामलों का हुआ निस्तारण

आयोजन

सदर तहसील में मंडलायुक्त ने सुनी पीड़ितों की फरियाद गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का दिया निर्देश

जनसंदेश न्यूज

सोनभद्र। जिले की चारों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन शनिवार को किया गया। तहसील राबर्ट्सगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन मण्डलायुक्त डा. मुथुकुमार स्वामी बी की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह, पुलिस अधीक्षक डा. यशवीर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार ने शिकायतकताओं की समस्याओं को बड़े ही सरलभाव से सुना और निस्तारण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया।

मण्डलायुक्त ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण

सदर तहसील मे पीड़ितो की समस्याएं सुनते मंडलायुक्त

शिकायतकर्ता का फीडबैक लेते हुए किया जाये। ग्राम सभाओं, नगर पालिका व नगर पंचायत क्षेत्रों में पेयजल से सम्बन्धित जो भी समस्याएं प्राप्त हो रही हैं, उनका निराकरण सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी, नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी ससमय निस्तारण सुनिश्चित करें। गोवंशों को पीने के लिए पानी की समस्या न हो, इसका विशेष ध्यान दिया जाये। पेयजल से सम्बन्धित शिकायतों का निस्तारण समय से न होने पर सम्बन्धित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जायेगी।

इस दौरान अधिकारियों ने 167 शिकायतें सुनते हुए मौके पर 29 मामलों को निस्तारित किया, बाकी 138 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने की कार्यवाही अमल में लायी जा रही है।

वहीं तहसील ओबरा में मौके पर 4 मामले निस्तारित किये, बाकी 49 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। वहीं तहसील घोरावल में अपर जिलाधिकारी सहदेव कुमार मिश्र की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान एडीएम, एसडीएम, सीओ, तहसीलदार ने 35 शिकायतें सुनते हुए मौके पर 10 मामले निस्तारित किये। बाकी 25 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इसी तरह तहसील दुद्धी में अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे आशुतोष दूबे की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। इस दौरान अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी श्याम प्रताप सिंह, तहसीलदार, बीडीओ ने 46 शिकायतें सुनते हुए मौके पर 4 मामले निस्तारित हुए, बाकी 42 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

समस्याओं के समाधान को सौंपा शिकायती पत्र

रेणुकूट। स्थानीय नगर पंचायत में व्याप्त अनियमितताओं को लेकर क्षेत्र पंचायत सदस्य अजय राय ने शनिवार को तहसील दिवस में पहुंचकर शिकायत की। तहसील दिवस में दिए शिकायती पत्र में उन्होंने लिखा है कि रेणुकूट नगर पंचायत क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास के पात्र लोगों की सूची काफी पहले बनाई जा चुकी है, परंतु उन्हें अब तक इसका लाभ नहीं मिला है, जिससे वह झोपड़ियों में रहने को विवश हैं। नगर पंचायत क्षेत्र में आयुष्मान कार्ड भी नहीं बनाए जा रहे हैं, जिससे इसके पात्र लाभार्थियों को मजबूरन पैसे खर्च करना पड़ रहा है। दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना के तहत आए धन को नगर के मूलभूत सुविधाओं पर न खर्च करके दूसरी जगहों पर खर्च कर दिया गया, जिसकी जांच की मांग की। इसके अलावा नगर के कूड़ा डंपिंग यार्ड में बने एमआरएफ सेंटर को अब तक सक्रिय ना होने की भी बात लिखी है। चाचा कॉलोनी में स्थित गोवंश आश्रय स्थल के बने रहने के बावजूद बाजार में प्रतिदिन दर्जनों छुट्टा पशु घूम रहे हैं और गोवंश आश्रय स्थल में किराए पर लोग रह रहे हैं। नगर की पेयजल व्यवस्था भी ध्वस्त हो गई है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत करने पर शिकायतकर्ताओं को फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जाती है और गलत तरीके से मामले को निक्षेपित कर दिया जाता है। उन्होंने शिकायतों की जांच करते हुए इसके निराकरण की मांग की है।

संक्षेप

टीम को उप विजेता का खिताब दिलाने में एबीआईसी के छात्र ने दिया योगदान

राजू कुमार वर्मा

रेणुकूट। हिण्डाल्को द्वारा संचालित आदित्य बिड़ला इण्टरमीडिएट कॉलेज के कक्षा 12 के छात्र राजू कुमार वर्मा ने बीते 6 से 12 जून तक दिल्ली में आयोजित हुई राष्ट्रीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता के अन्डर-19 बालक वर्ग में उप्र विद्यालयी हैण्डबाल टीम का प्रतिनिधित्व कर टीम को उपविजेता का खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई। दिल्ली सरकार के शिक्षा तथा खेल निदेशालय द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में राजू कुमार के शानदार प्रदर्शन पर आदित्य बिड़ला इण्टरमीडिएट कॉलेज में हर्ष का माहौल है। छात्र की इस जीत ने विद्यालय, जिले व हिण्डालको का भी नाम रौशन किया है। इस मौके पर दयानन्द शुक्ल, विजय भागवत पाटिल, मीरा जायसवाल, एचएन सिंह, भारती झा, जितेन्द्र कुमार सिंह, विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने छात्र व उसके माता-पिता को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

आदिवासी भोला चेरो की मौत की हो उच्चस्तरीय जांचःआईपीएफ

दुद्धी। कोरगी बालू साइड पर डूबकर मरे भोला चेरो की उच्च स्तरीय जांच कराई जानी चाहिए। यह मांग आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के जिला संयोजक कृपा शंकर पनिका ने की। उन्होंने प्रेस को जारी बयान में कहा कि पूरे जनपद में प्राकृतिक संसाधनों की लूट हो रही है। कनहर, सोन समेत तमाम नदियों में बालू खननकर्ताओं ने नदी की धारा मोड़ दी है। नदी के पेटे में जेसीबी मशीनों से मानक के विपरीत गहरे गड्ढे करके खनन किया जा रहा है। जिससे नदी में गहरे तालाब बन गए हैं। इन्हीं तालाबों में डूबकर आदिवासी और ग्रामीण आए दिन मरते रहते हैं। भोला चेरो के परिवारजनों का भी कहना है कि वह मछली मारने गए थे और उसी दौरान नदी में उतरे जहाँ मौजूद गहरे गड्ढे में डूब कर उनकी मौत हुई है। भोला चेरो की मौत की जांच कर मौत के वास्तविक कारणों का पता करना न्यायहित में जरूरी है।

जनचौपाल लगा योजनाओं की दी गयी जानकारी

घोरावल। स्थानीय विकास खंड के मरसड़ा ग्राम के प्राथमिक विद्यालय में शनिवार को जन चौपाल लगाकर शासनस्तर से चलायी जा रही योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में महिला कल्याण से सम्बंधित योजनाओं, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, कन्या सुमंगला योजना, मातृ वंदना योजना, बीसी सखी, बाल विवाह रोकने के संबंध में जन जागरूकता तथा मानव तस्करी रोकने हेतु टीम के बारे में जानकारी दी गयी। एएसपी ने बताया की इस समय साइबर अपराधों से सतर्क रहने की आवश्यता है, इसके अलावा मिशन शक्ति, पुलिस हेल्पलाइन, महिला अपराध से बचने के उपाय के बारे चर्चा की गयी। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि निर्विवाद वरासत का अभियान चल रहा है और गांववार लेखपाल खतौनी पढ़ रहे हैं। जिस भूमिधर की मृत्यु हो गयी है, उनके वारिसों के नाम वरासत किया जा रहा है, इसके अलावा नाम संशोधन की प्रक्रिया की जानकारी दी गयी। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी रमेश कुमार, सीओ, थाना प्रभारी, श्रम निरीक्षक, ग्राम विकास अधिकारी, क्षेत्रीय लेखपाल, शेषमणी दुबे, साधना मिश्रा, प्रधान, कोटेदार समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

बाल श्रम निषेध रैली निकाली

रैली में शामिल लोग

सोनभद्र। सोनभद्र विकास समिति के तत्वावधान में चाइल्ड राइट् एंड यू नई दिल्ली के सहयोग से शनिवार को बाल श्रम रोकने के निमित्त जन कल्याण के लिए सदर ब्लॉक के रैपुरा में रैली निकाली गई। जिसमें बच्चों द्वारा स्लोगन हम सबने था ठाना बाल श्रम को जड़ से मिटाना। बाल मजदूरी बंद करो, हम सब पढ़ने जाएंगे नारों के साथ पूरे गांव में घूमते हुए गांव के बीच चौराहे पर हस्ताक्षर अभियान का पोस्टर लगाया गया। लोगों ने पोस्टर पर हस्ताक्षर किए। कार्यक्रम में संयोजक राजेश चौबे, सुनीता देवी, साधना सिंह, रेखा, नागेश्वर, राम लखन, धनंजय आदि उपस्थित रहे।

हेड डायवर्जन मार्ग को दुरुस्त करने का कमिश्नर ने दिया निर्देश, बड़े वाहनों के लिए मार्ग होगा बंद

मौके पर निरीक्षण करते कमिश्नर व जिलाधिकारी

डाला। दक्षिणाचंल की लाइफ लाईन कहे जाने वाली वाराणसी शक्तिनगर मुख्य मार्ग पर स्थित बग्घानाला पुलिया का शनिवार की सुबह ग्यारह बजे विन्ध्याचल मंडलायुक्त डा०मुथु कुमार स्वामी व सोनभद्र जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने संयुक्त रुप निरिक्षण करके दो दिन के भीतर डार्वजन मार्ग की बाधाओ को दुर करने का निर्देश दिया,डायवर्जन मार्ग को दुरुस्त करने के बाद बडे वाहनो के लिए वाराणसी शक्ति नगर मुख्य मार्ग बंद कर दिया जायेगा । रेलवे ने एक सप्ताह पुर्व डाला वैष्णो मंदिर के पास चोपन गढवा व चोपन सिगरौली पर बने पुल संख्या 382 फ्ल्इ को छतिग्रस्त होने पर मार्ग पर बडे. वाहनों के आवागमन पर रोक लगाने की मांग की गई है। जिसके उपरांत उपसा के अधिकारीयों ने मार्ग बंद होने के बाद बडे.वाहनो के आगमन के लिए रोड मैप पर मंथन शुरू कर दिया था । शनिवार को कमिश्नर के साथ जिलाधिकारी ने मौके पर पहुच कर पुलिया का निरीक्षण किया, निरिक्षण के उपरांत दो दिनो मे डार्वजन मार्ग डाला ओबरा रुट पर मार्ग पर लटक रहे एक लाख बत्तीस हजार तार की उचाई बाधक है जिसको दो दिनों के भीतर बढाने का निर्देश दिया ,निर्देश मिलते ही विद्युत विभाग डाला से ओबरा मार्ग पर लटक रहे तार की उचाई बढाने काम शुरू कर दीया। उधर दुसरी तरफ रेलवे ने भी मार्ग पर बडे वाहनो के आवागमन को रोक लगाने के लिए गाटर गाडने के काम मे लग गई। पुलिया पर बडे वाहनो को रोक कर एक -एक कर के एक तरफ से ही बडे वाहनो को जाने दिया जा रहा था जिसकी वजह से डाला की तरफ व चोपन की तरफ ट्रको की लंम्बी कतार लग गई है।उपसा के हाइवे इंजीनियर अजय यादव ने बताया की छतिग्रस्त पुल की मरम्त के काम के लिए उपसा व रेलवे की टीम ने कैम्प कर दिया है दो दिन मे पुल पर भारी वाहनो का संचालन बंद करके ,पुल को ठिक करने का काम शुरू हो जायेगा।

नदी में डूबा युवक, तलाश जारी

मौके पर लगी लोगों की भीड़

ओबरा। स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत खैरटिया से सटे रेणुका नदी तट पर निमार्णाधीन पुल के करीब शनिवार की दोपहर नहाने गए सात युवकों में से एक युवक गहरे पानी में जाने से डूब गया।घटना से नगर में हड़कंप मच गया।नहाने साथ में गए युवक अविनाश ने बताया कि दोपहर लगभग दो बजे के करीब उसके साथ नगर के युवक चंदन (22), सोना (26), अभिषेक (20), शशिकांत (24), रीतेश मिश्रा (23), रंजीत (24) रेणु नदी में निमार्णाधीन पुल के समीप नहाने गए थे।पांच लोग नदी के किनारे बैठ गए जबकि सोना और अभिषेक नहाने के लिए नदी में उतर गए।बताया कि इसी दौरान नहाते समय पानी गहरा होने के चलते सोना डूबने लगा और बचाने के लिए अभिषेक को आवाज देने लगा।अभिषेक भी सोना को बचाने के लिए गहरे पानी में आगे बढ़ा और वह अनियंत्रित होकर डूबने लगा।आवाज सुनकर आसपास नहा रहे अन्य लोगों ने किसी तरह सोना को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जबकि अभिषेक (20) पुत्र स्व घनश्याम निवासी एक डी 98 ओबरा परियोजना कालोनी पानी में डूब गया।लोगों द्वारा काफी खोजबीन करने के बाद जब अभिषेक का पता नहीं चला तब इसकी सूचना ओबरा पुलिस को दी गई।मौके पर पहुंचे निरीक्षक क्राइम राजेश यादव एवं चौकी इंचार्ज जितेंद्र कुमार ने स्थानीय लोगों की मदद से खोजबीन कराई लेकिन सफलता नहीं मिली। लगभग चार घंटे तक पानी में तलाश करने के पश्चात भी डूबे युवक का कहीं पता नहीं चलने पर समाजसेवी रमेश सिंह यादव द्वारा चोपन से गोताखोरों को बुलवाकर युवक की नदी में तलाश कराई जा रही थी। उधर घटनास्थल पर परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था। बता दें कि अभिषेक इकलौता पुत्र है तथा उसकी दो बहनें भी हैं समाचार दिए जाने तक अभिषेक की तलाश नदी में गोताखोरों द्वारा की जा रही थी।

मछली मारने गये अधेड़ की नदी में डूबने से मौत

जनसंदेश न्यूज

दुद्धी। थाना क्षेत्र के डूमरा ग्राम पंचायत के कोरगी गांव के पास शनिवार को कनहर नदी में डूबने से एक अधेड़ की मौत हो गई। वह मछली मारने के लिए गया था। घटनास्थल के बगल में ही बालू साइट भी है।

आरोप है कि बालू निकालने के लिए नदी में पोकलेन से गहरा गड्ढा कर दिया गया था, जिससे यह हादसा हुआ। ग्रामीणों ने इस पर कड़ी नाराजगी जताई। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें समझाकर शांत कराया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि विंढमगंज थाना क्षेत्र के डूमरा गांव निवासी भोला बैगा 58 शुक्रवार की रात पड़ोसी नंदलाल पनिका के साथ मछली मारने गया था। नंदलाल के मुताबिक दोनों बालू साइट के समीप नदी में जाल लगाये थे। रात में भोला कपड़े उतारकर जाल देखने गया। नंदलाल किनारे बैठकर उसका इंतजार कर रहा था। काफी देर बाद भी भोला के न लौटने पर उसने उसे

कनहर नदी में शव की तलाश करते गोताखोर

आवाज लगाना शुरू किया। कुछ देर तक आवाज लगाने के बाद कोई उत्तर न मिलने पर नंदलाल घर लौट आया और परिजनों को सूचित किया। सुबह खबर लगते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की मौके पर भीड़ जुट गई। ग्राम प्रधान रामनाथ भुइंया ने बताया कि भोला का चप्पल, लुंगी, गमछा और शर्ट पानी के किनारे पड़ा हुआ देखकर उसके पानी में डूब जाने की आशंका जताते हुए नदी में खोजबीन शुरू की गई। घंटों खोजबीन के बाद जाल वाले स्थान से करीब 100 मीटर दूर गहरे पानी में उसका शव मिला। शव मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया।

कुएं में डूब कर किशोरी की मौत

दुद्धी। अमवार चौकी क्षेत्र के बघाडू में शनिवार को कुआं में गिरकर किशोरी गीता कुमारी 15 पुत्री जोधा सिंह की मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया कि किशोरी भोर में शौच के लिये बाहर निकली, लेकिन एक घंटे बाद भी वापस नही आयी तो परिजन आसपास खोजबीन करने लगे। घर से लगभग 200 मीटर दूर कुआं के पास किशोरी का चप्पल व दुपट्टा मिलने से परिजन सकते में आ गये। कुआं से परिजनों ने शव को बाहर निकालकर पुलिस को सूचना दिया। सूचना पाते ही पहुंचे चौकी इंचार्ज महेंद्र यादव शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज जांच में जुट गये।

विभिन्न विकास कार्यों का चेयरमैन ने किया शिलान्यास

नारियल तोड़कर विकास कार्य का शिलान्यास करते नपं अध्यक्ष उस्मान अली

चोपन। स्थानीय नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 2 में सीसी सड़क, कवर्ड नाली व वार्ड चार में वाटर कूलर का शिलान्यास शनिवार को नगर पंचायत अध्यक्ष उस्मान अली ने विधि विधान से नारियल फोड़ कर किया। इस दौरान नपं अध्यक्ष ने कहा कि नगर के विकास में सड़क व नाली की अहम भूमिका होती है। घरों के नाबदान का पानी खुले में बहने से बीमारी फैलती है। जगह-जगह गंदगी रहती है। नाली बनने से एक जगह पानी इकट्ठा नहीं होगा, जिससे लोगों को राहत मिलेगी। कहा कि कई योजनाओं की निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई थी, जिसका शिलान्यास किया जा रहा है। नगरवासियों को इसका लाभ मिले इसके लिये नगर पंचायत तत्परता के साथ कार्य कर रहा है। वही वार्ड 4 में लग रहे वाटर कूलर से आने जाने वाले राहगीरों को शीतल पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। इस मौके पर सुनील सिंह, दिव्य प्रकाश सिंह, अनिकेत रावत, अमित सिंह, दिनेश जैन, दिनेश पांडेय, घनश्याम चौधरी, श्यामसुंदर मिश्रा, जीतू सिंह, सुशील साहनी, सलीम कुरेशी, तसव्वर अली, राधारमण पांडेय, राकेश सिंह, अंकित पांडेय, जितेंद्र पासवान, धर्मेंद्र विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

म्योरपुर। अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अकुंश लगाए जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में शनिवार को पुलिस ने फरार चल रहे गैंगेस्टर एक्ट के वांछित सुरेंद्र कुमार यादव उर्फ सोनू पुत्र बुद्धिराम यादव निवासी इंजानी, बीजपुर को म्योरपुर तिराहे के समीप से गिरफ्तार कर चालान कर दिया। टीम में प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत, सूरज कुमार, मंगेश कुमार गौंड़ शामिल रहे।

रोजगार का सवाल हल करने के लिए सरकार गंभीर नहीं

म्योरपुर। प्रदेश में बेरोजगारी का सवाल युवाओं के लिए उनके जीवन मरण का प्रश्न बन चुका है। सरकार के दावे जमीनी हकीकत के उलट हैं। इसमें भी सोनभद्र जैसे पिछड़े जिलों में बेरोजगारी की भयावह स्थिति है। भारी पैमाने पर युवाओं का पलायन हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सोनभद्र में विकास और अन्य सवालों को लेकर दावे व घोषणाएं चाहें जो की गई हों लेकिन बेरोजगारी की समस्या के निदान के लिए सरकार गंभीर नहीं है। मुख्यमंत्री द्वारा सोनभद्र प्रवास पर जनपद के विकास की बड़ी बातें की गईं लेकिन छात्राओं की दो आवासीय महिला डिग्री कालेज खोलने जैसी सामान्य मांग को भी अनदेखा किया गया। बेकारी के सवाल को हल करने और बदहाल शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में ठोस रूप से कुछ भी नहीं बोला गया। यह बातें 113 युवा संगठनों द्वारा गठित संयुक्त युवा मोर्चा के देशव्यापी रोजगार अधिकार अभियान के तहत म्योरपुर क्षेत्र में युवाओं से संवाद करते हुए युवा मंच के प्रदेश संयोजक राजेश सचान ने कही। उन्होंने कहा कि जनपद से युवाओं व पूंजी का पलायन चिंताजनक है।

बेकार पड़ा सोलर पंप, पेयजल के लिए जूझ रहे ग्रामीण

बेकार पड़ा सोलर पंप

जनसंदेश न्यूज

खलियारी। नगवां ब्लाक के सरईगाढ़ ग्राम पंचायत में जल निगम से लगवाया गया सोलर पंप दो वर्ष से खराब पड़ा है। जिससे गर्मी में ग्रामीण पानी के लिए परेशान हो रहे हैं। जबकि उक्त पंप जब लगाया था तो उससे करीब दो सौ घरों के लोगों की प्यास बुझती थी। लेकिन इसके खराब होने पर इसकी सुधि नहीं ली गयी। ग्रामीणों ने आलाधिकारियों को समस्याओं से अवगत कराया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अब हालात यह हैं कि ग्रामीणों को अपनी प्यास बुझाने के लिए मीलों दौड़ लगानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने डीएम का ध्यान आकृष्ट कराते हुए सोलर पंप की मरम्मत कराने की मांग किया है।

मरीजों को बाहर से न लिखी जाएं दवाएं : मंडलायुक्त

जायजा

जिला व कोविड-19 अस्पताल का कमिश्नर ने किया निरीक्षण

जनसंदेश न्यूज

सोनभद्र। मण्डलायुक्त डा. मुथुकुमार स्वामी बी व जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने शनिवार को जिला संयुक्त चिकित्सालय व 200 बेडेड कोविड-19 चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। जिला संयुक्त चिकित्सालय के निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित करते हुए कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को अस्पताल में उपलब्ध दवाओं को पर्ची में अंकित किया जाये और दवाओं का नाम पर्ची स्पष्ट रूप से अंकित होना चाहिए, बाहर की दवाएं मरीजों को न लिखी जाये, इसका विशेष ध्यान दिया जाये। एक्स-रे व अल्ट्रासाउण्ड हेतु आने वाले मरीजों को ससमय अल्ट्रासाउण्ड व एक्स-रे कराने की व्यवस्था करायी जाये। इस दौरान मण्डलायुक्त ने पर्ची कक्ष, ओपीडी कक्ष, अल्ट्रासाउण्ड कक्ष सहित विभिन्न कक्षों का जायजा लिया। कहा कि अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था और बेहतर तरीके से करायी जाये, अस्पताल में आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की समस्या अधिक न होने पाये, इसका भी विशेष ध्यान दिया जाये। मण्डलायुक्त ने 200 बेडेड कोविड-19 अस्पताल के निरीक्षण के दौरान कहा कि अस्पताल परिसर में मरम्मत, रंग-रोगन, साफ-सफाई से सम्बन्धित सभी आवश्यक कार्य करा लिये जाये। इस मौके पर सीडीओ सौरभ गंगवार, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आरजी यादव, मेडिकल कालेज के प्रिन्सिपल डा.सुरेश कुमार सिंह, सीएमएस डा. अश्वनी, डीआईओ विनय कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहे।

हवाई पट्टी विस्तारीकरण का मंडलायुक्त ने जाना हाल

म्योरपुर हवाई पट्टी का निरीक्षण करते मंडलायुक्त

म्योरपुर। मंडलायुक्त डा. मुथुकुमार स्वामी ने शनिवार को सोनभद्र के बड़े प्रोजेक्ट में शामिल म्योरपुर हवाई पट्टी विस्तारीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उड्डयन विभाग के मैनेजर विवेक चन्द्रवंशी से विस्तारीकरण कार्य के बारे में जानकारी ली। विवेक ने बताया कि हवाई पट्टी के रनवे, टर्मिनल व बाउंड्रीवाल का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। कुछ कानूनी अड़चनों के कारण टिकट काउंटर, यात्रियों के विश्राम स्थल व पार्किंग का कार्य पूरा नहीं हो पा रहा है। शेष कार्य प्रगति पर है। विस्तारीकरण की जद में आने वाली भूमि के सर्वे का कार्य चल रहा है। मंडलायुक्त ने विस्तारीकरण कार्य में आने वाली अड़चनों को यथाशीघ्र दूर करने का निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिया। इसके पश्चात उन्होंने डायवर्ट होने वाले मार्गों को भी देखा जो हवाई पट्टी विस्तारीकरण की जद में आने के कारण बंद होने वाले है। उन्होंने कहा कि मार्ग के डायवर्ट होने में यदि काश्तकारों की जमीन पड़ रही हो तो उन्हें उचित मुआवजा देकर मार्ग डायवर्ट कर दिया जाए। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि हवाई पट्टी विस्तारीकरण कार्य में आने वाली समस्याओं को दूर करते हुए कार्य पूर्ण किया जाए। इस मौके पर जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह, तहसीलदार दुद्धी, सीओ दुद्धी, प्रभारी निरीक्षक लक्ष्मण पर्वत, रेंजर शहजादा इस्लामुद्दीन, अनिल मौर्य, उड्डयन विभाग के सहायक मैनेजर अमित सिंह आदि मौजूद रहे।

पिकअप से पांच मवेशी बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

डाला। स्थानीय चौकी क्षेत्र के डाला चढाई पर शुक्रवार की दोपहर डाला पुलिस ने पांच पडिया(भैस) और एक पिकप सीज सहित दो आरोपियों को पकड़ कर पशु क्रुरता अधिनियम के तहत विधिक कार्यवाही की गई। डाला चौकी प्रभारी राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि क्षेत्र की शांति व्यवस्था के लिए मामूर था कि एक मुखबिर से सूचना मिली एक पिकप हाथीनाला थाने को पार करके तेज गति से डाला की तरफ आ रही है जिसमें अवैध गोवंश लदा हुआ है। सूचना को सत्य मानकर डाला चढाई पर चिन्हित पिकप को रोक कर डाला चौकी ले आया, जांच पड़ताल के दौरान पांच पडिया(भैस) लदी हुई पिकप में बरामद हुई। पिकप वाहन स्वामी व चालक अफसर अली पुत्र नईम व मो अहमद अली पुत्र सलीम निवासीगण बहुअरा थाना चकिया चंदौली द्वारा पांच गोवध को सिंगरौली जिले से पिकप पर लादकर चकिया ले जाया जा रहा था। बरामद पशुओं को स्थानीय पशु पालक को बुलाकर सपूर्द कर दिया गया। पशुओं की बरामदगी की सूचना उच्च अधिकारियों को देकर पशु क्रुरता अधिनियम के तहत दोनो अभियुक्तों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की गई और पिकप की सीज कर दिया गया।

नीट परीक्षा में दुद्धी के दो होनहारों ने लहराया परचम

नीट में सफल छात्र-छात्रा

दुद्धी। मेडिकल की प्रवेश परीक्षा नीट में दुद्धी के छात्रों ने परचम लहरा क्षेत्र को नया आयाम दिया है। रिजल्ट घोषित होने पर क्षेत्र सहित छात्रों के घरों में खुशी का माहौल हो गया। परिवार के लोगों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। रिजल्ट के बाद युवाओं में काफी उत्साह रहा। दुद्धी निवासी गोपाल अग्रहरि की बिटिया श्रद्धा रानी 2021 में आईसीएससी इंटरमीडिएट में जिला टॉपर रही।

राजस्थान कोटा से तैयारी करने के बाद नीट में चयन हुआ है। श्रद्धा के सभी भाई बहन आईसीएससी बोर्ड में अव्वल रह चुके हैं। रिजल्ट आने के बाद चयन होने के सूचना मिलते ही पिता गोपाल अग्रहरि एवं छात्रा के मामा दिनेश अग्रहरि ने मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी। श्रद्धा ने कहा कि हमारे माता-पिता के साथ मामा का सहयोग एवं आशीर्वाद मिलता रहा। वहीं महुअरिया गांव निवासी परमानंद गुप्ता को नीट परीक्षा में कामयाबी मिल ही गई। चयन होते ही गांव में खुशियों की लहर दौड़ गई। छात्र परमानंद ने कहा कि पिता सत्यदेव, माता शीला देवी ने किसानी कार्य कर मुझे इस काबिल बनाया। माता पिता का सहयोग इसी तरह मिलता रहे। उन्होंने कहा कि स्थानीय गांव के ही विद्यालय में पढ़ाई कर राजस्थान कोटा से तैयारी करने में जुटा रहा। कई प्रयास करने के बाद मंगलवार को रिजल्ट आया, जिसे देखने के बाद मन प्रफुल्लित हो गया।

संदिग्ध परिस्थितियों में मकान में लगी आग,लाखों का सामान स्वाहा

सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के महुआँव कलाँ गांव मे शुक्रवार की रात तकरीबन ग्यारह बजे संदिग्ध परिस्थितियों में कच्चे मकान में भीषण आग लग जाने से छह लाख रुपए की संम्पती जल कर खाक हो गयी है। जिसमे तीन लाख के जेवर बताया गया है। भीषण रूप से आग लगने की सूचना पर पुरे गांव मे हडकंप मच गया। आसपास के लोग समरसेबुल पंप से पानी डालकर तत्काल आग पर काबू पाना चाहा किंतु आग कोई कन्ट्रोल ना होता देख फायर ब्रिगेड की दो दमकल वाहन मौके पर पहुंच कर किसी तरह से आग पर काबू पाया। राम बिलास यादव पुत्र अमरनाथ यादव ने बताया की जब हम लोग खाना खाकर गहरी नीद मे सो रहे थे की मकान में अचानक भीषण रूप से आग की लपटे उठने शुरू हो गयी देखते ही देखते पुरे गृहस्थ की सभी सामान जलकर खाक हो गया। जिससे तीन लाख के जेवर,70 हजार नगद, मिट्टी के कुटले मे रखा 15 कुंतल चावल एव 15 कुंतल गेंहू, फ्रिज, वाशिंग मशीन, कम्प्यूटर समेत अन्य गृहस्थी के सभी सामान जलकर खाक हो गया जिसकी अनुमानित तकरीबन छह लाख के की क्षति बताती गयी है।

युवक का शव सड़क पर रखकर महिलाओं ने किया प्रदर्शन

आक्रोश

ईटवा गांव के युवक का शराब की दुकान के समीप शव मिलने पर आक्रोश

जनसंदेश न्यूज

सकलडीहा। क्षेत्र के ईटवा गांव निवासी 35 वर्षीय एक युवक की शव शराब दुकान के समीप मिलने पर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। आक्रोशित महिलाओं ने लाठी डंडे के साथ टाली रिक्सा पर शव रखकर सकलडीहा कमालपुर मार्ग अवरूद्ध कर दिया। ग्रामीण व परिजनों ने आरोप लगाया कि आसपास के चिकना दुकानदारों ने युवक से मारपीट किया। आक्रोशित महिलाओं ने शराब और चिकना दुकानों को बंद कराने व परिजनों को मुआवजा और कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। मौके पर पहुंचे कोतवाल विमलेश कुमार मौर्या ने हर संभव सहयोग का आश्वासन देते हुए शव को पीएम कराने के लिये जिला अस्पताल भेजवाया। इस दौरान घंटों देर तक शराब सहित अन्य दुकाने बंद रही।

ईटवा गांव निवासी सुबेदार राजभर का 35 वर्षीय पुत्र रामू राजभर मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता था। युवक को दो पुत्री संध्या 13 और मंध्या 12 पुत्र दिलीप 10 वर्ष का है ईटवा गांव में सरकारी शराब दुकान के समीप चिकना दुकान के पास दोपहर करीब ढ़ाई बजे युवक का शव मिलने की सूचना पर दर्जनों की संख्या में महिलायें और ग्रामीण लाठी डंडे के साथ मौके पर पहुंच गये। युवक का शव रिक्सा टाली पर रखकर शराब दुकान व चिकना दुकानों को बंद कराने के साथ परिजनों को मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर सड़क पर शव रखकर मार्ग अवरूद्ध कर दिया। सूचना मिलते ही कोतवाल मौके पर पहुंचकर हर संभव सहयोग व कार्रवाई का भरोशा देते हुए शव को पीएम के लिये भेजा। इस बाबत कोतवाल विमलेश कुमार मौर्या ने बताया कि युवक का शव को पीएम के लिये भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट आने पर स्थिती स्पष्ट हो पायेगा।

युवक की मौत के बाद रोते बिलखते परिजन।

युवक का शव को टाली पर रखकर हॉस्पीटल ले जाते कोतवाली पुलिस।

शराब दुकान और चिकना दुकानों को बंद कराने की मांग

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ईटवा गांव में देशी, अंग्रेजी और बियर दुकान होने के कारण दर्जनों चिकना की दुकानें खुली हुई है। जिसके कारण सुबह से देर रात तक आये दिन मारपीट और शराब के नशे में लोग दुर्घटना के शिकार होते है। ग्राम प्रधान गुलाब मौर्या ने पुलिस को पत्रक देते हुए शराब व चिकना दुकानें बंद कराने की मांग किया।

पति की मौत पर पत्नी व बच्चे हुए बेसुध

ईटवा गांव निवासी रामू राजभर परिवार का एकलौता सहारा था। पति की मौत पर पत्नी रानी सहित बच्चे रोते रोते बेसुध हो जा रहे थे। युवक की मौत को लेकर तरह तरह की चर्चा रही। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि युवक के पैर पर गर्म पानी फेंकने व मिलावटी शराब पीने के कारण मौत हो गयी है।

जिला योजना समिति के लिए बिंदो देवी ने किया नामांकन

कलेक्ट्रेट में निर्वाचन अधिकारी को नामांकन पत्र देती सभासद बिन्दो देवी।

चंदौली। जिला योजना समिति के सदस्य पद पर निर्वाचन के लिए चंदौली नगर पंचायत के शास्त्री नगर वार्ड से सभासद बिन्दो देवी ने निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन किया। विदित हो कि सभी नगर पंचायत से एक सभासद को जिला पंचायत के लिए सदस्य निर्वाचित होना है। इसके लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। चंदौली नगर पंचायत से जिला पंचायत सदस्य का पद महिला प्रत्याशी के आरक्षित है।

इसी कड़ी में शास्त्री नगर वार्ड से सभासद बिन्दो देवी, अन्य सभासद साथियों विजय जायसवाल, वकील सोनकर, उपेंद्र तिवारी, रोशन यादव व शंभू श्रीवास्तव के साथ कलेक्ट्रेट स्थित निर्वाचन कक्ष पहुंची। वहां उन्होंने निर्वाचिन अधिकारी नागेंद्र मौर्य के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नाम वापसी के लिए 21 जून की तिथि निर्धारित है और आवश्यकता पड़े पर 25 जून को मतदान की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

हत्या के प्रयास के मामले में दोषी को 10 वर्ष का कारावास

चंदौली। अपर सत्र न्यायाधीश डा. जया पाठक की कोर्ट में पुलिस टीम पर फायर कर हत्या का प्रयास करने के मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान आरोप सिद्ध होने पर दोषी संजय उर्फ भगत उर्फ सीताराम को दस साल की कठोर कारावास की सजा सुनाई। वहीं पांच हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। अभियोजन की ओर से अपर शासकीय अधिवक्ता क्रिमिनल अवधेश कुमार पांडेय ने पैरवी एवं तर्क प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि 22 मई 2001 को बलुआ थानाध्यक्ष मुखबिर की सूचना पर हरधनजुड़ा गांव के दक्षिण सड़क मोड़ पर पुलिस टीम ने बदमाश को पकड़ने के लिए घेरेबंदी की थी। थोड़ी देर में एक बाइक आते दिखाई दिया। पुलिस टीम ने टार्च की रौशनी से बाइक सवार को रूकने का इशारा किया। इसपर बदमाश ने पुलिसवालों को देखकर जान से मारने की नियत से फायर करने लगे। लेकिन पुलिस टीम ने अपने को बचाते हुए बदमाशों को बलुआ थाना क्षेत्र के शेरपुर सरैया निवासी संजय उर्फ भगत उर्फ सीताराम को पकड़ लिया था। उसके पास से 12 बोर का एक नाली बंदूक और जिंदा कारतूस मिला था। अन्य दो बदमाश फायर करते हुए भागने में सफल हो गए थे। पुलिस ने इस मामले का आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

एसी के तीन कोच बंद होने से यात्रियों का हंगामा

गुस्सा

जंक्शन पर चिकित्सकीय टीम ने किया बीमार यात्रियों का इलाज

जनसंदेश न्यूज

डीडीयू नगर। ऋषिकेश से हावड़ा जा रही डाउन दून एक्सप्रेस के एसी कोच में तकनीकी खराबी आने से एसी बंद हो गया, जिससे यात्रियों की हालत बिगड़ने लगी। आक्रोशित यात्रियों ने स्थानीय रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के रुकते ही हंगामा करने लगे। इलेक्ट्रिकल विभाग ने एसी को दुरूस्त किया। वहीं चिकित्सकों ने टीम ने गर्मी से बीमार यात्रियों के स्वास्थ्य की जांच की। इसके बाद ट्रेन आगे के लिए रवाना हुई। इस घटना के कारण एक घंटे तक ट्रेन प्लेटफार्म पर खड़ी रही।

देहरादून एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय शाम 05.10 बजे से आठ घंटे की देरी से रात डेढ़ बजे स्थानीय रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या दो पर पहुंची। यहां पहुंचने पर यात्रियों ने एसी कोच बी-वन, बी-टू और बी-3 का एसी न चलने की शिकायत की। बताया कि वाराणसी से चलने के बाद व्यासनगर स्टेशन पर ट्रेन को घंटों रोक दिया गया। इसी दौरान एसी काम करना बंद कर दिया है। हंगामा होने की सूचना पर आरपीएफ और जीआरपी कर्मी मौके पर पहुंच गए। इसकी सूचना इलेक्ट्रिकल विभाग को भी दी गई। इसी बीच सिग्नल हो गया और ट्रेन खुल गई। जिससे आक्रोशित यात्री चेन पुलिंग कर ट्रेन को दिया।

यात्री प्लेटफार्म पर उतर कर हो हल्ला करने लगे। यात्रियों ने कहा कि भीषण गर्मी में एसी न चलने के कारण कई यात्रियों की तबियत खराब हो गई है। कहा कि व्यासनगर में यात्री ट्रेन को रोक कर मालगाड़ी लदे मालगाड़ियों को पार कराया जा रहा था।

कहा कि ट्रेन में पानी भी खत्म हो गया। इससे यात्रा करना मुश्किल हो रहा है। सूचना पाकर डिप्टी एसएस सहित अन्य अधिकारी भी पहुंच गए। यात्रियों को समझाया गया कि काफी देर तक गाड़ी रुकने के कारण एसी काम करना बंद कर चुका है।

ट्रेन चलने पर एसी भी चलने लगेगी। इस बीच लोको मंडलीय अस्पताल से डॉ. आरपी सिंह ने चिकित्साकर्मियों की टीम के साथ स्टेशन पर पहुंच गए। बीमार यात्रियों को दवाएं दी गई। वहीं ट्रेन में पानी भरा गया। तब जाकर यात्री शांत हुए और रात दो बजकर 14 मिनट पर ट्रेन आगे के लिए रवाना हुई। तब जाकर अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

एसी खराब होने के कारण डीडीयू जंक्शन पर हंगामा करते यात्री।

भुड़कुड़ा की श्वेता ने गाड़े सफलता के झंडे

नीट-2023

635 अंक प्राप्त कर परिवार व गांव का नाम किया रोशन

चंदौली/कंदवा। जनपद के शहाबगंज ब्लाक क्षेत्र के भुड़कुड़ा की श्वेता सिंह उन लोगों के सवाल का मुकम्मल जवाब है जो आज भी लड़का-लड़की में भेद करते हैं। लड़कों की चाह को प्राथमिकता देते हैं। श्वेता सिंह ने हाल में जारी हुए नीट की परीक्षा को न केवल पास किया, बल्कि इतने उम्दा अंक अर्जित किए कि उनका पूरा परिवार व गांव खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उन्होंने इंटरमीडिएट की पढ़ाई के दौरान ही चिकित्सक बनने के अपने लक्ष्य को निर्धारित किया और उसे पाने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ जुट गई। पहले दो प्रयासों में मिली सफलता मनमुताबिक नहीं होने के कारण उन्होंने दाखिला नहीं लिया, लेकिन तीसरे प्रयास में अच्छे अंक व रैंक हासिल करने में सफल रही।

उनकी इस सफलता की जानकारी होने ही परिवार के लोग खुशी से गदगद हो उठे। परिवार के लोगों ने होनहार बेटी को मिठाई खिलाकर अपनी सुखियां जाहिर की। साथ ही पीठ थपथपा कर उनके परिश्रम व मेहनत को सराहा। श्वेता के पिता रमेश सिंह एक प्राइवेट कम्पनी में कार्यरत है। उन्होने बताया कि बेटियां, बेटों से कम नहीं है। समय आ गया है कि समाज बेटा-बेटी में फर्क करने के सोच को बदले। बेटी श्वेता ने अपनी मेहनत से पूरे परिवार को गौरवान्वित होने का अवसर दिया है। यह पल हम सभी के लिए खुशियों भरा है। परिजनों ने बताया कि श्वेता सिंह ने नीट की परीक्षा में टोटल 720 अंकों में से 635 नम्बर लाकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। श्वेता ने नीट परीक्षा परिणाम में ऑल इंडिया रैंक 11553 हासिल किया। श्वेता ने बताया कि उन्होंने नीट की परीक्षा में तीसरी प्रयास में सफलता को हासिल की है। पहले भी दो बार परीक्षा दी थी लेकिन रैंक अच्छी नहीं होने के कारण एडमिशन नहीं लिया और फिर से परीक्षा को अच्छे अंक से उत्तीर्ण करने की तैयारियों में जुट गई और इस बार परिणाम सभी के सामने है।

कंदवा। उधारी, बरहनी विकास खण्ड के पई कुशी निवासी श्रेयश राय ने नीट की परीक्षा में कामयाबी का परचम लहराया है। उसकी इस उपलब्धि पर परिजन व जनपदवासी खुशी महसूस कर रहे है।नीट की परीक्षा में श्रेयश ने 635 अंक पाकर सामान्य वर्ग में 5544 रैंक पाया है। शनिवार को श्रेयश के चाचा देवेंद्र राय ने गांववासियों को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। श्रेयश के पिता रामकिशुन राय प्राइवेट स्कूल में शिक्षक व माता सविता राय गृहणी है। श्रेयश राय ने बताया कि इस उपलब्धि का सारा श्रेय पिता रामकिशुन राय, माता सविता राय व चाचा देवेंद्र राय को जाता है। उन लोगों के सहयोग व आशीर्वाद से आज इस मुकाम को पाने में सहूलियत मिल सका है। चाचा देवेंद्र राय ने बताया कि भतीजा के इस प्रयास से परिवार काफी खुश है। यह पल हम सभी के लिए खुशियों भरा है।

तेज धूप व भीषण गर्मी को देखते हुए 26 तक बंद रहेंगे आंगनबाड़ी केंद्र

जनसंदेश न्यूज

चंदौली। तेज धूप और भीषण गर्मी को देखते हुए जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे ने जनपद के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को 26 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित करने निर्देश दिया है। इस अवधि में सभी केंद्रों पर आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री उपस्थित रहते हुए पोषण ट्रैकर पर नियमित रूप से कार्य करेंगी।

जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद के शिक्षण संस्था प्राथमिक विद्यालय के एक से लेकर 5 वर्ग तक के बच्चों को ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया है। आंगनबाड़ी केंद्र प्राथमिक विद्यालय सहित अन्य शासकीय, अर्द्धशासकीय भवनों में संचालित है। आंगनबाड़ी केंद्रों पर आने वाले बच्चे प्राथमिक विद्यालय के बच्चे से भी छोटे व मासूम होते हैं।

वहां गर्मी से बचाव के लिए कोई साधन उपलब्ध नहीं है। इसलिए आंगनबाड़ी के बच्चों को अभिभावक के माध्यम से जागरूक करते हुए केंद्र संचालन बंद किया गया है। लेकिन आंगनबाड़ी केंद्रों पर अन्य सेवाओं से लाभ नियमित रूप से दिया जायेगा। ग्रीष्मकालीन अवकाश अवधि में सभी केंद्रों पर आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री अपने उपस्थित रहते हुए पोषण ट्रैकर पर नियमित रूप से कार्य करेंगी। वहीं आगनबाड़ी कार्यकर्त्री, मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री एवं सहायिकाएं लाभार्थियों को पोषण ट्रैकर पर आधार सत्यापन, ड्राई राशन वितरण, वजन व गृह भ्रमण सहित सामुदायिक गतिविधियों एवं अन्य शासकीय कार्यों का निष्पादन पूर्व की भांति करेंगी।

बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं मुख्य सेविकाएं केंद्रों का अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं निरीक्षण नियमित रूप से करते हुए आख्या की प्रति डीएम कार्यालय में प्रस्तुत करेंगी। उन्होंने आदेश का अनुपालन कड़ाई से करने का निर्देश दिया है। साथ ही चेताया कि इसमें किसी तरह की लापरवाही क्षम्य नहीं की जाएगी।

महिलाओं का करें सम्मान और दिलायें अधिकार : मीरा यादव

सकलडीहा। कस्बा के नागेपुर स्थित दुर्गा मंदिर पर शनिवार को मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत महिलाओं को महिला हेल्प लाइन के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान महिला दरोगा मीरा यादव ने मुख्यमंत्री हेल्प लाइन सहित अन्य अधिकार के प्रति जागरूक किया। महिला दरोगा मीरा यादव ने कहा कि महिलायें घर की लक्ष्मी होती है। महिलाओं को सम्मान करने पर परिवार में खुशहाली रहती है। अनादर करने पर समाज व परिवार दुरूखी रहता है। इसलिये हर संभव महिलाओं को उनका अधिकार और सम्मान करें। इसके पूर्व महिला सशक्तिकरण अभियान के तहत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1098, 1076, 112, 181, 1090 के बारे में बताया गया व जागरूक किया गया। अंत में समाजसेवी महिलाओं को सम्मानित किया गया। मौके पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के ब्लॉक मिशन प्रबंधक समर बहादुर वर्मा, आईपीआरपी उषा देवी, प्रधान प्रतिनिधि सुरेन्द्र यादव आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को जागरूक करते हुए महिला दरोगा मीरा यादव।

जन शिकायतों व समस्याओं को लेकर सरकार गंभीर

बोले डीएम

सम्पूर्ण समाधान दिवस में सात मामलों का मौके पर हुआ निस्तारण

जनसंदेश न्यूज

चंदौली। जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे व पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल की अध्यक्षता में तहसील पीडीडीयू नगर सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी ने संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान कहा कि फरियादियों की शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित किया जाय। जिलाधिकारी ने इस दौरान एक-एक फरियादी की समस्या सुनकर उसके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

कहा कि जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार गंभीर है। तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जिन विभागों से संबंधित जनता की शिकायतें दर्ज हो रही हैं, सभी संबंधित अधिकारी गंभीरता के साथ तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें। मौके पर जाकर संबंधित शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित कराएं। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी विभाग, तहसील, ब्लाक, थानों एवं कार्यालयों पर पर्याप्त साफ-सफाई व शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित रहे।

उन्होंने कहा कि आइजीआरएस पोर्टल से प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय-सीमा के अंदर प्रत्येक दशा में कराना सुनिश्चित हो। साथ ही जिलाधिकारी ने कहा कि उच्च स्तर से भी शिकायतों के निस्तारण का फीडबैक लिया जाता है अतः शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाना सुनिश्चित हो। जन शिकायतों के निस्तारण में शिथिलता एवं लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 80 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें से 07 का मौके पर निस्तारण किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस में ज्यादा शिकायत राजस्व विभाग की प्राप्त हुई। कहा कि शिकायत के निस्तारण में पारदर्शिता जरूरी है इसका विशेष रूप ध्यान रखा जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व व भूमि विवाद से संबंधित शिकायतों का मौके पर जाकर फौरन निस्तारण सुनिश्चित किया जाय।

सभी संबंधित विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि फरियादियों की शिकायतों का नियम सम्मत समाधान फौरन सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी, प्रभागीय वनाधिकारी, जिला विकास अधिकारी, पीडी डीआरडीए, उप जिलाधिकारी पीडीडीयू, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, पीओ डूडा, सहायक निदेशक मत्स्य, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिला बाल विकास पुष्टाहार अधिकारी, तहसीलदार, क्षेत्राधिकारी, सोशल सेक्टर के अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीडीयू नगर तहसील में आमजन की फरियाद सुनते डीएम व एसपी।

संक्षेप

सीएम के फरमान के बाद भी चहनियां में हो रही बिजली कटौती

चहनियां। मुख्यमंत्री के फरमान के बावजूद चहनियां कस्बे में भीषण बिजली कटौती हो रही है। कस्बा में विभागीय अधिकारियों की लापरवाही से विगत तीन माह से कस्बा में लोग इस उमस भरी भीषण गर्मी में बिना बिजलीं के जीवनयापन कर रहे है। इस क्षेत्र में केंद्रीय मंत्री का फरमान का भी अधिकारियों पर असर नहीं दिख रहा है। चहनियां कस्बा में लगा सौ केवीए के ट्रांसफार्मर में एनसीबी लगा है। जिसमे लगभग सौ के करीब कनेक्शन धारी है। बिजली विभाग के लोग हर घर में 2 किलो वाट का कनेक्शन कर दिए है। इस हिसाब से ट्रांसफार्मर की क्षमता नहीं बढ़ायी गयी। ऊपर से सौ केवीए के ट्रांसफार्मर में एनसीबी लगने पर ओवरलोड होकर एनसीबी बार बार गिर रहा है, जो 24 घण्टे में दर्जनों बार गिर जाता है। ट्रांसफार्मर से बार बार एनसीबी उठाने के लिए जेई या लाइनमैन को फोन करो तो फोन भी नहीं उठाते है। विगत तीन माह से इस भीषण गर्मी में कस्बा के लोगों को कुल मिलाकर मात्र 8 या 9 घण्टे सप्लाई ही मिल रही है जबकि मुख्यमंत्री का निर्देश है कि किसी भी कीमत पर सप्लाई न कटे। कस्बावासियों का कहना है कि अधिकारीयो के ऊपर केंद्रीय मंत्री डा.महेन्द्र नाथ पाण्डेय का निर्देश भी बेअसर है। विभागीय अधिकारी समस्यायों को दूर करने के बजाय केवल एक अभियान अवैध वसूली में मस्त है। कस्बावासियों ने चेतावनी दी है कि यदि समस्यायों का निस्तारण नही होता है तो इस बार भाजपा को वोट नही देंगे।

विधायक रमेश ने बबुरी में सुनी जनसमस्याएं

बबुरी। ग्राम सभा बबुरी के पंचायत भवन पर शनिवार को मुगलसराय विधायक रमेश जायसवाल के जनसुनवाई कार्यक्रम के दूसरे सप्ताह में लोगों ने अपनी समस्याओं को विधायक के सामने रखा। इस दौरान विधायक रमेश जायसवाल ने जन सुनवाई में लोगों की समस्याओं को गंभीरता के साथ सुना और दर्जनों समस्याओं का निस्तारण किया। बबुरी उपखंड अधिकारी अमर सिंह पटेल द्वारा बिल संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए शिविर भी लगाया गया। इस शिविर में पूरे बबुरी उपकेंद्र के समस्त गांव के उपभोक्ताओं ने अपने मीटर और बिल संबंधित समस्या को रखा। इस शिविर में दर्जनों उपभोक्ताओं की समस्या का समाधान हुआ। लोगों ने विधायक की सराहना की। इस मौके पर बसंत लाल गुप्ता, नारायण जयसवाल, शशि प्रकाश गांधी, सोनू केसरी, सुशील जायसवाल, गगन सिंह इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

योग मैराथन 19 जून को

डीडीयू नगर। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के विस्तार एवं भव्यता के लिए 19 जून दिन सोमवार को पतंजलि योग समिति द्वारा योग मैराथन का आयोजन प्रातः काल 6 से 8 तक सुभाष पार्क पीडीडीयू नगर से पतंजलि जिला कार्यालय जीटी रोड अलीनगर तक किया गया है। जिसके लिए पतंजलि योग समिति जनपद के सभी सम्मानित लोगों से निवेदन करती है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर योग मैराथन में प्रतिभाग कर योग की महत्ता को बढ़ाए। यह जानकारी पतंजलि योग समिति के जिला मीडिया प्रभारी अंजनी कुमार चौबे ने दिया।

गोलीकांड का आरोपी फरार, शरणदाता हुए गिरफ्तार

डीडीयू नगर। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के जीटी रोड स्थित पान विक्रेता को गोली मारने वाला आरोपित गुड्डू पाठक अभी तक पुलिस के हाथ नहीं लगा है। ऐसे में पुलिस आरोपित के शरणदाताओं को उठा रही है। पुलिस ने आरोपित के साले बिहार के भभुआ के चैनपुर निवासी श्याममोहन तिवारी और चाचा गोधना निवासी रामजनम पाठक को पकड़कर शनिवार को सीजेएम कोर्ट में पेश किया। न्यायालय के आदेश पर दोनों को जेल भेज दिया गया। पुलिस आरोपित की सरगर्मी से तलाश कर रही है। मुगलसराय में 15 जून की रात गुड्डू पाठक का पान के बकाये पैसे के भुगतान को लेकर पान विक्रेता जगदीश चौरसिया से विवाद हो गया था। इसके बाद आरोपित ने पान विक्रेता को गोली मार दी थी। लोग जब उसे पकड़ने के लिए दौड़े तभी हवाई फायरिंग करता हुआ स्कार्पियों में सवार होकर वहां से फरार हो गया था। घायल पान विक्रेता को बीएचयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना के बाद पुलिस महकमे में खलबली मची है। आरोपित को अभी तक पुलिस पकड़ नहीं सकी है। ऐसे में उसके शरणदाताओं पर शिकंजा कस रही है, ताकि आरोपित का कोई सुराग हाथ लग सके। मुगलसराय कोतवाल दीनदयाल पांडेय ने बताया कि आरोपित के कई और शरणदाता चिह्नित किए गए हैं। जल्द ही उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर लगातार दबिश दी जा रही है। शीघ्र ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अवैध खननः एसडीएम ने छह ट्रैक्टर-ट्राली को किया सीज

नियामताबाद। उप जिलाधिकारी अविनाश कुमार के नेतृत्व में अवैध खनन करने वालों पर एक बार पुनः छापेमारी की गई। जिसमें छह ट्रैक्टर ट्राली को कब्जे में लेकर थाने को सुपुर्द कर दिया। वही मौके से कई खनन कारोबारी अपना ट्रैक्टर ट्राली लेकर भागने में सफल रहे। डीडीयू नगर एसडीएम ने अवैध खनन करने वालों पर एक बार फिर से कार्रवाई करके हड़कंप मचा दी। वही अलीनगर थाना क्षेत्र व मुगलसराय क्षेत्र में बीती रात नायब तहसीलदार नीरज चतुवेर्दी द्वारा अभियान चलाकर मिट्टी के अवैध खनन कर रहे छः ट्रैक्टर व ट्राली को कब्जे लेकर सीज कर दिया। जबकि अधिकारियों की गाड़ी आती देख खनन माफिया ट्रैक्टर ट्राली लेकर भागने लगे। इसके बाद अधिकारियों ने पुलिस की मदद से सभी ट्रैक्टर-ट्राली को कब्जे में ले लिया। वहीं मौके से कई खनन कारोबारी अपना ट्रैक्टर ट्राली लेकर भागने में सफल रहे। इस संबंध में उप जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने बताया कि अलीनगर थाना क्षेत्र में पांच ट्रैक्टर को सीज किया गया है। वही मुगलसराय कोतवाली अंतर्गत जलीलपुर चौकी की पर एक ट्रैक्टर को सीज किया गया है। वही ट्रैक्टरों को कब्जे में लेकर थाना को सुपुर्द कर दिया गया। छापेमारी के दौरान नायब तहसीलदार नीरज चतुवेर्दी उपस्थित रहे।

दबंगई करने वालों पर दर्ज कराएं एफआईआरः एडीएम

सकलडीहा। अपर जिलाधिकारी उमेश चन्द्र मिश्र और अपर पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह के नेतृत्व में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर कुल 55 प्रार्थना पत्र में पांच शिकायतों का त्वरित निस्तारण किया गया।शेष संबंधित अधिकारियों को सौंपा दिया गया। एडीएम उमेश चन्द्र मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि फरियादियों का समस्या गुणवत्तापूर्ण समन्वय बनाकर निस्तारित करे। एक समस्या का निस्तारण होने के बाद दोबारा उसपर किसी प्रकार की दबंगई या कब्जा करने की शिकायत आने पर एफआईआर दर्ज कराये। समस्या को दूर नही कराने पर संबधी अधिकारी और कर्मचारी दंडित होंगे। हर हाल में पुलिस और राजस्व टीम आपस में तालमेल बनाकर समस्या का निस्तारण करें। हर समस्या की मॉनिटरिंग लखनऊ से हो रहा है। अंत में 55 में पांच समस्या का मौके पर निस्तारित कराया गया। इस मौके पर एसडीएम मनोज पाठक, सीओ राजेश कुमार राय, तहसीलदार विकासधर दूबे, नायब तहसीलदार अमित सिंह, मोहम्मद आरिफ, प्रभुनाथ यादव, ध्रवेश, ज्वाइंट बीडीओ केके सिंह, पूर्ति निरीक्षक अमित, केके मिश्रा, एसडीओ संजय कुमार सहित अन्य विभाग के अधिकारी और पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

स्पोर्ट्स

पहलवानों ने अगस्त में ट्राय कराने का खेल मंत्रालय से अनुरोध किया

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने एशिया ओलंपिक परिषद (ओसीए) से संपर्क कर एशियाई खेलों के लिए देश की कुश्ती टीम का विवरण मुहैया कराने की तारीख 15 जुलाई से बढ़ाने की मांग की क्योंकि पहलवानों ने खेल मंत्रालय से अगस्त में ट्राय कराने का अनुरोध किया है। आईओए को 15 जुलाई तक सभी वर्गों की सूची ओसीए को देनी है। डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) ने सभी राष्ट्रीय महासंघों को 30 जून तक अपने संबंधित चयनित खिलाड़ियों के अंतिम सूची जमा करने को कहा है। बजरंग पूनिया सहित विरोध करने वाले पहलवान अब एशियाई खेलों के ट्रायल में भाग लेने के इच्छुक हैं, लेकिन उन्हें शारीरिक फिटनेस हासिल करने के लिए कुछ समय चाहिए। ये पहलवान डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लंबे समय से चले आ रहे विरोध प्रदर्शन के कारण तैयारी नहीं कर सके है।

बांग्लादेश की टेस्ट में सबसे बड़ी जीत: अफगानिस्तान को 546 रन से हराया, शांतो ने दोनों पारियों में शतक जमाया

21वीं सदी की सबसे बड़ी जीत बांग्लादेश के नाम, ऑस्ट्रेलिया का 112 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली। बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को इकलौते टेस्ट मैच में 546 रनों से हराया। ये बांग्लादेश की टेस्ट में सबसे बड़ी जीत है, जबकि इंटरनेशनल टेस्ट इतिहास में किसी भी टीम की रनों के लिहाज से तीसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले इंग्लैंड ने 1928 में ऑस्ट्रेलिया को 675 रनों से हराया था, जबकि 1934 में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 562 रनों से हराया था। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरी पारी में मिले 662 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की टीम 115 रन ही बना सकी।

अफगानिस्तान ने चौथे दिन आखिरी 5 विकेट 35 रन के अंदर गंवा दिए। बांग्लादेश की ओर से नजमुल हुसैन शांतो ने दोनों पारियों में शतक लगाए। इसके अलावा बांग्लादेश की ओर से शोरीफुल इस्लाम और एबोदत हुसैन ने दोनों पारियों में 5-5 विकेट लिए। इससे पहले बांग्लादेश ने टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 382 रन और दूसरी पारी में 4 विकेट पर 425 रन बनाने के बाद पारी घोषित कर दी। वहीं अफगानिस्तान ने पहली पारी में 146 और दूसरी पारी में 115 रन बनाए।

अफगानिस्तान ने दूसरी पारी में जल्दी-जल्दी विकेट गंवाए

अफगानिस्तान ने चौथे दिन दूसरी पारी में 30 रन के अंदर 3 और 35 रन के अंदर 5 विकेट गंवा दिए। चौथे दिन 45/2 से आगे खेलने उतरी अफगानिस्तान की टीम ने तीसरा विकेट जल्द ही गंवा दिया। अफगानिस्तान के 48 रन के स्कोर पर नासीर जमाल आउट हो गए। उनका विकेट एबादोत हुसैन ने विकेटकीपर लिटन दास के हाथों कैच कराकर लिया। अफगानिस्तान की दूसरी पारी में नासीर के बाद अफसर जजाई और बासिर शाह भी जल्द ही लौट गए। अफगानिस्तान के 78 रन के स्कोर पर आधे खिलाड़ी आउट हो चुके थे। उसके बाद आए खिलाड़ी भी कुछ खास नहीं कर पाए और 35 रन के अंदर ही आखिरी 5 विकेट गिर गए। इस तरह 662 रनों के टारगेट के जवाब में 115 रन ही बना सकी।

नजमुल हुसैन शांतो ने दोनों पारियों में लगाए शतक

बांग्लादेश की ओर से नजमुल हुसैन ने दोनों पारियों में शतक लगाए। उन्होंने 270 रन बनाए। शांतो ने पहली पारी में 175 गेंदों पर 146 रन और दूसरी पारी में 151 गेंदों पर 124 रन बनाए। मोइनुल हक बांग्लादेश की ओर से दूसरे टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 136 रन बनाए। हक पहली पारी में 15 रन और दूसरी पारी में 145 गेंदों पर 121 रन बनाकर नाबाद रहे।

शोरीफुल इस्लाम और एबोदत हुसैन सफल गेंदबाज रहे

बांग्लादेश की ओर से शोरीफुल इस्लाम और एबोदत हुसैन सबसे सफल गेंदबाज रहे। दोनों ने दोनों पारियों को मिलाकर 5-5 विकेट लिए। शोरीफल इस्लाम ने पहली पारी में 8 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट और दूसरी पारी में 10 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट लिए। एबोदत हुसैन ने 10 ओवर में 47 रन देकर 4 विकेट लिए और दूसरी पारी में 7 ओवर में 22 रन देकर 1 विकेट लिया।

बॉलीवुड न्यूज

फादर्स डे के लिए सोनी सब के कलाकारों ने दी शुभकामनाएं

इंदौर। हर युवा सपने के पीछे एक अद्भुत पिता होता है, जो अपना ज्ञान, क्षमता और अंतहीन प्यार देता है। आज, मैं अपने पिता, मेरे मार्गदर्शक का सम्मान करना चाहती हूं, जिनके अटूट समर्थन के कारण ही मैं आज यहां मौजूद हूं। मेरे सफल होने के लिए उन्होंने जो अनगिनत बलिदान दिए हैं, उनके लिए मैं हमेशा उनकी आभारी रहूंगी। चाहे मेरे आंसू पोंछने की बात हो या मेरी खुशी में खुश होने की, वह मेरे जीवन के हर छोटे–बड़े पड़ाव में, मेरे साथ रहे हैं। मेरे ऑफ-स्क्रीन पिता की तरह, मेरे ऑन-स्क्रीन पिता भी उतने ही लाजवाब हैं। सुमीत सर का किरदार राजेश वागले ऐसे सबसे प्रेरक और विचारशील पिता हैं, जो कोई लड़की चाह सकती है। ड्राइविंग के डर को दूर करने में उसकी मदद करने से लेकर उसे विदेश में पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने तक, वह किसी सपने की तरह शानदार रहे हैं। इसलिए उन दोनों को मेरे हीरो और मेरी प्रेरणा बनने के लिए धन्यवाद। फादर्स डे की शुभकामनाएं! शीहान कपाही ने कहा कि मेरे पिता मेरे सबसे बड़े समर्थक रहे हैं। जब मैं वागले की दुनिया में शामिल हुआ था, तो उन्होंने मेरे साथ रहने के लिए अपने ऑफिस से लंबा ब्रेक ले लिया था क्योंकि यह मेरा पहला शो था। उन्होंने मेरे डायलॉग्स को पढ़ने और समझने के साथ ही, सेट पर जाने से पहले मेरी स्क्रिप्ट का पूर्वाभ्यास करने में भी मेरी मदद की।

रामायण बनेगी भारत की सबसे बड़ी फिल्म

मुंबई। इंडस्ट्री के बेहतरीन पेशेवरों को साथ लाते हुए निमार्ता नमित मल्होत्रा भारत की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म को निर्मित करने की तैयारी कर रहे हैं। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित, यह मैग्नम ऑपस एक एपिक मेथेलॉजिकल ड्रामा होने जा रही है, जिसे भारतीय सिनेमा में कभी नहीं बनाया गया है। इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाया जाएगा, जिसमें कुछ हाई ऑक्टेन विजुअल्स होंगे, जो पहले कभी नहीं देखे गए हैं। अत्याधुनिक उपकरणों, तकनीकों और इफेक्ट्स को लागू करने के साथ, दुनिया भर के काबिल पेशेवरों की सबसे बड़ी टीम द्वारा इस शानदार काम को किया जा रहा है, जिसपर नितेश तिवारी के निर्देशन में पूरे जुनून से काम किया जा रहा है। रामायण की दुनिया बनाने के लिए एक बड़ी वीएफएक्स टीम, सबसे बड़ी कास्ट और मेगा सेट बनाए जा रहे हैं।

अंबाति रायुडू ने संन्यास से फिर लिया यूटर्न सीएसके फ्रैंचाइजी से जुड़े, शेयर किया फोटो

आइपीएल 2023 के रुप में अपना छठा खिताब जीतने के साथ ही अंबाती रायुडू ने क्रिकेट को अलविदा कह दिया। रायुडू अब आइपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते नजर नहीं आएंगे। हालांकि रिटायरमेंट के बावजूद रायुडू का सीएसके फ्रैंचाइजी से नाता नहीं टूटा है। दरअसल, चेन्नई सुपर किंग्स का ये पूर्व क्रिकेटर मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी 2023) के पहले सीजन में टेक्सास सुपर किंग्स की ओर खेलते दिखाई देंगे। टेक्सास सुपर किंग्स का स्वामित्व चेन्नई सुपर किंग्स के पास है। ऐसे में रायुडू एक बार फिर सीएसके के लिए कमाल करने के लिए तैयार हैं। अंबाती रायुडू ने ट्विटर पर अपना फोटो शेयर करते हुए टेक्सास से जुड़ने की जानकारी फैंस के साथ साझा की। उन्होंने लिखा, वही येलो लव... अलग महाद्वीपद्ध उत्साहित। टेक्सास सुपर किंग्स ने एमएलसी 2023 के पहले सीजन के लिए ड्वेन ब्रावो, डेवोन कॉन्वे, मिशेल सेंटनर और अंबाती रायुडू के साथ करार किया है. इस तरह टेक्सास सुपर किंग्स में भी चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ियों का जमघट लग गया है। ड्वेन ब्रावो आइपीएल में सीएसके के कोचिंग स्टॉफ का हिस्सा हैं जबकि डेवोन कॉन्वे और मिचेल सेंटनर इस साल आइपीएल में धोनी की कप्तानी में आइपीएल खिताब जीतने में सफल रहे।

वनडे विश्व कप का इंतजार खत्म, 18 जून से शुरू होंगे क्वालीफायर मुकाबले, दो स्थान के लिए 10 दावेदार

भारत के अलावा इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका का स्थान पक्का

नई दिल्ली। वनडे विश्व कप 2023 के क्वालिफायर राउंड की शुरूआत 18 जून से हो रही है। भारत में पांच अक्तूबर से 19 नवंबर के बीच होने वाले टूर्नामेंट के लिए आठ टीमें सीधे क्वालिफाई कर चुकी हैं। मेजबान भारत के अलावा इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका ने अपना स्थान पक्का कर लिया है। वहीं, बाकी के दो स्थानों के लिए 10 दावेदार हैं। इन्हीं 10 टीमों के बीच 18 जून से नौ जुलाई तक क्वालिफाइंग राउंड होगा।

दो स्थान के लिए इन 10 टीमों में टक्कर

क्वालिफाइंग राउंड में खेलने वाली 10 टीमें जिम्बाब्वे, वेस्टइंडीज, नीदरलैंड, श्रीलंका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, ओमान, नेपाल, अमेरिका और यूएई हैं। इनमें से वेस्टइंडीज और श्रीलंका के मुख्य राउंड में खेलने की संभावना सबसे ज्यादा है, क्योंकि यही दो टीमें सबसे मजबूत हैं और पहले विश्व चैंपियन भी बन चुकी हैं। क्वालिफाइंग राउंड में भाग लेने वाली 10 टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप-ए में वेस्टइंडीज, जिंबाब्वे, नीदरलैंड, नेपाल और अमेरिका को रखा गया है। ग्रुप-बी में श्रीलंका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, ओमान और यूएई को रखा गया है।

मुख्य दौर में पहुंचेंगी फाइनल खेलने वाली टीमें

दोनों ग्रुप की टीमें आपस में एक-एक मैच खेलेंगी और दोनों ग्रुप की शीर्ष तीन टीमें सुपर छह राउंड में जगह बनाएंगी। यहां अच्छा प्रदर्शन करने वाली दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी और विश्व कप के मुख्य दौर में भी जगह बना लेंगी। यही दोनों टीमें भारत में होने वाले मुख्य राउंड में खेलेंगी। विश्व कप का क्वालिफाइंग राउंड जिम्बाब्वे में खेला जा रहा है। सभी मैच जिम्बाब्वे के चार मैदानों में होंगे। ये मैदान हैं- हरारे स्पोर्ट्स क्लब, ताकाशिंगा स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो एथलेटिक क्लब और बुलावायो का क्वींस स्पोर्ट्स क्लब। यहां की विजेता और उपविजेता टीम भारत में दुनिया की शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलेगी। विश्व कप के मुख्य राउंड का शेड्यूल भी जल्द जारी होने की संभावना है।

भक्तों को सर्वथा अपेक्षा से रहना चाहिए दूर

राम कथा सुनाते आनंद शास्त्री

रामगढ़। चतरा ब्लॉक के भटपुरवा भवानी गांव स्थित अष्टसिद्धि उत्तराभिमुख बाल हनुमान मंदिर परिसर में चल रही कथा के सातवें दिन शनिवार को वृंदावन से पधारे आनंद शास्त्री ने संबंधों को मधुर बनाए रखने की अपील की। जनक जी के माध्यम से बताया कि अगर किसी के पास सम्बन्धियों को प्रसन्न कर सके, ऐसे दो शब्द नही हैं, तो वो संसार का सबसे निर्धन और दरिद्र व्यक्ति है।

जीव के सभी पापों का प्रायश्चित है, किन्तु कृतघ्नता का कोई प्रायश्चित नही है। राम और निषाद की मित्रता का उदाहरण देते हुए बताया कि राम को दलित विरोधी सिद्ध करना ये षड्यंत्रकारियों का कुकृत्य है। जिन्होंने अपने जीवन में सबसे अधिक दलितों, वनवासियों और पिछड़ों पर ही कृपा की हो, उनके प्रति समाज को भड़काना ये एक व्यापक षड्यंत्र है। केवट की कथा के माध्यम से बताया कि भक्त को सर्वथा अपेक्षा से दूर रहना चाहिए। व्यक्ति धन नहीं अपितु स्वभाव से दरिद्र होता है। बताया कि जो अपनी सेवा से अपने माता पिता को प्रसन्न किये हुए हैं, वह व्यक्ति घर बैठे प्रयाग में गोते लगा रहा है। सारे तीर्थ सूक्ष्मरूप से माता पिता के चरणों में वास करते हैं। इस मौके पर रामदास महाराज, कार्यक्रम के संयोजक रविप्रकाश चौबे, अरुणदेव पाण्डेय, अशोक चौबे, रमाकांत पाण्डेय, दयाशंकर देव, राहुल सिंह, दामोदर देव, अश्वनी सिंह, पंकज पाण्डेय, प्रकाश, मनोज सिंह, मुन्ना पाण्डेय, भोला गुप्ता समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

रैना से पूछकर धोनी ने बदली थी टीम, दो साल बाद पूर्व क्रिकेटर ने खुद किया खुलासा

मुंबई। सुरेश रैना आईपीएल इतिहास के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 200 पारियां खेली हैं और पांच हजार से ज्यादा रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 39 अर्धशतक भी लगाए। हालांकि, आईपीएल 2023 में वह चेन्नई की प्लेइंग 11 से बाहर हो गए और इसके बाद आईपीएल में कोई मैच नहीं खेले। रैना को टीम से बाहर करने के लिए धोनी को फैंस की आलोचना का भी सामना करना पड़ा था। अब सुरेश रैना ने इस बारे में खुलकर बात की है। आईपीएल 2023 में चेन्नई की टीम में सुरेश रैना की जगह रॉबिन उथप्पा को मौका दिया गया था और उन्होंने कुछ अच्छी पारियां भी खेली थीं। चेन्नई की टीम इस सीजन चैंपियन भी बनी थी। आईपीएल 2021 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में सुरेश रैना की जगह रॉबिन उथप्पा चेन्नई के लिए खेले थे। धोनी ने टॉस के समय कहा था कि रैना फिट नहीं हैं। हालांकि, इसके बाद कभी भी चेन्नई की टीम में रैना की वापसी नहीं हुई। रॉबिन उथप्पा के साथ बातचीत के दौरान, रैना ने खुलासा किया कि दाएं हाथ के बल्लेबाज को मौका देना एक रणनीतिक कदम था और सीएसके के कप्तान धोनी ने इसके लिए उनसे सलाह ली थी। रैना ने कहा ₹जब एमएस धोनी और मैंने बात की, तो मैंने उन्हें सुझाव दिया कि 'आपको रॉबिन उथप्पा को मौका देना चाहिए'। उन्होंने (धोनी) ने आपसे खेलने के लिए मुझसे अनुमति ली और मैंने उनसे कहा कि 'वह आपको फाइनल जिताने वाला खिलाड़ी है, मुझ पर भरोसा करें' रैना ने उथप्पा को जियो सिनेमा के लिए बातचीत के दौरान बताया। रैना ने कहा कि धोनी अंत तक उन्हें मौका देना चाहते थे। हालांकि, रैना ने कहा कि उथप्पा मैच खेलने के हकदार हैं और धोनी मान गए। रैना ने बताया एमएस धोनी ने कहा कि 'देखिए हम 2008 से साथ खेले हैं लेकिन मैं इस सीजन को जीतना चाहता हूं। अब, आप मुझे बताएं कि मुझे क्या करना है'। मैंने कहा ₹रॉबिन को नंबर तीन पर मौका दें और सुनिश्चित करें कि वह फाइनल तक प्लेइंग इलेवन में रहें।' यदि आप जीतते हैं, तो सीएसके जीतेगा। चाहे मैं खेलूं या उथप्पा, रॉबिन और रैना एक ही हैं। उथप्पा ने आईपीएल 2021 में चार मैचों में 136.90 की स्ट्राइक रेट से 115 रन बनाए और सीएसके ने फाइनल में कोलकाता नाइट राइडर्स को 27 रन से हराकर खिताब जीता।

गंगा नहाने गए दो किशोरों की डूबने से मौत

कछवां मीरजापुर। थाना क्षेत्र के बजहां गांव निवासी दो बालक शनिवार को गंगा स्नान के दौरान गहरे पानी में जाने से डूब गये। बताया गया कि बजहां गांव निवासी अनुज कुमार पुत्र वंशराज उम्र करीब आठ वर्ष व आलोक पुत्र हंसराज उम्र करीब नौ वर्ष दोनों बालक अपने फूफा साहबलाल निवासी जौनपुर के साथ गंगा स्नान करने गये हुए थे। वहीं फूफा एक बाईक पर तीन बच्चों को बैठाकर गंगा स्नान करने घाट किनारे ले गया। और बच्चों को गंगा स्नान करने से मनाकर दो और बच्चों को लाने चला आया।

इस दौरान घाट किनारे तीनों बच्चे फूफा की बात ना मानकर गंगा में अठखेलियां कर रहे थे। कि अनुज और आलोक गहरे पानी में चले गये और दोनों डूब गए तो तीसरा बालक उन लोगों को खोजने लगा। और जोर जोर से चिल्लाने लगा। जिसके पश्चात दो

हादसा

ग्रामीणों की मदद से शव निकाला गया बाहर डॉक्टर ने घोषित किया मृत

और बच्चों को लेकर पहुंचे फूफा ने पूछा तो सारी घटना बताने लगा। वही आनन-फानन में फूफा भी गंगा में छलांग लगाई और खोजबीन करने लगा। घटना की सूचना गांव में आग की तरह फैल गई।

ग्रामीणों की भीड़ भी जुट गई। काफी देर के बाद ग्रामीणों की मदद से दोनों को बाहर निकाला गया और तत्काल कछवां क्रिश्चियन हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जिसकी सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने देर शाम दोनों के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

शराब तस्कर गिरफ्तार

डीडीयू नगर। जीआरपी ने शनिवार को रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या- 1/2 के पूर्वी छोर स्टेशन नाम पट्टिका बोर्ड के पास से एक शराब तस्कर 40 शीशी अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया। जिसके खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की गई।

प्रमुख सचिव नियोजन ने मेडिकल कॉलेज का लिया जायजा

नौबतपुर स्थित मेडिकल कालेज का जायजा लेते प्रमुख सचिव नियोजन।

चंदौली। प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार शनिवार को जनपद दौरे पर थे। इस दौरान नौबतपुर में निमार्णाधीन बाबा कीनाराम मेडिकल कॉलेज का आकस्मिक निरीक्षण कर निर्माण कार्य की भौतिक प्रगति का जायजा लिया गया।

मौके पर कार्यदायी संस्था को निर्देशित करते हुए प्रमुख सचिव ने कहा कि शासन की शीर्ष प्राथमिकता की इस परियोजना के निर्माण कार्य निर्धारित की गई है तय समय-सीमा में प्रत्येक दशा में पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित हो। निर्माण कार्य की प्रगति लगातार बनी रहे। आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त संख्या में मैन पावर बढ़ाकर कार्य को पूर्ण कराया जाए। प्रमुख सचिव द्वारा मेडिकल कॉलेज के मुख्य भवन लाइब्रेरी, लेक्चर, क्लास रूम, कैंटीन, आवास, छात्रावास, बिल्डिंग आदि का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रमुख सचिव नियोजन ने निर्देशित किया कि निर्माण कार्य एवं उपयोग की जा रही सामग्रियों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रहे।

उन्होंने निर्माण कार्य को जुलाई माह के अंत तक प्रत्येक दशा में पूर्ण करा लिये जाने के निर्देश कार्यदाई संस्था को दिए। कहा कि कार्य की गति को बढ़ाने के साथ ही उसकी गुणवत्ता व मानक का भी ध्यान देने का निर्देश दिया। इस दौरान जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे, पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल, डा. उर्मिला सिंह उपस्थित रहे।

मांसपेशियों की खिंचाव से लगातार उबर रहे नीरज

पानीपत। देश के गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा अपनी मांसपेशियों की खिंचाव से लगातार उबर रहे हैं। वह बहुत जल्द ठीक हो जाएंगे हैं। इसकी जानकारी एएफआई के कोच राधाकृष्णन नायर ने भुवनेश्वर में इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए एक प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने कहा कि चोट के कारण यूरोप में बैक-टू-बैक टूर्नामेंट से चूकने वाले नीरज चोपड़ा के इस महीने के अंत तक फिट होने की उम्मीद है। नीरज चोपड़ा ने पिछले सप्ताह अपना प्रशिक्षण शुरू किया और इस महीने के अंत तक स्वास्थ होने वाले हैं। हालांकि नीरज पहले की तरह प्रैक्टिस में दमखम नहीं दिखा पा रहे हैं। लेकिन वह जल्द ही ठीक हो जाएंगे। बता दें कि नीरज ने पावो नूरमी खेलों से अपना नाम वापस ले लिया था। ये प्रतियोगिता 13 जून को फिनलैंड के तुर्कू में हुई थी। मई में दोहा डायमंड लीग जीतकर अपने सीजन की शुरूआत करने वाले नीरज चोपड़ा ने 4 जून में नीदरलैंड में हुई एफबीके गेम्स में भी हिस्सा नहीं लिया था।

जन आकांक्षाओं के अनुरूप होगा चंदौली नगर का विकास

बोले सुनील यादव

नगर पंचायत चंदौली सभागार में चेयरमैन ने ईओ व सभासदों संग की बैठक

नगर पंचायत चंदौली सभागार में वार्ड सभासदों संग बैठक करते चेयरमैन।

चंदौली। नगर पंचायत चंदौली के बोर्ड की बैठक शनिवार को कार्यालय सभागार में हुई। इस दौरान चेयरमैन सुनील यादव गुड्डू की अध्यक्षता में वार्ड सभासदों व अधिशासी अधिकारी शिवकुमार के साथ ही तीन बिंदुओं पर चर्चा की। इस दौरान 15वां वित्त आयोग के अंतर्गत टाइड व अनटाएड ग्रांट से प्राप्त धनराशि के उपयोग पर विचार विमर्श किया गया।

इस दौरान चेयरमैन सुनील यादव गुड्डू ने कहा कि 15वां वित्त आयोग की धनराशि का उपयोग शासन के नियमानुसार कार्यवाही को स्वीकृति प्रदान कर नगर के विकास को गति देने का काम किया जाएगा। बताया कि नगर के प्रमुख मार्गों, नालियों के निर्माण के प्रस्ताव व डीपीआर को तैयार कर शासन को भेजा जाएगा, ताकि आवश्यकता के हिसाब से जनता को लाभान्वित किया जा सके। कहा कि नगर के तालाबों का सुंदरीकरण प्राथमिकता में है। तालाबों के सुंदरीकरण के लिए प्रस्ताव व डीपीआर तैयार कर शासन को भेजने की कार्यवाही होगी।

बताया कि वार्डों के विकास में सभासदों के प्रस्ताव को प्राथमिकता देकर विकास कार्यों को गति दी जाएगी, ताकि जन आकांक्षाओं के अनुरूप नगर का विकास हो और लोगों को अच्छी सड़कें, साफ-सफाई वाला माहौल मिल सके। कहा कि नगर की साफ-सफाई को लेकर संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए गए है। यदि किसी भी इलाके में कोई भी कमी दिखे तो उसे अवगत कराएं। इस अवसर पर ओपी सिंह, विजय जायसवाल, राजेश माली, तबरेज अंसारी, संजय कन्नौजिया, शंभू श्रीवास्तव, रौशन यादव, दिलीप जायसवाल, राकेश गुप्ता, वकील सोनकर, घनश्याम पाठक, इकबाल अहमद आदि उपस्थित रहे।

सिर से पांव तक फिट रखता है सूर्य नमस्कार : जय सिंह

योगाभ्यास

रन फार योग टीम को कुलपति ने हरी झंडी दिखा किया रवाना

योग से संबंधित पोस्टर प्रतियोगिता का भी किया गया आयोजन

जनसंदेश न्यूज

सूर्य नमस्कार के आसनों का अभ्यास करते पूविवि के कर्मचारी व विद्यार्थी

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मुक्तांगन परिसर में विश्वविद्यालय की ओर से शनिवार को तीसरे दिन मुख्य प्रशिक्षक जय सिंह गहलोत एवं सहायक प्रशिक्षक विकास सिंह ने सूर्य नमस्कार के 12 आसनों का अभ्यास कराया। योगाभ्यास में शिक्षक, कर्मचारियों विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। योगाभ्यास में सूर्य नमस्कार के आसन कराए गये।

मुख्य प्रशिक्षक जय सिंह गहलोत ने कहा कि सूर्य नमस्कार से ह्रदय, यकृत, अंत, पेट, छाती, गला, पैर, शरीर के सभी अंगों को बेहतर लाभ पहुंचाता है। सूर्य नमस्कार सिर से लेकर पैर तक शरीर के सभी अंगों को फिट रखता है। यही कारण है की सभी योग शिक्षक इसके अभ्यास पर विशेष ध्यान देते हैं। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार के अभ्यास से शरीर मन और आत्मा सबल होते हैं। पृथ्वी पर सूर्य के बिना जीवन संभव नहीं है। सूर्य नमस्कार से शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक और मनोवैज्ञानिक लाभ होते हैं। इसके बाद रन फार योग एवं नशा मुक्त भारत पर हाफ मैराथन दौड़ का भी आयोजन किया गया।

कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने झंडी दिखाकर टीम को रवाना किया। इसमें युवा शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया तथा योग को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करने का प्रण लिया। प्रतिभागियों ने मैराथन दौड़ के माध्यम से यह भी प्रण लिया कि वे अपने जीवन में स्वयं किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहेंगे तथा अपने परिवार व समाज के अन्य लोगों को भी किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे।

योग सप्ताह के तीसरे दिन पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन मुक्तांगन परिसर में किया गया इसके आयोजक डॉ. विनय वर्मा थे। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, उपकुलसचिव अमृतलाल, बबिता सिंह, एनएसएस समन्वयक डॉ. राजबहादुर यादव, डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय, डॉ. विवेक पाण्डेय, डॉ. पुनीत सिंह, डॉ. विनय वर्मा, मदन मोहन भट्ट, संतोष यादव, राजेंद्र प्रताप सिंह, राजन गुप्ता, रजनीश सिंह समेत विद्यार्थियों, कर्मचारियों, परिवार जनों एवं सुरक्षा कर्मियों ने प्रतिभाग किया।

प्रो. रमेश मणि त्रिपाठी कला संकाय के संकायाध्यक्ष नामित

प्रो. रमेश मणि त्रिपाठी

जौनपुर। वीर बहादुर पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध कुटीर महाविद्यालय चक्के के प्राचार्य प्रोफेसर रमेश मणि त्रिपाठी को कला संकाय का संकाय अध्यक्ष नामित किया गया है। यह नियुक्ति चक्राक्रम और वरिष्ठता के आधार पर की गई है। इस आशय का पत्र कुलपति के आदेश के क्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कार्यालय आदेश जारी किया है। इसके पूर्व प्रोफेसर त्रिपाठी को एनसीसी का डीजी अवार्ड भी मिल चुका है। वर्तमान में वह विश्वविद्यालय के कार्य परिषद के सदस्य एवं कुटीर महाविद्यालय चक्के के प्राचार्य भी हैं। इसके पूर्व विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा के समन्वयक भी थे और उन्होंने पारदर्शी ढंग से पूरे प्रवेश परीक्षा प्रक्रिया को अंजाम दिया। प्रो. त्रिपाठी की सक्रियता को देखकर विश्वविद्यालय लगातार महत्वपूर्ण समितियों में उन्हें नामित करती आई है। गत सत्र में बीएड की संयुक्त प्रवेश परीक्षा में विश्वविद्यालय के नोडल कोआर्डिनेटर भी रह चुके हैं।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया नशा मुक्ति का संदेश

नशामुक्ति जागरूकता के तहत नुक्कड़ नाटक करते पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

जनसंदेश न्यूज

कार्यक्रम

पीयू ने देवकली गांव में किया लोगों को जागरूक

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में नव स्थापित नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र एवं व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग द्वारा उमानाथ सिंह स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 12 से 26 जून तक 'नशा मुक्त परिसर एवं समाज' कार्यक्रम के तहत चलाए जा रहे जन जागरूकता पखवाड़े के अंतर्गत शुक्रवार को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए देवकली गांव में लोगों को नशा व उसके दुष्परिणाम एवं बचाव से जागरूक करने हेतु एक नुक्कड़ नाटक का प्रस्तुतिकरण विश्वविद्यालय के छात्रों के द्वारा किया गया। इसका विषय था 'नशा मुक्त समाज'।

इसमें विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा दिखाया गया कि कैसे लोग नशे की ओर अग्रसर होते हैं? अंत में इसका हमारे परिवार व समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है। इस नुक्कड़ नाटक और इसमें समाहित संदेश को विश्वविद्यालय के पूरा छात्र राजेंद्र यादव द्वारा लोगों को बताया गया। तत्पश्चात इस जनजागरुकता कार्यक्रम के दूसरे भाग में उमानाथ सिंह स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय के मनोचिकित्सक डॉ. विनोद वर्मा ने नशे की रोकथाम एवं इलाज की सलाह गांव के लोगों को दी। इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहे इस अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय ने नशे के हानिकारक प्रभाव को बताते हुए इससे दूर रहने में कारगर विभिन्न युक्तियों की जानकारी उपस्थित जनमानस को दी। जनजागरुकता कार्यक्रम में विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. पुनीत सिंह के साथ ही साथ व्यवहारिक मनोविज्ञान के छात्र हिदायत फातमा, पवन सोनकर, समरजीत सोनकर, प्रिया यादव, आराधना विश्वकर्मा, विवेक सिंह, स्वेता साहू, रिया वर्मा, दिव्या सोनकर, अंजली मिश्र, सोनाली मिश्र तथा अन्य विभाग से हर्ष साहू, रिंसू सिंह, अमन सेठ, सत्यम सिंह एवं संतोष यादव नुक्कड़ नाटक के किरदार के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में देवकली ग्राम के प्रधान सहित उपस्थित सभी लोगों ने टीम को इस नेक कार्य हेतु बधाई दी।

ट्रैक्टर ट्राली से भिड़ी बाइक दो युवकों समेत तीन की मौत

जनसंदेश न्यूज

हादसा

दो अन्य घायल, विभाग प्रचारक के भाई के निधन से शोक की लहर

शाहगंज। कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। अयोध्या मार्ग स्थित मुख्य मार्ग भादी गांव में बाइक की चपेट में आने से एक अधेड़ समेत बाइक सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जहां एक घायल युवक को इलाज हेतु निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। वहीं आजमगढ़ स्थित कांशीराम आवास के समीप सड़क के किनारे खड़े ट्रैक्टर ट्राली में बाइक सवार तीन युवक भिड़ गए जिसमें दो की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक की हालत गंभीर बनी हुई है। घायल अधेड़ को इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां उक्त घायल की हालत गंभीर देख जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। जिला चिकित्सालय ले जाने के दौरान अधेड़ की मौत हो गई।

क्षेत्र के रेलवे विहार के सामने अयोध्या मार्ग निवासी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अयोध्या के विभाग प्रचारक कृष्णचंद्र के बड़े भाई 55 वर्षीय त्रिपुरारी जायसवाल पुत्र बाबूराम शुक्रवार की रात घर से सब्जी लेने के लिए निकले थे। सब्जी लेकर पैदल घर वापस आ रहे थे। घर के समीप पवई थाना क्षेत्र के खैरूदीनपुर गांव निवासी शनी पुत्र सूबेदार की तेज रफ्तार बाइक की चपेट में आने से त्रिपुरारी की मौत हो गई वहीं शनि गंभीर रूप से घायल हो गया।

दूसरी घटना आजमगढ़ मार्ग स्थित कांशीराम आवास के समीप एक ढाबे पर खड़े ट्रैक्टर ट्राली से टकराने पर बैरकडीह गांव निवासी 25 वर्षीय राजू पुत्र राजेश राजभर व 28 वर्षीय शैलेन्द्र पुत्र राजकुमार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 24 वर्षीय शनि पुत्र रामसूरत गंभीर रूप से घायल हो गया।

परिजनों के अनुसार तीनों युवक खनजहापुर गांव से बारात से वापस घर लौट रहे थे। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत की सूचना मिलते ही तीनों परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। त्रिपुरारी के देहांत से आरएसएस, भाजपा समेत अनुसांगिक संगठनों के लोगों का शोक संवेदना प्रकट करने हेतु घर पर तांता लगा है।

भूमि विवाद में मारपीट आधा दर्जन घायल

शाहगंज। कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत अलग-अलग स्थानों पर जमीनी विवाद में हुई मारपीट में आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहां सभी का प्राथमिक उपचार कराया गया।

बीबीगंज चौकी क्षेत्र के अन्तर्गत कोपा गांव में शनिवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर चले लाठी डंडे से 65 वर्षीय मनोरथ पुत्र ललई, 35 वर्षीय शीला पत्नी सेवालाल, 17 वर्षीय गौतम पुत्र सेवालाल 37 वर्षीय सेवालाल पुत्र मनोरथ व 37 वर्षीय लालजी पुत्र स्व. राम सूरत गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं बड़ागांव में पट्टीदारों ने 35 वर्षीय गीता पत्नी जगदीश को पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। मौके पर मौजूद परिजनों ने आनन फानन में इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहां सभी घायलों का प्राथमिक उपचार कराया गया। वहीं दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच में जुटी हुई है।

छप्पर में आग लगने से सामान जलकर राख

अगलगी में राख हुए सामानों को देखता परिवार

जनसंदेश न्यूज

सुजानगंज। क्षेत्र के भीलमपुर ग्राम सभा गांव निवासी के छप्पर में अज्ञात कारणों से आग लग गयी जिससे सभी सामान व छप्पर जलकर राख हो गया।

जानकारी के अनुसार उक्त ग्राम सभा निवासी सुरेंद्र बहादुर (बब्बन यादव) पुत्र स्व. रामखेलावन यादव के रिहायशी मड़हे मे अज्ञात कारणों से लगी आग मे खाने के सामान (के साथ नकदी पांच हजार तथा पूरे परिवार के कपड़े एवं पशुओं के लिए रखा चारा जलकर राख हो गया। पीड़ित ने बताया कि अचानक धुंआ दिखाई दिया देखते ही देखते आग की ऊंची लपटें उठने लगी। आस पड़ोस के लोगों के आने तक सब कुछ जलकर राख हो गया। ग्राम प्रधान मधु सिंह एवं लेखपाल पवन गुप्ता को घटना की जानकारी दी गई है।

संक्षेप

महिला सशक्तिकरण के तहत जागरूक की गई महिलाएं

खेतासराय। महिला सशक्तीकरण एवं नारी सुरक्षा अंतर्गत शनिवार को प्राथमिक विद्यालय नौली में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। किसी भी अपरिहार्य स्थिति आने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर से सहायता लेने पर पुलिस ने जोर दिया। उप निरीक्षक महगू यादव ने कहा कि महिलाओं को स्वावलंबन की दिशा में जागरूक होने की आवश्यकता है। महिला कांस्टेबल अंतिमा सिंह ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए समाज को भी अपनी जिम्मेदारियों को समझना होगा। नारी कोई भी हो, सभी का सम्मान होना चाहिए। कार्यक्रम में हेल्पलाइन, वूमेन पावर लाइन, महिला हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, पुलिस हेल्पलाइन, चाइल्ड हेल्पलाइन के बारे में भी जानकारी दी गई। महिलाओं को उनके अधिकारों व सुरक्षा उपायों से संबंधित लघु पुस्तिका वितरित की गई। हेड कांस्टेबल संजय पाण्डेय, अम्बिका यादव, महिला कांस्टेबल बिंदू मौजूद रहे।

आवासीय प्लाट दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी का आरोप

खुटहन। जिला मुख्यालय के आसपास आवासीय प्लाट दिलाने के नाम पर पिता पुत्र के द्वारा ढाई लाख की ठगी किए जाने का आरोप लगाते हुए थाना क्षेत्र के रानीपुर गांव निवासी पीड़ित हरिश्चंद्र यादव ने थाने में दोनों के खिलाफ तहरीर देकर धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है। पीड़ित का आरोप है कि दो वर्ष पूर्व सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के खानपुर गांव निवासी संदीप प्रजापति और उनके पिता भुलई? उससे मिले। उन्होंने कहा कि जिला मुख्यालय के आसपास सस्ते दर पर अच्छा प्लाट बिकाऊ है। हमें साथ ले जाकर दो-चार प्लाट दिखाकर वापस ले आये। आरोप है कि कुछ दिनों बाद एडवांस बुकिंग के नाम पर बाप बेटों ने उससे ढाई लाख रूपए ऐंठ लिए। लगभग तीन वर्ष बीतने को है उसे न प्लाट दिलवाए न ही पैसे वापस कर रहे हैं।

थाने से चंद कदम दूर मिला अज्ञात युवक का शव

सुजानगंज। थाने से महज पचास मीटर की दूरी पर एक दुकान पर एक अज्ञात युवक का शव मिला। दुकान पर काम कर रहे मजदूरों ने देखा तो इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार थाने से पूरब महज पचास मीटर दूरी पर एक दुकान पर एक युवक आया और वही बगल में सो गया। दुकान पर कुछ मजदूर ईंट जोड़ाई का काम कर रहे थे। मजदूरों ने बताया कि वह युवक आया और गलियारे में सो गया। काफी देर बाद जब वह नही उठा तो मजदूरों ने उसके ऊपर पानी फेंका लेकिन तब भी वह नही उठा। दुकानदार ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की उम्र लगभग पैंतीस वर्ष बताई जा रही है। वह पीले रंग की शर्ट पहने हुए था।

सम्पूर्ण समाधान दिवस : 178 प्रार्थना पत्रों में 20 का निस्तारण

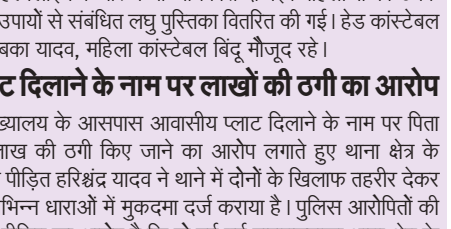

समाधान दिवस में एडीएम को ज्ञापन सौंपते लेखपाल संघ के अध्यक्ष

शाहगंज। तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन एडीएम राम अक्षैबर चौहान की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। फरियादियों द्वारा कुल 178 प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया। मौके पर 20 का निस्तारण हुआ। शेष प्रार्थना पत्र सम्बंधित विभाग को सौंप दिया गया। इस दौरान लेखपाल संघ अध्यक्ष विकास सिंह के नेतृत्व में लेखपाल सवर्ग की समस्याओं यथा अंतमण्डलीय स्थानांतरण के बावत आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद को सम्बोधित ज्ञापन एडीएम को सौंपा गया। इस दौरान मंत्री मृत्युन्जय, अशोक कुशवाहा, रणजीत एवं अन्य लेखपाल मौजूद रहे। समाधान दिवस में एडिशनल एसपी बृजेश कुमार, उपजिलाधिकारी अंकित कुमार, तहसीलदार एके त्रिपाठी, नायब तहसीलदार अमित सिंह समेत सर्किल के सभी थानाध्यक्ष, राजस्व कर्मी व सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

शातिर अपराधी चढ़ा पुलिस के हत्थे

सुइथाकला। शनिवार को क्षेत्र का एक शातिर अपराधी उस समय पुलिस के हत्थे चढ़ गया जब पुलिस क्षेत्र भ्रमण कर रही थी। गिरफ्तार करने के बाद उसे न्यायालय भेज दिया गया। बतौर पुलिस उपनिरीक्षक लक्ष्मण सिंह मय हमराह क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे, उसी दौरान क्षेत्र का कटका निवासी शैलेन्द्र प्रताप यादव ऊर्फ एसपी यादव पुत्र हरिश्चन्द्र नामक शातिर अपराधी लगभग दो किलोग्राम गांजे के साथ उनके हत्थे चढ़ गया। थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने बताया कि गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया गया।

छापेमारी कर दो दर्जन गैस सिलेंडर बरामद, मामला दर्ज

बरसठी। थाना क्षेत्र के आलमगंज में आपूर्ति विभाग व पुलिस की छापेमारी में रिफिलिंग करने के लिए रखा दो दर्जन गैस सिलेंडर पकड़ा गया। आपूर्ति निरीक्षक की तहरीर पर एक के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया। आपूर्ति विभाग व पुलिस को सूचना मिली कि, आलमगंज बाजार कृष्णा आयरन स्टोर व जयहिंद जनरल स्टोर में अवैध रूप से गैस रिफिलिंग व कालाबाजारी की जाती है। सूचना पर पहुँचे निरीक्षक राकेश यादव पुलिस टीम के साथ पहुँच गए। मौके से विभिन्न गैस कंपनी के दो दर्जन सिलेंडर बरामद हुआ। आपूर्ति निरीक्षक ने जय हिंद जनरल स्टोर कृष्णा आयरन स्टोर के संचालक सुरेश सिंह के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्रामीण आजीविका के तहत महिलाओं को किया जागरूक

प्रशिक्षण लेती स्वयं सहायता समूह की महिलाएं

जनसंदेश न्यूज

केराकत। स्थानीय क्षेत्र के सरायबीरू गांव में स्थित प्राथमिक विद्यालय के परिसर में शनिवार की दोपहर राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के द्वारा स्वयं सहायता समूह की 70 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया।

इस दौरान अचार, पापड़, मुरब्बा, जैम, चटनी, आदि किस्मों का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पहुंचे आस्था महिला एवं बाल विकास संस्था के संस्थापक संतोष पाण्डेय ने बताया कि महिलाओं के द्वारा स्वरोजगार के तहत बनी चीजों को मार्केट में लाने की सलाह दी गई। संस्था अपनी टीम के साथ समूह की महिलाओं के प्रोडक्शन एवं मार्केटिंग में पूरी मदद करने के साथ ही महिलाओं द्वारा बनाये गये सामानों को बड़े व्यापारियों के माध्यम से बाजारों में विक्री कराएगी व आस पास में भी मार्केटिंग की जायेगी।

शॉर्ट सर्किट से आटा चक्की में लगी आग सामान जलकर राख

बरसठी। थाना क्षेत्र के निगोह बाजार में शुक्रवार की रात बिजली के शार्ट सर्किट से आटा चक्की में आग लग गयी जिससे करीब चार लाख का सामान जलकर राख हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस और अग्निशमन विभाग ने आग पर किसी तरह काबू पाया। बाजार में कृपाशंकर सेठ की धर्मेंद्र आटा चक्की के नाम से मशीन चलाते है। रात करीब 10 बजे बिजली मीटर के पास शार्ट सर्किट से आग लग गयी। उसी के बगल में भारी मात्रा में रुई रखी थी जिसके कारण आग बेकाबू हो गयी। वहां रखा सौर्य ऊर्जा का लगा डीएफडी, रुई, सरसों, गेंहू आदि सामान जलने लगा। मौके पर पहुँचे अग्निशमन विभाग व आसपास के लोग कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया गया। आटा चक्की संचालक कृपा शंकर सेठ ने बताया कि करीब चार लाख का सामान जला है। अगर सही समय पर आग न बुझती तो चक्की के दूसरी तल पर कपड़े की दुकान में भी आग लग जाती।

चाकू की नोक पर युवती के साथ सामूहिक बलात्कार

पुलिस ने छेड़खानी की धारा में दर्ज किया मुकदमा

जनसंदेश न्यूज

बदलापुर। कोतवाली क्षेत्र के एक गाँव में अपने मौसी के घर आई एक युवती के साथ उक्त गांव निवासी दो युवकों ने चाकू की नोक पर उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। पुलिस छेड़खानी का केस दर्ज कर मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

जानकारी के मुताबिक मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र के एक गाँव निवासी 20 वर्षीय युवती बदलापुर कोतवाली क्षेत्र के एक गाँव में अपने मौसी के घर आई थी। वह 15 जून की रात्रि करीब 8 बजे मौसी के घर के पश्चिम खेत की तरफ शौच के लिए गई थी जहां पहले से ही घात लगाकर बैठे दो युवकों ने चाकू से आतंकित कर उसके साथ जबरन बलात्कार किया और जाते समय किसी से बताने पर युवती को जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित युवती ने उक्त घटना की जानकारी अपने मौसी के घर वालों को देते हुए उक्त गाँव निवासी एक नामजद और एक अज्ञात युवक के खिलाफ लिखित शिकायती पत्र कोतवाली पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की। वहीं कोतवाली पुलिस मामले की लीपापोती करते हुए उक्त दोनों अभियुक्त युवकों को गिरफ्तार कर शांति भंग की धारा में चालान भेज दिए। मामला मीडिया के संज्ञान में आने के बाद अगले दिन पुलिस उक्त मामले में पुनः उक्त दोनों अभियुक्त युवकों पर छेड़खानी की धारा में केस दर्ज कर लिया। फिलहाल इस सम्बन्ध में पूछे जाने पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार राय ने बताया कि पीड़ित युवती की तहरीर पर एक नामजद और एक अज्ञात युवक पर छेड़खानी की धारा 354 के तहत केस दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्यवाई की जा रही है।

25 हजार का वांछित इनामिया गिरफ्तार

केराकत। क्षेत्र के ग्राम गंगौली निवासी पच्चीस हजार के वांछित इनामिया को शनिवार को प्रातः लगभग साढ़े सात बजे गिरफ्तार कर लिया गया। गौरतलब है कि राहुल सिंह उर्फ अभय सिंह पुत्र रविन्द्र सिंह मुन्ना हत्या के प्रयास समेत अन्य संवेदनशील धाराओं में वांछित चल रहा था। जिस पर पुलिस ने पच्चीस हजार का इनाम घोषित कर रखा था। वहीं इनपुट के आधार पर राहुल आये दिन घर आया करता था। प्रभारी निरीक्षक जय प्रकाश यादव ने अपने मातहतों के साथ मुखबिर की सूचना पर तत्परता दिखाते हुए राहुल को घर से गिरफ्तार कर लिया और न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। गिरफ्तारी टीम में अपराध निरीक्षक देवेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक अटल विहारी मिश्र, हरिश्चंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल शिवकुमार सिंह, पीयूष सिंह शामिल रहे।

जनसमस्याओं के निस्तारण में लापरवाही अक्षम्य : डीएम

आयोजन

संपूर्ण समाधान दिवस पर 168 मामलों में 8 का निस्तारण

जनसंदेश न्यूज

समाधान दिवस में प्रार्थना पत्रों का निस्तारण करते जिलाधिकारी

मछलीशहर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में और पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय पाल शर्मा की उपस्थिति में तहसील मछलीशहर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने बारी-बारी से शिकायतें सुनी और सम्बन्धित अधिकारी को निस्तारण के निर्देश दिये। इस दौरान कुल 168 मामले आये जिसमें से 8 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया और शेष मामलों को सम्बन्धित विभाग को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के लिए सौंप दिया गया।

ओमप्रकाश पुत्र अवध नारायण ग्राम बामी घिसुआ तहसील मछलीशहर द्वारा भूमि पर अवैध ढंग से अतिक्रमण करने के संबंध में प्रार्थना पत्र जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी मछलीशहर को अपने समक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस प्रकार जिलाधिकारी के समक्ष जमीन विवाद, मार्ग, पीएम सम्मान निधि, अतिक्रमण सहित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई, जिस पर उन्होंने अधिकरियों को निर्देशित किया कि शिकायतों की जांचकर उनको निस्तारित करें। अधिकारियों को निर्देश दिया कि फरियादियों की शिकायतों का गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का निस्तारण शासन की प्राथमिकताओं में है, इसलिए सभी अधिकारी रुचि लेकर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण सुनिश्चित करे।

इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। भूमि संबंधी मामलों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीमें मौके पर जाकर त्वरित निस्तारण करें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि पत्थरगड्डी तोड़ने वालों पर मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्यवाही करें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मी सिंह, पीडी जयकेस त्रिपाठी, उपजिलाधिकारी मछलीशहर राजेश चौरसिया, तहसीलदार मछलीशहर सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पीएचसी में सुबह से घायल तड़पते रहे मरीज नहीं आये डॉक्टर

हंगामा

कोरापट्टी में हुई मारपीट में तीन हुए थे घायल

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कंरजाकला का मामला

जनसंदेश न्यूज

करंजाकला। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में मारपीट में गम्भीर रूप से घायल तीन लोग सुबह से 10 बजे तक तड़पते रहे लेकिन प्रभारी चिकित्सक नहीं आए और घायलों ने हंगामा मचाते हुए लापरवाही का आरोप लगाया।

जानकारी के अनुसार सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कोरापटटी गांव में पुरानी रंजिश को लेकर शनिवार की सुबह 6 दबंगों ने धारदार हथियार से एक परिवार पर हमला कर दिया। जिसमें 52 वर्षीय अरविन्द निषाद व उनकी पत्नी 48 वर्षीय चंद्रावती निषाद व 35 वर्षीय रूकमीना व अजय निषाद घायल हुए थे। जिसमें अरविंद की हालत नाजुक बनी हुई थी। घायलों के सरायख्वाजा थाने पहुंचने पर पुलिस ने उन्हें मेडिकल व उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करजाकंजा भेज दिया। घायल सुबह 7 बजे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और तबसे वहां बैठे रहे। इस दौरान लगातार चिकित्सा अधिकारी से सम्पर्क साधने की कोशिश भी की गई लेकिन 10 बजे तक मरीज की हालत बिगड़ती दिखी और वैसे ही घायल तड़पते रहे। हालांकि सूचना मिलते ही फार्मासिस्ट पहुंचे और उपचार के लिये वह चिकित्सा प्रभारी अरूण यादव का इंतजार करते रहे लेकिन वह नहीं आए तो मरीजों ने हंगामा खड़ा कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो चिकित्सा प्रभारी अक्सर नदारत रहतें है और परिसर में मिले सरकारी आवास पर भी नहीं दिखाई पड़ते जिससे मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। वहीं यह भी मालूम हुआ कि फार्मासिस्ट के भरोसे पीएचसी चल रहा है। इस मामले की कई बार शिकायत सीएमओ से की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की हुई। वहीं थाना प्रभारी अखिलेश मिश्रा ने बताया कि घायलों को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में 50 करोड़ के बजट पर लगी मुहर

बैठक

14 बिंदुओं पर हुई चर्चा सदस्यों से लिये गए प्रस्ताव

जनसंदेश न्यूज

क्षेत्र पंचायत की बैठक को सम्बोधित करती ब्लॉक प्रमुख मंजू सिंह

खेतासराय। विकास खण्ड शाहगंज सोंधी स्थित कार्यालय सभागार में शनिवार को क्षेत्र पंचायत की बैठक हुई जिसमें 50 करोड़ का वजट पास हुआ। अध्यक्षता कर रही ब्लॉक प्रमुख मंजू सिंह ने विकास कार्यों को कराए जाने पर जोर दिया।

बैठक में पिछली कार्यवाही पर चर्चा हुई। नए प्रस्ताव को एजेंडे में शामिल किया गया। स्वास्थ्य एवं टीकाकरण, बाल विकास पुष्टाहार, पेयजल, पशुपालन एवं पशु टीकाकरण, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा, सभी पेंशन समेत 14 बिंदुओं पर चर्चा हुई।

समाज कल्याण अधिकारी मो. आसिफ ने पेंशन के बारे में जानकारी दी। चिकित्साधिकारी डा. मसूद अहमद खान और बीएमसी अवधेश तिवारी ने स्वास्थ्य संबंधी सभी योजनाओं के बारे में बताया?। बीडीओ नंदलाल कुमार ने सभी विकास योजनाओं की प्रगति पर जानकारी दी।

बीडीसी अजीम सिद्दीकी, मो. वाकिब और सूरज राजभर ने विकास संबंधी मुद्दा उठाया। संचालन सत्यपाल सिंह ने किया। बैठक में भाजपा नेता विजय सिंह विद्यार्थी, डा. विपिन कुमार, परवेज आलम भुट्टो, प्रमुख प्रतिनिधि अजय कुमार सिंह, प्रधान संघ के अध्यक्ष प्रेमचंद यादव, रिंकू सिंह, ग्राम प्रधान लक्ष्मण बिंद कृपाशंकर राजभर, मो. समीर, अल्ताफ अहमद, रमेश बिन्द, मो. साजिद, सेराज अहमद आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रमुख प्रतिनिधि अजय कुमार सिंह ने आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट किया।

खाद्य सुरक्षा को लेकर करें जागरूक : जिलाधिकारी

बैठक को सम्बोधित करते डीएम

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जिला स्तरीय समिति की बैठक शुक्रवार देर सायं कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि मध्याह्न भोजन, सरकारी गल्ले की सस्ती दुकानों व शराब की दुकानों का जारी खाद्य पंजीकरण/खाद्य अनुज्ञप्ति का नवीनीकरण ससमय करा ले अन्यथा कालातीत होने की स्थिति में विलंब शुल्क अतिरिक्त देय होगा।

जिलाधिकारी द्वारा कहा गया कि शासन के स्तर से लोगों में खाद्य सुरक्षा को लेकर जन जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं। लोगों को पारंपरिक आहार की ओर प्रोत्साहित किया जाए। मिलावटखोरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

खाद्य विभाग व पुलिस विभाग समन्वय स्थापित कर मिलकर इस दिशा में कार्य करें। जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि स्ट्रीट फूड हब विकसित करने हेतु अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद जौनपुर, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के अधिकारी संयुक्त रूप से आवश्यक कार्यवाही करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राम अक्षैबर चौहान, समिति के समस्त सदस्य एवं खाद्य औषधि एवं प्रशासन विभाग के सभी अधिकारीगण मौजूद रहे।

संक्षेप

युवा मोर्चा ने बाइक यात्रा निकाल बतायी मोदी सरकार की उपलब्धियां

जौनपुर। मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा नीत सरकार के पूरे हुए नौ वर्ष के कार्यकाल में हुए तमाम कार्यों की जानकारी आम जनता को देने के लिए पार्टी नेतृत्व के आह्वान पर भाजयुमो द्वारा जिलाध्यक्ष दिव्यांशु सिंह के नेतृत्व में बाइक रैली निकाली गई। बाइक रैली का शुभारंभ तिलकधारी सिंह महाविद्यालय से किया गया। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि स्वतन्त्र प्रभार मंत्री गिरीश चंद्र यादव, विशिष्ट अतिथि बृजेन्द्र राय, जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि रामसूरत मौर्या, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पीयूष तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। बाइक यात्रा नगर मंडल से शुरू होकर प्रत्येक मंडल में जाएगी। टीडी कालेज से शुरू होकर जेसीज चौराहा, ओलंदगंज, चहारसू चौराहा से होते हुए शाही किला वहां से कोतवाली चौराहा, कुत्तुपुर से होते हुये खेतासराय पहुंची जहां पर कार्यकर्ता रात्रि विश्राम करेगे। उसके बाद यात्रा कल सुबह शाहगंज के लिये प्रस्थान करेगी जो बदलापुर विधानसभा के महाराजगंज मंडल में विश्राम करेगी। उसके उपरांत 19 तारीख को मुंगराबादशाहपुर होते हुये सिकरारा होते हुये पार्टी कार्यालय पर समाप्त होगी। रैली में शामिल कार्यकर्ता जिले के विभिन्न मण्डलों में जाकर केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाएंगे।

जिला कारागार में सप्ताहव्यापी योग शिविर का आयोजन

जौनपुर। जिला कारागार 15 जून से एक सप्ताह के योग शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें पतंजलि योगपीठ जौनपुर इकाई के योग प्रशिक्षक डॉ. ध्रुवराज एवं आर्ट ऑफ लिविंग जौनपुर इकाई की योग प्रशिक्षिका सुमित्रा पांडेय द्वारा जेल अधिकारियों कर्मचारियों व महिला पुलिस बंधुओं को प्रत्येक दिन प्रातः योग कराया जा रहा है। इस योग शिविर में भाग लेने वाले जेल के अधिकारी, कर्मचारी व बंदीगणों पर इसका बहुत अच्छा प्रभाव पड़ रहा है। इस कार्यक्रम का समापन विश्व योग दिवस 21 जून को होगा।

सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

मड़ियाहूँ। स्थानीय तहसील सभागार में उप जिलाधिकारी लाल बहादुर की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ। इस मौके पर 89 प्रार्थना पत्र आए जिसमें से मौके पर 9 का निस्तारण किया गया। शेष संबंधित विभागों को भेजा गया। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी चोब सिंह, तहसीलदार राम सुधार, नायब तहसीलदार संतोष कुमार सिंह, संदीप कुमार सिंह, प्रमोद कुमार यादव, मीना गौड़ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी एवं सर्किल के थानाध्यक्ष मौजूद रहे।

खाद्य पंजीकरण कैंप लगाया गया

केराकत। मुफ्तीगंज बाजार व निर्भय स्वीट हाउस सराय वीरू चौराहा पर खाद्य पंजीकरण कैंप लगाया गया जहां खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. तूलिका शर्मा द्वारा 36 खाद्य पंजीकरण के तहत दुकानदारों ने अपना खाद्य पंजीकरण कराया तथा सभी को इंसेक्टिसाइड और पेस्टिसाइड का फल सब्जी में कम से कम करने की जानकारी दी और वहीं खाता उपयोग में करने को कहा जिसमें उसकी मात्रा कम से कम हो। ऑर्गेनिक फूड ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करें। इंसेक्टिसाइड वह पेस्टीसाइड का हमारे स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। व्यापारी जो निर्माण का कार्य करते हैं वह सभी साइट पर रिटर्न दाखिल कर दें जिसकी अंतिम तिथि 30 जून है।

लेखपालों ने उठाई मंडलीय स्थानांतरण की मांग, सौंपा ज्ञापन

मछलीशहर। लेखपाल संघ की तहसील इकाई के अध्यक्ष बृजेश कुमार यादव और मंत्री राहुल पटेल के नेतृत्व में लेखपालों ने मंडलीय स्थानानांतरण की मांग को लेकर प्रमुख सचिव को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी राजेश कुमार चौरसिया को सौंपा। लेखपालों की मांग है कि बेसिक स्कूलों के शिक्षकों की भांति उनका भी स्थानांतरण किया जाय। स्थानांतरण न होने के कारण लेखपाल अपने बीमार परिजन की सेवा नहीं कर पा रहे हैं। क्षेत्र से काफी दूर तैनात रहने के कारण शादी विवाह नहीं हो पा रहा है और जिनका हो गया है वे परिवार के साथ नहीं रह पा रहे है। 2019 के बाद से स्थानांतरण नहीं हुआ है। लगभग डेढ़ से दो हजार लेखपाल स्थानांतरण की प्रतिक्षा कर रहे हैं। ज्ञापन में तत्काल मंडलीय स्तर पर तबादला करने की मांग की गई है। इस मौके पर लालचंद्र श्रीवास्तव, जयशंकर यादव, संदीप दूबे समेत अन्य लेखपाल उपस्थित रहे।

गोल्ड मेडल जीतकर किया जनपद का नाम रोशन

सरकी। लखनऊ में आयोजित सेकेंड आल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर अपूर्व रंजन ने दाऊदपुर (सेनापुर) गांव समेत जनपद का नाम रोशन कर कीर्तिमान स्थापित किया। गौरतलब है कि प्रदेश की राजधानी लखनऊ में सेकेंड आल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें बड़े ही उत्साह के साथ विभिन्न प्रदेशों से आए प्रतिभागी छात्रों ने प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, दिल्ली, झारखंड मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र व पंजाब से प्रतिभागी छात्रों ने भाग लिया। उक्त प्रतियोगिता में दाउदपुर (सेनापुर) गांव के आल राउंडर खिलाड़ी व सहायक अध्यापक योगेंद्र कुमार के पुत्र अपूर्व रंजन ने केडी स्पोर्ट एकेडमी की तरफ से प्रतियोगिता में भाग लिया। अपूर्व रंजन ने प्रतियोगिता में दमदार प्रदर्शन करते हुए 11 वर्ष के 45 भार वर्ग में कर्नाटक को पछाड़कर गोल्ड मेडल हासिल कर जनपद का नाम रोशन किया। जीत की खबर मिलते ही परिवार में खुशी की लहर दौड़ पड़ी और बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। परिजनों ने बेटे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

व्यापारी हित में किराया वृद्धि वापस ली जाए :आरिफ हबीब

जौनपुर। नगर पालिका परिषद अंतर्गत किराए की दुकानों के किराए में अप्रत्याशित वृद्धि को लेकर व्यापार मंडल ने नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्य को सौंपा ज्ञापन जिसमें किराया वृद्धि को वापस लिए जाने मांग की गयी। व्यापार मंडल के प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह इंदु के निर्देश पर ज़िला महामंत्री आरिफ हबीब, नगर अध्यक्ष घनश्याम साहू, नगर कोषाध्यक्ष स्वतंत्र साहू के नेतृत्व में किरायेदार व्यापारियों ने नगर पालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्य को ज्ञापन देकर मांग किया की पूर्व में तय किराए एवं हर पांच वर्ष पर किराए में 25 प्रतिशत की वृद्धि के आदेशानुसार किराया जमा किया जाता रहा है। वर्तमान में किराए में अप्रत्याशित रूप से लगभग नौ गुना वृद्धि का आदेश नगर पालिका प्रशासन ने जारी किया है जो किसी भी तरह से न्यायोचित नहीं है। पूर्व में जो आदेश किराए को लेकर रहा है वही व्यवस्था लागू करने की मांग की। नगर पालिका अध्यक्ष ने इस पर पुनर्विचार कर राहत देने का आश्वासन दिया है।

कोचिंग के लिए निकली किशोरी गायब, पिता ने कराया अपहरण का मुकदमा

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की लड़की उम्र 17 वर्ष घर से कोचिंग करने हेतु साइकिल से ज्ञानपुर को निकली। कोचिंग से वापस घर नही पहुंची तो परिजन परेशान हुए, नातेदार, रिश्तेदार सहित कई जगह खोज किया , जब उसका पता नही चला तो कोतवाली गोपीगंज में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ बहला फुसलाकर कर ले जाने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा कायम कर आवश्यक कार्यवाही में जुट गई।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने किया सीएचसी का निरीक्षण

गोपीगंज। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. बीएन सिंह शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नए ढग से बनाए गए प्रसव कक्ष व अन्य विभागों की जांच की। शुक्रवार को दिन में सीएचसी पहुचे अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्री सिंह मातृत्व स्वास्थ्य सुरक्षा के उन्नयन हेतु अनेकों सुझाव दिया। इस मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अधीक्षक डा. आशुतोष पांडेय डा. स्पनिल सिंह डा. आशुतोष यादव आदि रहे।

लाभार्थी सम्मेलन का हुआ आयोजन

जनसंदेश न्यूज

लाभार्थी सम्मेलन को सम्बोधित करते एमएलसी प्रिंशु

सुइथाकला। स्थानीय विकास खण्ड मुख्यालय सभागार में शनिवार को लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें भारी संख्या में क्षेत्र के लाभार्थियों का जमावड़ा हुआ। इस दौरान मंचासीन अतिथियों द्वारा लाभार्थियों के बीच केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को साझा किया गया।

बता दें कि केंद्र की मोदी सरकार के शानदार ढंग से नौ साल पूरे होने पर विविध प्रकार के आयोजन किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में शनिवार को विकास खण्ड मुख्यालय सभागार में लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, पं. दीनदयाल उपाध्याय व मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि समेत अन्य मंचासीन अतिथियों व पत्रकारों का माल्यार्पण और अंगवस्त्रम से कार्यक्रम संयोजक द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य बृजेश कुमार सिंह प्रिन्शू ने केंद्र सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की चर्चा करते हुए लाभार्थियों से देश की खुशहाली के लिए सरकारों के चयन की सलाह दी। इसके पूर्व विशिष्ट अतिथि के रूप में लोक सभा प्रभारी विजेन्द्र राय विकास के मामले में पिछली सरकारों को आड़े हाथ लेते हुए केंद्र और प्रदेश के मोदी व योगी सरकार को गरीबों का सच्चा हितैषी बताया। इसी कड़ी में कार्यक्रम संयोजक व प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. उमेश चन्द्र तिवारी ने भाजपा सरकार को सबके साथ सबके विकास का पोषक बताते हुए विभिन्न योजनाओं को साझा किया। इस मौके पर भीम सिंह, सुधाकर सिंह, रणंजय सिंह, वेद प्रकाश पांडेय, अवधेश दूबे समेत तमाम कार्यकर्ता और पदाधिकारियों के अलावा तमाम लाभार्थी उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण परीक्षण शिविर 24 से

जौनपुर। भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) कानपुर के पत्र के क्रम में जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने अवगत कराया है कि भारत सरकार के एडिप योजना के अन्तर्गत जनपद में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों हेतु निःशुल्क वितरण परीक्षण शिविर आयोजन 24 जून से 1 जुलाई तक किया जायेगा, जिसमें तहसील मुख्यालय सदर में 24 जून को, तहसील केराकत में 26 जून, तहसील बदलापुर में 27 जून, तहसील मछलीशहर में 28 जून, तहसील शाहगंज में 30 जून एवं 1 जुलाई को तहसील मड़ियाहूँ में आयोजित किया जायेगा। उपर्युक्त चिन्हांकन शिविर में दिव्यांगजनों के आवश्यकता अनुरूप सहायक उपकरण हेतु चिन्हांकन किया जायेगा। चिन्हांकन हेतु दिव्यांगजनों को पहचान प्रमाण-पत्र (आधार कार्ड, मतदाता कार्ड, राशन/बीपीएल कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस), दिव्यांगता प्रमाण-पत्र सक्षम अधिकारी द्वारा जारी न्यूनतम 40 प्रतिशत दिव्यांगता का प्रमाण पत्र, आय प्रमाण-पत्र जिनकी सभी स्रोतों से मासिक आय रुपए 22500/-प्रति माह से कम हो व राजस्व विभाग, सांसद/विधायक एवं ग्राम प्रधान द्वारा प्रदत्त आय प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। दो पासपोर्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य है।

मोदी ने हर परिवार को पक्की छत दी : बृजेश सिंह

जनसंदेश न्यूज

भाजपा की संयुक्त मोर्चा की बैठक को सम्बोधित करते वक्ता

जौनपुर। मोदी सरकार के 9 वर्ष पूरे होने पर शाहगंज विधानसभा में एक पैलेस में भाजपा मोर्चा की संयुक्त बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के मुख्य अतिथि एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंशु एवं विशिष्ट अतिथि लोकसभा प्रभारी बृजेन्द्र राय रहे। बैठक का शुभारम्भ डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुये मुख्य अतिथि ने कहा कि मोदी सरकार की योजनाएं हर वर्ग के लिये है। समाज का ऐसा कोई वर्ग अछूता नहीं है जो गरीब कल्याण की योजनाओं से लाभान्वित न हुआ हो। उन्होंने कहा कि उनकी भारत की अस्मिता विरोधी मानसिकता को भी जनता के समक्ष रखें और उन्हें बताएं कि विरोधी हमेशा देश की अवमानना करती आयी है। जो नवमतदाता है उन्हें अभियान के दौरान युवा मोर्चा पार्टी की विचारधारा से जोड़े और नवमतदाताओं को यह बताएं कि कांग्रेस, सपा और बसपा ने उन्हें गुमराह करने की कोशिश कर रही है। देश और प्रदेश में कांग्रेस, सपा और बसपा मुद्दाविहीन है। विरोधी भ्रम का वातावरण फैला रही है। यदि आज हमारा देश विकसित भारत बनने की ओर अग्रसर है तो इसका कारण है बीते 9 वर्षों में समग्र दृष्टिकोण तैयार किया गया मजबूत आधार है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही है जिन्होंने विकासवाद को मुख्यधारा में ला दिया है।

उन्होंने कहाकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समाज के अति पिछड़े व्यक्तियों के जीवन स्तर में सुधार लाने हेतु हर परिवार को पक्की छत, स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय की सुविधा, निःशुल्क गैस कनेक्शन की सुविधा, निःशुल्क विद्युत कनेक्शन और कोविड-19 महामारी के दौरान से लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा है। विशिष्ट अतिथि बृजेन्द्र राय ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा सुसाशन और कल्याण के 9 वर्ष पूर्ण होने पर देश भर मे महा सम्पर्क अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत देश के सभी वर्गों को मोदी द्वारा चलाई जा रही जनकल्याण कारी योजनाओं से अवगत कराया जा रहा है ताकि सभी वर्गों तक इन योजनाओं का लाभ पहुंच सके। मोर्चा के जिलाध्यक्ष गण नरेंद्र उपाध्याय, अनिल गुप्ता, रागिनी सिंह, मेराज हैदर, सुरेश धुरिया ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुनील तिवारी ने किया। उक्त अवसर पर जिला महामंत्री अमित श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष संतोष सिंह, जिला संयोजक प्रमोद यादव, जिला मंत्री विजयलक्ष्मी, ब्लॉक प्रमुख विजय सिंह विद्यार्थी, बृजेश यादव, ओम प्रकाश जायसवाल, जितेंद्र सिंह, सर्वेश चौरसिया, सुनील अग्रहरी टप्पू, मुस्तकीम, रेनू मोदनवाल सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीएम व एसपी ने फरियादियों की शिकायतों का किया निस्तारण

सभी तहसीलों में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

जनसंदेश न्यूज

तहसील औराई में जन शिकायतों को सुनते डीएम गौरांग राठी, एसपी डॉ.अनिल कुमार

भदोही। जन शिकायतो के त्वरित निस्तारण एवं कार्यवाही के दृष्टिगत सम्पूर्ण समाधान दिवस शनिवार को जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित किया गया। तहसील औराई में जिलाधिकारी गौरांग राठी, पुलिस अधीक्षक डॉ.अनिल कुमार, अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य, शिव नारायण सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संतोष कुमार चक, प्रभागीय वनाधिकारी नीरज आर्य, उप जिलाधिकारी योगेन्द्र कुमार साहू, पुलिस क्षेत्राधिकारी डॉ. उमेश्वर प्रभात सिंह, तहसील भदोही में उप जिलाधिकारी शिव प्रकाश यादव एव तहसील ज्ञानपुर में उप जिलाधिकारी आकाश कुमार व अन्य अधिकारियो द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित होकर फरियादियों की समस्याओ को गंभीरता से सुन कर निस्तारण किया गया।

जिलाधिकारी के समक्ष विभिन्न विभागो से सम्बन्धित तहसील औराई में कुल 86 फरियादियो के द्वारा अपनी समस्याओ से अवगत कराया गया। जिसमें से जिलाधिकारी द्वारा 11 प्रार्थना पत्रो को मौके पर ही निस्तारित करते हुये शेष 75 प्रार्थना पत्रो को सम्बन्धित विभाग के अधिकारियो को निर्धारित समय सीमा के अन्दर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करने का निर्देश दिया गया। इसी क्रम में तहसील भदोही में अपर जिलाधिकारी शिव नारायण सिंह, उप जिलाधिकारी शिव प्रकाश यादव, पुलिस क्षेत्राधिकारी व अन्य अधिकारियो द्वारा कुल 18 प्रार्थना पत्रो में 3का निस्तारण तथा तहसील ज्ञानपुर में अपर जिलाधिकारी कुंवर वीरेंद्र

चलती ट्रेन में चढ़ते समय पैर फिसलने से गिरा यात्री, बची जान

गोपीगंज। ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन पर शनिवार को दरभंगा पुणे एक्सप्रेस में एक यात्री पानी पीने के लिए उतरा था, इसी बीच ट्रेन चल पड़ी जल्दी में ट्रेन में चढ़ते समय पैर फिसलने से ट्रेन व प्लेटफार्म के बीच में गिर गया, जिसे देखकर वहां दूसरे यात्रियों के हाथ पैर फूल गए। इस बीच तत्परता दिखाते हुए आरपीएफ के अजय कुमार सिंह, जीआरपी के अमित कुमार यादव ने तत्काल इसकी सूचना स्टेशन अधीक्षक राम सजीवन के साथ ही गार्ड को बोलकर ट्रेन रुकवाई।

यात्री के घुटनों में मामूली खरोंच आई। इससे उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराने की जरुरत नहीं पड़ी। आरपीएफ के जवानों ने यात्री से इलाज कराने के बारे पूछा भी, लेकिन उसने मना कर दिया। यात्री को ज्यादा चोट नहीं आई और न ही उसने उपचार कराने की बात बोली। इस नजारे को देखकर रेलवे स्टेशन पर सनसनी फैल गई। साथ ही यात्री की जान बचाने पर उस मंजर के चश्मदीदों ने आरपीएफ के अजय कुमार सिंह वह जीआरपी के अमित कुमार यादव की सतर्कता व हिम्मत की सराहना की।

जिपं अध्यक्ष ने खेल मैदान का किया भूमिपूजन

कार्यक्रम

शीघ्र ही बनकर तैयार होगा खेल मैदानः बीडीओ

डीएम के अभिनव पहल में शामिल हैं खेल मैदान

महजूदा गाँव में विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ खेल मैदान का भूमि पूजन करते जिपं अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी

जनसंदेश न्यूज

ज्ञानपुर। जिलाधिकारी गौरांग राठी के निर्देश पर महजूदा का खेल मैदान अतिक्रमण मुक्त होने पर सुरियावां विकास खंड के महजूदा गाँव में शनिवार को जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ खेल मैदान का भूमि पूजन किया।

भूमि पूजन करने के बाद खेल के महत्व पर बोलते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने इसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए 'खेलो इंडिया खेलो' का नारा दिया था जो कि हकीकत बन चुका है। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने खेल मैदान को अपने अभिनव पहल में शामिल करके युवाओं को खेल के प्रति जोड़ रहें हैं। गाँव में खेल का मैदान बन जाने पर गाँव की युवा प्रतिभाओं भटकना नही पड़ेगा। भदोही के युवाओ ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ी हैं। भदोही के यशस्वी जायसवाल, शिवम दुबे, ज्योति सिंह, महादेव प्रजापति, रिंकू सिंह जैसे कई खिलाड़ियों ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जनपद व प्रदेश का नाम रोशन किया हैं।

खण्ड विकास अधिकारी आलोक पांडेय ने कहा कि खेल मैदान सभी जरूरी सुविधाओं से लैस होगा, मैदान में स्टोर रूम, डायस, कुश्ती कोर्ट, वालीबाल कोर्ट, जिम कोर्ट, कबड्डी कोर्ट, रनिंग पथ आदि बनाया जाएगा। इस मौके पर एडीओ पंचायत मनोज मौर्य, आदित्यनारायन पांडेय, ग्राम प्रधान राजमणि पांडेय, विशाल, अमित, पवन मिश्र आदि बहुत से लोग मौजूद रहें।

जिलाधिकारी ने नवाचार पहल ग्राम ज्ञानालय का किया शुभारंभ

ग्रामीण छात्रों के सपने को डीएम ने ग्राम ज्ञानालय से दी नई उड़ान

ग्राम ज्ञानालय बीरापट्टी में बीईओ आशीष मिश्रा ने किया उदघाटन

जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने महजूदा का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ फीता काटकर किया उदघाटन

जनसंदेश न्यूज

ग्राम पंचायत सागररायपुर ज्ञानालय में उपस्थित होकर बच्चों व अभिभावकों से बात चीत करते डीएम गौरांग राठी

बीरापट्टी में ज्ञानालय के उद्घाटन के बाद ग्रामवासियों को पुस्तकों की उपयोगिता के विषय मे बताते बीईओ आशीष कुमार मिश्रा

भदोही। उत्तर प्रदेश में भदोही जिलाधिकारी गौरांग राठी द्वारा शनिवार को नवाचार पहल ₹ग्राम ज्ञानालय₹ का शुभारंभ किया गया। प्रथम चरण में जनपद के कुल पचास ग्राम ज्ञानालय का उद्घाटन जिलाधिकारी गौरांग राठी व मुख्य विकास अधिकारी यशवंत कुमार सिंह द्वारा ग्राम पंचायत सागररायपुर वि.ख.डीघ में ग्राम ज्ञानालय में उपस्थित होकर उद्घाटन किया गया।

ग्राम ज्ञानालय में उपस्थित व वर्चुअल माध्यम से छात्र छात्राओं को जिलाधिकारी ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु मार्गदर्शन दिया। इस अवसर पर सभी ग्राम ज्ञानालयों में एक मोटिवेशनल वीडियो का प्रसारण भी दिखाया गया। विकास खण्ड औराई, भदोही, ज्ञानपुर में सम्बन्धित विधायकगण एवं ब्लाक प्रमुख द्वारा ग्राम ज्ञानालय का उद्घाटन किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने ग्राम ज्ञानालय महजूदा का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी सुरियावां आलोक पांडेय, एडीओ पंचायत मनोज कुमार मौर्य, ग्राम प्रधान राजमणि पांडेय सहित गांव वासी मौजूद रहें।वि.ख.अभोली व सुरियावां में मा.ब्लाक प्रमुख द्वारा उद्घाटन किया गया।

भदोही के बीरापट्टी में ज्ञानालय का उद्घाटन खण्ड शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार मिश्रा ने ग्राम प्रधान व ग्राम सचिव धर्मेंद्र पाल व ग्रामवासियो की मौजूदगी में किया। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने बताया कि प्रत्येक ग्राम सभा में छात्र-छात्राओं के लिए ग्राम ज्ञानालय की स्थापना कर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं एवं रोजगार के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मुख्य विकास अधिकारी यशवंत कुमार सिंह ने बताया कि इसी साल दिसंबर तक लगभग 400 ग्राम ज्ञानालय का संचालन शुरू हो जाएगा तथा अगले वर्ष तक पूर्ण रूप से सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम ज्ञानालय संचालित होगी। उन्होंने सभी ग्राम प्रधानों व सचिवों को निर्देशित किया कि वे ग्राम ज्ञानालय का शत प्रतिशत सफल संचालन सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी की अपील पर लेखक व प्रोफेसर सौरभ चौबे ने अपनी लिखित इतिहास, कला व भारतीय संस्कृति से संबंधित 25 किताबों को सप्रेम भेंट किया। जिला सूचना अधिकारी डॉ. पंकज कुमार द्वारा 50 किताबों को सप्रेम भेंट करते हुए छात्र छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के विषय वस्तु से अवगत कराया।

दो सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन होना तय

ज्ञानपुर। जिला योजना समिति (डीपीसी) के तीन सदस्यों के चुनाव के लिए शनिवार को कलेक्ट्रेट में गहमागहमी के बीच चार उम्मीदवारों ने नामांकन किया। एससी और अनारक्षित पर एक-एक जबकि ओबीसी की एक सीट पर दो प्रत्याशी ने नामांकन किया। इससे दो सीटों पर निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है, सिर्फ औपचारिक घोषणा बाकी है। एक सीट पर दो प्रत्याशियों ने पर्चा भरा है, हालांकि 21 जून को नाम वापसी के बाद ही तस्वीर साफ होगी। 25 जून को जरूरत पड़ने पर मतदान और मतगणना होगी। पंचायत और निकाय चुनाव के बाद जिला योजना समिति के सदस्यों का चुनाव होता है। सात निकायों में मात्र तीन सीटों के लिए निर्वाचित 116 सदस्य मतदान करेंगे। शनिवार को कलेक्ट्रेट के न्यायालय उप संचालक चकबंदी कार्यालय में सुबह 11 बजे से उम्मीदवार और उनके समर्थक पहुंचने लगे। दोपहर तीन बजे तक सामान्य महिला सीट से एक, एससी सीट से एक, पिछड़ी सीट से दो प्रत्याशियों ने नामांकन किया। एआरओ उप निदेशक कृषि डॉ. अश्वनी सिंह ने बताया कि नामांकन पत्रों की जांच में सभी वैध मिले। 21 जून को नाम वापसी होने पर स्थिति स्पष्ट होगी। अगर एक सीट पर दो प्रत्याशी लड़ेंगे तो मतदान की जरूरत होगी अगर कोई नाम वापस लेगा तो निर्विरोध होगा। उनके साथ एआरओ सहायक अभियंता आरईएस अतींद्र केसरवानी भी रहे।

जनपद के सभी विद्यालय में मनेगा योग दिवस

ज्ञानपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र नारायण सिंह ने जनपद के समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया है कि नौवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सम्बंधित प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालय योग दिवस के एक दिन पूर्व खुलवाकर साफ सफाई करवाकर साफ सफाई कराये। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

जनसंदेश टाइम्स प्रा.लि.के लिए **प्रवीण कुमार कुशवाहा**, सी 28 /121, तेलियाबाग, प्रथम तल, वाराणसी से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।
प्रधान सम्पादक - सुभाष राय
स्थानीय सम्पादक -प्रवीण कुमार कुशवाहा
पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
फोन नं. 8177008889
आरएनआई नं. **UPHIN/2012/46221**
डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्ल्यू / एनपी - 78/2011-13।

आखिर धाम कब बनेगा जगन्नाथ मंदिर

काशी की जनता की निगाहें पीएम व सीएम पर टिकी

केन्द्र व प्रदेश सरकार की इस प्राचीन मंदिर पर कब होगी कृपा

कभी 52 बीघे में फैला था यह मंदिर परिसर, अब सिमट कर रह गया

अनूठी है काशी के जगन्नाथ मंदिर की स्थापत्य कला

राधेश्याम कमल

वाराणसी। काशी का अति प्राचीन अस्सी स्थित जगन्नाथ मंदिर काशी विश्वनाथ धाम की तरह पुनर्रोद्धार का बाट जोह रहा है। विश्वनाथ धाम की तर्ज पर जगन्नाथ मंदिर आखिर कब बनेगा जगन्नाथ धाम इसको लेकर काशी की जनता की निगाहें पीएम नरेन्द्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ पर टिकी है। केन्द्र व प्रदेश सरकार की कब इस मंदिर पर नजरें इनायत होगी। क्या यह प्राचीन मंदिर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री व वाराणसी के लोकप्रिय सांसद नरेन्द्र मोदी की काशी को लेकर तमाम महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का हिस्सा नहीं बन सकता। इसको लेकर हर किसी की आस लगी हुई है। कभी 52 बीघे में फैला हुआ यह प्राचीन मंदिर अब सिमट कर रह गया है। अगर यह मंदिर जगन्नाथ धाम बनेगा तो इससे पर्यटन को और भी बढ़ावा मिलेगा। हालांकि राज्य सरकार की योजना के तहत पाथन पथ के तहत इस मंदिर का सुंदरीकरण किया गया है। अर्न्तगृही पंचक्रोसी यात्रा के दौरान सबसे पहले अगर कोई मंदिर पड़ता है तो वह जगन्नाथ मंदिर है। इसके चलते इस मंदिर का और भी पौराणिक महत्व है। यह मंदिर स्थापत्य कला का अनूठा मंदिर है। जगन्नाथ मंदिर के पूरब दिशा में अस्सी नदी प्रवाहमान थी। जानकारों की मानें तो जगन्नाथ मंदिर की चौहद्दी कभी 52 बीघे में थी। पहले यहां पर चुनिंदे लोग ही रहते थे। यहां पर मंदिर के पुजारी भोग लगाने वाले सेवादार के अलावा दो-तीन परिवार ही निवास करता था। यह मंदिर परिसर तीन आंगन का है। दो आंगन पार करने के बाद मंदिर का गर्भगृह है। पहले आंगन में चंदनकुंड और इससे सटे हुए उत्तरी भाग में एक शिव मंदिर है। पहले यहां कटहल व आम का बगीचा था। कालांतर में सारे पेड़ ढह गये। लेकिन अभी भी पीपल का पेड़ विद्यमान है। तीसरे भाग में गर्भगृह में प्रवेश करते ही मंदिर के निर्माणकर्ता ब्रह्मचारी जी जिन्होंने मंदिर का निर्माण किया था उनकी समाधि है। वर्तमान में मंदिर के पुजारी पं. राधेश्याम पांडेय हैं।

छायाः शंकर चतुर्वेदी

भगवान जगन्नाथ की मूर्ति पर लगायी जाती है गणेशजी की आकृति

भगवान जगन्नाथ की मूर्ति पर गणेशजी की आकृति लगायी जाती है तब पूजा प्रारंभ होती है। रथयात्रा मेले में पूजा का प्रारंभ गणेश जी की आकृति लगा कर की जाती है।

भगवान गरुण की मूर्ति है विराजमान

मंदिर में पाषाण के बने हुए साढ़े चार फीट की भगवान गरुण की मूर्ति है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर एक विशाल घंटा लगा था जिसे बजाने के बाद ही लोग मंदिर में प्रवेश करते थे। यहीं पर गरुण भगवान की एक छोटी मूर्ति है। इसके बाद मंदिर का मंडप (प्रसाद) है। इसके बाद गर्भगृह में पांच फुट ऊंचे पाषाण के सिंहासन पर प्रभु जगन्नाथ, बहन सुभद्रा व भ्राता बलभद्र की काष्ठ की मूर्ति विराजमान रहती है। गर्भगृह में ही लक्ष्मीजी विराजती हैं। भगवान जगन्नाथ के सिंहासन के चारों तरफ आकर्षक कलाकृति है। इसमें लताएं व यक्ष-यक्षिणी आदि हैं। मंदिर के चारों कोनों पर लक्ष्मीनारायण, श्रीकृष्ण, कालियानाग, रामदरबार हैं। इसमें उत्तर पश्चिम कोने पर लक्ष्मीनारायण, पूरब उत्तर में श्रीकृष्ण, पूरब दक्षिण में कालियानाग, पश्चिम दक्षिण में राम दरबार की मूर्तियां है।

नृसिंह भगवान की भी है मूर्ति

मंदिर के गर्भगृह के ठीक पीछे नृसिंह भगवान की मूर्ति है। दो शिखर वाले इस मंदिर में पहला शिखर भगवान जगन्नाथ का जबकि दूसरा शिखर नृसिंह भगवान का है। सभी पाषाण की मूर्तियां हैं। यहां पर पहले कभी त्रिजटा देवी की भी मूर्ति थी। जो कालांतर में नहीं है। मंदिर के गर्भगृह के दक्षिण- पश्चिम कोने पर कुआं है। इसी कुएं के जल से भगवान जगन्नाथ के भोग राग की व्यवस्था की जाती है। नृसिंह भगवान के ठीक पीछे भोग प्रसाद बनाने के लिए रसोईघर है। गर्भगृह के ठीक नीचे अंडरग्राउण्ड (भूमिगत) है। बीमार होने पर भगवान जगन्नाथ इसी जगह पर विश्राम करते हैं।

नीम की लकड़ी से निर्मित होती हैं मूर्तियां

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा की मूर्तियां नीम की लकड़ी से ही निर्मित होती है। मूर्तियों की प्रतिस्थापना 8वें, 12वें या 19वें साल में की जाती है।

भगवान जगन्नाथ के रथ की हो रही सफाई

भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा जिस रथ पर विराजमान होते हैं उसकी साफ सफाई चल रही है। यह रथ कभी रथयात्रा चौराहे पर खड़ा रहता ता। बाद में सड़क चौड़ीकरण के दौरान इस रथ को यहां से हटा कर शहीद उद्यान (सिगरा) में रख दिया गया। यह एकमात्र रथ है जिसमें कई पहिये लगे हुए हैं।

डोली पर सवार होकर मनफेर के लिए गलियों में निकलेंगे प्रभु

परम्परा

18 जून से भक्तों के लिए खुलेगा मंदिर का पट, 19 जून को निकलेगी डोली यात्रा

20 से 22 जून तक चलेगा रथयात्रा का लक्खा मेला

वाराणसी। काशी के लक्खा मेलों में शुमार रथयात्रा का मेला 20 जून से 22 जून तक लगेगा। भगवान जगन्नाथ 18 जून से भक्तों को दर्शन देंगे। इसके साथ ही मंदिर के कपाट भी आम श्रद्धालुओं के लिए खुल जाएंगे। भगवान जगन्नाथ डोली पर सवार होकर मनफेर के लिए काशी की गलियों में भ्रमण के लिए निकलेंगे। भक्तों के प्रेम में सहस्त्रधारा स्नान के बाद बीमार होकर भगवान जगन्नाथ अभी आराम कर रहे हैं। 18 जून से भगवान भक्तों को दर्शन देंगे। भगवान जगन्नाथ की डोली यात्रा 19 जून को निकलेगी और 20 जून से रथयात्रा का मेला आरंभ हो जाएगा। काशी के लक्खा मेलों में शुमार रथयात्रा का मेला 20 जून से 22 जून तक लगेगा। 19 जून को भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा डोली पर सवार होकर नगर भ्रमण के लिए निकलेंगे।

इन मार्गों से गुजरेगी डोली यात्रा

जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट के सचिव दीपक शापुरी के अनुसार डोली श्रृंगार के बाद भगवान के विग्रह को डोली में विराजमान कराया जाएगा। इसके बाद डोली यात्रा जगन्नाथ मंदिर अस्सी चौराहे से दुर्गाकुंड, नवाबगंज, राममंदिर, कश्मीरीगंज, खोजवां, शंकुलधारा, बैजनत्था, कमच्छा से पंडित बेनीरामबाग पहुंचेगी। शाम को रथयात्रा के सामने प्रभु के रथ की पूजा एवं आरती होगी। इसके बाद पं. बेनीरामबाग से श्री पंचमुखी हनुमानजी की पूजा और आरती के बाद रथ निराला निवेश के लिए प्रस्थान करेगा। मध्य रात्रि के बाद ठाकुरजी के विग्रह को रथ पर विराजमान कराया जाएगा और श्रृंगार होगा। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया 20 जून को आरती के साथ भगवान का दर्शन पूजन आरंभ हो जाएगा। प्रातः नौ बजे छौंका, मूंग चना, पेड़ा, गुड़ व देसी चीनी के शर्बत का भोग लगाया जाएगा। अपराह्न 12 बजे भोग व आरती के पश्चात पट बंद होंगे। अपराह्न में आरती के साथ दर्शन आरंभ होंगे। मध्यरात्रि में आरती के बाद पट बंद हो जाएंगे। 21 और 22 जून को भी दर्शन, पूजन और आरती का सिलसिला चलेगा। 22 जून की मध्यरात्रि के बाद पंट बंद हो जाएगा और कार से भगवान के विग्रह को अस्सी स्थित मंदिर पहुंचाया जाएगा। 23 जून से मंदिर में भगवान को सिंहासन पर विराजमान कराने के बाद आरती के साथ ही दर्शन भी आरंभ हो जाएंगे। वहीं रथ को शहीद उद्यान स्थित रथशाला में पहुंचाया जाएगा।

एनसीईआरटी पर विवाद जारी, समर्थन में कई कुलपति

आमने-सामने

कहा, किताबों से नाम हटाने का अनुरोध प्रोपेगंडा भर है

एनसीईआरटी की किताबों से नाम हटाने से जुड़ा विवाद जारी है। योगेंद्र यादव और सुहास पालशिकर के बाद एनसीईआरटी के 33 सलाहकारों ने किताबों से अपने नाम हटाने के लिए एनसीईआरटी को पत्र लिखा। इसके बाद देशभर के कई विश्वविद्यालयों के कुलपतियों समेत 73 शिक्षाविदों ने एक बयान जारी कर इसे गलत प्रोपेगेंडा बताया है। बयान पर हस्ताक्षर करने वालों में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, तेजपुर विश्वविद्यालय, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, , झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची विश्वविद्यालय, बैंगलोर विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के कुलपति शामिल हैं। इनमें एनआईटी जालंधर के निदेशक, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईएम काशीपुर के अध्यक्ष, आईसीएसएसआर सचिव और एनआईओएस अध्यक्ष भी शामिल हैं।

जारी एक बयान में कहा गया है, जिन लोगों ने अपने नाम हटाने की बात की है उनका उद्देश्य मीडिया अटेंशन पाना है और वो भूल गए हैं कि किताब लोगों की सामूहिक बौद्धिक जुड़ावों और कठोर प्रयासों का नतीजा है। बयान में लिखा गया, जहां तक यह तय करने का सवाल है कि कौन अस्वीकार्य है और क्या स्वीकार है, तो प्रत्येक नई पीढ़ी को मौजूदा ज्ञान आधार में कुछ जोड़ने/हटाने का अधिकार है। उन्होंने मांग की कि छात्र समकालीन विकास और शैक्षणिक उन्नति के साथ नई पाठ्यपुस्तकों के बजाय 17 साल पुरानी पुस्तकों से पढ़ना जारी रखें, यह बौद्धिक अहंकार को उजागर करता है। अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के चक्कर में वे देश भर के करोड़ों बच्चों के भविष्य को खतरे में डालने के लिए तैयार हैं, जबकि छात्र नए पाठ्यपुस्तकों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, ये शिक्षाविद लगातार बाधाएं पैदा कर रहे हैं और पूरी प्रक्रिया को पटरी से उतार रहे हैं। यूजीसी के चेयरमेन जगदीश कुमार ने कई ट्वीट कर अपना नाम वापस लेने की मांग करने वालों की आलोचना की। उन्होंने लिखा, हाल के दिनों में, पाठ्यपुस्तकों को संशोधित करने के लिए एनसीईआरटी पर कुछ शिक्षाविदों द्वारा किए गए हमले अनुचित हैं। संशोधन सिर्फ. वर्तमान किताबों में नहीं किए गए हैं. एनसीईआरटी पहले भी समय-समय पर पाठ्यपुस्तकों का संशोधन करता रहा है। एनसीईआरटी को अपनी पाठ्यपुस्तक सामग्री के रैशनलाइजेशन का पूरा अधिकार है। एनसीईआरटी ने बार-बार कहा है

कि किताबों में संशोधन विभिन्न अलग अलग स्टेक होल्डर के सुझावों के बाद किया जाता है। इसलिए शिक्षाविदों के हो हल्ला का कोई मतलब नहीं है। उनके बड़बोलेपन के पीछे शैक्षणिक कारणों से अलग उद्देश्य प्रतीत होता है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्याल की प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉक्टर सुषमा यादव का हस्ताक्षर भी इस पत्र पर है। उनका कहना था कि एनसीईआरटी पूरी निष्पक्षता से काम कर रही है। समाज विज्ञान गणित तो है नहीं कि दो और दो चार होते हैं, समाज विज्ञान में समझ होती है, पर्सपेक्टिव होते हैं, इंटिप्रिटेशन होते हैं। एक दृष्टि से लिखा हुआ इतिहास, राजनीति और समाज विज्ञान अच्छा नहीं होता. विद्यार्थियों को पूर्ण दृष्टि मिलनी चाहिए, पूरा सत्य मिलना चाहिए. इसके लिए बदलाव हो रहे हैं, तो वो कह रहे हैं कि नाम हटा ले। या तो उन्होंने जो लिखा है वो उसको पुष्ट कर दें, ऐसा नहीं है और अगर नहीं वो चाहते हैं तो फिर उनका नाम हटा देना चाहिए, इसमें कोई बुराई नहीं है, लेकिन समाज और इतिहास का सत्य सामने आने से परेशानी क्यों होनी चाहिए। पक्षपात के आरोपों पर वो कहती हैं कि पुरानी पुस्तकें मौजूद हैं, नई जब आ जाए तो पढ़े लिखे लोग दोनों को देखकर तय कर लें कि पक्षपात है या नहीं। महात्मा गांधी सेंट्रल यूनिवर्सिटी, बिहार के वाईस चांसलर प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव भी बयान जारी करने वालों में शामिल हैं। वो कहते हैं कि एनसीईआरटी में होने वाले बदलाव स्वाभाविक है, जो कि समय के साथ होते हैं। हमें लगता है कि एक कमेटी ने इस पर काम किया है, अध्ययन किया है और जो बदलाव किए गए हैं वो साक्ष्य और सत्य पर आधारित है. कुछ चीजें जो किताबों में नहीं थीं, उन्हें जोड़ा गया है, और कुछ चीजें जो जरूरत से ज्यादा थीं, उन्हें कम किया गया है, किसी भी चीज को पूरी तरह से हटाया नहीं गया है। एनसीईआरटी पर सरकार के प्रभाव पर वो कहते हैं कि सरकार का इस संस्था पर कोई प्रभाव नहीं है।जेएनयू की वीसी शांतिश्री धुलिपुडी पंडित का कहना था कि इसमें कोई राजनीति नहीं है..ये रैशनेलाइजेशन के तहत किया गया है...ये पूरी प्रक्रिया राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत है। उन्होंने कहा कि समय समय पर पाठ्यक्रमों में बदलाव होते रहे हैं और कई चीजों को लेकर गलत जानकारियां फैलाई गई हैं।

बाबा की शरण में....

बीसीसीआई की चयन समिति पूर्व अध्यक्ष और भारतीय टीम के पूर्व हरफनमौला क्रिकेटर चेतन शर्मा काशी की यात्रा पर हैं। कुछेक निजी कार्यक्रमों में भाग लेने के अलावा उन्होंने शुक्रवार को गंगा आरती देखने के लिए घाट का रुख किया था और शनिवार को दिन में एक समारोह मे लाइवटाइम एचीवमेंट पुरस्कार ग्रहण करने के बाद शाम को बाबा विश्वनाथ का दर्शन किया।

...आखिर क्यों फुंक रहे हैं ट्रांसफॉर्मर

जितेंद्र श्रीवास्तव

बड़ा सवाल

बनारस, चंदौली, गाजीपुर और जौनपुर में तीन माह में फुंक गये औसतन 2000 ट्रांसफॉर्मर

बचाव के सुझावों पर अमल नहीं, एक दर्जन से अधिक स्थान जूझ रहे ट्रांसफार्मर संकट से

वाराणसी। क्षमता से अधिक लोड, समय से आयलिंग का चेक न किया जाना, लोड का बैलेंस न होना और रखरखाव कार्य में लापरवाही बिजली ट्रांसफॉर्मरों की सेहत खराब होने या जलने के मुख्य कारण है। ट्रांसफॉर्मर फुंकने या डैमेज का कारण जानते हुए भी विभाग समस्या की मूल वजहों को दूर करने के प्रति गंभीर नहीं दिखता। पूर्वांचल विद्युत विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक शंभु कुमार के लाख गरजने के बावजूद इलाकाई एसडीओ, जेई और लाइनमैनों की सेहत पर फर्क नहीं पड़ रहा और ट्रांसफॉर्मर लगातार क्षतिग्रस्त होते जा रहे हैं। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ट्रांसफॉर्मरों को बराबर चेक करने के लिए जिम्मेदारी इलाकाई अवर अभियंता की होती है पर वह ऐसा नहीं करते। कनेक्शन देते समय जेई यह ध्यान नहीं देते कि जिस ट्रांसफॉर्मर से उपभोक्ता को बिजली देने जा रहे हैं, वह अधिभारित है अथवा नहीं। जेई को यह पावर है कि ट्रांसफॉर्मर अधिभारित होते ही वह उसकी क्षमतावृद्धि के लिए तत्काल प्रोजेक्ट बनाकर विभाग को दे, लेकिन इस मामले में बेहद लापरवाही बरती जाती है और 'दो पैसे की चाहत में' सब रिपोर्ट बैठे बिठाए ही लगा दिये जाते हैं। उनका कहना है कि वितरण ट्रांसफॉर्मर पर अधिकतम 70-80 फीसदी ही लोड दिया जा सकता है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। ट्रांसफॉर्मरों पर मनमाने लोड डाल दिये जाते हैं। यहां तक कि फेसवाइज भी चेकिंग नहीं की जाती है कि लोड बैलेंस या अनबैलेंस। ऐसे में ट्रांसफॉर्मरों का जलना तय है। विभागीय सूत्रों की मानें तो बीते तीन माह में बनारस, चंदौली, गाजीपुर और जौनपुर में औसतन 0000 ट्रांसफार्मर फुंक गये हैं। शहर और देहात में एक दर्जन से अधिक स्थान ट्रांसफॉर्मर जलने के कारण बिजली संकट से जूझ रहे हैं।

एमडी के इन निर्देशों की भी हो रही अवहेलना

1. प्रत्येक फेज की बैलेंसिंग करना।
2. ट्रांसफॉर्मरों के लोड को कम करना।
3. नये ट्रांसफॉर्मरों की गुणवत्ता चेक करना।
4. एलटी लाइनों के ढीले तारों को दुरूस्त करना।
5. न्यूट्रल एवं बॉडी की अलग-अलग अर्थिंग करना।
6. ट्रांसफॉर्मर से रिसते ऑयल को समय पर सही न करवाना।
7. ट्रांसफॉर्मर के एचटी साइड में उचित क्षमता का फ्यूज लगाना।
8. क्षतिग्रस्त होने से बचाने को कार्य योजना बनाकर ट्रांसफॉर्मर के एलटी साइड प्रोटेक्शन सुनिश्चित करना।

ट्रांसफॉर्मर फुंकने के अन्य कारण

1. ट्रांसफॉर्मरों पर मनमाना लोड देना। 2. क्वॉयल का ऑयल में डूबा न रहना। 3. एलटी लाइनों का आपस में टकराना। 4. प्रत्येक तीसरे महीने ऑयल चेक न करना। 5. एलटी लाइनों में फराटी का न बांधा जाना। 6. जगह-जगह एलटी एवं एचटी तारों का लूज होना। 7. जगह-जगह सेक्शन प्वाइंट पर जम्फर का लूज रहना। 8. समय पर ट्रांसफॉर्मर ऑयल का सेंट्रीफ्यूजिंग न करना। 9. अमूमन जेट क्लैप के जरिए स्टंड रॉड को न कसना। 10. फ्यूज बांधने के लिए मानक के अनुरूप गेज वाले तार को न लगाना। 11. लीड के जरिए दी जाने वाली आपूर्ति के लिए लगने वाले 'लॅग' और पीतल का 'स्टंड रॉड' का न लगाया जाना आदि।

नहीं की जाती यह जांच

1. उपभोक्ता ने कनेक्शन के लिए ऑनलाइन आवेदन के दौरान जो उल्लेख किया है, मौके पर उसके अनुरूप वायरिंग की गयी है अथवा नहीं।
2. कितने एम्पियर वाले तार से घर या दुकान की वायरिंग करायी गयी है, कितने एम्पियर का प्लग या प्वाइंट लगाया गया है, मानक के अनुरूप अर्थिंग की गयी है या नहीं आदि।
3. विभिन्न मोहल्लों में कटियामारी की चेकिंग बराबर नहीं की जाती। यह नहीं देखा जाता कि संबंधित ट्रांसफॉर्मर पर कटियामारी हो रही है या नहीं।
4. उपभोक्ताओं के वास्तविक लोड की समय-समय पर चेकिंग करना गंवारा नहीं समझा जाता। सूचना के बाद भी कार्यवाही करने से कतरा जाते हैं।

एक खेल यह भी

विभागीय सूत्रों की मानें तो ट्रांसफॉर्मर मरम्मत के दौरान भी खेल होता है। मरम्मत के दौरान ट्रांसफॉर्मर में मानक के अनुरूप न तो ऑयल भरे जाते हैं और न हीं क्वॉयल बदले जाते हैं। विभागीय वर्कशॉप में तो पुराने ऑयल की ही रिक्लेम कर पुनः ट्रांसफॉर्मर में भर दिया जाता है। इससे भी ट्रांसफॉर्मर फुंकते हैं। इतना ही नहीं, जितनी बार ट्रांसफॉर्मर की मरम्मत की जाती है, उतनी बार उसकी क्षमता भी घटती रहती है। लेकिन इस बात की परवाह किये बिना ही उस पर पुराने लोड दे दिये जाते हैं।